

॥६॥ श्रीगणेशमायेनमः॥ अथ हमीरा सो लिखते ॥
अमरपुरी बीरनलो कचचसतपकठनकराये ॥ अथ
श्रीनये सोमकबसकहाये ॥ जननी उद्धन अथ तरे
दपरेन आये ॥ अनिलकुडुततपननये ॥ च्यारिनुजाध
चाहि ॥ १॥ दोहा ॥ च्यारिनुजा आवदसहेत ॥ तिजपंजा
स्वंड सुरहरषकं पे असुर ॥ अतिहुतेन वषंडा ॥ २॥ य
राम आसापुरा ॥ ऐदोनेबरदाश ॥ गुरुचंप आपादई
नूअसुकुलचाहि ॥ ३॥ अमर असुरकुलमेति ॥ सुर
मावधाये ॥ राषसकं टिकदुसटा ॥ पहोमिपरहननमा
ध ॥ मंडलीक च्यारिचक्रवै ॥ ऐतेनये चुहांना ॥ सूर
तउदोतलै ॥ फिरैचक्रुदिसिआना ॥ ४॥ अथ मरथ
ला ॥ तहलोचक्रचलाये ॥ करारवरापेलीये ॥ जग
तिनेकराये ॥ ६॥ अतेनृपनवषंडके ॥ लसेपायकजे
॥ राजजोगदोनकरै ॥ अजेपालअजमेरि ॥ ७॥ चोपई ॥
॥ सलबीसकीरोडिजोडिजलमांदिधराये ॥ आनत
किरोडिबिलसिषरचअरषाये ॥ कोकोनयेन
लीअपनीअपनीठोरा ॥ आनूंबीसलदेनयेमंडल
नसिरमोरा ॥ ८॥ अतिधरासिरसेसकै ॥ षगबलिल
पंजा ॥ दुधीमांणिकरावकै ॥ सकतिसंनरामाई ॥
९॥ सुरनरमुनिसंकसहित ॥ अबहीआसिकादित क
राजनहचैसदा ॥ तुमसंनरीनरेसा ॥ १०॥ आदिछानअ
मिरिगाछा ॥ सांनरिनगरनिकास ॥ तवरमेटिदिलीतषत
नोराजप्रथीराज ॥ ११॥ पूरवपश्चिमदष्यएततराधरि
तआये ॥ शत्रीवंसश्रीआयसवसरनरहाये ॥ धनिम
सचुहानकेआसापुरासहाय ॥ शत्रीयतिपंतसाहि

जनपकरिलगायेयाये॥१३॥ रावसूरदोयबेरसाहिगोरी
गहिलगाये॥ नडलआलप्रमालमहोबधेतप्रसाये॥ राव
जैतकरलेगाहिअबओरकोउधरतनधीराप्रलादीन
सोजंगकोरेगा॥ सवदहमीरा॥ करिकेरावसूरसा
मसरलाये॥ जिनकेचहननचलेपदमकेआसनआये
॥ एकतासंपटतपकोरेजबप्रसतनयेमहैया॥ जबसंक
रसिंधोरकोराजइहोजैता॥ १४॥ जबमिलेनीलमछ
येपायलगिचचननुचारो॥ हमसेवगतुमप्राप्तदेआ
धीनतुमहारावनवावासीसबमिलेनरतीरयनको
डा॥ बारसनीअतीजतथिरच्येजैतगायन॥ १५॥
प्यारासेर॥ ११॥ वृक्षोतरपुष्पनप्रचयैसाधोदोष
छीरणअंनकरिबारास॥ पच्यसीराज॥ १६॥ चक्र
साचक्रंघोतकेकरकोनाहनकुघोरा॥ अबकधुरा
वहमीरको॥ बरनूगुननवघोना॥ १७॥ पहिलोसाहि
बसुमरीया॥ सबकोसिजनहारा॥ पाछेकहंदमीरगु
ना॥ गोहोसाहिसोसारा॥ १८॥ इजैसमरोसस्वतीपार
सुतबंधधीराप्रलादीनकलिजुगनये॥ सतजुगरा
वहमीरा॥ १९॥ कथूचवोनीबरदियो॥ कथूअपनीपु
धिअनुमान॥ कथूचचनसुनिंदक॥ कविगुनक
होवघोना॥ २०॥ सीससाहिपायेजरी॥ आदिज
नीअबिवाका॥ बरदेसरस्वतीमशीआलादीनह
रकेकंककथूगुनगशी॥ २१॥ जुगकीरतिजसवा
केरागसुरगजोरमीरा॥ नाथिरदहअनवदीनाए
रहहमीरा॥ २२॥ रातनवरदपदमा॥ नगुतपने
मगनीइंद्रासतडिगमोसुरतरतमोकसाध

इसहत सब देवता॥ देसराय कही ये बरस सहस्र तुम
पद मरषि रहो सरप की दिह॥ २४॥ ता स अंस सौ नये वे
होरि रिषिये ते न पाये॥ जनम जोग संजोग कर मकर
तार लिखाये॥ २५॥ जरये नये हमीरा॥ नये सूरदेउ क
रणये॥ महिमा साहि हमीरा॥ २६॥ गपारा सै चाली समे
११४॥ मकहादसी रसनी बारा॥ तजि विषहर की दि
ह॥ पद मरष्य पङ्कजे सुरपर॥ २७॥ अता नये ता अंस
सौ॥ महिमा साहि हमीरा॥ हजरत साहि अनाबदी दोय
जरवी सहमीरा॥ २८॥ काती पछिले पाषि॥ जहत मदाद
सी मुकल पष्य दिली जनम नयो॥ मोदी राव गढरण
धनवर परे॥ २९॥ चूप समात न नवन को॥ बंदी जनक
नीरा॥ परगट नये चुहान कुल॥ जनम तराव हमीरा॥ ३०॥
समे एक पतिसाहि॥ सिक्क कारखे ल नवन जा श्रुति
साहिके हसम सकल बत मंतर माई॥ डुरम साहिके स
गसौ सोबनाई नुलाई॥ लिषिया लेखन सिक्कामिते
जम हम साहि॥ ३१॥ असा कर संजोग डुरम दजरति बा
सर हाई॥ ओस मुद कर मुद कवसा नया मीर मति मंद
॥ सिरमारि करि मैष साहिकी रह्यो डुरम के संगी॥ ३२॥
नयो को पयतिसाहि रोसन ही अंग समाई॥ धरो सैष क
र जोर करो हजरत सन चाहे॥ पत साहि बचन हम उच
करो तुम्यत कबीरा॥ पारदन कुटन कबूलि करि॥ परीत रु
त कसीरा॥ ३३॥ सैष देउ कर जो डि॥ साहित नसन मुषच
ह॥ श्रुती हाजर परा॥ करो हजरत सन चाहे॥ ३४॥ डुरम व
चन हम उचरा॥ सुनि बेली पतिसाहि॥ पारदन प्रथम क
बूलि मुक्त पीष हम साहि॥ ३५॥ कहां हम कहां सैष

किन पगों म पठाया ॥ जुरीया जोग संजोग ॥ कर म करता
रतार लिखाया ॥ ३६ ॥ कहां फंद कहां पारधी ॥ रहत म्हाब
न पंडा ॥ तेष मिलै लिलाट के ॥ परत छाव जहां फंद ॥ ३७ ॥
॥ मुनि हजरति ऐब चन ॥ फिकर करि निज रे छियाई ॥
जाहु सेषत मति रहो ॥ अतीह सारी यत साही ॥ ३८ ॥
साहिब न अमि उचर ॥ सनिरे महि मायेष ॥ रसातु को
रषव ॥ चार घूंट चहुं देस ॥ ३९ ॥ कीन्ह कुत पराव कु
चधि हजरति कहतेरी ॥ ऐसी सेस कैसी स अंन हजरति
कहनेरी ॥ चारि घूंट चहुं देस मै घूनी कहां समई
तुम पासि कोरषव ॥ मुजे बली बतायो ॥ ४० ॥ तुम सौ बल
बुदा ॥ अर हजरति नही कोरी ॥ न लिखा मोही ॥
साहि पै मिटन कोरी ॥ ४१ ॥ सर नर हजरति सुं कहां अ
सामु नट कुण मूर ॥ दीसत मुह दुनीयां बिचो हजरति
कहं मीरा ॥ ४२ ॥ सेष कह कर जोरी ॥ जाह जारति कीयां
उं ॥ दिली बडुरि नही आय ॥ साहि को सी सनवांन ॥ ४३ ॥
अती अंत पतिसाहि की ॥ हजरति रुंन कोरी ॥ जुरे ज
ग सफर जंग जहां ॥ हम तुम मिलनां होई ॥ ४४ ॥ दिली ब
डिक रिचलि ॥ बडुरि नल टिनहि चाह ॥ मीरा बरु मिल
त पर धर पर मूरत ॥ ४५ ॥ बडुरि बचन समु चरो ॥ हजर
ति हस्त जिजाह ॥ कद मूरही पराव दमी के ॥ कैम का
की बर गाह ॥ ४६ ॥ फिर फुपांत मुलतान ॥ फिर डूं सब
हिंदवांन ॥ कास मेरा जरात ॥ पर देस बंगाल ॥ ४७ ॥
दसो दिसा फिस्त्राईये ॥ अब न पाय कै से करौ ॥ कद
सेष दमीर मौ ॥ अब तो सरणागत व बरु ॥ ४८ ॥ जब हसि
कह दमीर ॥ पुरख जोही बचन निजाव ॥ परे सी सध अ

यजबकोउलेजाव॥५२॥यथिमसूरजिगै॥बोलवच
 नफिरनोफिरौ॥हमीरावइमउचरतोहितिमजिसाके
 करौ॥५३॥अत्तादीनपतिसाहि॥सोतोअसैफुरमावे
 अतीसिसकेसीसअतिधरहननपावे॥५४॥नृपदेये
 दसौदेसके॥काहुमुषनहीनीरा॥करिसलाममहंमं
 साहिकहै॥मूसममिराध्याहमीरा॥५५॥तजैदेमरा
 दकोटा॥लोचजीवकोनहीहोइ॥अत्तादीनसोताग
 बाधिराषोसोहिकोइ॥५६॥नृपदेयेदसंदेसकेकोन
 धरतनधीरा॥अत्तादीनकंअंगव॥असाकोनहमीरा॥५
 ७॥पतिसाहिहृतरावहमीरपैजेजीया॥रावहमिरके
 हतआया॥हृतरावहमीरसंकदताह॥दोहा॥अत्ता
 दीनअलीया॥चहुदसिफिरतदुहाइ॥रावमेयमति
 राषोहृतवचनकहाइ॥५८॥निवतनमवलमोवावक
 रि॥कहोकोमुषसंचरा॥सोइहमीरकरीयनदीनोदिव
 डुरिजीवमुसकलियरा॥५९॥गयेदेवघरछाडि॥तेजके
 चनठहराय॥अत्तादीनपतिसाहि॥अग्निमेंतजसचा
 ये॥६०॥रावसमदविचिसाहिसां॥धरधरतनकेइरेय
 तीपतिसाहिको॥राषोअरागदोइ॥६१॥जातमुरनंज
 सारसव॥रावणगदिल्याये॥रामचंद्रदेमथेदिकाइ
 योछैसूषपाये॥६२॥मायरमारसदेतनही॥नदीकं
 पकोवीरापतिसादिनसेजंगकरि॥कोजीत्यानहमी
 रा॥६३॥रावहमीरपतिसाहिकाहृतमांकदतनये॥क
 हतहमीरमुतिहृतवचनमत्पअमत्पनहीनये॥नु
 तबिनअरतकोय॥मेयकोमरणगवे॥६४॥
 पतिसाहिसो॥जुरेजंगखंडोनदवाकदा

जायके॥रहीयोसेषरणयेनाठ॥६५॥बृहमीरके
 बनसुनिहतपतिसापैगयों॥मुनिहमीरकेबचनाहत
 दिलीदिसिधायो॥करिसलामहतसाहिबुं॥जोरिक
 रिमीमतवायो॥६६॥नतरदधिणपूरवपधिम॥सबैसेष
 फिरिषकीयो॥कोलबचनकीन्होंहमीर॥गाछरणत
 नवरराषीयो॥६७॥हतकेबचनमुनिपतिसाहिसुं
 जीरकताहै॥नजीरपतिसाहिसोंकहै॥समदरपरै
 गयोसेष॥चारहजरतिकीअननही॥चारहजरति
 कीअननही॥रावसेकौराष्यौरहतहजरतिहदमां
 ही॥६८॥अैसेबचनपतिसाहिसों॥हतबचनकहि
 वो॥होरगोफिरगो॥नहीतुमसुधिसेषकी॥तूषवरदार
 रनहीबेसवरि॥६९॥पतिसाहिनुजीरसोंकहताहै॥ज
 वपतिसाहिनुजीरसोंकह॥लिषदजरतिफुरमान
 उलटिएलचीपठायो॥हठमतिकरोहमीर॥चोरमति
 राषोपरायो॥मुलकमालचाहोजितो॥कहतसाहि
 सोलीजीये॥फुरमानबाचिहजरतिक्है॥चोरद
 मारादीजीये॥७०॥फुरमानपतिसाहिकौरावहमीरये
 पडुंच्यो॥जानप्रनलटोफुरमानलिह्यो॥हजरति
 फुरमानांवांचिकरिगवरिसाये॥महिमांसाहिनदेहु
 कौनहजरतिचछिआवो॥७१॥बाहबचनदेराषी
 यो॥करेकोलकबहिनफिरों॥अबअल्लादीनसा
 हिमों॥मारबाधिसनमुषलहं॥७२॥जबहुकौफुरमां
 नपतिसाहिलिह्यो॥जबहुजौफुरमानकोपमतिसा
 हिपठायो॥केतागाछरणयंत्ररावजिसपरगरवाये॥७३॥
 मदसौदिसाजीतकरि॥सबयायलगाये॥पतिसाहि

बचन ५५ उत्तर मै ग्रीलीयापीर ॥ महमासाहिनरघ
 ग्रीजं समहिदमीर ॥ ७५ ॥ हतके बचन सु निरावहमी
 कोप्यो ॥ तदिदुतदिलीगये ॥ पति साहि रं दूतनक
 तदिपतिसाहिकोपकरि फुरमां न दूठायो ॥ फुरमां
 बतिसं लिखो ॥ लिखि दीज्यो फुरमां ॥ कोपियति
 हि पंठायो ॥ तुमसे कि तेदमीर ॥ पकरि कै पाय लगाये
 ७६ ॥ पतिसाहिनमों तेगाह ॥ यदुहमीर दूठमतिव
 ॥ मिलो अयाग दसेषकें ॥ हं नू करि पायन परो ॥ ७७
 अपत्ता नवनहमीर ॥ कि नू पावक लेजरो ॥ अत्ता
 नपतिसाहिसों ॥ राखे बचन नुचारो ॥ ७८ ॥ करोरा
 रण्यं नक ॥ वहोरिहमीर दूठमतिकरो ॥ गिरपर
 तबित्तुगजर ॥ नीरपावक सों नदी जरै ॥ ७९ ॥ दधि
 देसनतर पछिस ॥ पूरब धरलीन ॥ कदमै लार करन
 त ॥ किन मुनसरनरकीन ॥ ८० ॥ मुन अत्ता वदी साहि
 कुन साहिसं जंगजुरै ॥ सुनिहमीरदरीयावकी ॥ को
 लितासरनरकर ॥ ८१ ॥ हमीर फुरमां न पतिसाहिकें
 लिख्यो ॥ जुग पावसों जरै ॥ नीरपावक नदी जरदी ॥ पुं
 अत्तादीन साहि ॥ काल विन को नन मरिदी ॥ ८२ ॥ सर
 राख्यो सेष दै ॥ मूरजितो लज्जा पर ॥ लिखिये बचन
 ॥ साहिकों न मसीस किं न पर ॥ ८३ ॥ घेर घेर फुरमां न
 हजरतियठायो ॥ याहि पकरि जो दे अ बरु रि को सर
 रहो वै ॥ ८४ ॥ पछिम मूरजित गवे ॥ नलटिगां वद
 रा ॥ कहीये दूत पतिसाहिसों ॥ यो दूठ दूत नदमी ॥ ८५
 दीयो पद मर धिराज ॥ करुं जव लगज्ज सोदी जो
 ॥ ८६ ॥ ममत ॥ पिने नोपे नो को ॥ ८७ ॥ को नदारी ॥

मिटे॥ अनिहोत बत ही होत॥ रुजिक मोल करतार बिन
यहनही साहि कै हात॥ ८७॥ हुतराव दमीर जे जे पति
साहिकन॥ मिलो साहि सो आश॥ जो रिकर सीसन वा
घो जे आच पति साहि॥ सारचो गांन समंज॥ ८८॥ अ
लादीन पति साहिके॥ लिमियराव कुरमान॥ महि
मा साहि अमीर को॥ लिषन दे कुचि तरांम॥ ८९॥ गां
ज मन दोनु नीरा॥ पछिम दिसन लटिज बदावा बच
न टेकन ही षडु॥ साहितुम सेमू आवा॥ ९०॥ रकत ने
न करि हत दसि॥ नाये बचन रिमाये॥ कहरावरण थ
न दि सि॥ करिये बेग पति साहि॥ ९१॥ हुतराव दमीर के
बचन सुनि पति साहिकन पडुं चो॥ दोहा॥ चलो ह
त मुराई दिली दि सि कीयो पयांनू॥ गछरण थं न ह
मीरा॥ साहिकी॥ संकन मनै॥ ९२॥ नये दे स दस मदी ब
सा॥ हरे सकल नर नारि॥ कै पति साहि अलाव दी॥ कै
प पति साहि दमीर॥ ९३॥ हुत दोनु कर जोरि॥ साहि
कौ सीसन वाघे॥ हठ छडन दमीर॥ पहि क्यो मुज पठावे
महिमा साहि दमीर दोनु तुम सो कही मलांम॥ जो क
शुलि प्रिया॥ दमीर साहिको पछि दे घो कुरमान॥ ९४॥
मुनि हत के बचन॥ साहि जब मन मुय चाह॥ किते करा
ज दमीर करा॥ हठ करि मोहि बुलाव॥ ९५॥ जतन जतन
समझाये॥ बचन बचन बडु बखे॥ दमीरा वचन
को॥ केतो दस मदल संग ले चढे॥ ९६॥ हजरति राव दमी
रा बहोत नांति समझाये॥ मुनि महिमा को नां ब रो स
करि रावरि माये॥ ९७॥ केतो मार न मेटिये॥ जीने
नही संजोग करि॥ दमीरा वचन॥ साहिको सोचनि

मधनकरै ॥ ११ ॥ पतिसाहिदूतकौं पूछे ॥ अरे हमी
रकै सो मान के तो कहै सो मुनसौ कहै ॥ सो दूत कहता
ह ॥ सतरि सहस लघतुरी ११०००० ॥ अब लघ अरसम
वा ॥ मद बहत गजराज प्रचीसै २५०० पटा मरारणत
न चरची तोराठ ॥ नल वराठ ॥ चालेर ॥ १॥ वहां नही डू
कम पतिसाहि को ॥ करै राज हमीर ॥ तुरि मुहस ५ क
तीस ३१००० ॥ अैसे गजराज समाने ॥ २ ॥ सुखी रदस
सहस १०००० ॥ ते ग ॥ का डू की नही माने ॥ ऐतौ हस म
रण धंन गढ ॥ ऐतौ रावरण धीर ॥ ३ ॥ दूत वचन ५ मनु चर
सो हजरति हठ करो न हमीर सौ ॥ ४ ॥ पतिसाहि दूत
न ॥ छै ॥ ऐरावत हमीर राज किस तर करता है ॥ महु जीद म
सीत मे टिहरि हरि मिंदर की ज्ये ॥ वंग निघा जन ही हो
ता ॥ कथा हरि श्रवण सुणि ज्ये ॥ ५ ॥ अस्ति सब दमुनि
त्यागिये ॥ सत्य के वचन सुधीरा कलि जुग आइ सक न
ही ॥ जहा लगिराव हमीर ॥ ६ ॥ अन अरु नीन सुं पुरं सार
हस करि मवन कोश ॥ पिता पुत्र ऐक ठा हरै छै ॥ सर नर न
ही होत ॥ ७ ॥ आं पुरष की असत्री ॥ ताको डारत मारि ज
हां जहां राज हमीर को ॥ तहा पति नरता नारि ॥ ८ ॥ रोज
बांग निघा ज ॥ कुरा न कल मान ही न लीये ॥ मुसल मां
न कानावा ॥ वहा कब डू न मुनीये ॥ ९ ॥ नही दी न दर
गाह ॥ साहि नही पकं चरपीर ॥ कल मां को न न कहु म
क ॥ जहा लगिराव हमीर ॥ १० ॥ दो लघ २००००० ॥ ब्रकंद
ज ॥ रहत चो की निति गछ की ॥ ११ ॥ सतरि तो परण धंन
गस्ज अस मान धरती ॥ १२ ॥ सहण सूत सार १००००० दस
लाख मण ॥ दोय सै मण धात बघांनीये ॥ क

दुतसाहिं॥ यामअस्तिजानंयि॥१२॥ ६००० षट्सह
 महारणयंन॥ सुषीसबदुषीनको॥ १३॥ सबहीअकर
 महारणकरलेतनको॥ १४॥ ता'लपचरणयंन
 गढ॥ नाहितवनकाधेव॥ सर्वनंदारसूनरनरो॥ ओर
 गणसगाछदेव॥ १५॥ मणहादसचुगोपेड॥ बनपंछी
 हेजाको॥ आंधाबिधअपंग॥ सबरावकैमोजिनपा
 य॥ १६॥ कहलोकहुंहमीरगुन॥ कहतनआवधेद
 ॥ दातारसूरहमीरसेतहीसाहिकैओर॥ १७॥ सवापं
 चनितिकनक॥ गणदाननितिदेह॥ अतिरावकैधैर
 साहिदिनगगतहीकीज्ये॥ १८॥ पारसिकीपदानि
 ति॥ मालनंदरनसंचर॥ हजरतिरावहमीरकी॥ ओरके
 ननसरनरकर॥ १९॥ बंदीजनदरबार॥ द्वारकोनबिरद
 बघान॥ पावदाननित्यदेत॥ मागतजनमुखसौमंगे॥
 ॥ २०॥ दातारसूरकलिजुगकरण॥ पुनचहुंदसिजस
 करेअतिप्रवीणविद्यामये॥ अस्तिबचननहीनुवर
 ॥ २१॥ पतिनरताकैधर्मी॥ अतिआमानितिसाधतांरणी
 ऐककैसुत॥ देवलराजिकबाररूपनिरत्नरबिरप्रथक
 नवरकरंगुजार॥ २२॥ काषबायनिकलंकजतीजोग
 आरनसाधत॥ ऐतेरावकबोहोबिडदा॥ माराहधेतनका
 डत॥ २३॥ राजनीतप्रजासुषी॥ अरमेततपरपीड॥ बरषअ
 उषैवीसदोयऐतीनुमरिहमीर॥ २४॥ गढप्रादरणयंन
 साहिनहीचहुंदसिशनं॥ बिनोइंद्रकोसीरावकहाले
 बिडदबघानं॥ २५॥ नवनंदरकुंमैरमे॥ जहारधिसिधि
 नोनिधि॥ हजरतिरावहमीरकैलोहाकंचनहीत॥ २६॥
 बीस२००००० महसघतनिकव॥ २००००० महदसकफ

गहनारीकरमार पुसबसंगन छाडत

७ जीपर वाणरण धेनका ॥ मुनिधेसाहिअवे ॥ प्रनसे
मांनहमीरकै ॥ ६११०००० ॥ इकसैठिलाबहजारदस ॥
२८ ॥ दोहा ॥ मालती मरवो कैवडो ॥ कंदली कैलिमुगो
धो ॥ चक्रुसिवागहमीरका ॥ जिनविचिआछरणधेना ॥ २
९ ॥ मुनिदुतकेबचन ॥ साहिजबसंकषायाइ ॥ करिअ
लावदीरोस ॥ सातकोपीपतिसादी ॥ ३० ॥ बहोतजन
नसमजाइये ॥ नलटिमछीतीरज्यो ॥ कोपबचनहजरति
कह ॥ जुरीयाजंगहमीरसूं ॥ ३१ ॥ पतिसाहिदूतकाब
चनमुनिकोपकीयोदसौदिसाकेनुमराव ॥ बुलाया
॥ अवेपतिसाहिघासानुमराव ॥ कोपकरिबुलाये ॥ दू
हमीरमुखसौकीये ॥ सेधराषिमारसमाये ॥ ३२ ॥ उत्रदि
चाणपूरवपछिम ॥ फिरहमारीआण ॥ कहतसाहिरणधे
नको ॥ कहहमीरचुहांत ॥ ३३ ॥ घरेअखीदीलितिमोर
सबहजरतिदिसिचाह ॥ अपनीअपनीमिसलि ॥ साहि
कौसीसनवाये ॥ ३४ ॥ कहतबचनसवसाहिसं ॥ कसि
रिमीरसलांम ॥ बेरबेरहमीररावकुं ॥ मतिनेजोफुरमांन ॥
३५ ॥ जजीरमरहरमघापतिसाहिसंअगलीबातकता
है ॥ पतिसाहिसुनताह ॥ पहलहसनकुसेन ॥ सपिदचु
हानचछिआये ॥ सातबेरप्रथीराज ॥ सादिगोरीगहलाये
॥ ३६ ॥ बीमलदेअजमेरिगावकेतिसाहिगहवसिकीये
करिसलांमपतिसाहिको ॥ महरमघांमनचर ॥ ३७ ॥ पीद
रसंघसिकार ॥ साइएकमतिजांनारणतनवरदिसिनु
लि ॥ साहिमतिकरोपयानूं ॥ ३८ ॥ मामूरणधेनाटातु
मअलावदीपीराअजमतिममरजरदोनु ॥ हजरति

रहमीर॥२॥ कालबूतकेसेषहजरतिबणिआवे॥
 अबषासाकरिषरा॥ नयेगरदनमरवावे॥३॥ घूनीपा
 सिहमीरके॥ जोततदुतीयंछरदीन॥ हजरतिरोसेबिस
 रीये॥ करीयेमांनकुंदनी॥४॥ पतिसाहिउजीरकाब
 चनसुनिफुरमावताह॥ हजरतिकहउजीरसुं॥ क्यामा
 रीहमीर॥ पलमपायलगायहुं॥ घूनीमहिमासाहि॥
 ५॥ उसदिलीगाहत्यानं॥ एकरावरणएंनका॥ ऐता
 क्याअलिमांत॥ कोपेसाहिनांनजब॥ दसौंदिमाफुर
 मांत॥६॥ पतिसाहिफुरमांनदसौंदिमाजेज्या॥ ज
 बदसौंदिमाका मीरआया॥ कोहोवामुलकपंजाब॥
 मीरघरेमुलतानी॥ लोदीपनीपठांतओरतगाहनअक
 वदवान॥ बरुराइचीघरेसबदलजोरि॥७॥ मयदमुगल
 बिलाइती॥ इकलषअदमघोर॥ बाइमीरबिलेचाधु
 रमीकायमघानी॥८॥ मदकेतिष्टबहलाम॥ मीरजादप
 रांती॥ किलानोरलाइरधीरइसबेजीआसांम॥ लोया
 यपतिसाहिकै॥ ऐतामुलकअसरांण॥९॥ घेरचहुंद
 सिदसौंदसा॥ कदोलेकरौचघांन॥ कोपेसबैहमीरपै॥
 मुसलमांतहीदवान॥१०॥ मिसरादेसघंदारा॥ घेराज
 नीलेआये॥ धुरकाबिलधुरसांन॥ कोपियतिसाहिवुल
 ये॥११॥ अरबीअरबअबदेल्दल॥ दिलीआयेतैजु
 रे॥ करिमलामपतिसाहिकै॥ करजोरैहजरैघरे॥१२॥
 रुससांमकासमीर॥ इरातुरादलअये॥ हबमीबिकम
 बदलघरे॥ जवसाहिरणएंनचलाये॥१३॥ गढकोटदे
 मपरलैकरौ॥ मुफ्तअलावदीतांम॥ हजरतिकहतह
 मीरकै॥ अबदेघनमुफ्ताह॥१४॥ सोरठागढगिरना

रि॥दधिणपूरवधस्जेते॥लगेसाहि कै पाया॥अलाअन
मिलेहजरतिसेते॥५३॥अलादीनयतिसाहियो॥को
करिमकगुमान॥हजरतिकहजुरिरि॥चलीयेदेसदि
दवान॥५४॥पतिसाहिसमस्तदेसकीफोजलेरणथे
नवरचलतनये॥साहिसनीश्रवारकोपिरणथंन
चलाये॥दसौदिसापायलाय॥साहिकौसनमुषमिल
ये॥५५॥पारामैइकसटिये११६१चैनमासचंदराज॥च
टीयेसाहिअलाबदी॥करिहमीरपरोसा॥५६॥घरीयेमीर
अमीरसबरणथंनदिसिधाये॥धरअंबरजथाय॥चल
तकोनुपंधनपावा॥५७॥बांधीतिगहमीरये॥जगतसाहिज
गदीसा॥सातलायहीहुहसम॥मुसलमानलखवीस॥५
८॥परमानयेतोहसमको॥डाकपेकदसमेहस१००००
षबस्विडुंदिसिकीलयाव॥बेलदारलख४००००००च्या
रि॥पोमेषनिनीरपावे॥मीरमीरकीमिसलियरि॥कल
फिरजसूला॥हिमतबहादरअलीषा॥दोइइरानीसहस
रा॥६०॥इकलखहाटिबजार१००००००दुनीयाबनीये।
योब्यापारी॥नटीहरेलख१००००००ऐकानानापक
दाननटीयारी॥घरबोगोरषचरदेवलविचले॥गस्ता पकाव
गरलख४००००००ऐतेहसमहोलसंगि॥हरवलहसम
अपारा॥६२॥दवागीरलख१००००००ऐक॥साहिकौदवा
मुनावलगरघोरीनितिबटे॥सज्जिकहजरतिकयावे
॥६३॥नरबिषीयारी१००००००दोयल्लख॥चलततोव
नकैताबीन॥ऐतेहसमयतिसाहिकौ॥कोपिययांक्री
न॥६४॥लखपैतालीस४५२०
दलप्रवान॥वाटघाटसौदिन४पत॥गिंगेत

न॥६॥॥इकमकीयाहमी॥सूरहजरतिदिसिधाये॥
 किला नोरकेमी॥महस१०००००दसधिसाये॥६॥मग
 लवारतिथपंचमी॥लगतोफागुणमांस॥पहलीराडिम
 लारण॥इजीन५बनास॥६॥लीनांसूरबुला५॥मेरीक
 रिरावरिसाये॥तुमनेज्येकिसकैगये॥इकमकरकि
 नपठाये॥६॥नापेबचनदमीरयम॥सबसूरनदि
 सिचाहि॥अबहजरतिकेदसमदिसि॥बडूरिनधरो
 पाव॥६॥फुरमानपतिसाहिपैहमीरनेनेज्ये॥
 नाकाघाटापतिहीबडूरिनदीबंधकरां॥दमतुमरे सा
 हसरीतसारणयंनसमान॥मेषगहनपतिसाहि
 कुंनेज्येपारावहमी॥७॥लीज्येसाहिअलावदी॥दो
 यकुबाणदसतीर॥घरेकिलेमदलकिते॥मनूंमेघ
 पावसरित॥७२॥चडुदिसिमीरअमी॥आपहजरति
 पिलचीपुरा॥नांकोउमुहमौजंगजुसा॥मुसलमा
 नहिदवान॥७३॥तेमुहमौबाडीबसा॥तेराकितान
 नमांत॥नहीमुरबीकोई॥रावतुमकौसमजाव॥७४॥
 सोमतिकेरेदमी॥बडूरिपीछेपछिताव॥गहरेसायर
 बीचतीरइते॥जीतिलगायेपाय॥७५॥कहहमीरक
 रतेगाहो॥कैकदमौमदिसासाहि॥चढोदीलीसुर
 कोपरावपरकरीसा॥७६॥दसजोजनप्रखानपरत
 दलधरनसमा॥चलतसाहिजबकुंचकरी॥सूरजिगि
 रदधिपार्श्व॥७७॥धनिधनिकहहमीरसौ॥अलादीनय
 तिसाहि॥सातबीसलखदसमा॥तीनलखिसूचलाये
 ७८॥पाचसहस्राजराजचलत॥एकसौएकसवाये॥
 दंसाहिले॥चछौकोपाछसौअरौ॥७९॥

रावहडहडहसै॥मानूएकदोडोपड्यो॥८०॥दसों
 दसाकेमलेश॥धरेआयेपतिसाहि॥कहहमीरमुन
 दिसा॥असोसोदागरसोसाहि॥८१॥फुरमानपतिसा
 हिराचहमीरयेनेज्यो॥ममकाकापीर॥दिलीसुरसाहि
 कहों॥मुसलमानहिंदवांनदोउएकराहचलां॥
 ॥८२॥चारिबीरचोइसपीर॥एतेरहमुनपासि॥महि
 मांसाहिहमीरराषिको॥अदिलबसाइहाथि॥८३॥फु
 रमानजुनदोहमीरपतिसाहिकोंनेज्यो॥हजरतितुम
 मकेकेपीरमैसूरलोककहां॥हमतुमएहसरीतिसारु
 रायेंनसमान॥८४॥जतथाडेजोगीनही॥सतथाडतर
 जपूत॥सेषनसौयोंसाहिकों॥जबलगसिरसाबूत॥८
 ५॥हजरतिअबनहीकरों॥डरअैसीहोआइमुसलमं
 चुहाना॥आदिअैसीचलिआइ॥८६॥मीरांअैपीरसे
 षिसेपेतअजमेरि॥असीसहैपरिऐकलवि॥८००००॥
 उलीमकागयेनफेरि॥८७॥असुरमारैअजपालाचइ
 दसिचक्रचलाये॥बीसतदेअजमेरि॥पायपंडितकै
 लगाये॥८८॥प्रथमराजगोरीगह्यो॥आहिदीयाकर
 देचूरी॥एतेसेषपरिहठकीयो॥साहिवुधिकीनहरी
 ॥८९॥मिलेसहजोसूरा॥मिलेनुदियाअसतराह॥उ
 डिगिनसेतआकास॥आयनोलैगतिपहोमियर॥९
 ०॥हहमीरतोननतजै॥मुनिदिलीसुरसाहि॥पहली
 सीसहमीरको॥पीछेमहिमांसाहि॥९१॥धरअंबराधि
 किआइ॥साहिधिररहनको॥गायजसोधनदसक
 धसै॥करनअजनसेको॥९२॥सह
 यनह...

वदी॥याधरपरिजेत्रजधूलि॥॥अपनसूरकहाया॥अ
रनहीकापरगिनीये॥अपनोजसमुषत्राये॥सादिक
बहुनेहीननीये॥॥३॥लिष्येल्लेखकरतारसे॥हजरति
मिटनको॥॥कोजांनरणथंनगाढ॥हजरतिकेसीहोय
॥॥४॥हमीरहठतजैनही॥जबपतिसाहितजबीजैराडि
कैसेकरनी॥तीतसहसनीसांन॥धुरतचंवररजथहा
॥॥५॥रणतनवरचक्रवोरापहोयपहोमीपरदलनस
मा॥चक्रदिसिसादिअत्तावदी॥बचनरेकमुषचवर
॥देखोकुबधिहमीरकी॥एकसेषकैकाजिमुक्तिसेफिरे
॥॥६॥पतिसादिकैरावहमीरकैएबाताडुई॥अब
रावहमीरसदासिखकीसूतिकरताहे॥गटरणथंन
हमीरदोनसंकरसिरनवांन॥अबैसादिकिनकरो॥
सातकोपीपतिसादी॥॥७॥गजपतिकोध्यानधरि
॥उचरतबचनहमीर॥राखेअबरणथंनगाढ॥बूडत
हेबिततीर॥॥८॥सातबीस२७००००००लखिहसमे
संगलेहजरतिआये॥तुमारैमेजप्रतापसेषहमसरन
रहाये॥॥९॥होआधीनहमीरकहा॥करीयेमदितम
हिसा॥आयेसादिकिअत्तावदी॥दसोदसकेमले॥॥१०॥
॥हमीरकीसूतिसूतिसदासिखकहाताहे॥द्वादसपर
रहोयवरस॥रावतोहिविघननको॥जबरासेमैबसए
क्रमसाकोहो॥॥११॥एकदसीअसाहबदि॥मुष्यनक्ष
त्रवै॥॥१२॥संकरकहाहमीरसो॥गहोसादिसोसार॥
॥१३॥सुनिसंकरकेबचन॥रावकरसारसमाये॥जबह
मीरकेबचन॥रहेसरणधीरकहाये॥॥१४॥जोकाकेकन
वजकरी॥सोअबजांणिहमीर॥परपहोमिअत्तावदी

जापीष्टेरणधीर॥४॥हमीरणधीरमोवातकही॥पद
लंजंगपतिसाहिमोंहमीरदांफिर॥जवदमीरणधीर॥
साहिदिसिमनमुपध्याये॥पाअजमतिअमलअरुणि
प्रथमिदापपहोमिमिलाये॥रथ्राकरिदमीरकी॥मेक
रसकतिअरनोन॥क्षअमीमदेसमवान्नपयोगननप
हसचुहान॥७॥नयोदफमचदममन॥मिदिगंयमीर
अमीरा॥कोरेयादिसतिमादिजवागजनी॥गाथकेमीरा॥
८॥चंगतरपापरदोपअगअवदपचमंज॥कीयाअरु
मपतिसादिजवाचंदलंचडेदिमिचजे॥९॥अयकेप
हमीरण॥गर्दतिगणधीर॥वीपमदमपारदममंज॥अ
रवाजीदषांमीरा॥१०॥नयोमोचनीविमादिक॥जीन्या
जंगदमीरा॥मातवीपनपिदममंज॥जुलमर्फीयाग
धीर॥११॥रणधीरमंदनरजंगअगिगदपडंछा॥चनीरण
तिसादिमोवातकहनादि॥कोरमदममंज॥गीमादिक॥
पचनकहस्य॥निच्छागदमीर॥मेपादकादंन्या
ये॥कसिमलानपतिसादिक॥अरुतल्लननीग
गर्दतिगपतिसादिमों॥वदिमतिननंजदमीरा॥१३॥अ
जंगदगदिमुदिमीमपदिदुदुदुदुदु॥गददियद
चंडेग॥फेतिथीजंगद॥१४॥ताणदल्लन
वडी॥अरुमिमिलमममिदरि॥अअरुदियदमीर
की॥चंडाजदियद॥१५॥अरुतल्लननीग
१६॥अरुतल्लननीग॥१७॥अरुतल्लननीग
१८॥अरुतल्लननीग॥१९॥अरुतल्लननीग
२०॥अरुतल्लननीग॥२१॥अरुतल्लननीग
२२॥अरुतल्लननीग॥२३॥अरुतल्लननीग
२४॥अरुतल्लननीग॥२५॥अरुतल्लननीग
२६॥अरुतल्लननीग॥२७॥अरुतल्लननीग
२८॥अरुतल्लननीग॥२९॥अरुतल्लननीग
३०॥अरुतल्लननीग॥३१॥अरुतल्लननीग

बिन कह्यो॥ साहिचक्रुदिसेजीति॥ अबगाछणछनअ
 ये॥ अबहमीरसौबचनरहमीरणधीरकहाये॥ १५॥ अपन
 धामनछाडिये॥ अमिउचरतरणधीरानसिबासरियति
 साहिसे॥ अबकरीयेजोगहमीरा॥ १६॥ हमीररणधीरसौक
 ह॥ कोकायरकोसूर॥ दोसबिनदिष्टनआव॥ बिनस
 रजकीसाधि॥ सारधत्रीनसमाव॥ २०॥ बीरफिरफिअर
 जोगनी॥ रणिचरणपहोमिनधर॥ हमअलादीनसाहि
 सौ॥ रणिसारकबहुतघेरु॥ २१॥ रणिरणधीरकहतहै॥ इन
 पतिसाहिसूरिवाहमारेलडै॥ दोयसहमतोपकिरवा
 निककैनरिनरितान॥ सतमुषलडहमीरसाहिकीसंक
 नमान॥ घाटघाटसाहिकेमारिमेलेअमीरा॥ रावजंगदि
 नयरिकरे लडैरनिरणधीरा॥ २३॥ जबपतिसाहिअजमे
 रिकेपीरकौमनावताहै॥ जुमारातिपतिसाहिपीरअली
 यामनाय॥ रणतनरकीफतेदेकदमूकौहमअग्ये॥
 करजोरिसाहिवंदगीकरैसनितारागठकेपीरा॥ नाव
 टरणअंतगठतामुनमिलिहमीरा॥ २४॥ जबमीरांसाहि
 साहिकीमदतिपठाये॥ सिरनतारिकरिलीयारावप
 रिसतमुषधाये॥ आइमदतिहमीरकी॥ नतरेअरस
 सौच्यारि॥ परेसाहियदनूषेतबिचि॥ सुरलोकायेमा
 रि॥ २५॥ अबदलःहसनःरहीम॥ सहियदःसुरतांतीःम
 की॥ आदिलःअदिलःहकौलीःआरसूल॥ मिलगये
 मिठी॥ रहेसाहिसुरनाय जबपहोमपरेतोपीरा॥ जबअ
 निकहअलावदी॥ अजमतिअधिकहमीरा॥ २६॥
 ॥ उजोरिसाहिसौकहतहै॥ करमहरमैपीरिसाहि
 सौबचनकहाये॥ तारागछकेपीरगयेबिननीरबहाये

ये जंगजुरत हमीर सौं किन हुन देषे साहि॥ मारि फिरस्ताले
गये वनिस्त पङ्कचे जा ॥ २७ ॥ बरस अष्ट जम हठे साहि गढ
हाथिन बाये॥ उलटि छंणि परिया हमीर नमराव बुलाये
॥ बकसी हमीर मरण कोरे अस जसा हि प्रमिक दह। हस मल
घन मरावे ऐते साहि सद के नये॥ २८ ॥ सुनि बकसी के घच
न॥ सो चहु जरति अतिल पाये॥ कहत बचन हमीर वेसर मे
ही निरजाव॥ २९ ॥ महि मां साहिः हमीर गाढा ऐती नूं साबू
त धरे॥ छाजी रदी हमीर की॥ मुक्ति करि करि कां नापरे॥ ३०
॥ पतिसाहि सोच कीये॥ जब महर मघा पतिसाहि मूक दु
ता है॥ महर मघा इम उचरा॥ साहि दिक्मतिये ककी ज्ये॥
पहलै छंणिक रिफते॥ वहोरि गढ सों जंगा की ज्ये॥ ३१ ॥
रण तनवर गढ हलि चलि परे॥ सुनिसाहि रणधीर को॥ मि
लावो मेध को॥ यों सत घटे हमीर को॥ ३२ ॥ छंद पाधरी॥
राडिक रने लगे॥ पतिसाहि जु जी मूक दुता है॥ यों कद पतिसा
हि॥ राडिर एयं न सों मत करो॥ चंदरो जगाढ छंणि फते
करो॥ कोपिय पतिसाहि गढ छंणि लगे॥ सेरा सेदे सेनी
मांन दल सादिखे॥ दोय सहस्र आवा ते ज घूटे॥ गिरन
गिर मैरें पोष दूटे॥ उदै सोरादारु नहत आव लगे॥ गोयेवन
छाडि सिंहनु तेन तजे॥ छवी सल पेह सम चंद्र पार फेर॥ अ
मीनों ति पतिसाहि गढ छंणि घेरे॥ कह पतिसाहि खिल
मन कीये॥ चंदरो जगाढ छंणि फते की ज्ये॥ रणधीर कद
साहि मन धीर धरीये॥ मिलि चोगान विचिस फरजां करी
ये॥ नीसान सो मान सब दल वज्ये॥ जवरावर रणधीर आ
वध संज्ये॥ जहार सरराग स्पंधून कीने॥ यह स २००० ५६
तीस दल संगलीने॥ सरस हृदय फ

बराधिपरिमारपेले॥ अबतोरणधीचोगानअये॥ नडि
 गिरदअसमानथये॥ अबदलकीरीमषांकेपतिसा
 हियेले॥ मीररणधीचोगानचोधानपेले॥ बढबानकर
 वानचत्रचले॥ रणधीरकेसूरअवअापिले॥ जहासादि
 सौसूरसनमुखजुरिये॥ जहादबसीकेमीरदससहेम
 परीये॥ टटिसिरमीरधरपहोमिलगे॥ ऐकसहेसपरेस
 रनुडिमिरननये॥ रावरणधीरअपनेसयापे॥ अबदल
 करीमषापहोमपरे॥ योसादिरणधीरसफरजंघजुरीये
 पतिसाहिनलटिदोयकोसपरीये॥ रणधीरकहसादि
 विलमनकीज्ये॥ चंदरोजगायेवीतिगटछिणिनीज्ये
 ॥ गढकोटकबहीनयोहाथिआवा॥ होकोपपतिसाहि
 दिलीकोषिसावा॥ ३२॥ दोहा॥ बरसपांचगढछंणिक्कै॥
 नाहिसिटैपतिसाहिदोयदसरयंनगढ॥ निरधकल
 रोपतिपतिसाहि॥ ३३॥ धनिसरावरणधीर॥ साहिमुमुखअ
 पसिरये॥ मुफिदिसिसनमुखअथिकोयअनसरसमाये॥
 साहिवचनश्मज्यरा॥ मुनिमहरमषांमीर॥ जंगजीत्योवो
 फिरिगयो॥ योधिंरावरणधीर॥ ३४॥ मसलतिबात॥ अब
 सफरजंघराडिमेटि॥ अराबेकीकरनेलागे॥ जबरावरण
 धीरहमीरसोकहे॥ बरसआठपतिसाहिसूंअपनीजमीति
 सौलरे॥ अबषंडहिदस्यांनकेमीरबुलवो॥ ऐकफुरमं
 नगढचीतोडधीनावो॥ रावचतरंगकोबुलावो॥ लखि
 फुरमानबसशतीसबुलाये॥ उमरावसूंहीरकहतहे
 ॥ दलचड्केवानकेजुरे॥ नमोजिमबादलशारे॥ करजे
 रिसवहजारिनये॥ कहतबचनश्मराव॥ मेगाहीतेग
 पतिसाहिसो॥ कोजीवनकसोजाव॥ जबकहकोपिरण

धीर॥ रावमुनिबचनदमारे॥ अबशाडिकोजायघायकै
 निमषतुमहारे॥ अलादीनपतिसाहिसूगढशाडिचौर
 लरौ॥ एतेदसमपतिसाहिकेमारिषडंगकिनकिनक
 रौ॥ ३७॥ रावरणधीरकेसजोकरेऐतेमजमीतिचीतोरगढ
 कीआणयझुंचीकैवरषानबालनसीकहा॥ पहिलैजंग
 पतिसाहिसौहमकरै॥ जबजाइनाइदोनहमीरसौमिले
 ॥ देषिहमीरबहोतयुसिबषतनऐ॥ कैवरमजकूरहमीर
 सौकीया॥ श्रद्धाधरी॥ चतरंगकेकवररंघेनआये॥ ५१
 मुनमानकरिरावनसुकंठलाये॥ कवरदोनबचनन
 षा॥ रावधनिसिषतुमसरनराषे॥ एतेदिनसाहिराघेन
 लरीये॥ रावतुमयादिहक्यौनकीये॥ पतिसाहिसौराव
 दठनशे॥ डंग॥ अबमीरचक्रानकेबंसचढौ॥ निरमत
 सफरजंघकीज्ये॥ रतनकौराजचीतोडदीज्ये॥ बचनमु
 निरावमुरमायरे॥ बिछरोमतिजाइहमीरकहीये॥ धिरर
 हनकलिकेयगिरिमेरचंलै॥ बिछरैहमरावसुरलोका
 रै॥ राणवासमिलेदोनपरणामकरीये॥ निरघिनरनारिज
 लनैननरीये॥ मोरधरमीसदोनकवरहरये॥ इसगणैस

वपरसे॥ बजतनीसोनप्रसमानगरज्ये॥ कोपकले
 तमनसुरवंधिविचे॥ दोहा॥ करिसलांमरणंछेनकौ॥
 लगेहमीरकेपाइ॥ चलेकवस्यतरंगके॥ जितैअलावदी
 हि॥ ३८॥ चीतोरकेकवरहमीरयेझुकममगिअरशाणि
 अऐ॥ किलाकैबाहरिडैराकीया॥ तदिपातिसा
 पृथलावै॥ चाकीकिलेबाहरिकिसकीदा॥ एनोवतिक्स
 बाजतीहि॥ पवरिइनकीलगावै॥ जबप
 ॥ सारीषवरिलेक पातिसा मांक

वरचतुरंगकवर ॥ कवता ॥ ताव तकोतादहम
 दिसिहजरतिचाह ॥ कौरअलावदीयादिमीरअरबीबुलाये
 ॥ वरदंतासूरैकेकताराधिसनोकरदेह ॥ ऐमितेपतिसादि
 नकवरदेउगहलेह ॥ ३९ ॥ पतिसाहिमीरअरबीसोकह
 ॥ तुमसोवतप्रथीराज ॥ गहगजनीगढल्याये ॥ तुमगौरी
 पतिसाहि ॥ दिलीकैतयतबैराये ॥ ४० ॥ पतिसाहिक्वत
 इमउचर ॥ सनिजमीअरबीमीर ॥ अबगहोकवचतरा
 के ॥ यौकहेंमूलगहमीर ॥ ४१ ॥ करिसलामपतिसाहि
 कौ ॥ मीरअरबीपराये ॥ गहोगहोगहलेह ॥ कोपकसि
 रुंदिसिफिरीये ॥ ४२ ॥ यतकवरचतराके ॥ उतअरबी
 केमीर ॥ उतरावसिराहैअपमुषै ॥ अतिसाह ॥ सिहमीर
 ॥ ४३ ॥ रावहमीरसूरसंधरसोकह ॥ ऐदोनबीरसारकबड
 नसमाये ॥ रहरावचितसेमीरलोचननरिआये ॥ कौरज
 बसोचहमीर ॥ अबजुरतजंगपतिसाहिसोबिलमनकरी
 येबीर ॥ ४४ ॥ सतछाडिग्रहेचलेबडरिचितनलटिचला
 वे ॥ नुतमितेसतलोकइतपदइतपाये ॥ बिनसेकायाजी
 वअमरजुगसमहतनहीअजाना ॥ रहतअमरजसपुरषके
 जितेमीअसमान ॥ ४५ ॥ यहहमीरकेबचना ॥ संधरकवर
 सौकहीये ॥ सुनतबचननहिकवरा ॥ कोपिगजराजचल
 ये ॥ ४६ ॥ सतरिसहसअरबीमारिकरिपहोममित्ताये ॥ करि
 नछाहअश्वरबसी ॥ बरेकवरदेउआये ॥ मूरलोककैले
 चलीपडपमालपहराय ॥ ४७ ॥ कवरभानबालनसीको
 छंदइकरंगी ॥ बालनसीमानदेउधरां ॥ रागेडपवारचक्र
 नलारां ॥ बडेमूलबलवंतलोहामिंधारां ॥ पतिसाहिकेदल
 नबिचिजुलमपारां ॥ कैलेसूरहस्तीनकेसीसारां ॥ कैलेमीर

अजाने

हजारनको एक मारं॥ बहै सेल सम सैरवातर विहारं॥
 धरान प्रराच बह मेघ धारं॥ सावंतल रिहो तसी सनपारं॥ त
 हाहर पिअप धाके ते लूनि वारं॥ बरंगाना आई करिकरि
 संगारं॥ लिय हाथ बरमाल ननी हजारं॥ चक्कान दोन कव
 रम सिच वरारं॥ बिमान बैठिले वली हजारं॥ गइ गावत
 चावती गीत गारं॥ बसी जाइ छे कुटइ ड्रप्रधारं॥ ऐतीज
 मीलिक वरन कीषे पतपडी॥ आठ सहस चहाना तन बिब
 धिज कची गाये॥ पांच हजार पचार ५००० रावरण धीरसि
 रहे॥ सोला सहजरिराव के॥ स्याम काजिन साहीये॥ सतरि
 सहसै दल पेलि साहिके॥ सुरलोक सिधारे॥ धरस पांचराव
 रण धीर प्रति साहि सौ लये॥ गछ शाणिकी सावन नानि प
 ड्गु च्यो जबर वरण धीरे तम नानि पोरहे॥ रहे धेति रण धी
 रो॥ सीस सरज कौन वाये॥ पातिसाहिरा वरण धीर दोन
 सन मुख बत लाये॥ रण धीर राव इम उचर॥ सममिसाहि वि
 तली जीये॥ गछरण धन हमीरका॥ हजार तिहठन की जी
 ये॥ बहोरि चचन पतिसाहिरा धीर सौ कह॥ यह वातरावर
 ण धीर राव कौ किन समतावो॥ करोराजर धन सैष
 गहक दमुल्यो॥ होनहार कब डुन मिदा॥ प्रन होति व
 नही होय॥ जो हठ रह हमीरका कहन साहि मुमिकोई
 ॥ ऐग छ च्यारि हमीर डुकम किस कै तै माये॥ कब डुन मि
 र कब सीसन वाये॥ गिर परवत पलित पडुमिको दिवच
 कहो कोइ॥ सैष शाडिन लडिन फिरो॥ एक वडून ही होइ
 ॥ सब सूरसार कर गह शाणि गछ सौ सरन शशि॥ श्री धर
 प्रको समोरि साहि परिसन मुख धाये॥ क
 को॥ संजीया आठ ० ३

सफजधारावणधीरसखासूकहा॥ हमारे
 तोगछछाणिमरहे॥ औररणधनकौज
 रणधीरा॥ कोपकरिसारसमा॥ लाषरुम
 केगिरदमिलाये॥ बरसपाचमैहुककीये
 ठकरिहे॥ आयेमारिबुहानबरीअपछ
 सनमुषगयो॥ लाषरुमधरपरे॥ साहिकीम
 हरषिअपछराजतरी॥ मूरबरिलेलेजा॥
 तसूदि॥ सोतथिनोमीसनीअवाराबीर
 रेअवलाजरीहजार॥ बहोरिरावहमीत
 जुरीए॥ असीसहसपरिवीसामीरमरिवै
 सहसअचीपर॥ जचरतबचनहमीरा॥ जे
 जकरी॥ सोछाणिकारीरणधीर॥ ६७॥ ६८॥
 सठिदोयलबिहसमा॥ दोपरिवीसअमीर
 करी॥ धनीरावरणधीर॥ ऐतेमीरणप
 समारे॥ करहुजरतिदिसिजोरिदूतऐबच
 हिंदवानकेधरतजधरनधीर॥ अवननै
 तिजारतकैरहमीरा॥ ७०॥ सातबीसल
 धीरनसमा॥ सलितानीरनिवांनसुकति
 ये॥ तिथिनोमीआसोजसूदि॥ करगह
 पेसाहिअलावदी॥ मूरनवनपरिसाहि
 राव॥ जोरिकरबचनसुनाव॥ यहअला
 जअजमतिजवाह॥ जोगनीनैसबीरस
 हाथि॥ पौमीरपतिसाहिकेअलणपुरु

डेरुयंटयषवजाइ॥ मारिमारिनेरुंकरैसाहिपुदाययु
 दाय॥७३॥ नारदवचनपतिसाहिसौं कहै है पातिसाहि
 हंडकाधरमसाधो॥ स्तुतिदेवतांकी करो॥७४॥ जुरामरनन
 यकाल॥ साहिसंगचलिआये॥ हठकरिकरनरगदो॥ कि
 तेकोनधिरनरहाये॥ मुनिनारदनाचैजहां॥ गावतवैनयज
 ॥ तजिअनिमानअलावदी॥ लगेसुरतकेपाइ॥७५॥ प
 तिसाहिदेवतांकीबंदगीकरताहै॥ तजिहजरतिअनिमोन॥
 ग्याननुरअंतरलाये॥ सबदेवनकुं साहि॥ जोरि करसीसन
 वाये॥ अजमतिदेखिअलावदी॥ रहैसाहिसिरनाय॥ अवनु
 मोरनवनदिसा॥ कवडुनधारोपावा॥७६॥ गणेशदेवतापतिस
 हिसोकहताहै॥ सोपतिसाहिसुनताहै॥ अजमतिचाहअर
 साहिमतिबिलमकरावो॥ संगलेमीरअमीर॥ कोपिचक्र
 रिषरेहोयआवो॥७७॥ गवरीसुतपतिसाहिसो॥ गद्दीगण
 सइकटेकाहुजारतिआलनपुनपुरदिसा॥ अयनिसकम
 ले॥७८॥ दोहा॥ तजिसुबुधिअरकुबुधिकरि॥ नरपीछे
 पछिताये॥ नचरतवचनगणेशइ॥ अवजावजावपतिसा
 हि॥७९॥ अवरावहमीरपतिसाहिसंचयननुचारा॥ पुदाय
 मगसरीकिसकीनहीदेपिसकताहै॥८०॥ देवदापतजिमा
 हि॥ करोकोइदिनपतिमाही॥ हिमतवदाहरनली॥ अ
 जमतिदइदियाया॥ कदकहमीरबेझरोअमी॥ हमतुमज
 यपतिसाहि॥८१॥ होयारीसंचकृत॥ मुलकपायकपाज
 ॥ बिनादोषपतिसाहि॥ कौनकाहूकोमार॥८२॥ तनचिन
 सेकीरतिरह॥ येकोजानतनहीमनाय॥ आइअवधिअज
 वदी॥ ताहिकोमेवसाहि॥८३॥ करिदे
 कौनमुमपाव॥ जालंदरदसकंदनयनैगिरद

नूनलधिहुसमपिसाइ सुरतीमतसाहिको

॥८६॥ कहत हमीरपति सा सु
 जरति कै बिमर अख ॥ हमर घ्यो नरपति सीसा ॥ ८७ ॥ दोहा ॥
 पूरष घटै घटिक रिबध ॥ कायर बंधन समाया ॥ नचरत बचन
 हमीरय सा ॥ अब हम सम सनारी साहि ॥ ८८ ॥ जब पातियाहि
 हय मम आश्रय झुझ्या ॥ साहि निहार हम सम दिसा ॥ अब न
 र धरत न धीरा ॥ चले रावरण येन दिसि ॥ हरषत हम सत हमी
 रा ॥ ८९ ॥ महरम मां लू बचन पातियाहि कहता है ॥ हे अब न
 या कौन बिजोग ॥ उनल घिमीर घिसाये ॥ दोनु दल सार न बह
 नां को न सरसन मुष आये ॥ ९० ॥ हिमति बहा दर नुली घाना दो
 य धरन परे हमीरा ॥ करत रागत कल अचमन ॥ गिरत न जोग
 नीबीर ॥ ९१ ॥ दोहा ॥ मरि गये मीर अमीर ॥ हम सम कै हरवल
 घिरते ॥ हिमति बहा दर नुली ॥ सार सम सेर न डरती ॥ ९२ ॥ म
 हरम मां मुसक लिपरी ॥ करीये कौन नुपाय ॥ ईरांनी एक न
 रहो धून सो सपति साहि ॥ ९३ ॥ बुधि अपनी कौ साहि ॥ आ
 प कै आप पछितायो ॥ हम बर ज्ये राण येन को पि हजरति प
 रि आयो ॥ ९४ ॥ हजरति हिमति न हारीयो ॥ धरे अब मन धीर
 ॥ चहु दिसि निरधे करै ॥ कबल गालरै हमीरा ॥ ९५ ॥ जब पाति
 साहि महरम मां के बचन सुनि ॥ बरु रिगठ निरध कराये ॥
 चारि दर चोरा सीधा दी बंदो बस्त करी ॥ आप पति साहिरा
 के दुगार डेरा कीया ॥ ९६ ॥ साहि न दीअ
 संग अश ॥

॥ ९७ ॥ कहत हजरति स

५

दि

पठाई

सिब

फुरमानहमीरकेनिजरकीया॥७७॥॥मुनिदूतकेबैरा
 वजदिसनमुषचह॥तोहिदोसकोइनहीसादिकेनेज्ये
 आवै॥लायबचनसादिनचरतजिटकेएकन्हीचिन
 धरौ॥रहसरणरणथनकेपमुपंछीनहीहजरिकसै॥
 ३००॥बालनसीरणधी॥घानसेप्रेतषिमायेकौनमानप
 पतिसाहि॥मुफुरमानपगये॥१॥लिखिहमीरइनने
 जीये॥बजरिदूतकैहो॥थिदो॥फिरिफुरमानोननेजीये॥२॥
 दूतवरवलेजाय॥जोतुमारेजीवनाय॥जोनेजपतिसाहि
 बजरिकहुमतिआवै॥३॥कहहमीरदूतसादिसं॥कहीये
 बजुसमहाश॥अबहमतुंमफुरमानकी॥कहरहीपतिसा
 हि॥३०१॥दोहा॥नरपंछीजेतेपिस॥अरोहमहमासादि॥जे
 तेजीवरणथनगाछा॥पकरिनदेहुपतिसाहि॥४॥आथमनह
 माअराबेको॥पतिसाहिरावहमीरको॥पतिसाहिमेहरमयां
 संकहताहै॥बराते॥६॥जपतिसाहिमहरमयांसंकही॥गछ
 कौनेहिकमतिसै॥हो॥अवै॥जबपतिसाहिसौमहरमयां
 कही॥पहाडबिकटारेहुतोपचछिसकैनही॥होयतोघंटा
 यकैगछकौगोलादोगी॥जबपतिसाहिफिरंगकैफरीग
 रयादिकीया॥जबजोबघडाशगछकौगोलादोगी॥जबगछ
 मषपल्लपचुची॥जवरावहमीरकीतोपपतिसाहीकीतो
 पकैसनमुषलगी॥राडिसारीधीहोनल्गी॥पतिसाहिमन
 सबाकर॥रावहमीरकीतोपकौनिकसंकरे॥तिसगो
 जकौबडाकरौ॥जबसलांमपतिसाहिसूकरी॥गोलंदा
 रावहमीरकीतोपपरिपतिसाहिकीतोपदोगी॥नवरावह
 मीरकीतोपकोमहरोनिकसहुवै॥
 गोलंदाजकौयादिकीया॥जबया

न

अंसेने

हि की तो प को ज ब म करो ॥ तिस को जो त ब डी करो ॥ ज ब रा व
 ह मी र की तो प तै प तिसा ही की तो प ज ब म करो ॥ ज ब प तिसा
 हि मं हर म घां सू क ही ॥ या ह हि क म तितो ग डी ॥ अब हि
 क म ति और करो ॥ मं हर म घां प तिसा हि सू क ही ॥ दर न रा
 वी ॥ ज ब दर न रा यो ॥ ग डी को पु ल च ल ॥ के ते क दिन मे
 पु ल ती या र डु डी ॥ ज ब रा व ह मी र के फि कर डु च ॥ अब ग
 डी तां इ का म डु वी त ही ॥ ज ब रा व ह मी र के प द म सा ग र स
 प नै आ यो ॥ को इ वा त क रि पु ल क ॥ फि कर म ति करो ॥ क
 जित प द म सा ग र का ॥ सा य र सा त ह मी र ऐ वि चि रण यं
 न च लो न ॥ पु ल बा धी प तिसा हि या ही मै फ ज र ब हं स ॥
 सा त स मं द नो स न दी ए ह रा व मु म सी रा ॥ पु ल ये लं प तिसा
 हि की फि कर न करो ह मी र ॥ १ ॥ प द म सा ग र की ब ल
 प तिसा हि की पु ल प द म सा ग र बु हा इ ले गा या ॥ ज ब रा
 व ह मी र के ब ह ले लु सि ब ष ती डु ॥ प तिसा हि के ब ह ले
 त फि कर न य ॥ मं हर म घां ये नी द कि म तिका ज अ इ
 न ही ॥ ज ब मं हर म घां प तिसा हि सौ क ही ॥ ये ग छ ल ड ए
 का न ही ॥ इ ला ज अब को इ न ही ॥ रा डि हो ए सूर ही ॥
 रा व ह मी र प तिसा हि की तर फ मि ज ल सि कर व ज ह
 चं द क ल पा त्र नि र त करो ॥ प तिसा हि को ये डी ब त
 इ रा व ह मी र को स लो म करो ॥ ज ब नि ज र बा ज प तिसा
 हि सौ क ही ॥ और ति प तिसा हि को ए लो नी अ द ब न ही ॥
 कर ती है ॥ प तिसा हि को तो ये डी ब त व ती है ॥ अ र रा व को
 स लो म कर ती है ॥ ज ब प तिसा हि मी र सू क ही ॥ इ सा को
 स्ती रं ज हो य ॥ और तितो जी व सौ ब च ॥ अ र ए डी मै ती र
 लगा व ॥ ज ब मी र गा व रु न प तिसा हि सौ स लो म करो ॥

मनमैओकूपकीया॥ मैतीरचलांनुं बातो नाइकातीरनुल
टाआवगा॥ इसचातकरिनाइकीषवरिआवणी॥ जबमी
रगावरुतीरंदाजकरि॥ पात्रकापावमैतीरलगाया॥ मुरझ
इचीयारावकीमनाप्रपरी॥ कंबितः॥ मीरगावरुतीरंदाज
॥ इचरज्जय्याहमीरः तीरज्ज्याठपस्त्रियां॥ जबचुदिसा
चाहिः सोचकरिमेषबुलाया॥ मुरझिचीयाधरपरीः जये
रावचितनंगा॥ कहहमीरअमाउलीः कितिसाहिकेसंगी॥
३०८॥ महमांसाहिरावहमीरसोबचननुचार॥ ऐकमेरनाई
मीरगावरुहै॥ नसकीसरनरपतिसाहिकीहसममओरको
इनही॥ ॥ कंबित॥ महमांसाहिकोतीरंदाजकोकरसा
हिसं॥ जबमहमांसाहिकहै॥ डुकमहमीरकापांउतोउंस
तिषतमुधानुडंजै॥ १०॥ जबहसिकहहमीरा॥ अचअसीक
बडुनहीकीज्ये॥ प्रजाप्रसतापसाहियेघातनकीज्ये॥ हज
रतिसाहिलगावदी॥ येहसरीखदाय॥ बचैमीसपतिसाहि
कादीज्येअनुडाइ॥ ११॥ करिसाहिवकौयादिकोपक
रिकवरचलाय॥ अंडलपेघअंकासमै॥ नईअवाजहीकं
ना॥ मुरझिसाहिघरतीपरे॥ उडेअचअसमान॥ १२॥ उजीरप
तिसाहिसंलहतहै॥ जबपतिसाहिसुहंरमघोकदी॥ म
हमांसाहिकातीर॥ तीरंदाजकातमासापतिसाहिकौतिज
रअया॥ अगलेनिमषदीदूकासति॥ पतिसाहिकीज्या
नबकसी॥ असजकरिमहंरमघोकदी॥ जोहमीरकाडुक
मासुसजोहजरतिपांज॥ तुमपकरिजरलंगरस
ज॥ हठछे॥ डोसाहिरागयंनका॥ करीयेकूचलीजे ॥
॥ रावहमीरकीपतिसाहिलनलगी॥ १५॥ दोहा॥ चक

हाइ प्रायो जीवसौ जाइ ॥ १६ ॥ महरमघां इमनुचर ॥ वगुन दुये
 साहिके ॥ अचट्टि धरती पडे वकवर महमा साहिके ॥ १७ ॥
 अलादीत हठ छडि ॥ नलटि दिली दिसि ध्याये ॥ पित्त ब्रै
 रनदीनी सरे साह मुरन प्रष्टिता व ॥ रतन पंचले पेयक स
 मिल्यो साहिके जौ ॥ १८ ॥ हजरति रावहमीर को अं निलगां
 नपाय ॥ १९ ॥ जेतो राजरण धीर जतो हजरति दुं यानु रण
 तनवर गाछ फले फूल मां फकरा नुं ॥ बहजरति हसि बोलीये
 अरसुरजन प्राये प्राव ॥ तोहि दीयारा जरण धीर का फिर
 बडो करौ नमराव ॥ २० ॥ जब सुरजन करी सलाम साहिके
 बीरा पाये ॥ जब जौ रा नौ राघास मै अनिक रिचां मन पाये
 जौ ॥ फर आनि हाजरि नयौ सुरजन करी सलाम ॥ मिलो राव प
 तिसाहिके गछ बीतो सां मान ॥ २१ ॥ सुरजन छुपि करि पति
 साहि सु मिल्यो ॥ किला को नेद दीयो ॥ सां मान राघिचां
 मन पाये ॥ राव को गछ नतर दीया ॥ सां मान बीत्या सुरजन क
 ही ॥ राव कब होत फिर दुवा ॥ अरसुरजन सां मान बीता कि
 सतर हजाणीये ॥ इत बार अंधा देखी ही पड ॥ जब रावह
 मीर ॥ २२ ॥ न कै संगि जो रा नौ राघास परि प्राये ॥ सु
 रजन कै ॥ २३ ॥ रीते नरे कि सतर हजांनीये ॥ राव जी इत मै
 थर नषा इत बार लडा ॥ जब पथर नषाये ॥ जब चां मेर क
 मुरका दुवा ॥ जब रावह मीर अयने कां न मुरका मुन्या ॥
 सी सछो लि नल टिरण वास को व आया ॥ जब सुरजन रा
 वह मीर सौ कही ॥ अब महमां साहिक बूलि करि पतिसा
 हि सु मिलो ॥ जब रास करि राव सुरजन सौ कही ॥ बेर बेर येद
 वचन मति कहो ॥ २४ ॥ दोहा ॥ हठ तोरा वह मीर को ॥ अर राव
 एकी टिक ॥ सतरा जाह सचैद को ॥ अरजन बांण अनेक ॥ २५ ॥

सिकहहमीरा॥ तो जनसमतज॥ जनना॥ मुनि
 साहिकौसीस ॥ २३ ॥ असावचनननाभीधिमुनि
 सकपूत॥ गदटिकवैशडिदिवाकैसोरजपूत॥ २४ ॥
 जनकीहरमयोरीमुनिरावसौमहमांसाहिकहतोहे॥ २५ ॥
 कहमहमांसाहि॥ झुकमरावजोपंजैमिलींसाहिकौ
 जाय॥ दिलीकौकंचकरांज॥ २६ ॥ पाछकोटराजऐरायी॥
 ये॥ साहिसौंजागतकीजीये॥ मिलूंसाहिकौजाशझुकमरा
 वमुक्तकीजीये॥ २७ ॥ महमांसाहिकावचनमुनिरावकहतोहे
 ॥ जबहसिकहहमीराअमीकचझनहीहो॥ वचनशडि
 कापुरस॥ सदानहीजीचको॥ २८ ॥ महमांसाहिनच्यंतर
 हो॥ अबसेचजीवमतिकरो॥ हमीरावसनचरेजीचज
 ॥ २९ ॥ गदटिकशडनही॥ ~~कहमराव~~ ॥
 ॥ ३० ॥ गदटिकशडनही॥ ~~कहमराव~~ ॥
 जीनचंचजरिजाशमीवो॥ कहाअंगारकोताहिचकैरबु
 ॥ ३१ ॥ वोहोरोमुरजनजाश॥ साहिकौसीसनचायो॥ ३२ ॥
 दसकोसोमातराषिकरिरावनुलाये॥ ३३ ॥ चंदकलादे
 लकवरि॥ पारिसमहिमासाही॥ हठकरोऐतोहमीरपे
 मागोपतिसाहि॥ ३४ ॥ मुरजनजाइपातिसाहलंकही॥ ३५ ॥
 हिकुरमांनहमीरिपैनेजा॥ मुनिमुरजनकैवचन॥ सादि
 रमांतपगये॥ रगतनवरदराज॥ जोरिकरकदमुंआवो॥
 लादेवलकवरि॥ पारिसमहमांमीरा॥ मांगतसाहिअलाव
 येलेमिलोहमीरा॥ ३६ ॥ मुनिदजरतिकवत॥ रावजीयव
 ररिमाई॥ कहाअलावदीसाहि॥ कहासातापतिसाही॥ ३७ ॥
 ॥ चंदकलादेवलकवरि॥ पारिसमहमांमीरदजर
 तियेकचझनमिले॥ जै ॥
 ज्यो॥ ॥ ३८ ॥ रावहमीरपति
 नमादिनकैफुसमा

अब दिलीकत घत॥ साहि किन फित दुहाश॥ ५५॥ चिमन खेगम
 मर्चिता मणि॥ पाय च्यारौ बीरा॥ दिने जौ साहि अलावची॥ माग
 तराव हमीर॥ यह हमीर का फुरमांन॥ बांछि पतिसाहि मर
 जत मुरिसा शकरी॥ असे वावद मोहरा मघेरी करीये नही॥
 जब करी बदन मलीन॥ राखरण वास प्राये॥ हसि राणी कस जौ
 गिराव कौ सी सत वाये॥ ५६॥ पाद बीता सांमांन॥ अब नंडार कै सै
 नरे॥ बचन छाडि पतिसाहिके॥ कहो सेष हाजर करों॥ ५७॥ मुनि
 राखे के बचन॥ बदन राणी बिलखाश॥ लरत नै जुगना जिगये
 अब कौन तर माश॥ करे बचन बहुरि न थाडीये॥ राज पाट सुष
 जावै॥ ५८॥ आसा कह हमीर मु॥ साको करिये राव॥ ५९॥ ब
 डुरि राव सौरोल करि राणी जाये॥ बचन याद करि सेष जब मरण
 कौराये॥ गहो तेग पतिसाहि सौ॥ सर के सर नर सेषा राणी रा
 व हमीर कौ यह बीनानुप देस॥ ६०॥ कहा जग देव पवार सीस
 कर आपस मये॥ कहाने ज बिक्रम राव जि न पर दुष काटे
 करन कतक बिघ्न कौ सवा नार निति प्रति दीये॥ आसा
 कह हमीर सौ कहो राव वै कि तिगये॥ ६१॥ बचन काजिद
 सकंधरांम सौटे कनि नाश॥ पदम अगार चखे जीव संधरन
 काश॥ बचन काजि बलि चकचै न ज्यौरा जपा ताल पसे॥ तजे
 न सत नृप हरि चंद बचन काजि आपन बिके॥ ६२॥ जामन मर
 न संजोग कौण सौ अंति मिटाव॥ कितरां वन नृप गये अमर
 कोन थिर न रहाव॥ कब दठ कर अलाव॥ कदी रणत न वरा
 ट अश॥ कब सेष मर न रह बोहोरो मह मासाहि॥ ६३॥ कहा
 जेत कहा मर काह सो मरु अने॥ कहां गये प्रथी राज साहि
 गह गजनी प्राये॥ यह चकवै मंडली कहा दस कहो राव
 कित गये॥ राणी राव हमीर सं कहनी रते न नरये॥ ६४॥

धतिप्रागदरण्यं न देस धनिमातापिताकुल॥ जिहदिनजनमु
 रावधनिद्विषसंघे घरीरैणिल॥ होतिवमिटनपलएकअनेह
 तिबनहीहोया॥ आसाकदहमीरसंअबदमतुमनयाविशेह
 ॥५१॥ धनिपतिनरतानारि॥ रावमुषणपसिराहै॥ ओरकोन
 तुफिचिन्त्रीया॥ येबचनमुनीच॥ सरनराघोसपदोकुलला
 जैचऊंन॥ थिरकोनरहनरावद॥ प्रबथिररहनकोशपुरन
 रमंडलीकागयेचकवैचलिचोउ॥ धनजोबननरकैसेये स
 दाऐकबदेये॥ पधियाकससिकीकला॥ घटतवडुरिधि
 जाइ॥ ५३॥ दोहा॥ अतिदीदइआसीसा॥ ऐतेनयेसदाय॥ गदिते
 गपतिसाहिसं॥ अबसनमुषसारसमाश॥ ५४॥ ऐदोउपरनरापि
 सेधनतजि॥ तजोसीसगढदेस॥ दठंतजोपतिसाहिसं॥ करग
 होतजोतमेघ॥ तुमसाकोगढकीजीय निरधिसाहिनीसांन॥
 ५५॥ मुनिहमीरकेवचन॥ पौरधरपरमुराश॥ निरवचनक
 दराव॥ तजोरणवासरजाश॥ दमपतिनरतानारिपुरयतजि
 अबकोनदिसिचिंतधो॥ आसाकदहमीरसोतुमपदलीमा
 कोकरै॥ ५६॥ जैकरीमीरहमीरमाकनंडोरनकीनी॥ बंदीज
 नधनविप्रलेजायजायलन्है॥ छाडोअबदमीरपव नचनत्री
 यगढग्राम॥ सुषसंपतिरण्यंनगढअबदमीरकेनदकामि॥
 ॥५७॥ मुनिराणीकेवचनरावसतवजसवये॥ चरेसनादमीर
 सूरसवदाजस्त्रियाये॥ दस्तहमीरमज्जरमुनिगवचतरो॥ तु
 मरेनअबरतनकीहसकरैसाहिसंजगा॥ ५८॥ मुनिवचनरेदप
 यनवक्तप्रपनकोध्याये॥ कटवसेयसवसेय करदलेअदलि
 पगये॥ बडुरिक्कनकदरावसो॥ नेवचननरिकरिनीरमुषयप
 तिरण्यंनगढतजियेवगदमीर॥ ५९॥ नुरनकायाप्यपद
 कोनथिरनरहायेजेतीछेल॥ अननमक॥

जीवनको जगा कह मरत कह न को ॥ सती मूर सा पुरष के मंग
गल मरता दो ॥ ६० ॥ कै सरि सों धेरा वः मूर सों वत चरचो वै ॥ अ
लादीन पति साहिब हो रिफिरि क बिआव ॥ सहसा ॥ अंतर दान
दे जदि सिर बांधी मोरा ॥ चतरंग रा करत न सीपे ने ज्ये ची तोर ॥
६१ ॥ प्रथम मूर दस सहस पैतरा गंधन प्रियाय ॥ पांच सहस
सहस पै गिक चरचतरंग चलाये ॥ पचीस सहस रा गंधन दि सा
षिः ॥ असी सहस ले संगि ॥ चढे राव ह मीर ॥ अरु जुरे साहि संजंग
॥ ६२ ॥ कमधज को रमंग वै रतै वरि कै चरि पति हारी ॥ नील
नुज पे लच बंस पुंडर ॥ ओर चुहान सब ॥ छती सब मधु चि चछे म
नूपाव सब दल छये ॥ दल दे घिराव ह मीर को ॥ साहि जीव च
रज नये ॥ ६३ ॥ जेठ मास बुधवार चौध सै इको तरा सप्तमी पा
ष अंधेरी ॥ करि मूर जिकै नव निराव कर सा रस मा ॥ हरषे
मूर ह मीर के उत को पे मीर ॥ अमीर ॥ जुरे जंग पति साहि सं सन
मुख राव ह मीर ॥ ६४ ॥ रण रास क कर बीतो डभी बाइ गट को त्यागि
करि पति साहि संजंग ॥ जुरे ॥ दोहा ॥ हो दच छि ह मीर साहि परि
सत मुख ध्याव ॥ ली ज्ये महि मां साहि तुल टि ह जरति ए अ
वा ॥ ६५ ॥ राव ह मीर अलाव दी लर दो न सफ रज धे जुरे ॥ एते मूर
र ह मीर संग ॥ एक एक सौ आगरे ॥ ६६ ॥ अपनै हाथि ह मीर मूर
र सारन करि दीन्ह ॥ दिबी रा सिर पाव ॥ बिदा ह जरति पै कीन्ह
दुप ह दस सांग दस ॥ जम धर कर द कुबाण ॥ मजी ये मूर ह मी
र कै रहे अचर थनांन ॥ ६७ ॥ गुपती फर सी बांण ॥ चक्र आ वद
सब लीने ॥ जो हठ कीयो ह मीर ॥ कर को उक रि प हो मि परि ॥
॥ ६८ ॥ इक इक गज मूर दो ॥ नो नो तरंग सती ॥ घरे मूर पति
साहि दिशि ॥ पीछे न देत ह मीर ॥ ६९ ॥ दोहा ॥ पाव क जल ज
ल सं बुन ॥ जल जरे काहे सं बुन ॥ एते ह सन पति साहि संगि ॥

ऐकैकवज्ररिबुलाई॥७०॥अपैछंदयाधरी॥सूर्यनमुषसि
 रननवांछै॥अबहुकमकरोरावसाहिगहिलगोवै॥गवदसिमु
 षबचनप्रमिचर॥साहिसंजंगपीशदमारे॥पतिसाहिपैधा
 तकोउनबिचारो॥मीरअमीरकिनयहोमिपारो॥बचनमुनि
 सूरअगनसमाये॥सारसमयेरअंगजरिलाये॥दससदसग
 जराजहरवलहकाले॥मनुमेपधपाषाणकेपायचलितैल
 संहरचरचिसिधारे॥जबकोपेगजराजदेतगदमीरपारो॥जहां
 बजततीसोनअसमानगरजे॥बहतअमिसारजलतीरवरये॥
 जहांगुनगुनरागधतीसगावै॥बरमालकेअपशरावरनआवै॥
 सूरअरमीरलरिपहोमियरीये॥जहांदेतसंदेतगजराजजुरी
 ये॥साहिहमीरसफरजंगपुले॥जबकोपअरबकेमीरपिले॥क
 हतयोऐदलअलीकुकमपाने॥रावगहिसाहिकदमुन्यांजे॥
 देरएणअंगखनुतनपाने॥लडालिकुवांएहमीरन्यांजे॥
 जबसाहिसाबासिदेकुकमकरीये॥जबकोपअबदलकेमी
 रपरीये॥जहांपरतरणमीरधारीसदहो॥जहांपरनरिजोग
 नीरुधिरनये॥सीसविणसूरकरेकनीरो॥साबासिसाबासि
 पतिसाहिकीरो॥जबकोपहमीरकेकवरसमारे॥अमीबहा
 दरअलीपहोमिपारो॥अमिसाहिहमीरसफरजंगजुरीये॥जहां
 सहसदलदुनीअबदलपरीये॥वीसदसतीसगजराजधि
 साये॥षटसहसपरसूरउडिगिरननये॥सारहमीरगहि
 ततोरो॥जबनवनिकरिसेषकरदोजोरे॥हमीरकीआनदेबचन
 टरे॥अवदेखीयेरावबै॥सफरजंधमेरे॥७१॥दोहा॥धरेसेषदो
 चदलनचिचि॥सिरहमीरकुनाय॥अबकिनगहोअलावदी
 मभूनीमहिमासाहि॥७२॥जबकोपेसेषपरसाहिमीरपेले
 सांनो॥नोवतितुंगनिसांनो॥सुदिकीसीहजरतिकहा॥अबने

वजान॥७३॥तीसमहसपुरमान॥ ॥महमाय ध्याय॥क
सलांमरावको॥सेषकरसारसमाये॥७४॥नचरतसाहिकेवन
इम॥सिरहजरतिकुनाश॥ठठानघरहमबसिकीये॥एकेतो
महमासाहि॥७५॥दोहा॥सदकैमरहमीर॥यकरिगहीतेगि
साश॥लांनंपकरिहमीरको॥आरसंगिमहमासाहि॥७६॥धनिध
निमहमासाहि॥जंगसदकासौकीन्दुं॥पुर्षणघटमहमपरेकर
वांननलनि॥हजरिषेरहमीरके॥दोउदलकरैरिसाई॥अबहम
तुममिलनाहोयगा॥फिरसाहिबकीदरगाह॥७७॥सेषदोउक
रजोरिरावसोबचनकहाये॥सरनराषिमुहिराजतजिबचननि
नाये॥बकुरिबचनबिधरतकहै॥लोचननरिकरितेना॥अबजन
नीकबजनमदे॥कबफिरमिलैहमीर॥७८॥सूरनकरैसनेह॥
जबकरसारसमाश॥बिधरणमिलनसंजोगा॥आदिअसीचलि
आई॥७९॥ज्यौजामणज्यौमरणजुगा॥तांकीज्यचितनंगारहसूर
केलोकमे॥हमतुमहजरतिसंगि॥८०॥तजियश्चारथलोअ
मोहकाहुनहीकरीये॥देहधरपरमाना॥स्यामकैकारिजसरीये॥
८१॥कोनतसौलेआश्ये॥कोनतसंलेजाशरहकीरतिअब
रहलतनमांटीमिलजाइ॥८२॥यहमनिहमीरकेबचनसाहि
परिसनमुखध्याये॥मीगाबसुधीरा॥अनिकरसीसनवाये॥८३॥
८४॥मोदिससाहिअलबदी॥तुमदिसिरावहमीरअपनाअ
पनानिमषकीनांतजीयेतासीरा॥८५॥हसिअलाचदीसाहि
सेषसोबचनकहाये॥दिलीछाडिकरिबकुरि॥मीसमुखकौ
वनवाये॥८६॥साहिबचनइमनचर॥मिलोमुखतजिरोसकु
मदइहजरतिकहै॥आरगोरपपुरदेसा॥८७॥गदेसेषकरसार
हितनहसिमुखकावा॥अलादीनतुमयादिबचनहमारोस
आवा॥८८॥जोजननीफिरजनमदे॥बकुरिनधरुफिरदे

॥ न तज्यो ह मीर को ॥ जो पति साहि दिद ॥ १० ॥ ये मुने बचन हमी
 रा ॥ म दति मह मां की ध्याया ॥ अलादी ते पति साहि ॥ सेय वात विर
 नाये ॥ ११ ॥ कह ह मीर इक बचन ॥ हम गाली साहि से ते गा ॥ लो
 न न करी ये जीविका ॥ रहत साहि की दे के ॥ १२ ॥ कायर छाड
 धेत दोन कुल लज्या लाव ॥ मुर अ पछरा बरे ॥ सी से दे स्यां निनि
 नाय ॥ १३ ॥ सार बहत साहि कायर संको ॥ मुर सार द ॥ कहत
 बचन पति साहि से ॥ सो अब से पति नाय ॥ १४ ॥ मीरा गाव रूक
 ह सारा हो ना हम मां साहि ॥ हुकम धनी काय ह ॥ अदिल
 सिर न पर आय ॥ १५ ॥ मोहि स माहि अला व दी ॥ तो दि मरा व
 हमीरा ॥ अपनां अपनां निमष की ॥ नात जीयता मीर ॥ १६ ॥ अ
 पनां उत न उजा ल ॥ अर कुल कल म चढाये ॥ मुष कुरा न प
 ठि दो न ॥ सी स साहि ब कौ न याये ॥ १७ ॥ हजरति राव हमीर को
 सेवन कीयो जु हार ॥ अपनां अपना इश्य रि ॥ गहै दोन न क
 र सार ॥ १८ ॥ दोन बीर जंग जुरे ॥ सार मिलि सत मुष चाहे ॥ धनि
 धनिक कह ह मीर ॥ साहि मुष आय सिराहे ॥ १९ ॥ चलत मह मां
 बीलीया ॥ मुनि अला व दी साहि ॥ हम तो पङ्क चे निस्त को ॥
 दिली नल टितु मजाहि ॥ २० ॥ मुरति रही उर मां हि ॥ दि सिरा
 वत न फेरि ॥ धनि धनिक कह ह मीर तर ॥ रही की रति कलितेरी ॥
 २१ ॥ ज्यौं आय ज्युं जाहि गो ॥ को इ न अ मर कलि मां हि ॥ धनि धनि
 राव हमीर नर ॥ तुम बोर नि ना इवां ह ॥ २२ ॥ दोहा ॥ कर कुंघाण से
 वन गही ॥ सिर साहि ब कौ नाय ॥ चढे बि मां न दोन उर बरे ॥ नि
 स्त पङ्क चे जाइ ॥ २३ ॥ राव हमीर पति साहि सु पारसि करी मह मां सा
 हि की ॥ दोहा ॥ क्या और तिके बचन परि ॥ तजे सेव पति साहि
 नो कर मह मां साहि से ॥ फिर न मिल पति साहि ॥ २४ ॥

एथं न करावो॥ राम रही म एक ह॥ ऐदो न क बड़ न जाइ॥ बड़ार
 म डूम क बड़ न करौ॥ ह म तु म बी च कुरा ए॥ दिली होय पति सा
 हितो॥ बड़ारि एथं न न आच॥ बावन प्रगनाराव॥ धरि चैठाही
 पावौ॥ ह म पति साहि मां नीये॥ ह म रे बचन प्रमाण॥ मुसल मां
 न दिली त घत॥ ज्यौर एथं न चहां न॥ ६॥ राव ह मी र पति साहि
 को ब न सुनि ब हो रि कहत है॥ राव ह मी र पति साहि साहि सौं कह
 जब कौ न चेतै॥ साहि ग्रंथान प क्य लाचौ॥ कर म रे घ न ही मिटै
 अबर सार स मावौ॥ ह सिह मी र अ मि उ चै॥ मुनि दिली सुर साहि
 पाच पक्ष द स दौ स बिच अ दिल प डूं ची आइ॥ ७॥ बड़ारि ह मी
 र पति साहि सौं बचन उ चार॥ बेर बेर पति साहि॥ कहा मुख बचन न
 चारो॥ हे ति ब मि ट न साहि॥ को टि स्यां न प क रि हारो॥ कहा ह मी
 र एथं न गाढ॥ कहा दिली पति साहि॥ कहा बिसर करे साहि सुं
 सरने से घर हाय॥ ८॥ अबरा ब ह मी र पति साहि सुं कह॥ साहि कि स
 म ले षे देत॥ उबर क न प ह ली षां न॥ र एत न वर को राज साहि को
 दीयो न पावै॥ ह सिह मी र अ मि उ चर॥ मुनि दिली सुर साहि॥ गिर प
 र बत अ स मान धरा स दान थिर पति साहि॥ ९॥ अ म र न ही क लि
 को श॥ अ म र की र ति जो करीये॥ ह सिह सि क ह ह मी र साहि स न मुख
 चित धरीये॥ पाये ज र जो ध न द स कंध से॥ जुरा संधु सारि से ब ली॥ अ
 ब च लिये साहि सुर लोक क कैं॥ गढ कि स का कि स की दिली॥
 १०॥ ह ज र ति ह म तु म एक ही अं स॥ ऐ क रि न प द म न पाय॥ ह म ही
 दुं तु म मुसल मां न होय साहि साहि कहाय॥ देव दौ ष न र धारि कैं
 रि ष सौं न ये म ले ष॥ त जो दिली होय देव त॥ च लो सुर न कै लो
 का॥ ११॥ र एत न वर गा ढ षा डि साहि स न मुख ह म अ ये॥ जो ह ज
 र ति सौं कह्यो॥ सो ह म बचन नि नाये॥ स गी ह मारे स ग के सुर
 पुर प डूं चे जाइ॥ ह म तु म तु म र ह अ ला च दी सारा हो कर सा

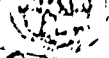
3

[illegible]

सौ देसम ॥ परे जात हधीरः कह हमीर अब नो जमै ॥ मूर नही सिं
 ग को न ओर ॥ २० ॥ कह गयो समी पी नो जः अब को दिल की जं
 न ॥ अमर रहे कलि तीलः राघ मुषम पति बघांत ॥ हो दल गीर
 हमीर केः करता करे बिजोग ॥ अप घरावरि मुर पुर बसे दोय
 सह मैमौ नो ज ॥ २१ ॥ जिनि सिकंदर मीर राघ पारसन मुष
 ध्याये ॥ तजि कुबान गहिते गमी ससूर ज को ताये ॥ अैसे बामति अ
 रस परि चमक चङ्ग सिजाइ ॥ अैसे ते गहमीर की मिर बही सि
 कंदर साइ ॥ २२ ॥ धून सी मसाहिक राह सिकंदर मीर न गये
 दई को न बुधि दइ ॥ जिम दि तरण पंच नदि सि प्राये ॥ परे मया ल
 यषंदार गज सतरि सिकंदर मीर ॥ कीया न अब को न करये स
 र जे घह मीर ॥ २३ ॥ गज सतरि मया लषतुरी सिकंदर मीर बिसा
 ये ॥ कर हमीर गहतो गमाहि दल नुल ठिच लाये ॥ हासिमः हस
 मः हसमः मुराह मो बिलः मुद फर मीर ॥ मीर जानूर ॥ अस कर
 न ली न जु मादी न ऐद स परे अमीर ॥ २४ ॥ लष बल विरण पंच
 प्रथम गढ पोहि मिमिल लाये ॥ लष रूमरण धीर शंणि कैषेत
 बिसाये ॥ अरबी मीर अमीर सहै स गये ॥ कबर ले मारि कह स
 हि हमीर तुमः घाली करी घंदार ॥ २५ ॥ परे मूर हमीर मीरः नीर
 ज्यौरागत बहाये ॥ जोगिनी जैरुं बीर ॥ गिर कि न बिले ले जाई
 सबा पहरि पर घी मूर ॥ नये आ पन को तिग निहारि ॥ परे घंदा
 र मया लषि मूर परे अलि चारि ॥ २६ ॥ हसम आठ लषि सतरि
 घेत र पंच न बिसाये ॥ महर मया के वचनः यादि हजर ति को आये
 मिर टै सै है स गज परे ॥ दो सतरि अमीर कहत साहिर बिसै म
 को ॥ श्चेर जन या अमीर ॥ २७ ॥ जुगरे कबर घदोय राघ मुजस
 न मुष लरीये ॥ मुसल मान लषि आठ ॥ हि हस हस दस प
 रीये ॥ ऐते लषि रण पंच गाद ॥ ऐद ल मे टत हमीर ॥ २८ ॥ देह

जरति साबासि॥ दिशि दिली दिमि केरी॥ कलि मअमर हमी
रही के जननी धनि तेरी॥ गये साहि दोय निस्त कौः महि मा
साहिर मीर॥ अब जंघ किम घातरि करै लेने दे फिरो हमी
र॥ ३०॥ जबराब हमीर कचन पात साहसे कहीः पातिसाहि स
नता है॥ येत बिच दोन घरा हैः पहो मिय लट जो होय। मूरज प
छिम जुगाव॥ कुतब नुतर दिमि शाडिः दयिण दोत कराव॥ अंड
ल पंछ आकास तजि॥ उतर चुगत धरु आयः॥ हजरति अब ह
मीर के पौरन पीषा पाये॥ ३१॥ रहे आग जी करावः दीन दोनु
जब धानै॥ किते नर पचलि गयेः जत कित ऊन ही दियेः कचन
तज्यो न हठत ज्यो॥ करः गहत ज्यो न सार॥ हजरति कदह
मीर तुमः अमर रहे संसार॥ ३२॥ गछ चौरासी जाति दसौ दि
स पायल गाये॥ तुम सेराब हमीरः और को नुन मुफि मिल
ये॥ ऐसी करी हमीर तुमः येका ऊये नही होय॥ जस कीर
ति जुग मै रहीः नर पिर रहन कोइ॥ ३३॥ ऐते कचन मुख न
चरे॥ सो सब जये प्रदान॥ अस्ति कचन कच ऊन कहे॥ धनि
हमीर चुहान॥ ३४॥ नलट साहि दिली फिरो॥ राव जव ग
छ कौ आय॥ करि करि नारद निरतः राव नुपदे सल गाये
रण तनवर सा को नयोः सोचन करी यिराव॥ सिच कौ सी
सच दायकैः मुर लोक कौ जाव॥ ३५॥ जबराब हमीर नारद
सो कहीः गढ परसा का किस तरह सं हू काः जबरान हमीर सं
रद कहता है॥ मीर अमीर हमीर केः चले सब मिरनाइ॥ तुम वि
न ऐसी को करः रण तनवर के राव॥ मुरग सब जराजरद
निर धिराणी मुर नाइ॥ राव कचन मुनि कदः पलम अइ लि
प ऊंची आइ॥ सिवावरी पृथ्वी संग्राम करि दो सम हंस
स घीले संगि॥ यति यहली मुर लोक कौ॥ त

न॥३६॥ द्वादसदोयचरष॥ संमतपङ्कचो आश॥ टे
 नसेकरकावचन॥ कहसूरमुतिराव॥ ३७॥ सूरियां राव
 दमीरकौ बक्रिसंता देताहः पातिसाहि दिल्लीकौ चले
 अपतुमवेगागठकौ आवा दान करौ॥ हसमरतनगठदे
 मरावकिनबक्रिसमारो॥ कहसूरबक्रबचनः रावम
 तिसीमनतारो॥ ३७॥ दोहा॥ सिंघबिमनमापुरसूबच
 न॥ केलिफलइकबारा॥ चीयातेलहमीरहठ॥ चढेनह
 जीबारा॥ ३८॥ हठतारावहमीरको॥ अररां॥ वणकीटेका म
 तराजाहरचंदको॥ अरजनबाणअनेक॥ ३९॥ सूरवां सौ
 रावकदी॥ ऐसीपछिहमारीकीनी॥ ऐसीपछिरतनकीकी
 ज्यो॥ अबतुमाठचीतोरकौजावो॥ ओरहमारेसंगीहमा
 रीसंगिचिलो॥ ओरसेकमंसासकैपाधैरहो॥ मनमुषराव
 हमीर सदासिवकौसीसचढये॥ मिलेपारघतआयः अप
 धरासंगलगये॥ पहेपमाललेनरबसी॥ सोमेलतठरआ
 य॥ सिवकौसीसचढायकै॥ अबसूरलोकचलेआराघ॥ ४०॥
 जबसीसूबचनसुरजदसूरजनसोकही॥ पातिसाहिमहर
 मसांकौलेआवो॥ जोउतसेतीबानकरौ॥ जबपातिसा
 हिमहरमसांवासिदुरजनायो॥ जपातिसाहिरावदीर
 कीसुपारसिकरी॥ साबासिदेकरिषेरहे॥ पातिसाहिक
 हताहै॥ धनिधनिरावहमीर॥ धनिसजननीजिनजाये॥
 सोहीसोहितबचन॥ सूरसोहीनिरजाये॥ आपकाजिस
 बकौमरापरकाजमरतनकोइ॥ धनिधनिरावहमीरनर
 दूवानअबकोउहोय॥ ४१॥ द्वादसवरसहमीरतुमबक्र
 रोसमनाये॥ सेषनहोजिरनकहः बचनआपननरजा
 ये॥ अमररहेहजर॥ तिकहः जबलगउ ॥



देह तजी बचत न तज्यो ॥ धनि धनिक सीर चुहाना ॥ ४ ॥ माति
 बचन ५ प्रनुचरा ॥ साहसुर जनम निनी ॥ ५ ॥ धाग धकीर मा
 रुः आनिह माकरवी ज्यो ॥ अग्र मिग्र पिमर ननु फदी ॥ ६ ॥
 कम कीयो पति साहि ॥ कट मोक यन मुप धी ॥ परमी ध
 धा आये ॥ ७ ॥ गढ को मा को मा को नु ॥ ८ ॥ यथा यथा क्रिया ॥
 ये ॥ धरमी मुनि ॥ श्री रावराणा वास ॥ ९ ॥ क्रिया ॥ श्री रा
 नु मेरा वदे ते कर्त्तु नाटक गान्द्रि नाया नी ॥ १० ॥ नाया
 याति सा ॥ केचन ॥ ११ ॥ र मिग्र नाय दी पादि ॥ १२ ॥ मग्न
 न्यादे ॥ अमे नि सय दग मः ॥ १३ ॥ रुति के नु धान न पति ॥ १४ ॥
 रिमि ॥ विंदा क्रिः ॥ मुनि वन पिमर ॥ १५ ॥ नी ॥ १६ ॥ राव वदी
 र को ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

भगतजात॥४६॥ मिटनकि सही कि मिट॥ जैसा जिसका
 होय॥ हमको दो जुगंघाडिके॥ प्रापचले सुरलोक॥ कहत
 प्रीसगढदीया॥ साहिच्यता मतिल्यावै॥ अबहमीस्युहा
 नबहु॥ निहीसारसमावै॥ दोनकरजोरिअलावदी॥
 रहेसाहिमिरनाइ॥ धनिहमीरहतांतज्यो॥ एरणतनव
 रतजिराव॥४७॥ दोस्तहोयनमिले॥ मिलेदुसमनहोयअ
 य॥ तुमहमीरओलीया॥ मरनतुम्हारोनहीआय॥ गदाद
 बानीसाहिकहा॥ उपज्योअधिकसनेह॥ होयसुरीदसे
 वाकरो॥ सांगहमीरमफलेह॥४८॥ जबसीसकहतपति
 साहिस॥ कहीयहमीरओलार॥ याहसरनरहीकोइ॥ उ
 डगनकोरअनेक॥ मुरनहीसरनरकोइ॥ सोअघाजअमि
 नचर॥ मुनअलावदीसाहि॥ जोतुममिलेहमीरकुं॥ ममद
 नाफलेजाइ॥४९॥ सीसबचनइमनचर॥ साहिसनमुषल
 ज्यो॥ सेतबंधमिरनाय॥ बंदगीकिसकीकीज्यो॥ उपजघिन
 सेसांगदोन॥ जोसमदनाफलेजाइ॥ मिलिहैसुरकेलोक
 म॥ हमतुममहमांसाहि॥५०॥ दीयासीसधजोया॥ सदासि
 वलोकपगये॥ मुरतेतीसकोडिरावकदरसनआये॥ ये
 तेसूरसरलोकमे॥ मिलेसबमिरनाय॥ बहोतबिलमकी
 न्होहमीर॥ तुमरणतनवरागदजाइ॥ लग्योसादिनपदेस
 मुरतिसाहिबपरिआय॥ तज्येअजातांमुलक॥ तषतदिली
 पतिसाहि॥ मिटीकुबुधितनसाहिकी॥ प्रगढीसुबुधिसरी
 र॥ हजरतिआयेहसममे॥ कहतहमीरहमीर॥५१॥ सोही
 हसममआय॥ धरियरतिकैराव॥ बटैअजांनामाललेहजे
 तोजोचाहै॥ महरमयांमहराबयां॥ हजरतिलीयेबुलाय
 दिलीतषतबगानीया॥ अलघरदीकौजाइ॥५२॥ महरम

मघांपतिसाहि सुं कहै॥ रिति पावस विन नीर॥ साहि को न
न सुष पाव॥ जो आरति विन पुरयायाही किस सरनर दाव॥
महर मघां इम नुचर॥ दधि न देस तजि नाइ॥ ज्यो रण थै न
हमी रविन॥ ज्यो दिली विन प्रत साहि॥ ५३॥ कर महर मघ
जोरि॥ साहि सौ बचन कहाये॥ दठ हमीर कारहा॥ पिसी
सा तो पतिसाही॥ हस मअठल म सुतर पर॥ सह स संग
जरा ज॥ घर चष जो ना साहिके॥ नइ थपन को डिद सला
५४॥ २०००००००॥ ५४॥ हिम तिग हो हजरति कहै॥ साया
सिमुनी ये मीर अमीर॥ जात हराव हमीर अवा॥ मुज न जी
क सो दुरि॥ ५५॥ अपनो अपनो देस॥ साहि दल न लच्छा
ये॥ दधि न देस पतिसाहि॥ कंच दर कंच चलाये॥ परे साहि
अलाव दी॥ स्वेत बंध सो जात॥ मम दना फ हजरति नइ॥ न
रम सेत पतिसाहि॥ ५६॥ मिले रावर एधीर॥ धां न वतन
ए सी नाइ॥ मह मो साहि हमीर मिले॥ हजरति मिरनाइ॥ पी
छे मिले अमीर को अलादी न मिरनाइ॥ हजरति मिरनाइ॥ पी
र को॥ गह कदमू करि लाया॥ ५७॥ धनि हमीर चुनन आदि
कुलै असी चलि आसी॥ या साहि चकीरा हराव हमीर
मुपासी॥ भर पंड नूच कुंदि सिदे प्याम प्रजुग जाया॥ तुम
येन राव हमीर नर॥ तुम निस्त सिलाव कोइ॥ निडा
ध्यान काल जुरा व्यापन हीं कवली॥ ५८॥ ज्यो नाइ हमी
साहि आर मर मयही॥ आसाद वल आर मठ मद मो पा
मीर॥ मिले सव मुर लोक मो॥ हजरति हमीर मद मो
मिले गाव आर साहि पीर जो नीर चहाय॥ ज्यो पाप
पर मित्र ज कंच न हो नाइ॥ अलादी नद मंग
हरि न होय इम॥ कवि मदे ५८॥

एथंनवराठहमीरासौसपूखी॥लीयतसीताराममहज
न॥ ॥मीतीचादबादुधबुधवारसबत१८४९॥



अथलामाफुलाणीकीकीबातलिखिते॥

सिंधिमुलककथे॥ तठेफूलजीराजकरे॥ ऐतामुलकांमराजफु
लजीकरा॥ गुजरात॥ मोरठा॥ जंगल॥ कथे॥ फूलबडोसिरद
र॥ स्पंधकोराजकरे॥ पहलीफूलजीदेवडांकेपरणप॥ मेवेव
डीपठराणीडुडी॥ आपकोबहोतप्यार॥ पहलीतोएकबेदो
देवडीकेडुवो॥ कनूककरा॥ पाथेएककन्याडुडा॥ सोनं
मरकोटपरणाई॥ मोठासबराज॥ इहीनांतिफूलजीराज
करे॥ स्पंधमेअपरेकसमयछेलणीनप्रबठाथा॥ आधी
रातिकोसमयोथे॥ माहकोमेहंनूथे॥ जाडोबहोतपडे
थे॥ आपसरापपीवथा॥ देवडीपाथेथी॥ ननीनरिनरिदे
थी॥ जडानकाप्यालासूपीवतापीवताथका॥ मंदाराडु
वातबगिरमीव्यापिनठी॥ उनाडुवाःबाहरिआया॥ आ
पकोषासाघोडोलीहचाबेथे॥ पेसा॥ ठाठीजातिःदरी
याई॥ आपअसवारहोइबाहरिनिकसा॥ डीलमेसुरति
कोइतही॥ जिहमारगिघोडोलोगो॥ तैठीहीनषडीया॥
दोयपहरमघोडोजैतारणिगयो॥ प्रनातिडुवो॥ आपसी
सुनरिगया॥ तठेसदरकेवारणेचोकीदारउनाथा॥ देवि
रनजीकआया॥ देवतेसोनांकीसपतिमौरजपूतचवो
उनाथे॥ देवतेउप्रहीमतासमानहोगयो॥ तबरेबगडो
रिपकडिबेचिलेगया॥ जैतारणिमबाघोअहीराजक
र तिहनाइजगायो॥ देवोजीयोडोअसवारनजाणंक

हासो प्रायो॥ तब बाधे जी बिचार करि फूल जीन मोही ल
गया॥ महल मजा इसुवाणा॥ सीको बहोत जतन कीयो
यो डोमो दिवांधीयो॥ बहोत जतन कीया॥ इहना तिया
रिपहर गुदरा न होगा॥ सज्जाइ॥ तब बाधे जी बिछी बि
चार कीयो॥ नलानलारज पूतान पृथे॥ बाकरो योन सी
व्याप्यो॥ कोइ प्रसोजतन बतावै जीह सो एह जीव॥ त
बसगलां ही कह्यो राजिवतावै सोही जतन॥ तब बाधे
जी कह्यो॥ रजपूत की बेटी वडी कवारी याने नै लले
सोवा॥ चैंकाडी लकी गिरसी व्याप्यो॥ यजीव तो परणा इदी
ज्ये॥ मरतो संगवन करै॥ तबसगलारज पूत मोहमूद
रहा॥ कोइ बोल्यो नही॥ तब बाधे जो ठिमाही गयो॥ प्र
पका जो डाकी सौ बतलायो॥ थोकी बेटी याहन दोहा
जीव तो व्याह करां॥ मरतो लारय झुंचावा॥ तब बाधे जी
की ननु बोली॥ राजिही की बेटी आयकी यातरिम होश
सोही करौ॥ तब बाधे जी कहि न होत नलां॥ बाइने महल
पधरावै॥ तब ईही राज कवारनैः उबटणों कराई सपडा
ई बागो पहराइ॥ एक जो जाइ महल लेगई सोनां की स
टकहई सीध कोइ मांह है॥ तब इह प्रपूटी फिरि किवां जु
डिलीया॥ मालूखो लिपूटी मेहल्यो॥ धाघरा की काथमा
डी॥ थोहैं काकपडा खोलि नाथ्या॥ निमंक होइ प्रसवां
कै संगि सुती॥ धाती सें लगाइलीया॥ अंतर कोइ राधा
नही॥ महल कै आगे सगली बिरांजनी कह्ये॥ रामजी
कोइ करैला॥ बारली कोनी नचाघोजी सगला साथ स
कह्ये॥ बाइकोइ सोही निमत आंणि घण्यो॥ इनांतिकाय
सिकरै॥ प्रवराति बदीत डूझी प्रनाति डूझी जव प्रमेसर

॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥

जीरुपाकरी॥ घानबाहुडरा॥ कसमोडोत
 किदेकतारासौं नठिअरसालूपहरौ॥ दि
 अरसाथएपामैपमिगरी॥ सुस्यालथकी
 डिगरी॥ तबबाघोजीबाहरिषराषाजीन
 सुस्यालीहुइ॥ बधाईबटी॥ दिनकोनदरो
 तबईहमुहडानपरमूफडकदुरिकीये
 रहीमहलमसूतोछे॥ तबमनमकैहरोप्र
 कुणसोनहुचो॥ अबकहोआयो॥ तबबाघ
 षवासहजूरिषीनायो॥ तज्जाईचाकरीक
 सअराइमुजरोकीयो॥ आपनठिरगादीबठ
 योः पाघबांधी॥ बागोपहरिहरीयारबाधि
 घजीआंषिमूजरोकीयो॥ तबआपनठिरि
 तबबाघजीनुठिअरअरजकरी॥ साहिबः
 तबफूलजीबोल्या॥ डूंफूंजीजाडेचोस्पंध
 तबबाघोजीबग॥ फूलजीबोल्या॥ आपन
 तबरेबोल्या॥ नांचसाहीबाकोयो॥ बाघोअ
 कोधणी॥ तबफूलजीकहीनहेतनलाम
 संतोषहुचो॥ तबबाघेजीकही॥ साहिबते
 हिबछे॥ डूंरावलोरजपूतशू॥ बटीमैसा
 तबफूलजीकहीनहेतनलो॥ मूनमुन
 अबबाहणबुलाइसाहोकछवो॥ तब
 बाजबाजीयाकोडहुवा॥ ब्राह्मणबुल
 टायो॥ व्याहरोप्योः मंगलचारहुवा॥ दोहे

गलीहीडिकैथै॥ मनमयुस्यालहोइथै॥ बहोतयुस्या
लीमांनथै॥ इहनांतिरातिबदीनकरी॥ परमेसुरजीकी
किरपाइइ॥ तबहीरजवीरजकोमेलहुवोजीमीकैजं
वणलागो॥ ईनांतिफूलजीबेलवोकरमदलहीमौराति
दिननेलाहीरहै॥ तबपाथैफूलजीबाघजीनबुलाइक
ह्यो॥ सिंधकनीरपरधाननैकागदलिआवो॥ बाघजीक
हीसाहिबबहोतनलो॥ तबकनीरपरधाननैकागदली
म्या॥ थैबेगाआवोफूलजीजितारणिछै॥ थैमगलीचात
कीयुस्यालीमांनज्यो॥ साथलेप्ररघगाआवो॥ जैठआगो
मिधमवहोतदुचताइथी॥ कहथाप्रमेसुरबकहोगया
यांकोबहोतसाधोकीयो॥ पणीकहीषचोरियाइनदी
तबरेकागदजाइपहुता॥ वहुतयुस्यालीहुइ॥ बंधाइये
टी॥ तबकनीरपरधानसाथलेजेतारणिआयो॥ आनि
फूलजीकापावांलागो॥ अठरहतांकितायेकदिनहु
वा॥ अकआयदेमपधारा॥ तबफूलजीवायाजीनबुला
यो॥ तबहुजूरिआयो॥ तबआपफुगमाई॥ मांदनआजाइ
होतादेसजावो॥ जदियाहकहो॥ साहिबबहोतनलो॥ तब
चलावाकीतीयारीकरी॥ अठवायजीकीबेटीनकर
ए॥ वैहीरातिकोपरातारी॥ तबफूलजीआपकामदल
काठमदलमेसीधमांगी॥ माहांनआगपादोहज्योमदच
लो॥ जदियांदकहप्रमाण॥ आपपधारा॥ मूंनअठमेलेछे
मूंकाठराखलीजाध्यांछे॥ तदकेकोणचिचार॥ नदिआ
पकदीनहोतनलो॥ फूलजीकद्वीआपगर्जदियो
मोहीकरम्या॥ तबआपविचारुकीयो॥ माथाकीमा
थांकीपरदी॥ दाथकेजुडवकाभुदहोदीयो॥ इन

नगदीया॥ तब यांत सलीम करीलीया॥ कंही येथों कांठ
 सहतां एराघो॥ यों करी फूबलजी आग्या मागि स्पंधन
 चाल्या॥ बाघोजी फुं चो बाचाल्या॥ उजारा घ्याम
 नहारि करी॥ बाघजी बारबार यादिकी ज्ये फुं रावल
 सेवम घ्ये॥ उजारा घ्या आघ प्राघा चाल्या॥ सिंधजा इप
 फुं ता॥ बहोत बंधा इबटी॥ अब अंठलाघा
 कोद सवै मास जनम फुयो॥ बहोत बंधा इबटी॥ मुस्य
 ली फुई॥ लाघो ओतारु पज्यो॥ दिन दिन आंतराले दु
 पोछो फुवो॥ तब कवां एप कडी तीरंदाजी करै॥ मुठ
 मप्र वै सो सो मारि न तार॥ चडोही तीरंदाज॥ इना तिला
 पोपेल बोकरै॥ नानू मांमू नानी॥ कदंबः सगलाही घा
 पाकारी॥ देस मुल केलाघो असो सहसकार लेलाघो
 न पज्यो॥ अब सिकार कै चटर मलागो सिकार पेल
 बोकरै॥ घोड असवार एका एकी जंगल में उजार करवो
 करै॥ असी चां तिला पोपेल बोकरा एक समय सूरक
 पाछे फुवो॥ सरपछे लगालीयो॥ सूरशती आगें चालो
 जाइछे॥ प्रनातिको दोडो दोपरां सूरमारो॥ अब आभव
 होत काहिला फुवा॥ गिरनी व्यापी तिस लागी॥ बिया
 रकीयो॥ कठै जल होय तो पीज्ये॥ तदि पहाड मांही जो
 गीको आस एछो॥ तठला योगयो॥ आगें आस ए आयो
 तठे न तरा॥ मांही गयो॥ आगें जो गी जुरडि बठोछे॥ ताली
 ल गार होछो॥ तब यो बोल्तो॥ गरु आदेस तब जो गी प
 ल कड्या डिकह्यो॥ बाल आदेस आदि पुरस कूं॥
 तब जो गी बोल्या॥ बाला कंहा घे आवण नया॥ तब ल
 पो बोलो॥ गरु जै तार ए छे आया॥ बाला कुणहो॥ गरु

४१

जयूतहो॥ जब इंकही गरुन पावत ह॥ जब जोगी चिला
बालोयो कुंड नरोह॥ तहां पीवण॥ तब लाघो देयत आ
मणकी पूठे एक घडो होदन रोधै॥ तज्जा ईपीयो॥ आं पि
शंटी बहोत जो धयायो॥ जब घोडान पाणी दिपायो॥ मुहमे
शंटी॥ तब घोडान बांधि जोगी कांठ प्रायो॥ जब जोगी ई
सूरति देषि बहोत ललचायो॥ मनम कही ईसी मूरति॥
कही देषी नही॥ मूरति देषि मनम रुचि मानी॥ जब जोगी
ल्यो बाला इहा आया करो॥ गरुन लां करगा॥ तब यां कही
गरुन होत नला॥ मो कूं आया हो इच्छ॥ तब ही नाथ मुपी
राधै॥ तब लाघो घोड असवार होय घरा आयो॥ लाघो
लाघा को चितला गो॥ जोगी कांठ जावो करै तब पाधे जो
गी का मन मै बैठी॥ लाघावती सलपण॥ जे लाया को न छि
एक रुं तो प्रमर डूं मरूं ही॥ तब जोगी लाघा मो कही॥ ई
हो एक शेली का बाकराला घो॥ तब यां कही न होत नला
तब लाघो जीवा करौ लुप्रायो॥ आं ए जोगी नदीयो॥ त
ब जोगी लो सुकही॥ इस कै मटका बाहि॥ तब लाघे मटको
बाहि बाकरो मारो॥ तब जोगी न मंत्र पटि जिवा इनीया॥
तब लाघा न श्वरज ड्रवो॥ गरुयो मंत्र मून मिषावो॥ तब जे
गी कही गरुन लां करैगा॥ होली कै दिन मिषां नगा॥ जब यां क
ही बहोत नला॥ इनांति जोगी की सेवा करवो करै राजक
वार चटर मला गो॥ तब लाघा सुकही॥ इहा एक कडन
ही लावण॥ ताम बहोत तेल माव॥ तब लाघे वार्द विधिक
री॥ तेल कडाही पोदवा इदीर्मा॥ होली कै दिन आयो॥ त
ब जोगी कही अजिराति इहा हरि॥ तब यां कही बहोत
नला॥ तब लाघो घरि समयो साधिर

पा

क

सा

तब । ॥ कह. डू. चणदण॥ तबलायकडा चढ
इदीन्ही॥ तबलायकडासणदेरतेओदयो॥ कडाहीषल
नली॥ तबजोगीबोलासदोलेओफिरण॥ तबलायजी
कहीनोतनलाओबोफिरा॥ तबजोगीबोपीपाछेजोगीफि
रणलागो॥ ठीकप्राधीरतिथे॥ चंडमांकीशयाकडाहीमाहि
दिशे॥ यांकीशयामांदीदिशे॥ तबजोगीत्रापत्राप्यो॥
लाघानमाहिकडाहीकैरालण॥ तबलाघोवतीसलमण
जालो॥ जोगीकीशयादेयी॥ तबजोगीअपूठेफिरथे॥ जी
हीजोगीलेरलायेकडाहीमांदीरत्यो॥ जोगीसिखसोनांकोदे
गयो॥ पोरिसोसीधो॥ तबलायेदेप्यो॥ पोरिसोसीधो॥ तबलाये
जीकहीयरमेसुरजीयाकुणस्वनांडुईअबत्रापाहोईत
बकडाहीठंछीकरी॥ मांहीसूकाटो॥ तबवैदीनाठीमांदीपो
राडो॥ उपरिरीरलिरनठीआयो॥ घरिआश्रयोइरहो॥ प्र
नातिजाग्यो॥ उंजाइदितकैसंनलिआयो॥ अंअपक
तांईरहामिबणो॥ तबयोरिसोघरमांदीआइमेल्यो॥ अबधो
डारजपूतकरनेलागो॥ ज्यो॥ ज्यो॥ वाटत्योंत्योंबरावरिहोइयो
प्रनावपायो॥ तबलायाकोमनसवायोबधो॥ घोडांकीका
खानहीलेलागो॥ ईनांतिराजसिकर॥ नांनूं॥ मांमूं॥ चाकरी
करनलागो॥ सेवा॥ आगपाकारी॥ इनांतिहैदल॥ मैदल॥ ने
लाकीया॥ एकदिनमासुंनूरिडुवो॥ कटारीबोलिमोहडा
गैमेली॥ कहनलागो॥ मांजीमादारीएकअखजसुणो॥ मूनतो
सालानांऐजकहथे॥ कुंकुणकोबेटोथे॥ जदीमाबिली मो
बेटावैवडादेसकाधरिथे॥ दाहा॥ मेजेहीरअहीरडी॥ लो
पूतहाही॥ कहकहाबबुफडा॥ फललागोफूलहा॥ २॥ बाबा
तबहैकोबेटोथे॥ तबलायोपुम्यालडुवो॥ माकापावांधोक

देवाहरिआयो॥अबचलावाकीतीयारीकरी॥मामोंकह
 अबैआयांआपणेंदेसचालां॥तबकहीनोतनलां॥ला
 पोजीतीयारीकरिवाघजी॥आगेसीयमंगी॥लाघोआप
 णदेसचाल्यो॥मानेंलेचाल्यो॥बडीजमीतिकस्चाल्यो॥
 मूढआगेहाथीकोतिलचाल्याजा॥पाछेंनोवतिघाजत
 जाशी॥आगेफूलजीकैयेजावतो॥सिंधदोलेंपांचकोसमे
 कोइदलमानंदेसबापावनही॥तबलाघेसिंधकैगोरवेंच
 जाईनगारोकीयोडेरादीया॥तबनगारोमुण्णिफूलजीसता
 जागितया॥कहीकनीरपरधाननैबुलावा॥तबआदर्माएक
 जाइकनीरजीनबुलाइलायो॥कनीरआइमुजरोकीयो॥मे
 वआपकहीअसोकुणथे॥अजमहारीसीवमआइनगारो
 दीयो॥देघोषवरिकरोतोकुणथे॥तबकनीरअसवारदो
 इअरयांकोठआयो॥आगेआपआइरदेपतोआपदरीपान
 इचारकीयांचठाथे॥घोडामोहआगेफिरथे॥रामरामदोइथे
 कनीरदेघ्योकोकोइमबलोवादीथे॥तबनतरिनाइरमु
 जरोकीयो॥देघतोआपफूलजीवठाथे॥तबयानइचरजहु
 द्यो॥परमेसुजीऐतोजांएजेफूलजीथे॥अचहुंयांमूकाई
 कहुं॥तबअग्यामंगिडेरआयो॥आण्णिफूलजीसोकही
 राजिकोइवडोसाहिवथे॥परिराजिकैनोलपडथे॥जांणे
 कराजिवठाथे॥मूनतोवडोअनोडुवो॥राजिआपचालि
 पधारिआपनीमिलो॥तबफूलजीआफआया॥लापेदेघी
 फूलजीआफआया॥तबडेरातांइपांचडाकीया॥आपनुरिमामे
 पधारया॥माथेवाहीपेरदीहीथे॥कडराबानीकचारथे॥हाथि
 वाहीमुदडीथे॥आण्णिपावांलागो॥तबफूलजीनैठही
 हाथमेल्हो॥छातीमोलगाइलीयो॥

श्रीकोबेटोछै॥ तबयाकहीइंसाहिबकोबेटो॥ त
 जीकहीछातीसौलगाइलीयो॥ दोन्युअंणिएक
 ॥ तबयापुछीयारीमाकोठ॥ तबरेबोल्यासाहि
 पाछै॥ आपमाहिपधारो॥ तबफूलजीमाहिपधारा
 ॥ बहोतसुस्यालझुवा॥ तबफूलजीबोल्याबडोर
 नेआया॥ मेहयांकीकोइमहमाकरा॥ तबकहीमह
 ॥ हिबकी॥ साहिबपारिसकुलोह॥ साहिबसंपरसिद्ध
 ॥ नकुई॥ इहनातिबतलाया बरुतसुस्यालझुवा॥
 एकदोयप्रठहीरह्या॥ पाछैबाहरिआया॥ लाषाजी
 रहीअबसिंधवालो॥ तबयाकहीसाहिबबहोतन
 तबबापबेटाएकहीमुषपालमैबठा॥ सिंधमैजाइ
 मकीयो॥ रतिरहाप्रनातिकुवो॥ दोहा॥ सिंधध
 ॥ रिआबीयो॥ बासोबसीयोराति॥ लाषोलाषमीपीये
 हरेपरजाति॥ २॥ लाषेलाषदानदीयो॥ देवडीसोंमिल्यो
 ॥ कालूसोंमिल्यो॥ बाइबहणसोंमिल्यो॥ सुषसा
 नदीयो॥ जुदीहवलडिरोदीयो॥ जोकोइमुंछाआ
 ॥ वडी॥ मेहलतीहीममहारमेल॥ सालानगरमै
 ॥ रजकुवो॥ नाइकोइअतारछै॥ इनातिलाषोफूल
 ॥ नेलारह॥ बहोतमुषकरै॥ फूलजीदेधिदेधिअजस
 ॥ नांति॥ फूलजीआपाकारीरहलाषाको॥ लाषोफूल
 ॥ नेलारहै॥ लाषोमेवगाआपाकारी॥ फूलजीकितरायेक
 ॥ नेलारह्या॥ पाछैफूलजीमुहीमनचालो॥ तबलाषा
 ॥ फूलजीकही॥ बाबाहेचालांछा॥ पाछैतूनसमथै॥ या
 ॥ इछैसोमूनजांणत्योंहीजांणज्यो॥ कालूकवरधारोना

म

इच्छे कतीरपरधननमहारजाशांजो एजे॥ देवडीतूकाल
 नजो ए॥ त्योंहीलाषानजो एजे॥ कालतूमूनजो ए॥ त्योंही
 लाषानजो एजे॥ क॥ नीरतूमोनजो ए॥ त्योंहीलाषानजो
 एजे॥ घणोंको इकट्ठं॥ या कह करि फूलजी चाल्या॥ लाषो
 प्रंठरह्यो॥ लाषो बेलबोकरो॥ मवारां दरबार आवा घोडा
 त्रौ उतरि मां इकी हजूरि जाइ॥ मुजरो करौ बहण ना इबत
 लावा पाछे प्रांणि ~~बैक~~ दरबार बठौ एक बषत मां इकी ह
 जूरि जाइ॥ तब पाछे मोठी संवरो पाइलो हूवो॥ उंमर कोट
 सो सिंध प्रायो॥ जब यो व्याहो तब लाषो प्रंठन थो॥ प्रबल
 प्रोजी प्ररो मिली बहोतर मझवा॥ कोइ एक दिन नलर
 ह्या बहोत बेल्या॥ पाछे प्राग्या मांगी॥ तब बाइक ही लाष
 नंमर कोट पाइलो हो ज्ये॥ तब झुजां लो मोसूं प्यार॥ उंमर के
 टबडी जाइ गाथे॥ देखि बासारी मोथे॥ तब लाष कही बदे
 तनला॥ झुं प्राव स्यां ये सुप्याली मां नूं॥ तब यां संमरा सो
 ही प्रापनी लाषा सो कहो॥ ज्यो प्रापण प्रां यो ए प्राव
 कही बहोत नला॥ तब पाछे पावण चाल्या॥ मुकल
 होइवो॥ पोहचानुइवा॥ संवर कही पधारिजे॥ लाषजी
 नाराय्या॥ प्राप सिंध मआया॥ प्रांणि मां इकी हजूरि
 वा॥ समचार कह्यो॥ एसमाचार फूलजी न लिष्या स
 ब्यारि लीष्यो॥ और लिष्यो जो मून बुलाइया थो॥ जे
 फ्राग्या दोह तो नंमर कोट जांती॥ तब वां कही नैत
 ये लिप्रावो॥ तब पाकिता एक दिन रविग्रस्ना घात
 टाग्यो॥ संवरान घवरि दृइ जे न्यायो
 पुरी लो सां हूं प्रायो॥
 तरली प्रायत इवा॥

मुनाथकीया॥ आगे पाटवरकी ब्यतिरपावडाकीया॥ ला
 बाजी मंदिर पधारीया॥ संघाको समयो हुवो॥ तब आपमं
 हिय धारया॥ आग देखै तो एक बाइकी नण दबडी कवारी
 सो नाकी साट होई तिसी॥ सहला केऊ मि कै आणि जरे
 घाम हांकी॥ तब लाषा को चित चोरिलीयो॥ चित नृम होइ
 गयो॥ तब बाइकी हजूरि आयो॥ तब देखतं ही पायो॥
 लाषो मुसायो॥ तब लाष कहि अज कुंत जांणें छू गला माहि
 असामो काई तछै॥ बाइया कुण छै॥ तब बाइ कहि बीरा याम
 हारी नण देखै॥ तब लाष तसली मचरी नण देखै तो मो
 न देखो॥ तब यां कहि बहोत नला॥ पणियां कै ऐक अ
 डषला छै॥ एपरण वन्ही बिटी होइ सो मारिराला॥ इह के
 कोई न पचुं कुवो सो या मारी गइ नही॥ ऊं पृथिमं अठं न
 परा लिकां ईछ॥ जब लाष कहि महारो काइ देखि नलो
 मनावोला॥ असी बस्त ओर कां ईछ॥ जूम न युसी करसो
 तब बाइ कहि मोत्यां का आषाले अह॥ निछरावली करी
 अर कहि अज कुं थारा बहणे इ न पृथिमं॥ तन समचार
 कहस्यो॥ नाइ नृस्याली मां निज्यो॥ लाषो हजूरि हीजी
 मो॥ बहोत नाति कुइ॥ पाछे आप डेर पधारा॥ राति या जा
 डेची सुबरा के सहल कुइ॥ तब हाथ जोडि न नीरही॥
 तब यां वृथा कां ई कहो छै॥ माहिवा की बहण राजि कुछ
 रः अठ महल लाषानूजो दणन महल मवनी छी॥ तब लाष
 नण न देखी॥ सो साहिब सो अरज करी॥ अब आप लाषा को
 नलो मनायो॥ जब यां कहि माहार तोइ एबातरी तला
 कछै सो छे जांणें ही छै॥ तब यां कह्योः अब यां हरी तला
 लाषारो नलो मनायो॥ त

पणिएक

दोनूनों का आजीसद्वृत्तः स्वयं स्वयं भुज्जुत्तुः स्वयं स्वयं
 ऐकनतरवणोचो॥ ज्योआपणोहोसनतराषिवानियाकहोहड
 प्रमोण॥ बाइथांनदीही॥ पणिएकअडवीअसंगोतोप
 रणोचो॥ जिणिएदिनिमाहोहोशीतिणिएदिनिमहारेवामण
 थांनप्रनातिकह॥ अजिकेराशे॥ नंमरिकोटपधरो॥
 तिणिएदिनिअणिंसंघारेसमयअणितोरणोचो॥ योक्कहो
 तवयोक्कहोप्रमोण॥ राजिअवप्रनातिकुचो॥ तववहणनाइसे
 लाइवा॥ तवयेसमाचारलाघासोक्कह॥ लायकंहीजेतन
 लो॥ तवलाघानदेणीकरी॥ आग्यामोगिक्कचकस्चाल्पा
 सोढोपकुंचानुडुवो॥ अखननाराय्या॥ कहरोवेगाहीपा
 कुणोहो॥ लाघोचाल्लो॥ ऐकनाराय्या॥ आयसिंधअ
 या॥ अरेअअअअसोबिचारकीयो॥ पोचपोचसैका
 श्रीसोहणीमहवाकानीपज्या॥ सिंधपुररातीपज्या॥ त्यांह
 राउंचाकाधा॥ दोषाबालषा॥ मोरकीसीगरदन॥ पोडनेली
 येसंगीधठी॥ असीअसीकोसनप्रनेल्ह॥ सोनारीसाघतिसो
 सिंधवीचि॥ अरुंमरकोटवीचि॥ ऐसाहीहजूरिलोहचाव
 वोकरैयांचसै॥ यासोतरिलगाइराधी॥ कोइककुवेलांअ
 णिकहो॥ इहनांतितयारीकरिराधी॥ अखनमरकोटसोवो
 मणरातिअणिंसिंधमबासैवस्यो॥ प्रनाकिअणिलाघन
 कागददीयो॥ अजिअण्यएकाउंमरकोटपधरो॥ तोर
 एवोधो॥ पोचसैकेसरयांमंलाघेअसवारडुवो॥ सोना
 रीसाघतिरः ॥ १५ ॥

अअसासोएकदोडिदोडिउंमरके
 तोरणवोध्यो॥ ऐकनोटचोली

ब्राह्मकरवाये॥ लाघरी को डकीयो सो माइ न मुहा
 यो नही॥ अथ कैसा सरे महारो वे दो परणायो नही॥
 पण्यानजाण अणपानवो लाघो नीठ परणायो॥ सो लाघो सं
 म्या कै न घत हजूरि गयो॥ बहै अणणी बडारणि सुं कि वारों क
 रिराष्यो॥ दो परां ही॥ लाघो महारी हजूरि आव स्ये म्यारे स म
 यो प्रष्ट तब कह ज्यो॥ लाघो जीयो डामो उतरिः मां हि पथा
 र॥ तब बूज्यो माई जी को ठै॥ तब याह बोली साही बचा
 को डी ल नही छै॥ तब अप पधम्या अरो गिर तब पाछे व अ
 रोग्पा॥ तब पाछे उषला दोहरा हवा॥ तब पाछे नहि चढी॥ म
 यवां छै॥ सो यो दगा छै॥ तब अप बोला॥ मां हां न घचरी दी
 नही नही सो कै॥ ईक हो सा दिव माहां त डुक मन ही॥ कहो
 मति वै दुषपासी॥ जव अवत दि क ह ज्यो॥ हजूरि ले अज्यो॥
 अफ अप पधमो॥ लाघो मां दि गयो॥ पहली तो ऐक सल मगो
 यो॥ पाछे एक वोरामायो॥ अंणि र हजूरि न जो रह्यो॥ नां वतो
 लीयो अघमा को॥ अप सिंगार करि मृती॥ देधिर न ड क्त
 ठि न नी रह्यो॥ तब वां कही बैयो॥ टो लणी नि परि माहां को न ले
 मना बो छै तो बैयो॥ तब ऐ अ पूण मुडरा॥ देष दो कि वा ड नु
 डरा छै॥ तब लाघो कुरा को रो क्यै रह॥ अजाण वाहः बती सल
 १: आपणी को यर॥ तब कि वा ड के ला त दीनी
 रचा ला॥ चालता को दावै ऐ घै चिर फा डरो
 १० मसी॥ लाघो बाहरि आयो॥ घो ड च दि चाल
 पणै डेर अणि उतरा॥ पाछे रावला मै गिले
 कपडा फाडि नाष्यो॥ माथा का के सपो लि
 गे घे मूमा डे कूं राष्यो नही॥ बुला बो कनी रप
 नीर पर धां न से कही थान माही बुला वछे

येमाहिगायादेपतोपडदोदीयांबठाछे॥विपरीतिबोलछे
 कतीरजीदेपिलोपेतिकोकरी॥लाघोमहारमहलिआये
 मूनदायषघालो॥महारोवोछणोफाडिनाछो॥कुंना
 जिषदी॥येदोडिआपसौषवरिकरी॥तबकतीरकदीषो
 दीकैरी॥करहोतीहोमरो॥पलपलाटकरतो॥अंतिरारो
 नांबीबावलै॥तिहकतीरअसवारडुवो॥करहोचुटक
 फूलजीदिमिनदोडो॥अरलाघोअसवारहोईअरडरअ
 यो॥उतरिमहलिगयो॥तबरेसमाचारसोछीसौकहा
 येसुण्णाम्हाकीमाईजीमाहासौंदकोकीयो॥तबयाकही
 साहिबकहो॥काईकीयो॥तबकहोआपतोरहामिम
 पोठिरहा॥अरकहीलाघोआवतबकहज्यो॥साहिब
 आपकोडीलनही॥येहजरिचालो॥हेहजुरिगाया॥तब
 किवाडजडिलीया॥आपनुजिनाडुवा॥मूनकहीत
 दोलणीबैठी॥तबमेकहीपरमेसुरजीयाकाईडुई
 तबपाछेफिरैतोकिवाडजुड्राछे॥तबकिवाडतोडि
 रवाहरिनिकलो॥येसमाचारडुवा॥तबकहीसाहि
 बआपरेकगांवकाबयाःनेला॥जैचोदमोहिरतना
 पेतीताकैमैलहोवानही॥बैहिनौडादीषसी॥साहिबतो
 निरमलछे॥कतीरफूलजीकाढागयो॥तबफूलजीबू
 रिसोदीछी॥कोइतोकतीरसारिषोकरहोमारयाआव
 छे॥तबहजरिआश्रकरहोमिकायो॥माहीजाइमुजरा
 कीयो॥पावांलागो॥बोहा॥कछकतीरधाडीयो॥कोदे
 डकुसलालोफूलमहलीया॥बिणदेवरबिणपुता॥
 ॥४॥॥बोहा॥कतीराकूडोययो॥प्रस्तनार्थअजोण
 लपोपुवनचूकवै॥जैबूकतोछांण॥५॥तबफूलजी

कपडी॥ कही कतीर मारी कांई ॥ महारो

लिषो दोला घान नजूम हारी धरती ममति रह

तां वसु ए इतरी धरती ममति रह ॥ तब कनीर काग

ले अर विदा डुघो ॥ अष्टोही घडो ॥ मिध अयो ॥ अई

या ॥ देव डी युसाल डुई ॥ पणि अच को इलाघा

कह सकै नही ॥ साहिब नै का एको डुक मया यो छे ॥

नही कही की जो लाघा मं प्रतनी कह ॥ लाघो जी जी न

इन घावो ॥ सो कागद लाघान दिघावे नही ॥ जीवम

लां न प्यारो ॥ साला जं ऐ ॥ पणि लाघो न जं ऐ ॥ फूल जी

को यो लिषो अयो छे ॥ तब महुल मया पदो लणी न प्रव

० राष्टा ॥ पां क अरौ शो ॥ तब राणी सोटी कही ॥ साहिब नै क

खरि पणि छे ॥ तब अय कही माहान तो खरि कूं नही ॥ त

वयां कह्यो ॥ साहिब न दे सनिकालो अयो छे ॥ तब अय

बीडी चा बैश सो ना बिदी जी कह्यो थमहान मो डो क्यो

कह्यो ॥ थान तो तब ही कह्यो छे ॥ थान कह्यो हे साहिब मे

डर प्या ॥ तीचा स्तमूं छपडिस क्या नही ॥ तब थान कह्यो चहो

तै ॥ और डर प्ये ॥ थै कौ डर्यो ॥ महारो रजपूतों लो का डेर ह

अप न छिवा हरि अयो ॥ तब डुक मकी यो ॥ जो डिरा वाद

रिदी यो ॥ अप वाद रि अणि रह्यो ॥ मवार डुवो ॥ वस्ती थमि

मारी नी कैं कलि अयो ॥ लो ग सगलो लाघा की लार डु

वो ॥ सहर सगलो मूं न्हो डग्यो ॥ लाघो मारी माथ लया द

रिती कल्यो ॥ सहर मको ई क करो विला इचीर दी नही ॥

कालू कवर की धाई धान रह्यो ॥

पर धो न्हो ॥ लाघो य

लाभाफ.

कुणरहे॥ यथेच्छा सोनी चूणिना बिलारु
कणीरजा इराणी दिवडी मोकह्या॥ लाघो दि
गोरचेरह्यो॥ पाछे कुचकीयो इनातिला
करिचाल्यो॥ कछ मोरुकी धरती मैतुंचो च
जी को मन विगसचाल्यो॥ थां न्यो थं नही॥
काई कीयो॥ बेर के कहे मै आग्यां न लाघाना
यो॥ अब इंकहां पांच॥ वासूरति इंकहां
पाछे करि स्यो॥ फूल जीत बही कुंचकी
तो मिंधसूनी पडी छे॥ कागला पडे छे॥ त
धिर कही छे करोला मोनही॥ संधसंती दी
वेतो दिवडी लूसा का अलही इजि सी बैठी
रधान छे॥ फूल जी दे धिईता मोही अपूणे बा
घाका डेरा दे धिरया टिप ड्यो॥ चालतो ही इ
घाका डेरा होला जाई॥ पाछे संजा इरवाही
गैला मोनचा डेरा करतो जाई॥ जछ जाइत
डिदी ज्ये॥ आगैंतवा डेरा होला जाई॥ ऐडे राऊ
जछ आपका डील की रहा सिजठ की जलूरि
प्यालाः सीसीः डावाः कुजाः सिंदलीः बिछ
णीः साली मसंदः ज्यो की ज्योः मेहल जे॥
ईतो त मनोत मडेर होला जाई॥ तछे आपज
पाछे फूजी जाइत र॥ दूर सों डेरा निजर
लजी की जी वसुष पावै॥ अब कैलायो पा
वतो डेरा माली छे॥ लाघो नही॥ वैही छेला

गुणनकछपाइस्यो॥ पाछिलडिरांरेउतरताजाई॥ प्रनाति
 कुंकरो॥ आगिलाडिरांजाई॥ तवनसाहीडिरापावैइंनो
 तिआगिपेछेचात्याजाशी॥ आगेआगेलायोडिरानराद॥
 छेडणलागो॥ फूलजीकोआंतिरोनागेही॥ तवपाछेलो
 पेजो जरीनदीनप्रजाइडिराकीया॥ लाषजीकहीयाजो
 रीछे॥ इहनतोतमकरो॥ इहनसिंगारकरायो॥ तवकसनर
 कस॥ पुपसीकलातेनदीनपहराणीचरी॥ नंदीनप्रनुषाद
 कीया॥ प्रनातिहुवाकुंचहुवो॥ तवयाजवाजजोकांत्योर
 हवादीया॥ पाछेसुफूलजीआया॥ तवदूरिसौदेष्वा॥ अच
 केलायोपायो॥ आगेआवतोडिराननाछेआरकोइनही॥
 तवहीदिमिरुणरतिआशीरहासिमजाइंतया॥ सोरठा॥
 हेजो जरीजुराह॥ पेपंधीबोलाईया॥ कोइदीगंनणहै॥ ल
 षपतिसरपापाहुण॥ ६॥ दोहा॥ लाषासरियालषगया
 अनडसरीयाआठ॥ हेमहडावसारिया॥ बलेनआयवाटे॥
 ७॥ योजोजरीनकह्यो॥ तवफूजीलेमोटाउपरिदुपटेली
 यो॥ रामरामकहीरपांणछेडिदीया॥ फूजीतोअठहीमृत
 वसिहुवा॥ तवैपाछेलाषोजीजाइरदुवारिकाकादेसमेरे
 कजगलदेमिरुतराडिराकीया॥ सहरचसायो॥ नबोन
 गरनांवपाडो॥ नबोनगरपडोपुरपटण॥ तछजाइमहलाई
 तकरी॥ बडादस्वारकीयो॥ तठलाषोराजकरैअकअ
 ठतोलाषानकह्यो॥ मूनतोफूलजीमूवानीसुणावोम
 ति॥ तिणरीजीननुयाल॥ सोकोइमूवाकहसकहीअ
 सीहदीसषाधी॥ लाषोपेठबोकरै॥ तवपाछेराणीस
 ठीमनजोलीयासौकही॥ तूआपनैफूजीसु॥ १॥
 हिस्साकरिलेस्पा॥ तूनदोसलगणद्यांतह॥

नोलीयेटटमगाईसुणायो॥ दोहरो॥ फूलसुंधीबहा
 यो॥ योमहामहाराज॥ तोबिणसुंधीसिंधी॥ बलि
 लमामहाराज॥ तबआपकहीनोलीयाफूलजीमूवा
 तबनोलीयेकही॥ महाराजिआपहीकहोछे॥ इंतहीके
 हेंछे॥ तबआपबोल्यामहारीजीनउषालो॥ तबसोछी
 कहीमहाराजाकदेजीनकटाइ॥ जीनसोनांकीकराई
 रखलणादोह॥ तबआपकहीनलां॥ तबजीनसोनांकी
 कराई॥ बांमहणंनदीही॥ तबपाछेलाषजीबहोतपुन्य
 कीया॥ फूलजीकोहोतलोगारकीयो॥ तबपाछेदेसदे
 सदेसउप्रकटकविदाकीया॥ नोमीयांमारा॥ अरध
 रतीलीही॥ ईहनातिलायोदोदिवोकरे॥ एकसमयदोन
 इमोलंघी॥ दोन्युघोडाअसवार॥ दुवारिकाजीजाईनगूं
 णीधरतीसंआया॥ आंछुणीनजाई॥ तबऐकदिनपरना
 तिकैसमेआल्लणपुरआयादिनजगातां॥ तबकहीनाई
 जीनतरो॥ अरघाणीरीजोषछे॥ घोडकोषोल्पो॥ तबउत
 रिदतिणकुरलाकीयाअसलषाया॥ तबपाछेदुषी
 पारबाध्या॥ घोडाअइअसवारहोवानडुवा॥ तबऐक
 माईचाबकोचूल्पो॥ दांतिणकरछेतिठ॥ उठेकहो
 सनाइकउनोछे॥ तबइंकहोनाइचाबकोपकडाजे
 तबवैर्नंवासंबगाइयो॥ तबइंकहीफटिरैनांडाबछे
 राकीआषिकांणी॥ घोडीसूनरशी॥ तबउठेकरजपूत
 ओरनीननोछे॥ दांतिणकरछे॥ त्यांहपूछेजूआपकांई
 कहोछे॥ योमहोकाबिसलांतोछे॥ सोमंनअपकहो
 येकांईकहो॥ तबप्याकहीघोडीकापेटमबछेरोछे
 तिहकीआषिकांणीइई॥ तबवांनकहोडोइचरजपूवै

[illegible]

धाफु

सोरे बतलाया॥ तब योग करान बूझा॥ सजि महारो घोडो
बीगडि गयो॥ तब यां कही महान घोडो दिषावो॥ तब आंणि
दिषायो॥ घोडो देष्यो॥ तब यां कही बिद नपाई ईह कही
घोडा तराति सपनां मै धको डूबो छै॥ ईह क सपनां मै घाव
लागा छै॥ तिह सौं घोडो मन मारि रह्यो छै॥ सो एक न्ह क
सो थै करो॥ गांव के घरि लै किनारे जावो॥ घोडा तरा दि
दिषावो॥ मै चक बरावो॥ घोडा की आंचाटनी कलि
जासी॥ तब बांह ईहां लिही कीयो॥ घोडा डि देषी आ
छे निह केवल डूबो॥ तब बडोही इचर ज डूबो॥ राजा बु
लाइ धी दायो॥ डैरो दिवायो॥ मिऊ मां नी करी॥ तब पो
छै एक नाइत आपणी बेटी दीई॥ देस प्रगनां बत ईदी न्ह
आपर ज करै॥ बेटी को इन्ही॥ बेटी छी॥ घर जवां इ करि
ष्यो॥ दू जो नाइ फूल जी परणायो॥ आपणी बहण परण
ई स्मिध परण्यो॥ तब दो न्युहं जोरावर डूबा॥ घरती मारि ली
एक बेटी चां वडी के डूबो॥ यो बहोत जोरावरी करै लो
गो॥ तब लाषे मारो॥ बेटी इह को अण हल पुरनां न के आं
ण रह्यो॥ तब इह बिचार कीयो॥ जू डूनां नोन मारि राज ले
स्यो॥ तब इह आपणै काको बुलायो॥ जाडे चाक परण्यो
छै॥ सो नीमी यां नपरी दोड छै॥ सो आं पि आं धो डूबो॥ घाव
लागा छै॥ तिह न बुलायो॥ दो न्युबाबा बेटी मत बैठा॥ ईह
पूछै डूनां नोन मारि राज ले स्यो॥ थै कां ई आ ग्या दोह॥ तब
इह कह्यो बेठा मारि डील मत करै॥ तब ईह की मासुणी
तब चाबोली॥ जे छी महारो बाप को मारि ज्यो॥ तब आ घोबे
लौया कुण॥ तब ईह कही महारी माछे॥ तब ईह कही ईह
ननी मारि नाधि॥ तब बेट मा के मटका की दीन्ही॥ मारि नां

धी॥ तब कहि नानं नै मारि॥ पाछे जाय नानो मारो॥ चा
 कोरा जलीयो॥ अणहलपुर कोरा जाइयो॥ तब ऐक
 डेजे चोई ड्यो॥ पाछे लाषो दो ड्यो॥ सो अणपको फूफे
 धो मारो॥ अलहणपुर मारो॥ इहं को को इनीर हो
 तब या नूवा अणि ननीर ही॥ लाषा घर मै पाणी दे दोर हो
 ऐक यो पारो नाई छ॥ इंधारी नूवा छ॥ मूने कांचली मछो
 वदे प्यो गोदी में ही व हो तद साधरी॥ तब लाष कहि इ
 नां वर साइ च॥ योरा यो॥ तब यो लो अणपणी नूवा न ले
 न वै नगरि॥ जितरा धरती मै नो मीया शसो लाषे मारि न
 दीया॥ तब सिंधरा वजे संध दे सो लो यी सिंधपुर को थण
 है सो लाषे राडिली शिलाषान तरवारि पाकडा को ई पू
 लाषो वडो बली॥ तब लाषो सूरज की चार दो ड्यो॥ य
 काली दतु न मा स्यो॥ यो हसूर जत देह वो कर॥ तब पा
 धणी घोडा चढि दो ड्यो॥ तब अगो धूं हरि॥ अगो गाम न
 इन ही॥ तब आसो मपुरा तै अणपु बोवा ड्यो॥ तब गला क
 को इन ही॥ तब रजपूतो कहि साहिब घर कठि नै॥ तब
 कहि घोडी की बाग दीली द्यो॥ यह घर को जां ऐछे तब
 छै नवनगरि आयो॥ तब पाछे द्वारिका ककनोरे जाई
 सरत लाव करवायो॥ सिंधरा वल डिबो करे॥ लाषो
 णी वारमी दो॥ लाषान पूज नही॥ तब राडि करतो वेठि र
 लाषो वडो बली॥ अणमो गप डे नही॥ तब लाष वर तम
 जको धणी जाई तिह लाष दी ज्यो॥ ब्रामण मही नूवा
 करै घडी के ठह को दे॥ तब ही हेलो पाडि दे॥ कहै
 जाइरै॥ लाषा जो शी घडी नी कली जाइ छै॥ यो ककम

लाघोबडोहीसाहिब॥ रघाश्चसौनोतप्यारगोप्रापने
 लैजीव॥ रघाश्चनशेडनही॥ समयअणममयहजरिज
 श्रीमहलकोपारवास॥ रघाश्चबराबरिकोइही॥ तबप
 छेलाघोएकंतजाईगांजाइबै॥ नंदरदनकरोएकएक
 दूसरोमिनयनही॥ तेबहोतरोगा॥ रोइरहतबषवासद
 जूरिजाई॥ तबअंधिधूवाव॥ तबपाधेंबाहरिअंगिब
 ठापाधबोधे॥ बागोपहरो॥ तबरघाश्चजाइहजरिमजुरो
 कर॥ वैसमयअरकोइजाइनही॥ कोइबूजलाघोजीको
 रोवो॥ तबवहनगरदनिमरवावै॥ कहनही॥ इहनातिवै
 समयरोबोकरे॥ तबपाधेंदरबारकरे॥ तबएकदिनरघा
 श्वःमांहीजाइये॥ तबदरबारसगलाबठाये॥ सोनरिन
 नारहरा॥ पडावडापटाइत॥ बडाबडानमराव॥ ७त्पा
 हहाथजोडिअरजकरी॥ कहोरघाश्चजीअरजसुगो
 तोअरजकरे॥ तबऐननारहरा॥ कहीअरजकाइकही
 तबयांकहीरघाश्चजीमहांकतोराजिलाघाजीकीज
 शगांछे॥ जिसालाघाजीजिसाहीराजि॥ ऐसमलाठकर
 ० अरजकरेछे॥ राजिलाघाजीनपूछे॥ राजिकोरोवोछे
 औरकहीकोआसमानहीजोपूछे॥ तिहसौराजिपूछे
 ॥ तबरघाश्चबोले॥ गकरोछेनलीकही॥ पणीमूंमूं
 हीकांईरजपूतपणोरहोछे॥ लाघेमहरोबापमास्यो
 महरोकाकोमास्ये॥ नाइमास्य॥ सगलालाघमास्य
 इंऐकनबस्योछे॥ तिहकोमहारीमाकाचलीकोमा
 गिलीयोछे॥ लाघानतकोपूछे॥ तिहैकछणामाथा
 होई॥ महारोऐकमाथोछे॥ ऐसमाचारघायचकर
 तबयांकहीरघाश्चजीथांननेठहीमारतोराजिकील

रमरां॥ देसनिकालो दे तोरांजिकी लारछे डं॥ रमदिन
जगारनमो गां॥ साहिवांकीचाकरी करं॥ राजिपृष्ठे
राजिबिनांकोइपृष्ठे नही॥ तवरषाइचकही नलांयव
रोइं पृष्ठिसौं॥ तवरषाइचलाषाजीकी हज्जरिगयो॥ ग्रा
माधेवां धिवटा॥ बीडीआरोगैश॥ तवअणिमूजरोक
यो॥ मुजरोकरिकटी धोलिमूणं अंगैमेली॥ तवअ
कहीकटारी नगइले॥ तवयांतसली मकरिकटारी
गइलीनी॥ हाथजोडिन नारहरा॥ तवअपकहीकट
तवरषाइचकही॥ लाषाजीसाहिवाकामनमैअव
रविलाइतनही तोमगली गुजरातः साहिवकैछे॥ मग
लीकछेः सगलीः मोरठः॥ विलाइतअपकैछे॥ साहिव
कीसीकहीकैछे नही॥ नाई विलाइछे॥ घोडा नदी तोर
जिरादीयाकहीकैजाइछे॥ घोडायांलाजी रायाकही
कैछे नही॥ अरघोडा म्हारछे॥ अरहाथी नदीछे॥ तोराजि
रादीयाकहीरैजाइछे॥ कजलीवन सगलीराजिदंकि
छे॥ हाथीराजिकासाकहीकैछे॥ अर नाई हाथीद
छे॥ अररजपुनछे नदी॥ तोरिडावडापटाइतराजिगछे
असासरवीराजिअमाकहीरिछे॥ नाईरजपु
हीमहसछे॥ डेईलारजपुननदी॥ तोरिअगवमान
पीमिधपुररोधणी॥ मोराजिअंगोपाधेयतीकइवार
मितोअरजपुनलाषाजीसाहिवाकोइइलदंकोइइमा
तरवारिपकइअराजितेकोइपूजदं॥ नाइरजपुनदं
छे॥ दातारनही तोराजिघडी घटीलापदंछे॥ दातार
राजवरावारिकोइछे॥ दिवा॥ गुगनावांनवमदे॥ अर
दवाकेकुचुयवगिछे॥ तोरांनदंकोइदं॥

दमडाहीछै॥ अरमदारपजांनूछेही तोराजिरपोरसौछे
 पजानूराजिरोसोकहीकही॥ अरराजिकासामदल
 कहीकछही॥ वंमरकोटपरखाछै॥ अरसाहिबक
 हड्डंसममून्ही॥ आसारंजाण्योन्ही॥ तोसाहिबचोद
 बिद्वानिधानछे॥ अरकहोसूपवंतही॥ तोआरामो
 कजागंकजीछे॥ साहिबोसारिषासुपवंतआरकोइह
 औरलाषाजीःवो छतिमहंतः रावतैः कहीबातकीदी
 सही॥ राजिजीवदोहरोकरोः सोकोणवास्तो॥ योदम
 हांकोबिलंतोछै॥ आपकेमोछकोईपडिसकेही॥
 आपकुणवास्तजीवकाहिलोकरो॥ तबलाषाजीक
 हीतोतनला॥ येसमाचारहेथांतआंथणराकहस्यो
 अबयेडेरजावो॥ सगलांहीनसीपछे॥ तबरषाश्चज
 बाहरिआया॥ सगलारजपूतनुठिननाहुवा॥ तबरषा
 श्चबोल्यो॥ ठाकरोहेलाषाजीनपूछोछै॥ सोयामहां
 सोकही॥ येसमाचारहेथांतआंथणकाकहस्यो॥ अ
 बतोसगलांहीनसीपछे॥ डेरजावो॥ तबसगलांःआप
 ऐःआपऐःडेरगाया॥ तबलाषाजीकासासामदलदरी
 यावमछा॥ सोमदलबुलाया॥ रषाश्चआजिआवछै॥ थं
 कोठ॥ तिहनमहारषासनवाडैबगणिलेजावो॥ समद
 मवाबीटकछै॥ नुठमेलिआवो॥ मेलिआयानहीतोथां
 नमारौलो॥ तबरषाश्चदरबारआंथणरसमयागयो॥
 तबलाषाजीडोछीमैसामुंदीमिल्यो॥ रषाश्चमुजरोकी
 यो॥ जबलाषेजीकहीरषाश्चजील्यो॥ तबयांहाथअधि
 कीयो॥ जदिलाषेजीहाथमदीया॥ तदिआपकहीदेषो
 कोईछै॥ तबमूछीमोलीरदेषतोकही॥ साहिबच्यारस्त

नष्टे॥ तव आपकही ऐरत नती पजैछे॥ तिकी जागां देधी
तव याकही साहिब न देधी॥ तव यां कही सांहां के घासा
ना बडो छे॥ तिहै बैरि जावै॥ देधि आबो॥ महे मलहां न डू
कम की यौ छे॥ तव यो हजूरि सौ मुजरो करि असवार होइ च
लता डूवा॥ जाई समंड की तीर न तरा॥ मलहां आंणि मुज
रो की या॥ आय न तरि जाइ ना बडै बठा॥ तव मलहां कही
साहिब आंणि बैरो॥ तव यां कही नाई एला या जीरा बि
शं वणो छे॥ महारी हदनी कांई हूं आपका बिशं वणो बै
रो॥ तव यां कही बठो ध्यान डूक न छे॥ तव तसली मकरि बैठ
तव यां ना बडो छे॥ जाइ समंड मची टक छे॥ तिह की तीरा
आयो॥ तव मलहां बोल्यो साहिब न तरा॥ तव न तरि आया
गया॥ तठै लाघा जी काया साम हल छे॥ तव मलहां कही सा
हिब अब आप दधी पार घोली पोछो॥ सवारै जाई गां देधी ज्ये॥
रघाइ चतसली मकरी बिशं वणो न तरि जाइ न तरा
ऐसा हिवां का बिशं वणो छे॥ जव बां ह कही ध्यान डूक न
छे पोछो॥ तव दधी पार घोली पोछो॥ मलहां ठवै॥ नी क
द आई जदि छे डिनागा॥ ना बडो छे चिले गया॥ रघाइ चने
समंड मै मे लि आया॥ आंणि लाघा जी सौ मुजरो की यो
साहिब बानै मे लि आया॥ तव सवार डूवो तव जा गया॥ देख
तो कोइ नही॥ तव उठि न डूवा॥ दधी पार बांध्या॥ लाघा
जी नया दिकी यो॥ तसली मकरि कही लाघा जी महारो ब
डो तो घरायो॥ इसा हिवां की कांई मदि मां कड़े॥ नलो
ई लाघा नलो॥ साहिब असा वृमि ज्ये जैसा हिब छिं साहि
ब मारता तो दस मां ए मर जपुत विसर करता॥
रि मारता तो महार कां ठ मरता जैरा

शोडता॥ अबराजेबहोतब॥ अत
 अरजपडुंचाष्टवो॥ विचारकीयोमनमेजाईमरणेअ
 लागो॥ किसीनातिमरसी॥ जैजलमेडुबिमरतोमरण
 लोसोनही॥ नृधामरिमरुंतोचलोनही॥ जैविषया
 मरतोचलोनही॥ रजपूतीकरीमरतोहीबणिआवे
 वृक्षनृसोचकरिअरुठिननोडुवो॥ ऐमनतूदेधि
 लनकोस्यजमिलतोजैसोमृमिमरि॥ तबआध्याचा
 आगोबरकडीसीसाकडीसीआई॥ तबवैदीराहचाल
 वआगोऐकरडकलीसीआई॥ तबनपरिचिगयो॥
 जाइदेष्टोपाणीकीबृंदनही॥ कमदस्तमदांनष्टे
 रबडोअचंनोडुवो॥ ऐपरमेसुरयोकाई॥ जोजलक
 यो॥ नीचैदेष्टोबडोएकनंदबागै॥ तबबागनैदे
 होतपृथ्वालडुवो॥ देष्टोचोगिरदानपकोकोटै॥
 बेनीचैउतस्यो॥ आगोदरवाजोपूटो॥ तबमोहिधस
 देष्टो॥ हागचकारीरस्तालागिरहा॥ बडासमा
 सूदीसै॥ जाइगांजाइगांनलधूटिरहा॥ मोहिअ
 फलफूललंबिरहा॥ मोहिवडीमहलाईतै॥ ऐ
 डोहोदनस्यो॥ योहोददेधिरघाश्चमोहिधस्यो॥
 करंनामाहीसोसांमीआशीयांसैकहीरघाश्चजीरा
 म॥ तबयांकहीआचोरामराम॥ तबबोलीधलाघोजीर
 धांन॥ तबऐबोल्यालाघोजीसमाधांन॥ तबयाब
 आबोधांनमाहिंबुलाया॥ तबयांकहोयेलाघ
 कांईजांणो॥ इतनूविचारकरिआधाया॥ आगोजा
 तोअनेकरंनानी॥ त्यांमजाइतनारहा॥ तबयां
 तबयांमजाइतनारहा॥ तबयांमजाइतनारहा॥

मरा म। तब बाबोली लाघोजी समाधि नो। त
या कह्यो लाघोजी नी को छै। तवर घाई चकली पर मे
सुरजी ये लाघान काई जां ऐं॥ तवर घाई चजी पृष्टो॥ ऐ
लाघानै काई जां ऐं॥ तब बाबोली लाघाजी काम न
छैये॥ तवर घाई तजी पृष्टै यां को नांव काई तब बां क
ही यां को नांव ऐही॥ ओर ऐह की सहली छै तब बाअ
पछरा बोली रघाई चजी आप पल को काम न ल मां दि
चालो॥ ज्योहि सां पडां॥ पाछे बुलाई लीया॥ तब यां क
ही बहो तनला॥ तब आप ऐ कर नान दुक म की यां॥
ऐजा बो यां न ऐक म दल मे वगई दैद॥ तब बां द कदी
पधरो॥ तवर घाई चजी वै की माथि ज्यो॥ जाइ म द
ल मे बठा ऐ दीया॥ गदल मे मगली छ विग क दी ल
नही॥ तवर घाई चजी कही यां म दल कु ग का तब
बां क दी यां म दल लाघाजी का तब बां क दी ये छ
लणी न प्रवेयो तब यां क दी इ मां दि यां क छि ज्यो
न पर को वै भै॥ रुमे वा आ ग प स्कारं॥ तब बां क दी न
न दुक मे छ तब यां त मली म का क दी॥ न को छ प धा ग द
वै छि यां बाउ नी दी वत ला व छ अ गे क को र अ ड निवे
मे वे अर फल लयाई आ नि द ज निर्व य अ ग क दी दे व क
गो॥ अ यां की म द सां नी क रं मे ठ की तब यां क दी प
धा ग म द नी त मली म क द न इ म ला छ लो तब यां
ह्यो आ दी रघाई च लाघाजी म ज्यो क रं वे की क रं
रवार डंडे न क या क दी न न न न न न न न न न
वली कांई मि प नि मि प नि क रं इ य जो ए न नि ग प र
ये नी॥ अ त न क दि क रं मे वे छ यो क म व ल य नि

जीनबुलावो॥ ऐकरनाअणिकहीयांनबुलावधे॥
 ठिननाझुवा॥ आगैजाइदेवतोतयारहुइनेनछे॥ बि
 एउतस्यो॥ तबसिरदारबोली॥ रघाश्चजीअवो॥
 ब्रह्मानाग्याहोय॥ तबइकहीराजिआग्याकही
 तबकहीहेइइलोकजांवा॥ तबइकहीमूनकां
 ग्या॥ तबकहीआपुनारहो॥ यांकहीउनाकठर
 महारीतोगमीनही॥ तबयांकहीमूनसाथिल्यो॥ त
 कहीयेमिनय॥ वैदेवलोक॥ इतनेकहिचैबिमं
 ठी॥ तबरघाश्चबिमाणकोषूटोपकड्यो॥ बिमाण
 चालतोहुवो॥ जाइइइलोकउतरा॥ तबवैबिमं
 ठीउतरी॥ तबवडीमहलाइतरी॥ तबवारघाश्चसै
 रो॥ येअंठवैठो॥ हेइइकअषाडजांवा॥ तबरघाई
 कहीमूनसाथिल्यो॥ तबयांकहीबृवठदेवतांकीमि
 सिछे॥ येअंठहीरहो॥ तबरघाश्चकहीएकतोह
 वाकीसक्यो॥ तबयांकहीबुजो॥ यांकहीयेम
 कुएरा॥ यांकहीलाषाजीरा॥ तबयांकहीनेनोन
 णाचलो॥ अबझंराजिरीकांइमहमांकड्यो॥ वार
 णीही॥ तबवांकहीहेजांवा॥ तबयांकहीएक
 अरषवृजवाकी॥ वांकहीपूछे॥ ऐनइमहलाइ
 याधोल्यामहलकुएरा॥ तबवांकहीऐनीमहल
 जीरा॥ मृत्यककैतांइ॥ तबयांकहीलारीमृ
 इही॥ इसोकुएअजोलाषानमृतकरे॥ लाषेक
 त्यनही॥ सोकहोवोमृतकुएछे॥ तबवांकहीमि
 गजीछे॥ ऐमहलहोइअसोराजिरेवास्तहोइ॥

तब रघुचमन मवहोत अंजस्यो॥ लाघाजीरावहोत बघा
एकीया॥ जलोनाई लाघाः जलो॥ डंराजिरीकाई महिम
कड्ठां धणीहो इताराजिसारिघाहोई॥ मूनवहोत महगोकी
यो॥ तब बांकही अबमहां न आयाहोइ तोहे अघाडजां
वां थेवैठो॥ तब रघुचकही महारोक संवत्सोरछे पूष
वाकी॥ जब बांकही पूषो॥ तब कही लाघो अब कदिअसी
तब बांकही लाघो मरै जदि आवै॥ जीवतो आवही॥ नव
होतरंज्यो॥ तब वैकही को एनांति मरै॥ कोइ जपावम
एरो॥ तब बांकही कोइ जपाव नही॥ मनिषरोमास्यो म
रनही॥ देवता मारनही॥ तब बांकही कोइ जपाव वतावो
किसन पायं मरै॥ तब बांकही रघुचक एकन पावछै मर
एरो॥ सीहोराठोडकनोजको धणी हारिका जाई छै ती
का प्रनातिसवारे डेरा स्थिधपुरछै॥ स्थिधपुर संधराव सोलं
ग्रीछै॥ सो लाघा आगे सो बरीयां पाधरै येत नग्यो॥ सो वैको
माथो वडी छकछै॥ सीवी सीहा संजाइ मिले॥ मनहारि
करि राघो रोटी खुलावै॥ वो तोरह सीनही पणि हरिनांति
करि राघो॥ वोह जिवावा॥ सते दीवह संकहे॥ राजिमहारेन
परकरोतो॥ लाघा संवेछी करों॥ हरिनातिकरि वनराये
तो लाघाने पाधरै येति मा॥ सीहो महादेवको सियछे दे
वता सगला सीहामे आवै॥ लाघामकोइ जाइ नही॥ फल्नी
लाघाम जाता॥ अब कै सीहाम आवै थो लाघामास्यो जाई
तब बांकही अबमहां न आयाहोई मेहेइ इकद्वारजां
वाछं॥ छे अंठवैठो॥ तब बांकही नलां॥ अब आयपधारी
तब बांकही रघुचकनी एककी ज्ये॥ यासोहे कोटडी जडछि
सो बोली ज्यो मति हूजी कोटडी छे मोड्यो लोमति वैठनि

चलारहिज्यो॥ मेहेवेगाही आवस्य॥ तबयांकही प्रमाण॥
 आपपधारे॥ तबएतो इंदूकै अघाडा इ॥ तबरषा इच अ
 पणं मनम विचार कीयो॥ तबै ठोकां करे॥ घोलिको टड
 गो बिंद करे सो होई॥ तबरषा इच कोटडी घोलि॥ बडो
 ही तो छंछाल बहतो गजरज सांवरणी घटा हो हो ति सो बडो
 बहतो मद मो कलै॥ च्यास्यो पावज कडो॥ आठो पटा बह
 तो॥ असो एक अरापति बंधो फूल छे॥ दिषबो ल्यो रषा इच
 जीरा मरांम॥ तबयांक हे जीरा मरांम॥ तबयांक ही लाषो
 जी छे समाधाने॥ तबयांक लाषो जी समाधाने॥ तब
 यांक ही आचो आघापधारे॥ कहो समाचार॥ तबयांक
 हीरा जिलाषा जीनकां ईजां रें॥ तबयांक ही मेहे लाषा
 जीरा छे॥ महान बोधि गया छे॥ तथा पाछ पधाराही॥ अ
 सो को ई नही जो महान पो ल॥ तबये बो ल्या मुन डुकम
 करो तो इं पो ल॥ तब कही मुन पो लो तोरा जिन इंडको त
 मा सो बतं नी॥ और बडी बडी जाई गां दियो न॥ इंडको तल
 चम सो सर छे॥ बडो तार बड छे॥ पहलै तो नंछा लिड बो
 दिह॥ मुन सपडा ई ल्याह॥ जो तन बडा बडा कमल छे बती
 सपाषडा का॥ तिको तन ले दे स्यो॥ ब्रह्म लोक दिषा स्यो॥ अ
 ब मुन पो लि॥ तबरषा इच पो ल्यो॥ बाहिरिका छो॥ तब क
 ही अठ सोनां की साषति छे ती कौ माडे॥ सोनां की साषति
 मांडी॥ पाछे कही जडाव की गज बाग छे॥ ती कौ ल्यो इ॥ सम
 स्त मांडी गज बाग ली॥ अबरषा इच असवार दू दो॥ बैठि कि
 ला वैदरी याचन माल कि कल्यो॥ तबरषा इच लाषा जीरा
 बषाण कीया॥ लाषा जी ई अरापति न परिचछ इंडलो
 क तोरा जिदिषा वो॥ तब हाथी सरोवर आयो॥ रषा इच ह

देष

धीरकपड़ायो... रमाहिं धस्यो॥ बोहदीयो धारदास्तीकर
 केइ दिनारे आलखे॥ मुषयायो॥ तब बडा कवल तोडिर
 षाइ चन पड्काया॥ तब दोनुही सुसाल कुवा॥ फूल बैः घे
 लवै॥ तब हाथी कहीर घात तर्ज अक्चछे॥ तब बाहिर
 या॥ रषाई चन तस्या॥ पुष्पी हाथी नसा पतिमांडि॥ अब क
 पडा० पहरी हथीयार बाध्या॥ कही अब प्रसवार हो॥ त
 ० अब प्रसवार कुवा॥ पहली जाई इंडको तमा सो देख्यो॥ देख
 तो इंड सिंधा सण बैठे छे॥ अने कअ पछरा निरत करै छे
 देवतारि मजल सीम डिरह छि॥ वो सुष देख्यो॥ कही अब क
 लि॥ पाछे जाई नृमल लोक दिषायो॥ पाछे कही अब विसन
 लोक दिषांनै॥ अकरांरो दरमण दिषांनै॥ तब यां कही चिह
 त नलां॥ अब क्यौ ही तथारही नही॥ तब विसन लोक ले
 गयो॥ कही अब नतरो॥ अब नतस्यो॥ कही दरमण करि
 वेगा आवज्यो॥ रहो मति॥ अकुरुन अमृत को प्यालै आवल
 पछे जठ सुदरमण चकत मांम करै लो॥ तब ये दीदार की
 ज्यो॥ अमृत रो प्यालै आयो॥ सुदरमण तमा मकरण लो
 तब ये दीदार करि आनि नतरो हरा प्रसवार कुवा॥ तव
 ध्यो छे॥ नंठ आयो॥ कही रषाइ चजी अच बांधि तवर घाइ
 चन तरि ठोड पकड़ाइ बाध्यो॥ पाछे रषाइ च दूसरी को वडी
 बोली॥ तव देखतो माहिरे कहं संबंध्यो छे॥ तव वो बोली रो
 इच जीरां मरांम तब यां कही रां मरांम तब वै कही लाये नी
 अ समाधान॥ तब वै कही छे समाधान तब वै कही आवै आ
 या पधरो॥ कही समाचार तब यां कही ये लायन कांई ज
 लो॥ तब यो बोली मेहेला मारी॥ वै महान्वाधि गायो
 तय

कही मून रुक म करो तो कुंघो लें तब कही रषाश्चजी मून
मोले तो बडी बडी जाइगां दिषां गे ॥ कुमेररी पुरी दिषां नें
नली नली जाइगां दिषां गे ॥ तब यां घो लें ॥ तब वेबो लें
मोनारी साधति छै आपकी असवारी की ती कौ माडो ॥ वो
ही साज माडो ॥ नडि पूछि बाहरिका ठे ॥ रषाश्च अस
वार रुच्यो ॥ तब ही नडि चाल्यो ॥ अणि नवानगर के गोरगरलि
दीयो आप बिलाई गयो ॥ तब रषाश्च देखतो हंस बिलाई ग
यो ॥ तब देखतो हंस बिलाइ गयो ॥ नवानगर के गोरगरलि
गयो ॥ डील नडि पुंछि पिचतां बल लागो ॥ देखो महारी बुधि
हो बज्र छै ॥ अब आप डेर आयो ॥ डेर आई महल मत नोर
हो ॥ तब ही लाषजी कही रषाश्च नबुलाई ल्यावो डे
र आयो छै ॥ तब ही बुलावो आयो ॥ अणि कही रषाश्च की
घान बुलाव छै ॥ तब रषाश्च कही चलो नाला मा चले
अब रुंराजिरी कां ई मह मां करौ ॥ मून तो आवता बार नडि
ई नही आप कही बेगालावो ॥ रषाश्च तजी तब ही अणि
हाजिर चूवो ॥ मुजरो कीमो पावो लागो ॥ तब ही लाषजी पू
छी कही साचार कौ देखो ॥ तब यां कही साहिब मगले
देखो ॥ तब लाषजी कही रषाश्च जी वै ही गोड नरो
वांछो ॥ तब रषाश्च जी कही मसाहिब रो पार पायो नही
अब रुंसाहिबरा कां ई बघांण करौ ॥ तब आप कही जा
वो सोवो ॥ अब घान सीष छै ॥ तब रषाश्च चारो न आ
यो ॥ पाई गामे नोर हो ॥ साहणी मां हां न घो डै जी न क
रुं ॥ आप महान रुक म की यो छै ॥ घोडे आपरी असवारी
को घोष की जाति पेसंगी ॥ नडी जाति दरी याई नावती
ह असवार होई सिंध पुर आयो ॥ राव जे संघ देख्यो लें

धीकीडोडगानतस्यौ॥ कहीनाईरावजीसौमहारोजुहारक
हो॥ तबवांपूछेरावजीकणसोपधाररा॥ राजिरोनांवकोई
तबयांकहीनाईहुंतवानगरसोप्रायोधरषाश्चमहा
रोनांवछे॥ तबयांजाइकहीरषाश्चराजिनजुहारकदछे
तबयांपूछेराषाश्चकछे॥ कितोएकसाथछे॥ तब
यांकहीराजिडोछाननोछे॥ एकलोघोडअप्रवारछे
तबकहीजावोमहारोजुहारकहोवाहरहरमिलबारीको
दछे॥ तबवांकहीरावजीयो कहछे॥ तबयांकहीरावजी
सोमिल्योचाहुंछे॥ महारोसाथतोरानिदेख्यो॥ महारीवंत
लावण्ये॥ मृतहजरिबुलावो॥ तबवांजाइकहीरावजी
यो कहछे॥ हजरिबुलाज्या॥ तबकहीबुलाज्या॥ तबबुला
इहजरिलेगया॥ जाईजुहारकीयो॥ मिल्यावेगः॥ तवरषा
श्चकही॥ राजिसौबतालायोचाहुंछे॥ एकलहोतो क
हुं॥ तबसंगलाहरिकीया॥ दोनपुरहारा॥ रषाश्चकहीरा
रावजीलाघमहासेकबीलोसरोमास्यो॥ कोईराख्यान
ही॥ हुंमहारीमानकाचलीकोवकस्योछे॥ महारोना
वरषाश्चयोडो॥ सोमृमरजपूतपण्येछेमोराजिजांणोद
छे॥ अबराजिरैगाईपरनाति॥ सीहारठोडराडेगछे॥ सो
राजिवांकीमहमांनीकरो॥ बोहतोरहमीनही॥ पणिरा
जिवांहनहरनातिकरिराषो॥ अरकद्वाराजिमहारानुप
रकरो॥ जोहुंलाघासोवेठीकरो॥ सीहीराजिमोदिआवलो
तेकअसवारीकरिनवैनगरिआवो॥ नुंहीसोलाघानअ
सवारीकराइल्योनुंछे॥ तबवेठीकीज्यो॥ लाघानपा
धरेषेतिमारिस्यो॥ तबवांकहीबहातसुडाअरकअप
पधारो॥ तबरषाश्चजुहारकसिअसवार

गरिअधो॥ अणि घोडो पायगा बांध्यो॥ आपआपरेमह
 लजाईसूतो॥ प्रनातिहीसीहाकाडेरामिधपुरहुवा॥ त
 बरावजीतषवरिअणिहुईराजिहीहजोअणिनत
 या॥ रावजीअसवारीकरेजाईजुहारकीयो॥ मिला
 मिधरावजीअरजकरी॥ राजिमूनपावनकरो॥ महार
 रोटीषावो॥ तबयांकहीअवारतोहुईद्वारिकाजीजोउं
 धू॥ बाहुडतोरजिररोटीषास्यो॥ तबयांकहीबाहुडत
 रोचरोसोपडनही॥ मूनमुनाएकरो॥ हुंरावलोराजयूत
 धू॥ तबयांकहीनोतनलोरोटीकरो॥ तबरावजीरा
 टीकरी॥ डेरपधास्य॥ पात्यादीया॥ पुरसगारीहुईरावजी
 उनाजावताकरथे॥ पुरसगारीहोइचुकी॥ तबसीहो
 जीबोल्हो॥ रावजीअवोनेलाहीजीवस्यो॥ तबयांक
 टारीषो॥ लिमूअगोमेली॥ तबसीहजीकहीयोकां
 ई॥ तबरावजीकहीहुंराजिरीसाथिअवारीचालि
 स्यो॥ मूनसाथिल्यो॥ महारमाथैलाषारोकरजथे॥ ला
 षारोदेणदार॥ सोकरजसाहिवसोउतरे॥ अबहुंगु
 हडोथयो॥ आगलोगंवनीडोआयो॥ पाछिलोदूरि
 हो॥ मरणरादिननीडोआयो॥ तिणवासरजिरामू
 ठांअगोमकटारीमेली॥ अबराजिमूमाहुंआवोतो
 लाषासोबेछकरो॥ तबयांकहीबहोतनला॥ मूनद्वार
 रिकाजीजायअबाद्यो॥ पाछेबेछिकरस्यो॥ तबयांक
 होसाहिवद्वारिकाकानीहीनवोनगर॥ सवाराप्रनाति
 असवारीकरो॥ लाषासोबेछिकरो॥ जेकांमिआव
 स्योतोअठहीद्वारिका॥ अरलाषानमारिवचांशंत
 पाछेदुवारिकोपधास्यो॥ तोकटारीबांध्यो॥ नहीतो

राजिश्रौगैमेली॥तबयांकहीवहोतनला॥कदारीवां
 धो॥आवोजीवां॥तबनेलाबेठिजीयां॥कदारीवांधी
 प्रनातिअसवारीकरी॥आणिनवानगरकाकाकड
 मेनंगारोदीयो॥तबलाषेजीकहीबुलाईल्यावोरया
 ईचने॥तबकहीरयाइचजीयांनबुलावधे॥तबरया
 ईचमुजरोकीयो॥तबआपबोल्यारयाईचइसोकुणै
 ॥महाराकाकडमेनंगारोवजायो॥तबयांकहीसा-
 हिवयासिंधपुरकीफोजै॥तबआपकहीअसवारी
 कीतीयारीकरावो॥तबआपकीअसवारीकोधोडो
 आणिमूखआगफेस्यो॥आपअसचारहोएलागा॥
 तबआपबोल्यामाहणीइणैतोवनसेसिंधपुरी
 रंजलागी॥घोडोकठथै॥तबइकहीसाहिवनाइरया
 इचअसवारहोयरायाआ॥कालिरीरातिहजूरिसोवज
 ड्रा॥तबचछिपधास्याआ॥तबआपरयाइचमांडेपि
 रकहीरयाइचजीयोनीचोकीयो॥तबरयाइचजीकही
 साहिवअबआपकहीरहिस्योनहीकोइदिन॥तबर
 याइचकहीसाहिवअबपधारिजे॥अबचालिजे॥त
 ठारासुषलीजे॥तबआपकहीवहोतनला॥असवारी
 करो॥अबअसवारहोईप्रणिमृत्त्या॥तोहडुवोरीठमां
 मो॥पहलीहीलाघाजरोसीहाजीरसेललागो॥लाघी
 अरसीहजीआपसमेलोहडुचोपछेलाघोजीमूलिवो
 हरेहाथिनतस्या॥लाघाजरापवाडोमूलिराजिनप्रायो
 लाघोजीकांमिआयो॥पदरासेसोलाकेसालिलाघोजी
 बेतिरह्रा॥दोयहजारपहलीफोजमोहेकांमिआयाआ
 ठसे॥००राठडा॥बासासे॥२००सोलंयी॥॥

चावडारजपूतरषाचकीलारका ॥ सार॥

ज्यांहीलासोमारीरीयो॥ जेजागासोसोवारा॥ पडीयेसी
हकारकडोपचारोमधारी॥ १०॥ कबित॥ समतनमैये
कमी॥ कातिगमासंतिरंतरी॥ पिताबोरीनलछीमद
संगरभाईचसंमदरी॥ पडिस्यांमं सोपंदरकेमधूसो
लंभी॥ सोकड्यावेड्या॥ उगणीसेमूवारणकुजिदि
एवढा॥ पतरसेचनलमदलपरसेलसीनामोरसे॥ वि
एव्याठकोटपंचचंदीण॥ मुलिराजलघोमर॥ १२॥ दि
हा॥ इणजाडाहरवंसमैरतनजघोनिमजाडीफूलस
रीसानीपेजे॥ बललघोफुलाह॥ १३॥ दोहा॥ मइण
रहीअपुत्रणी॥ पुत्रतजडेची॥ बरत्रीवेदोईघीयाबिया
लाघोजायोतिहि॥ १४॥ दोहा॥ करमाएंदयांएंद
हो॥ प्रापरिमंतकहबासकीथाह॥ केधोराणेलघोघो
वोदोईयो॥ रलकीपायअथाह॥ १५॥ दोहा॥ इंतोन
ज्यांतमांणीयो॥ लघीकहसुजटा॥ गिणीयांलजदोह
डा॥ कारीदहकाईअठ॥ १५॥ दोहा॥ राणीसोछीक
ह॥ फुलांणीफेरोघणो॥ दहमहअठमदोईजोमदेघो
नावणिमोअथवणिनहोई॥ १६॥ दोहा॥ बेटीकह
लघोनूल्योलघवर॥ अंमोनूलीसोई॥ अंघ्यातणोफस
कडैनजांणंक्याहोई॥ १७॥ दोहा॥ टटणीकह॥ सास
वलंबदीवडा॥ जोलोइणयेसुलन॥ कीछेबीचबिलं
वसी॥ तोवारीकहसीसबै॥ १८॥ स्त्रीलायाफुलांण
लीकीवातसंपूर्णसमासा॥ मीतीजदवाबुदिश्ववि
सपतवारसंबत॥ १८४॥ एका॥ लिखतराजिश्रीवपुरा
साहिवनाहरसंघजीकाखारपीसदारांममहज

नेजातिसुखदगीअजमेराततपुत्रसीतारास॥२॥नाथ
राजिशीगदुलासाहिबनाहरस्यंधजीअधि॥तिपीकी
।लाषेडारिकाधध्या॥लांबनीलराजसंतचीन्या॥
दोहा॥जाहमेपुस्तकहृष्टो॥ताहसेलितितेमयालादि
मुधममसुध॥ममदोसोनदीयत्ये॥२॥जतेरत्नेप्रतेर
क्षारक्षतेनेप्रियलबधवा॥मृषहस्तेजदातया॥वंठ
दितवपुर॥२॥सुनेमस्त॥कल्याणत॥॥ श्री ॥
॥॥॥अग॥नायतमेः॥
अथह॥शोलिचते॥क्षैधेद॥गोरीनरयानदचंदक
लोमि॥नेतुरनुजेकरफरममरसत्पतजगाराज॥
रव॥माविलाखवहोवमपुदाते॥कदमदाम
वि॥म्यहृनुगंधसुडिमचस्त्रीआनंदकापतकी
।यप्रसनमुदवधती॥प्रोक्थोकायजर्वनी॥मुफ
।सुमरिसुमरिहरमंधीमाता॥दमवाचनकठंनंनकक
।स्तारायवती॥३॥विमलानुविमलविदयवतंगुपद
षतुमप्रसादगमोय्यो॥देहसुमनिमेहिनमेकमेकका
रणयंतकी॥हमीरायमुक्तगाडा॥४॥दोहा॥अन्यपुण्य
माराप्रवहीनअपाग॥कनाकनाकयुद्धने॥चतुर्द
सतारा॥५॥अथममानचोदेहा॥मंतव॥नुवद्वेनद्वेनद
तेअनंदा॥अनंदमनववकद्वद्वद्वमुक्त॥विजय
नेकुहावा॥६॥श्रीविष्णुसुवक्त्रे॥विष्णुसुवक्त्रे
।जीदेवेजीवतनमतर्कये॥अथ॥विष्णुसुवक्त्रे
।श्रीप्रसन्नहृदये॥विष्णुसुवक्त्रे॥विष्णुसुवक्त्रे
।चोदांतरविमधिवयी॥विष्णुसुवक्त्रे॥विष्णुसुवक्त्रे
अवृत्तजडरमायतिकर्मा॥

करदीही॥ फागुन बुधित थिचतुरदसि॥ स्पवरात्रीयतरोदि
 यो॥ सबतथैसै ३३ नये॥ बसदेवनरराजकीयो॥ १०॥ क्वचित्॥
 श्रीफलडोगरजहां केरानी हकमालादेनां मां॥ तुरीएकसे
 पाचदेवअंगमोवतजामां॥ फिरिदेवी कह्यो मागीजको
 तुमअष्टाष्टावै॥ मनकीचाहिनराखिजेसकलबोछैफ
 लयावै॥ ११॥ बारा॥ जिनमागीचाहिनामनकील५ मां
 नरिलोतबिनायतेवरसपचीसलेंराजकरी॥ समैमाय
 करिजाय॥ मानसंघचौहातकी॥ कितेकपीछीयाहित्यर
 हपातिसाहिसौंलरबोकरी॥ अजमेरिकैचोगडदारद
 बोकरी॥ सातसैबरसपाछै॥ सैतीसीपीछीराजजैतसंघ
 घमालवासूंआयो॥ जैतपुरगांवबसायो॥ क्वचित्जैत
 संघचोहानगांवजतपुरबसायो॥ जहांघृतीसपेनिबसा
 यचोगडदागटकोटकराये॥ तेरासैचिडोतरसमलराज
 थाप्यो जिहजागां॥ तेकरैरा॥ जहचलसत्रमुलिदूरिसौ
 नाजै॥ बारहपुत्रजाकेडूव॥ एकसोएकअर्धीको॥ नीसी
 हीमहमांकरकीजैसाहीदोयबधिक॥ १३॥ दोहा॥ जह
 छेबीचिबलेचोगडदानदी॥ तंचाअनलपहाड॥ डागज
 बनीअसीरहै॥ कोईकाटिमकनहीनार॥ १४॥ क्वचित्॥
 जैतसंघचौहातजहारषबैठेघरिराजगुदारा॥ चाकरके
 श्कोनीहीनहीकोइकेसारे॥ तेबारहैदुरंगमाअशोर
 यतनतसोआव॥ कैरैमहरअपेटअपकरदोरकरावै
 ॥ जहअोरसरीकतकोइनहीजठसाहिसरीकी॥ कोईही
 दअरिगिषेनहीबंधीबडांकीलीक॥ १५॥ दोहा॥ आदिअ
 तेअडेबल॥ महरकरंताराज॥ ज्याराजजैतसंघमाय
 सबसिरताज॥ १६॥ महराराध्याबांहदे॥ ज्यंसौवाकोल

ड॥ पूछे जाकौ या कहै॥ यां की सारी मंड॥ १७॥ चोपड॥
 जैत स्यंघ चोहां न चहौ दिसि ध्याव॥ जिहि विधि आये जिहि
 विधि न्यावै॥ सो तो राज प्राय ही लिख॥ हाथ न चाय और हंदि
 ५॥ १६॥ इहि धि करतों बडुत दिन बीता॥ जव स कल सांघ के
 न छूट्यो पीता॥ हम कुमाइ क करिया कौं थोवां॥ ऐह बिन सै
 हम मूढै जीवां॥ १७॥ दोहा॥ मारा साध मि लिख तो करै॥ ऐ
 कामो जूट होय अंग॥ आयां आयां दी दो डिम्यां॥ छोडो
 यां को संग॥ २०॥ चोपड॥ सब ही पंचै अं स करि बोलै॥ चिते
 रह राज कै बोलै॥ इहि विधि कौ करि वण सीना॥ एह बिल
 सै हम करै कमाई॥ २१॥ इह तो आयाणो घरै करई॥ यां कै मा
 रे न सां मरइ॥ सरब सां मिलि इसी विधि की ज्यो॥ जै सो यां कै
 उतर दी ज्यो॥ २२॥ दोहा॥ जीता इता सब ए कहै॥ यो बोल
 लीयो छ नोण॥ माहां यां कै ताही वण सी॥ मुणि हो राजा
 रोण॥ २३॥ तब नो एणो कह छै जो॥ सोरठा॥ नोण कह हका
 लि॥ मुणि जाइवा तजम हां की॥ एक पेट परिवारा कां इमुति
 बह की थां की॥ २४॥ सोरठा॥ आदि अंतिके वासा॥ बला म
 धि आयां रहां वां॥ मेहे थां की थां वां हा॥ हिमिरदार कहां वां
 ॥ २५॥ दोहा॥ महं का मन मै कौ नही॥ थां कै जीव कुज वी॥
 ये महं सो दुविधारा धि स्यो तो॥ माहा का सिर परिराव॥ २
 ६॥ थां का सिर परिराव छै॥ माहां की नही॥ एति प्राय प्राय
 कै दो डिम्या॥ महं थां नही वणेंत॥ २७॥ मारा साध विचार
 यो॥ बोली दस वणाय॥ जो जायें राजी नयो॥ तोहि कै संग
 जाई॥ २८॥ रालो॥ मालो॥ धी वसी॥ धीनुं॥ अघराज॥ नदो॥ ददो
 ॥ कुसलो॥ हरीयो॥ अरहर राज॥ २९॥ चोपड॥ कहुं पांचमै
 कहुं सात सै हात्त्रा॥ कहुं सहस्रः

हथैरोठरोएपातधरहरा॥ मोरजीकरिगाढारहे
 पई॥ आयआपहैदोडिमां॥ दरिदसकोधन
 ॥ जोयावसेअणिमतिआणो॥ यहलीआयराव
 ॥ ३०॥ दोहा॥ रोएणो नोएणोसाधिले॥ पङ्कचोप
 कोहकाफचनयंडज्यो॥ नहीकहीकीगम॥ ३१
 तठएकबरादजसूतो॥ तठरोएणोआयपङ्कचो
 टतीरकीतीक॥ नरिमोरंविचिवैठीजीकै॥ ३२
 द्यौरुडकैघोटै॥ रोएणोआयोतिहिवाट॥ बराह
 ॥ मगादिजाई॥ सकलसाथमिलितारकराय
 श्री॥ वनधारापराय॥ तिहैकैघोजलगातेजाय
 फिरतसूरनयोसूमार॥ कहीनहीपायोपंथन
 पङ्कचोजायसरवरकीतीर॥ पाणीपीतिणत
 धरनीपरतयस्योमुरशाय॥ जठसाथपङ्कचोआ
 हरोतालसीतलजलढीठो॥ ताकोकातीरदी
 ठो॥ उंचाडूमसबवनराय॥ जहाकोकिलाक
 ॥ ३३॥ कोइलकागमोरमोरनहांकरै॥ मधुकर
 नरै॥ चहुदिसिडूममालतिलपटाई॥ सबवन
 महकाई॥ ३४॥ लैचकमकबैसांडकीनही॥ का
 लजिहछीनी॥ बुगदोजिहयाहणपरिधस्यो॥ पि
 गजपीलोपस्यो॥ ३५॥ सबहीअचरजहुवोसाथ
 कांडकीनहीनाथ॥ कदीछुरीजिअोरमिलाइ॥ क
 हायपणिजाई॥ ३६॥ रोएणो नोएणोचतरदोननाई
 न्होहाथिनचाई॥ अतिअनंदमनमचीन्हो॥ अ

पीछे असवारी कराई ॥४१॥ दोहा ॥ दिखण दिसे दोषी हन
 बांही निकस्यो जाई ॥ ज्या घाटी जयस्विटो ॥ तिदथे नन
 स्यो आय ॥४२॥ जदि मन मै न पाय करी ॥ या जाय गांचो घी
 मन माहि विचारी ॥ जो या गढ बसावरां मा ॥ हि पार सत्रं
 लहो ॥ तिहथे करस्यां काम ॥४३॥ पुणे जो एणो रोणो
 कहै ॥ पायो पारय माल ॥ कहौ क्यो करि पचि सीयो हा ॥ मं
 की बोधी घाल ॥४४॥ जो एणो न तर देख ॥ जो एणो न छि करि
 बोलीयो ॥ पुणे होरो एणो बीर ॥ घाम्यो ॥ घर चम्या ॥ माण्यो ॥
 करस्यां नाया की नीरी ॥४५॥ जो एणो न तर कांई देश ॥ दोहा
 ॥ जो एणो न तो बावलो ॥ वेस मफि वात कहाई ॥ अत्र सं
 पिडव्य कै से दुडै ॥ नल देखा पांही घाय ॥४६॥ जदि फे
 जो एणो कह्ये ॥ दोहा ॥ थाका मन मै जो वस ॥ सोही की ज्ये
 काम ॥ आपस्यो एणो सोही ॥ जो रहु आपणी मां ॥४७॥
 जदि रां एणो कांई देश ॥ सोही ॥ मम हा कामन मै या वस ॥ पार स
 सो पाराव ॥ ऐस पद म पद ससी ॥ जो रहु आपणो नाव ॥
 ४८॥ जदि जो एणो कह्ये ॥ दोहा ॥ या वात थो आशी कही ॥
 जुग जुग रसी नाव ॥ जो रज पूत मन बदलसी ॥ तो कांई
 करसी दाव ॥४९॥ फेरि रो एणो कह्ये ॥ दोहा ॥ करस्यां
 कोल घरां घरी ॥ वाचा बंध कराया ॥ रां मरु डो नवी चिदे
 ॥ जदि सो पिस्या जाय ॥५०॥ फेरि जो एणो कांई देश ॥ दो
 हा ॥ थां नली विचारी जीवसे ॥ जो रमि आववात ॥ जो र
 ज पूत मन बदलसी ॥ तो थां पोटा गावो गत ॥५१॥ फेरि रो
 एणो कह्ये ॥ दोहा ॥ अंधा ति दिवसर हतां ॥ वरपां
 च दित सात ॥ मम हा कामन मै या वस ॥ वां को मन विमव
 ॥५२॥ जदि फेरि तो एणो कह्ये ॥

तोयांकीसाथि॥ जोयांकुंस्तवारछै॥ तोसोपोज
 थि॥ ५३॥ जदिरौणोंकांश्कहछै॥ दोहा॥ राजामन
 लसी॥ महोंकैछैस्तवार॥ घास्याः घरचम्या॥ म
 करिमहोंकदरबार॥ ५४॥ दोहा॥ कोईकदिवर
 छै॥ कहौरावसौजाई॥ ऐकजागारामेऐकरो
 रंम॥ ५५॥ बचनका॥ वाकौणदिसाकौणठेरछै॥
 थांकेदाश्चाई॥ जकेसोपणिदेयामेहे॥ चौपई
 गांमेहेदेषीअसी॥ महांकाचितमैचुपकरिवसी
 जाजीचटिकस्विल्यो॥ सोसामूंमासमाछलीहं
 ॥ ५६॥ जदिराजामैणीलीयोबुलाय॥ कहोसो
 किमोयकनाय॥ योसगननलोछराय॥ अघ
 वलराजा॥ ५७॥ दोहा॥ फागुणसुदिचतुरदसी॥ व
 छैराज्य॥ तकोदरसणकीजीय॥ बिगचलोमहा
 ५८॥ चौपई॥ बैठीमारनुतमछैराम॥ जिठज्राजि
 म॥ नहरातिजागरणअजिकीज्यो॥ मनबांछित
 लहलीज्यो॥ ५९॥ जठसरचरगहरादोई॥ जोकोइ
 तोअरहीहोय॥ महाचहुदिमिकरिदेयोसोई॥
 रदुजोनहीकोई॥ ६०॥ राजाजठगयोचलाय॥ मे
 नपहुंच्योआई॥ गनुमुषसौअसनोनजकीन्ही॥
 डवतप्रकंमांदीन्ही॥ ६१॥ पाछेचढीयोगदपर
 अगैरौणापाछेराय॥ मारागढनैफिरिफिरिदेयो
 जनमसफलकरिलेयो॥ ६२॥ देखिदेफिरकर
 ॥ फिरिफिरिराजाकरैमराही॥ राजाअतिहीराजी
 ॥ ६३॥ गतागीफिरिदुख

रसराह होत युसी ॥ ६५ ॥ दोहा ॥ मुणिकरि रौं यो कहि
जो राजी द्वे वाराव ॥ करो वास मा भे जुगति ॥ ति जुग जुगार
हसी नांवा ॥ ६६ ॥ हि धिये सिर अंछा ॥ श्या ॥ ये देरा घा नाथ
महां न पैंदा ॥ म को ठै इता ॥ था को द पि पाया ॥ ६७ ॥ घो व ड
नागी पुरष छे ॥ अंछा पूर्ण रां मा ॥ जो अंछ वस्ती करो ॥ तो य
लो ही कर यां कां मा ॥ ६८ ॥ रौं पां थां नी कां कहि ॥ यो न ह
छे ॥ थो डा कां मा ॥ अंछ वस्ती जब डूव ॥ जो ला पां लो गो दां मा
॥ ६९ ॥ जदि फेरि रौं ए कही ॥ दोहा ॥ महे डूव्य ए लो ही ल
वस्य ॥ जो महां दी ज्ये बां हो ॥ या ग ट बां धो हे म सौं ॥ अरपी
छो किते क पां हि ॥ ७० ॥ जदि राव कह छे ॥ रौं ए सो ॥ दोहा
॥ था महां कां ई व फि स्यो ॥ जो थां कै अ ई दा य ॥ थां न डूव्य
सू फे क ठा तो त थ ड क वा स करा ई ॥ ७१ ॥ जदि रौं ए रा व सौं
कह छे ॥ दोहा ॥ ऐ क को ल ह म सौं करो ॥ न ल टो न ही ज रा व
॥ व ठा ध र ती नू मा ति म्या ॥ थां को र ह सी नांवा ॥ ७२ ॥ जदि रा
व रौं ए न कह छे ॥ दोहा ॥ ये कि सो को ल महां न पैं ल्या ॥
सो महां न कहो स म ना ई ॥ कि ह का र णि मे हि न ल टि म्या
॥ सो ये कहै ब्रणाय ॥ ७३ ॥ जदि रौं ए रा व सौं कह छे ॥ दो
हा ॥ ब च्चा दो तो मे हे क हां ॥ वी चि द्यो ॥ स्यो ॥ रां मा ॥ को ल
बो ल चू को न ही ॥ तो अ सै ब्य च ता वां दां मा ॥ ७४ ॥ रा व
रौं ए सो बो ल नो व छे ॥ दोहा ॥ व र म मा त र द तो डूवा ॥ रा
द्वि सि एक ठा णि ॥ महां को जी व थां मे व मे ॥ ये न ही च
को वां णि ॥ ७५ ॥ जदि रौं ए रा व सौं कह छे ॥ ये ध र ती ए
ण ॥ अ प ति ॥ मे शं की डा जं णि ॥ ये क र ण म तो मा ही व
रो ॥ मां मं हो य न स के को ण ॥ ७६ ॥ फि र रा व रौं ए स क
छे ॥ मे हे वा चा जो ई दी या ॥ जो थां कै अ वे दा य ॥ अ व ज

बध्यागधियो॥ तो कूनीतरकपडाई॥ ७७॥ केरिरो लो
 रावसौ कह्ये॥ जदिरो लो न ठिबोलीयो॥ अब मेहे नीव
 हस्यो सांच॥ कुबिसन झुवामानियो नही॥ जो थाह
 नदी हांचाच॥ ७८॥ रो लो बो लो॥ दोहा॥ मे थां नवा
 चादीया॥ परो कह्यो सबो झु॥ जाको महा को धरम
 ॥ ये जां लो सो ले झु॥ ७९॥ रो लो बो लो॥ कौ धर की वस्त
 मां गां नही॥ मां गां आइयां॥ थां को कौ नही बीगड॥ म
 हां को रहसी नां॥ ८०॥ राव बो लो॥ मे हे थां नवा चादीया
 ॥ ये यो ही हठ कराय॥ जो अं थ्रावतुह॥ थां कू वाही
 दाय॥ ८१॥ रो लो बो लो॥ दोहा॥ हाय जो डिरो लो कह्ये॥
 जो वा चादीया राच॥ अं ठवा सब साय ज्ये॥ ज्यो रह ज्याम
 हां कौ नां॥ ८२॥ राव बो लो॥ दोहा॥ ये नी कां जां लो
 करो॥ महान पृथे काय॥ थां कामन मे जो वस॥ ता के
 रा मो नां॥ ८३॥ नलो नलो राजा कहे पाछे कि
 बात॥ जिहि विधि पेर जी झुवा॥ तो मे हे सुष पायो गा
 त॥ ८४॥ राजा रो राजी कीन्ह॥ झुक म झुवान गारो दी
 न्ह॥ जब गाछ सो नत रिचली या ध्याय॥ जेत पुरन ग्रय झु
 च्या आय॥ ८५॥ जदि राजा बघे दरबार॥ पुत्र एक नयो
 हवार॥ मां ले सा पि बध ई दी नही॥ रो लो राजा वाता
 नही॥ ८६॥ राम रू वीच ही दीयो॥ बीचि दीया तो नाथ
 वो लंब चन दिछय के॥ जब पार स दीयो हाथ॥ ८७॥
 रो लो नौ रो पा धरि दौ दीयो॥ दोहा॥ सज्जक कर्म
 र्थ लिधियो॥ मत बांछित नये उग्रह॥ इत हमीर दे ज
 यो॥ कीहनी रुड सहाय॥ ८८॥ हमीर कवर को जन्त
 रूवो॥ झुवा बधाव अति घनां॥ घरि घरि मंगल चार॥

तिहवो॥ चाधिजवादरवाले॥ धाराजअति
 आनंदीयो॥ मनमनुपज्योष्टेदोरोरंपराजाएकह॥ मग
 वोमणदसलोह॥ ४१॥ मणदसलोहमंगा॥ ५२॥ जेदेघ
 इतबार॥ जोपरतत्तहीकंचननयो॥ होतनलागीवार
 ४३॥ राजापार्थकोइतवारलीयो॥ अररावरोएंगीनील
 सोकहे॥ जदिराजानठिचालीयो॥ यहतोतुमलेजाव॥
 तुमहीकोषसादछे॥ करोपरचक्रोरघाय॥ ५४॥ रोएंगी
 बोल्योदोह॥ करजोडिरोएंगीनएंगी॥ यहतोमदोकाघरम
 हि॥ करिअरजहूलेजाइस्यो॥ जदिघरिहोसीचादि॥
 ५५॥ जदिराजबोल्यो॥ चोयई॥ पहलीतोथेसोणमन
 वो॥ मणदोयचारिघरिलेजावो॥ एककहकहोरोमोदो
 कोकीज्योदिसदेसकोचीठीदीज्यो॥ ५६॥ मुरतापंडिता
 लेजुबुलाय॥ घटद्वोनहदोनदियाय॥ पहलानीतिपु
 न्यकीकरम्यो॥ पाछेथेकहोसोसोकरम्यो॥ ५७॥ जदिरो
 एपलीयोसाथिलगाई॥ नंडारडव्स्कोदीयोबुलाय॥ रु
 पपारोकसाथिसब्दीया॥ दिदिलामराजीसचकीयो
 ५८॥ मर्वलोगसोकहोबुलाय॥ एककांमथेकीज्यो
 नाय॥ जठेगेगाथांचलिजवो॥ जोबसहैजिदैयरचीदि
 वांवो॥ ५९॥ जदिनलामोणसबसबाहालातलेवाचल
 चोयई॥ चडुदिसिलोगविदाकरिदीहू॥ देमदेमके
 कागददीहा॥ दुरिदिसंतरिपडुच्याजां॥ मुरतापंडिता
 पृष्ठेसोई॥ ६०॥ ४८॥ दरसणसोकहोबुलाय॥ कोकरा
 जाकहो॥ जोजा॥ जोकोइरजपूजहीवासकरवै॥ जो
 विद्यामोरोसोहीपावै॥ ६१॥ ज्यांसूकहचातममजाय॥
 लोगाअप्रचपृष्ठेश्याय॥ कोगराजाकोयवतुमचांमी

कोठवा स अबन व करासी ॥ १० ॥ जव जत कहै ॥ च
 ॥ ११ ॥ जेत संध चौहाण नेरस ॥ आडो बलोनी कांढे
 ॥ नुने गट एक नवो बसावे ॥ जो आय बसे ता को घर
 वीदाव ॥ १०० ॥ पहल बसनाट जो आया ॥ जो जनदी जि
 को नाया ॥ बडा धडाटु कराता आया ॥ राजा सेती आ
 णे मिलाया ॥ १०१ ॥ ओर पोणि जो आव जोय ॥ जो जीह वि
 मे मांगे सो पाव सोय ॥ रच्यो आर न बडा जिगि सो ॥ उठदा
 गिणतिस कनक सो ॥ २ ॥ जव राव मन मै बठ आइ ॥ स
 ता पंडिता लीये बुलाय ॥ पुरान न मै सें अपा आवा ॥ इध
 साग की बात सुनाव ॥ १०३ ॥ अठ को एर दछे आगे ॥ बडा
 टव डीह जागे ॥ पदम गटना म को करी बागे ॥ आगे
 जो एर दो छे ॥ १०४ ॥ सुरता पंडिता बोल्या ॥ चोय
 ॥ जव सुरता पंडित बोल्या ॥ तुमु लो राजा चित देय ॥
 प्रहर हार मी श्वराय ॥ अठ रा म चड ओ धारा पाय ॥ ५ ॥
 अठ रुड आ पर हाये ॥ अठ हनु मान पणि आये ॥ अठ
 अष्टिम एसी तां ॥ ले आये ॥ अठ ल्यो कुस दो न चाय ॥
 ॥ केरि राव वृत्तो पंडितान ॥ दोहा ॥ राम किम दिन आ
 या ॥ कदिल अष्टिम ए हनु मान ॥ कुसिल्यो कुसिक दि
 दिज नीयो ॥ ता को कहो बघां ॥ ७ ॥ केरि पंडित
 बोल्या ॥ चोय ॥ मुणिराजा सीतां जदि हडी ॥ जदिरा म
 या तिह घडी ॥ तेतिर बेणी तट वन म आया ॥ तिह घे
 मरां मे स्वर पाया ॥ ८ ॥ तहा हनु मान सें ॥ अष्टिम
 तुम जाइ सीतां करि आये सही ॥ लंका जाइ हनु मान
 रे आये ॥ जो किमोरां मजीह सकल सुणये ॥ ९ ॥ ज
 रां म चड अष्टिम ए ॥ कसीर हसिले काछे वणी ॥ रां म

चंडइणिविधिकहीया॥ हनुमानवनेसागरचटिगया
 ॥११॥ यादेखोलेकाकीवोणि॥ अष्टपर्वतनरुपोंणि
 जीदिनिरामचंडजीअष्टप्राया॥ श्रीरामचंडजीसेक
 हसुणया॥ ११॥ अठसूंजदिगयावहोडि॥ षष्टमांसज
 दिसं ~~बहोडि~~॥ समदवांधिलंकानटिगया॥ जहठ
 जुधप्रपर्वलनया॥ १२॥ रांवाणमारिकदंबसिघास्यो
 लेकावकसीनजीषणत्यास्यो॥ सीतंलिरामचंडध
 रिअस्या॥ ऐकदृश्योवचनसुनाया॥ १३॥ रांमंडुनवा
 च॥ जदिरामचंडनिष्मणनीयोवलाया॥ ऐककांमथाकरो
 जाया॥ तुममतिमाहाकोकहो नपेल्यो॥ सीतोतुमजाई
 बनघंडममेलौ॥ १४॥ निष्मणनुवाच॥ सुगतलक्षिमण
 गहनरिलीड्यौ॥ ऐकतोमतोकड्यांकीड्योड्योतोपाकोअ
 ग्पाकारी॥ तुमकहस्योसोकरस्योनारी॥ १५॥ रांमचंडजी
 फिरिफुरमाई॥ चोपई॥ रांमचंडजीकहीयाहसचना॥ फिरि
 नकाजेअसावचना॥ धलेमणनुवाच॥ हनुकड्योतोकै
 सीको॥ अबकोसिधिवणहैमोण॥ पातोकुचुधिविच
 री॥ नूपतजैकोघरकीनारी॥ असाकांमकचडुनहीकीजी
 कुचुधिमतोकोजीवधरीजि॥ १६॥ रांमचंडजीनुवाचा॥ चोप
 ई॥ बहोडिरामजीबोल्यायडा॥ महाकोकहोफिरिजिनदे
 डा॥ महाकोकहोवचननमेहोकवह॥ तीहकारणमहातज
 वडु॥ १७॥ लक्षिमणनुवाच॥ चोपई॥ जवल्लक्षिमणबोल्यान
 वणिकराया॥ योहतोडुकमकरोनहीजाजीवैसीकरीथो
 असीविचारी॥ कहिविधिकारणिथोलंकामारी॥ १८॥
 जदिरामचंडजीविजिबोल्याअसै॥ अबकैमहाकोकहो
 करिजसे॥ अबतकतोतैकहो नपेल्यो॥ अ

नलटिकरि को प्यो॥ अब धाराम न मे ओर ही आई॥ फि
 रि ओ हो ली बात कह आई॥ पातो बाद मा डौं डोर॥ थोड़ी
 हो महे ने जं ओर॥ १२०॥ जिदि फेरि लिख मण बोल राई॥ हा
 थ जो डिअर ज कराई॥ जै सो डुक म करो श्रीराम॥ ज
 ठ करो या को बिसराम॥ १२१॥ राम चंद न बाच॥ जहा बन पं
 ड न ज ड होय॥ आसि पासि बसी न ही होय॥ जहा सीता मेल
 हो जाय॥ पाछे बेग आचो धाय॥ १२२॥ सीता माता को बन मे
 ल छिमल ले चाल्यो॥ चो पड़ी॥ ल छिमल नी न डूर पम
 गाय॥ ताम सीता ल डब आई॥ सारा बन पंड फि रि देखा
 सकल ठो हार बसी ही येषा॥ १२३॥ चल्या चल्या तब ईंद
 ठ आया॥ घोबन सारी न ज ड पाया॥ इत धं धे डो न त नागर
 चाल॥ सरव सना डंगर असराल॥ २४॥ इक बन पंड अ
 र डंगर मोही॥ अन ड पर बत प्र न चाताहि॥ जल छिम
 ल पम गायो॥ आप च ल्यो बन सागर आयो॥ १२५॥ जीठ रषी
 श्वर खेठा तप कराय॥ गहर कुंड सो नीर न राय॥ जैठ सीता
 राषी आंणि॥ आपण करि गयो जै जो धातांणि॥ २६॥ जहा
 कुस लो कुस सीता कै नया॥ जिहि परि रषी स्वरंग रषी म
 या॥ तहां ये नया दुवा दस माहि॥ दोन बीर अहे ड जाहि
 ॥ १२७॥ दोन बीर नया अति बलवंत॥ तिण तो करी राज को
 मत॥ ल्यो तो गोवनी बली बसायो॥ कुसि जिन कुच तलो
 बसायो॥ २८॥ एक म डली बली मधे॥ जहा सीता कै॥ ल्यो
 कुस जो धानये॥ दोन ने नीति॥ १२९॥ इती प्रथम अध्या
 य॥ २॥ अब पद रघिर है सो कथन कह जे छै॥ सुरता पं
 डित न बाच॥ जा पीछे पद मर गिर ह जहा॥ जी को पहर
 बंदो तह जहा॥ ताकी बात सुणै जो राय॥ जा की मदम॥

नाय॥ १॥ जीकैकुतोपार्थपायो॥ ताकैरही
 नहीकाहुकीचाहा॥ जठपदमरघ्येकतालवेंका
 यो॥ ताकाव्याहवकोठाठरचाये॥ २॥ वोरपिलछिमी
 सौअतिधायो॥ जिननुठबडोएक॥ जगिथाप्यो॥ मोअ
 यदिसामषवरकराई॥ इतरपिीसुरतेसकलबुलाई
 ॥ ३॥ औरदेसदेसकेराजाअये॥ जुरीयादलजोतेकाठ
 ये॥ जहअंशनोजनवहुदीजे॥ फिरव्यालूकीबुझाकी
 कीजे॥ ४॥ तहारपीस्वरअतिसुषपाये॥ हरपिहरपिद
 रिकेगुनाये॥ षटवरसनवहोअनंदकीन्हा॥ राजारा
 वअतिसुषलीन्हा॥ ५॥ स्योहोमअगपारीनई॥ इंदु
 रीन्योबातागई॥ मुनिराजजगिपूरनकीन्हा॥ पदमरघी
 श्वरअतिसुषलीन्हुं॥ ६॥ जवरपिराजपहेरावणीकी
 न्ही॥ सबकाहुनअपादीन्ही॥ सवरपिराजयकमते
 बिचास्यो॥ यहबननामअस्हीधारे॥ ७॥ माराक्वन
 पकयोनायो॥ इनकोनामपदमगाढरायो॥ तवतें
 नामपदमगाढवाज्यो॥ अंठरपीस्वरपदमविराजे॥ ८॥
 रषिकौसीषडकराजाअहि॥ सवरपिमयाकरहेतोहि
 रेनिदिनसेवातेकरे॥ नाक्नक्तिहिरदे॥ मधरे॥ जिहर
 जहपाश्वीदीन्हें॥ पदमगाढकोराजाकीन्हें॥ ९॥ दिहा॥
 तठबेठाराजथीअधरारी॥ नैससेनितिहनाम॥ सना
 नोजकीसीदियै॥ कैरेविक्रमज्योकांम॥ १०॥ जाकोराज
 वरनोकोसकै॥ च्यास्योदवसिकीन्ही॥ धरतीजितीध
 कैपडे॥ ओस्रापणोंजसकीन्हुं॥ ११॥ जोपई॥ जिदैंकै
 जीरसैच्यारि॥ सौप्योराजइतनइतवार॥ राजाकैरा
 णीसैमात॥ कैरेबिगसदिवसअरराति॥ १२॥ मकल
 राणीराजाकीविदीत्याहपरिअरमावकैति॥ तराज
 अतिकामीनयो॥ कामचसिति

मीरेण दिन को म बिसारे ॥ नली बुरी जी बन्ही चिचारे
॥१४॥ कां मीत कै बिरां नी नारि ॥ कां मी क देही रां म
नारि ॥ कां मी कहो को को न बिगोयो ॥ ऐड्कां मी ले
कायति मूचो ॥१५॥ नरुं से निपद मगट राजा ॥ बच
नका ॥ नरुं से निपद मगट को राज करता बड्कत दिन डूव
तव देवी एक म का सौं अंड ॥ सले मान पकं वर सौं ह
रिक रि आई ॥ अर राजा कै पछे रही ॥ पाशं संपै कं वर नी
आय कि रि कह्यो ॥ माहों को रछे सौं निका लिह्यो ॥ ज
दिरा जा चोर तो दीयो नही ॥ अर लडाइ करी ॥ सो राजा
हार्यो ॥ जदि देवी तो नागाई दी ॥ अर अप सो गनषाई
सराय लीयो ॥ जी का सराय सो चार सै वर सज्ज डरह्यो
॥ तौ दई ॥ पुत्र बिना आगे घर मनुं ॥ पुत्र बिना पां नो होय
सुनं ॥ जिहें को राज बिजन सिगयो ॥ जिह पाछे गठु जड
रह्यो ॥१७॥ जिह न हू चो चारि सै वर स ॥ बधि गयो बिन
आगे ये सरस ॥ जब का अठ सहर बसाया ॥ ईधर तीन
एही बाया ॥१८॥ अठ निकट राज नही होय ॥ एगठ है फिर
बां सहे सोय ॥ सत जुग तै ताहा पुर हूवा ॥ बडा बड राजा
हो मूचा ॥१९॥ जी पाछे कलि जुग आय ॥ ज्यो राजा जायगा
सहर बसाया ॥ बिकट जायगा धोवा करि छोडी ॥ सह
ज जोइ गां बस्ती करि मांडी ॥२०॥ चौपई ॥ या जायगा को
यो नही देखी होसी ॥ जी की बात कहै या जोसी ॥ राजा अ
ठ असानया ॥ सब का हू परिकरता दया ॥२१॥ या जाय
गा तपसी की आही ॥ आदि अंतरि घिरा जकराही ॥ जिह
की कांणि नचू के कोई ॥ जिह न लई रषी स्वर पोई ॥२२॥ जो
रषी सुर अठ रहता ॥ नरण पोषण क्यौ करि होता ॥ राजा य
दित न पूछे ॥ ये तो कहो अठ बस्ती नही होई ॥ वैरहता
ते बाया ताकांई ॥ इवन म मेवा बड्कनाति ॥ कदम लह

ताकइजाति॥ देवतागायजोमेवाजीगया॥ कलिसारूप
लपदानया॥ २५॥ चोपई॥ बडावडायेपंडितआया॥ सुर
तापंडिताकोकिबुलाया॥ पुरातमपुरषआयजबवै
षट्दरसनजवनयाप्रकेटा॥ २६॥ अबसारा मिलिकरि
मझुरतदीजे॥ ईगदमेजोतांगलकीजे॥ नक्षिचि
चारिनलीतथिसोधो॥ वनफलदेदेवताप्रसोधो॥ पंडि
तमझुरतसोधनलागा॥ सारामिलिकरिवटाआगा॥ जे
पारबलमनमोहिचीचीन्हो॥ गणेशसरस्वतीतांबजनी
न्हो॥ गणेशदेतासमैजबही॥ पोथीपंडिताकादी
तबही॥ २७॥ करपडीलेपदोधरिआगे॥ औरविचारहाय
तिहजोगे॥ जयअजयनक्षत्रहेरो॥ हम्बचक्रनिजरिन
ऐफेरो॥ २८॥ बारहलगानिमिलिकरिसोधाजहां॥ ने
ग्रहपूजालीन्होतहां॥ रबिसोमबलदेपोआया॥ पुत्तन
क्षत्रनुत्यमठहराय॥ २९॥ जहां॥ सकलसनामिलि
वठैको॥ राजाबोलएहु॥ मझुरतकादिनदेषीये॥ सो
सबहमसोकहेहु॥ ३०॥ पंडितनुबान्ना॥ नतिममासव
साषको॥ आषातीजगरुवार॥ पुत्तनक्षत्रमिधजो
गकह॥ चलोदुपहरवार॥ ३१॥ तजारीएमानको
हथे॥ जबराजारीएमासोकहै॥ एकवातसणिएहु॥ नि
तरोलोगएकठोतयो॥ तेसबकोसीधादेहु॥ ३२॥ काहु
नजाणदेहुमति॥ आडादिननांगलजिता॥ जवला
राषोअरजकरि॥ औरबुलावोकिता॥ ३३॥ चोपई॥
जवनंगलकीसोमपीकीन्ही॥ देसदेसकोचीठी
दीन्ही॥ बडाराजाचलिआया॥ चारणजाटघण
हीआया॥ कीन्होसोमानजगिकासो॥ जुडरामनि
क्षगएतीन्हीकोइ॥ ज्पानमुक्तासीधादीया॥ जिविधि

मागैसो विधिलिया ॥३॥ महैसुमचून पिमायो ॥ दोयसहस्रै
 मणघितमगायो ॥ चारिसहसैमणतंदुलप्रयो ॥ पांचसह
 समणचणंदलाये ॥ मोठमसूरमृगजडदलीन्हं ॥ मिशंन
 मगायकैकहगलकीन्हं ॥३॥ सकलसोमंनवोहरएक
 कीन्हं ॥ सहसैकमणतैलवषाणै ॥ पांचसहसमणसं
 नरिजाणै ॥ औरचलायोबडुतहीमाल ॥ तेराचैतेराक
 मालै ॥ राजापरिजापडुंच्यात्राय ॥ सबलोगनेनाडुचाजाय
 ॥ आषातीजतेआनंदकीन्हं ॥ पुत्तनत्तचगरुबारसली
 न्हं ॥४॥ बारासैसाबलजाहकीन्हं ॥ सहसबोलरजपू
 तांदीन्हं ॥ ब्राम्हणबेदधूनिजहाकीन्हं ॥ कैरहोमआडु
 तनुचार ॥ चारणैनाटविडदावलीनण ॥ जाचिगजागा
 चोगडदानै ॥ ठामठामरसोइहोई ॥ गछमैसाच्यागहोई
 सोई ॥ तबजीमिरसोईबठादरवार ॥ राजापूछैकरोबिचार
 यागढकोनांवओरहीधरावो ॥ आगिलोनांवपेट्टरि करावो
 ॥ वैदेनाईबठाईकठावरोण्यै ॥ नोण्यैकाछैकोनांवै ॥
 सोपंडितबैल्याजाम ॥ राषोगछरणयंनकनाम ॥५॥ इहि
 विधिमेतीनांगलदूवो ॥ गलगजसूदीनांसात ॥ राजाप्रजा
 वनणसहीषटदरीणजीजात ॥६॥ जबसकललोगविद
 कीयारुडादेमिरयाचै ॥ ज्यांसुराजायौकद ॥ अठबसि
 ज्योसबबेगाआव ॥७॥ जेताकारीगरलोगजेकद ॥ सो
 वसायासारागछमाहि ॥ सोदगारजैहारीआयाघरणं ॥
 जडावघडाचैविधिबिधितणं ॥८॥ दोहा ॥ वारहबेदा
 रारवाकै ॥ ज्यांकोसूणैजनांव ॥ वडावडाजोधासूरवां
 वडावसायागांव ॥९॥ लोगावबडाकिसाकिसावसा
 या ॥ चौपई ॥ अहलादः नीवः अरबसदेव ॥ नरतस्पधः चै
 रीमालः बीरमदेव ॥ बलिदेवः बिजैपालः अरकुनराज ॥
 बीहलणदेवः बीरमदेवः हसीरदेवः शेटोबघराज ॥१०॥

मोराजामैं जौ नार है॥ आय आय कागां वार है॥ राजा गढ
राज कराई॥ जाकी दूरि लग फिर दुहाई॥ ५१॥ ग्रह लग दम
घ आल हण पुर बेसाये॥ नरत म्ये घन दलाव वसाये॥
नीव नीर हौ नीहरण जाय॥ वास देव वावई वसाई॥ च
लि देवर॥ वीर मर हौ वलौ वणि वसाय॥ बैरी माल तेव स्व
दाव साये॥ बिजै पाल ते बिच पडी धायो॥ ५२॥ कुंजारा
जाव साई कुंज ल मेरा॥ वील हण देव साये वौली गढ
घरि॥ नरथ म्ये घगां व दूजो वसाये॥ चूरी पहाडी तो वरषा
मै॥ वीतो वास न ठ जाय की न्डु॥ जदि न दलाव हमी रद दीनी
वषरा जर हौ हजरि॥ न पैं मुराज कैर नही दूरि॥ ५३॥ दोहा॥
गढ तट बाग वौलै घणों॥ कूवा वाव डी ताल॥ सव परवत
जल सौं न स्यो॥ जहां वह सदा ही ताल॥ ५४॥ राज जमौ अति
राव को॥ वीत्या बडुत वरस॥ जी का प्यार अये दम॥ राखे जीव
ध सरस॥ ५५॥ एक हिरण तित सिंग को॥ तामा धीर है वडी
डारि॥ सोरह नागर चाल मै॥ लीयो हिरण मै म च्यार॥ ५६॥
चोपई तेनागर चाल को॥ माल सख पाये॥ सबेर तिमिलि
म तो न पाये॥ गोइ चण नही हो पाये॥ ता कोर तिमलि
म तो न पाये॥ मारामीलिक रिया ठहराई॥ राजा पामि पु
कारां जाई॥ जाय हकी गतिस कल मुतावे॥ जे चढा
य कै अंठ ल्यावै॥ ५७॥ सो मिलिक रिसारा गढ परिगया
राजा सेती किम जनाय॥ हिरण एक माल सारो हीषा
यो॥ अ न जानत फिरत गणान जाय॥ थारा ना धरती क
धणी॥ चटिक रिचालो थां कै हारै॥ जठेले आ पसि
कार॥ ६०॥ राजा मुनिक रिअ सवारी की नही॥ स्वान डो
रि मगाय करली नही॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ होता

५३
 महर्मेतेजेताअया॥६२॥चोपई॥तिगडडगरीचढीयाजा
 य॥तेढैहिरणगाननिजरियराय॥कुताछेडिकरिल्लोरदीय
 दोयच्यारिहिरणमारिकरिलीया॥६३॥जबराजाजीअजा
 लोगसोवहो॥अबथेजायनचिंतारहो॥दिनिनुठिसी
 कारअठहेश्या॥साराहिरणमारिलेजास्या॥राचक
 हयाहीछेदोली॥लोगकहयातोछेवेली॥कहंपंसाक
 झुसतरिरहे॥कोएकसतदोयसरहे॥चेतीनसीगीकीबडी
 छेडारि॥जीकीनेधेरहेपाचसैलागो॥६४॥जीनमारोदसु
 जास्यो॥महाराजितिनकोकांडंसारो॥राजाबोल्योथेसा
 रजिजावो॥अठफिरादिकेरिजितिअवो॥थांनधेहेपाये
 जेदा॥अवमारियांमारोषेदि॥६५॥दिनकैजायराजाअव
 दो॥सोकदेतहोयराजातनेटा॥तीनसीगीकदेदायिहीअ
 वे॥अरहिरणमारिमारिसोल्याचे॥६६॥इहाकरतकरत
 बरुतदिनघीता॥घणथोकतोकीन्हारीता॥तीनसीगी
 कीसायिघोडोडारो॥वोतोनाजागयेअरघोडोहस्यो
 ॥६७॥चोपई॥जबराजासनामैबैठोअया॥जदिहीहिरण
 कीबातचलाय॥याकोपंडितकरोबंबेका॥अबहिरणज
 देष्योतीनसीगीकोएक॥६८॥अवताईहेमुण्योनदेष्यो
 अबदिनकैदिननिजसजयेष्यो॥झुचसौपचिपचिहास्यो॥
 सोतोनहीजायछेमास्यो॥६९॥तदियंडितबोल्या॥ताहि॥
 वाकीषालाअतिनतिमतहि॥वाषीषालहायिजोअ
 वे॥पंडनरतांपिअतिसुषपावे॥७०॥नपरिवैठिजायजो
 हाडीमीक्षमुक्तिसिधिपावसोडी॥वाकोमांसनरजोषाय॥
 तयबोल्जुगजुगल्ये॥७१॥चोपई॥राजाबडेकवरजहावि
 दाकीन्ड॥अहलादसंघवीडोदीन्ड॥थांनहिरणतमारि

चो

५४

२

ज्यो जाया तोमहं केसपुत कहय ॥ ७० ॥ डूँधणिजीवमुप
नं नारी ॥ अक्खिबलिवातरहजासी घारी ॥ डूँजणिमोगट
यां निसीतही ॥ टीकाको घांववहोसी जहि ॥ ७१ ॥ आलगा
सी कवरहिरणमारिवापरिचिदाकीया ॥ चोपडी ॥ वडुनम
णदेविदाकीनु ॥ महाराजि नोगसाथिसवदीना ॥ जेच
ठिआगे होयनाला करता ॥ मीराजाकी साथिही जाता ॥
७२ ॥ जामिनिघेरिकरशआगे ॥ सारासाथिगयातिहजागे
जेठे चहिरणचरेवडुतेरा ॥ जेजैजाइकवरनेकीनां घेरा ॥
७३ ॥ सोचोगडदासूलीनां घेरा ॥ तीनसीगीकोकाघोदेरि
जोकवरजीनिजरिवताये ॥ कवरदेखिवडुतमूषपाये ॥
७४ ॥ जीपरिवागेमेलिकरिष्टे ॥ मानं पंछीपरिसिषरोट
टे ॥ दोडोहिरणपंछीकीनां ॥ घोगेकोपोहोचिहिकेता
ही ॥ ७५ ॥ घोडेडाएनरेअतिनंची ॥ जीघोडाकीछोडीपूछ
हिरणनागिदस्योचनसाही ॥ जहांघोडाकोवसपडुंयेता
ही ॥ ७६ ॥ कवरनतरिकेपालोनयो ॥ करिकाएवनमैधसि
गयो ॥ जबदेख्योहिरणननेआगे ॥ महादेवगोरतिहिजा
गे ॥ ७७ ॥ जबमहादेवकोदरमएनयो ॥ पापदोषमचकटि
यो ॥ जेवजाइरुडकोमेकजदीही ॥ दोनुहायजोडिके
सेवाकीही ॥ ७८ ॥ बडीवारल्योनुनोरहो ॥ तवपार्वती
वोलीरुडसोकहो ॥ थांकीराजाएककारछेसेवा ॥ किदि
कारणिताकोपूछेनिवा ॥ पारवतीकीमुणीछेवोली ॥ मा
देवजीतवपलकपोली ॥ ७९ ॥ श्रीमहादेवजीकवरम
पूछेछे ॥ चोपडी ॥ महादेवरुडजीसंवतालाया ॥ तछेको
एकहंसंआया ॥ थांकेगटजेराजार
रयो ॥ कहैजीनमोहिरणमगायो ॥

कौयहृदिनकैडरपावै॥ तोहीन्याययोनागौआवै॥ थारैह
 पियौकैकरिआवै॥ ५४॥ मांगैमोहीनरिपावै॥ इनकीबात
 नफेरिचलवै॥ थाकोइलेस्योइतकैतोई॥ योतोथाकैजीव
 नाही॥ ५५॥ कवरमहादेवजीसंअरजकरछै॥ थाकोबक
 सोमबेघरमाही॥ कोइबातकीच्यंताछैनाही॥ गोवप्रगनाह
 थीघोडा॥ सोनूरुयोकपडाजोडा॥ ५६॥ योहिरणगाप्रापिता
 सुषपावै॥ नहिरिमृतअपजमआवै॥ इमणकोफलमृकअ
 ह॥ मोनपिताबहोतकरिचाह॥ ५७॥ सोमहादेवजीबोल्या
 नही॥ अरपारबतीजीजुबाबदीयो॥ अणबिधिफेरिकही॥
 चोपई॥ योहिरणगहकरिंदीजे॥ इनकोबोलतुपरिजोकी
 ज्ये॥ याबतीकनुपजीदया॥ महाराजियोकीज्येमया॥ ५८॥
 थाकादरीणकाफलपावै॥ थाकोपितायनकोचावै॥ ५९॥
 जदिमहादेवजीबोल्याअसै॥ योहिरणलेजासीकैसे॥ हिर
 णतोमरिजासीजातोहीअसै॥ थाकोजयइननहीआसी॥ था
 कोताहकपापहीआसी॥ योहिरणदेसीयाकोसरापजाके
 याकोलागोपायै॥ जोकवरकामनमेनाछै॥ सोतेबस्तहाथिन
 हीआवै॥ ६०॥ चोपई॥ थातोआगमकीबातकहाई॥ सोतोअ
 नकैचितनहीआई॥ थाकोचितहिरणमजोई॥ थातोबकसो
 योजाणसोई॥ ६१॥ जबमहादेवजीअपादई॥ हिरणलेघरिछे
 गाजाबोमही॥ कवरमनमउषाहडुवो॥ करिडंडवतहाथ
 ॥ हलीन्हो॥ जीवमेअतिआनंदकीन्हो॥ ६२॥ कवरअसवा
 रघोछेडुवो॥ हिरणहाथिकवरकेडुवो॥ आगोलेमिलिचा
 ल्यातबही॥ वोप्राणमुक्तहोगायोजबही॥ ६३॥ चोपई॥ जय
 कवरअतिहीमुराजयो॥ सारोसाथबहोतपिष्टतायो॥ जदिक्
 वरकहेबेगारीआवो॥ जाकैसिरयेदेगटिपडुंचावो॥ ६४॥

कितराहीवरसलडतोडुवा कचरनमरावमाराचलिगया
 अरकितराहीदिमलगाया वडावडारजपुतमराया
 मेहेतोगटिनहीजाम्योनाई॥योमिरासोयोराजाजाई॥
 लेहिरणवेगारीचल्या॥गलामेदमीरटेमित्या॥१७॥हमी
 रदेगाहोतपूछी॥पूछेकवरकोठामेंल्याया॥विगाम्योव
 ही॥संआया॥विगारीकवरनैजुवातदेछे॥वडेकवरया
 आयकहाई॥योराजाहैसोपोजाई॥जदिहमीरदेगासा
 कोज्वावसुंणिछलकीये॥हमीरदेहिरणअगोधरि
 लीन्हं॥मूजरोजायराजामोकीन्हं॥मिरागनिरपडतराज
 सुषपाये॥सुसीझुवोअरयोचमिताये॥राजाहसिहमीर
 सोबोल्हो॥हिराकोपटेजदोहीपोल्हो॥२०॥राजादमी
 रसंपूछेछे॥राजापूछेछोरहाथियोकोकरिआये॥हमी
 रनुतरदेछे॥महाराजिकापुन्यमोल्याये॥जदिराजारा
 जीझुवोअरमोताजदाही॥वजारमोहिरमिरापावदीन्हं॥
 तेजादवापरिविदाकीन्हं॥जदिहमीरदेराजासुअरजे
 कोईकरछे॥सोरठा॥हमीरदेकहसुणिगवातीनोकोई
 नासुंण॥झंकरम्योइकदाव वैसराझुमारिम्यो॥२५॥हमी
 रदेजदिवीडोलीन्हं॥जादिनहीनदलावडेरादीन्हं॥को
 झसेतीन्हीवातचलाई॥महजसहजदीमित्योमिजाई
 ॥५॥योजादवनकोतांणजोसोईजदकीणिणतिनरा
 थिकोई॥६॥एकदिवसमामांकाये॥दाथजोडिकेठाजे
 नयो॥करीवातगरीवकीनाई॥कहयेपालेमहारेतांई
 ॥७॥येसारीवातजांणेशेवठाअधमनजागोदोको
 या॥माहंसंराजामूछेबोल्हनादि॥८॥
 हि॥९॥मामेकवरहैदित्तामान्दी

नीकीनीकीवातनकानी॥जोजाऐजोआवगोगामैतोवे
 ठोगुदरानकरोगोमहामै॥१॥थोटीलनकरोजिनबेगाजा
 वो॥सारीलोगबसीलेअठेआवो॥नैठाकोथेथेडोनाव॥
 थोनअठहीदेस्यगोवै॥१२॥जदिहमीरसोसोदेकाइकहै
 ॥महारीएकअरजछेमामो॥हुआनेधूआकागामा॥नगसे
 हुंद्योछूटलो॥तोयकवारथेनुठवाले॥१३॥एतीकिरयाम
 हासूकीज्यो॥एकरसोइमाहोकेजीज्यो॥थोसकलजाद
 वेहीन्योतिबूलवो॥नुठहोयमूतलेअवो॥१४॥थोराथो
 माहापरिमया॥तोजीवाकीकीज्योदया॥अोरसोमोजीइ
 तोकीज्योसोजादवाहुन्योतादीज्यो॥१५॥हुजानेधूनहीन
 गो॥सोमानकरोछेअगानअगो॥जोकाइठहीआवोतोअछी
 नहीवातदिषोवै॥१६॥सामूहमीरदेसाएजानकाइकहै
 मामूकहैमुणैरनाएजनाई॥थोसिवायमाहाकेछेकाई॥
 थोलेवाहैआस्यासारा॥हेतोचाकरछाधारा॥१७॥हमीर
 कहै॥आजिजोकहीछेमहासू॥हुतेकोकह्योकरिस्प
 थोसू॥हुतोथाकोसदाहीषास्यै॥सारीबसीलेअठेआस्यै॥
 ॥१८॥करिसामूकाईकहै॥बलनका॥जदिमामैकहीक
 धाडआस्यो॥अरकैसैदिनलोगनबुलाकैयो॥जदिमामहं
 कहै॥आजियोचोथेदिनआज्यो॥अरसाराडीलाडील
 हील्यज्यो॥जोथेमहारोजलोमनावो॥तोएकडीलोथेडि
 जितआवो॥थोडआवोतोजोघरिजाज्यो॥मूनचाहोतोसव
 हीआज्यो॥जदिहमीरहमीरकेसोमैउतरहमीरनैहीयो॥जो
 पई॥थेकाईकहोछेवारुंधारा॥हेनहानामोटाआस्यस
 रा॥एकहमीरकवरनधलावहीअयो॥मातासेतीमतेक
 रायो॥१९॥मैन्योत्याछेसारामामो॥हुजानेधूआकागामो॥

वनोष्टे मोवेगा अचो॥ ताके ताई सीधो करावो॥ २१॥ दहि
 कजो॥ दोहा॥ कैजो एष्टे हम दि॥ कैजो एष्टे रावे तीजि कति
 नही पडी॥ २२॥ सोडो की नुदवि॥ अता ठासी धाका की नु
 गो मगाया पीसणो दी नु॥ चावल घाड घृत मगाया च
 एमगाय वेसण की नु॥ मम के सी नूली घो मगाय॥ शल्य
 मारि लि अर दालि धूवाय॥ अर चीठी वरा की नु॥ मोम डा
 ई गांवा दी नु॥ लावा तीतर अने तमंगाया॥ अर वनाम
 कामा अलाक छवाया॥ सारा वन का पछी आया॥ लोण
 मारि वोटे सव करीया॥ न्यारो न्यारो मां सर धायो॥ सर्व का
 २३॥ एकै घृत थपयौ॥ २४॥ माद मूला की नु न्यारा दि दे मुसले
 घृत मोर राया॥ मास बांधि कै चक्र तलीया॥ पकोडा के २५
 दधि मालीया॥ २६॥ वाटि० मास पकोडा की नु धोला पी
 लाम मोलानी ना॥ २७॥ छती मनोजन वेसण का की नु
 चावल मृगम सरखडी॥ उड्डमो छोला की वटी॥ २८॥ कु
 लप चला तलाया घी में॥ बहोत मृगों की दालि दी २९॥ मे
 मा अरोटी वाटी गोला॥ ते तो मुक्ति धीर तव नो न्या॥ ३०॥ अ
 र स्वणा का डीरा रुवा॥ मेथी वैगण अर वणवाना डी॥ नरी
 तो नटा को ते आया की फली॥ ३१॥ मुग वल्ले॥ ली फली
 मूला पालिका सिर खोरा डी॥ वाटी को सागरा धी चोला ई नो
 बूआ बअणो लें आया॥ अरोह लड अक्ला लय्यो॥ ३२॥
 पकोडा अर पीपलिको एणो॥ मुक्ता केर अर अचल अ
 णो॥ बांधि बांधि अर मादो न्यारो॥ पाठो मेठे अर धूको रो
 ३३॥ पीरया डमी रोप चधारी॥ पुरी कर चोरी नु न्यारो॥ फल
 दास की नाठी दो ३४॥ २५॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

सानो दाप चुवाडी गुल मुक्ता की नुद

गीतिजारोगोली॥ देदेपुटधतूरोघोली॥ सीमीमहरोबिषु
 वायो॥ आकलकरहअरजायफलन्यायो॥ अगाडीमह
 रीमडहोकीन्हो॥ वीधीओबलागुणिकैलीन्ही॥ ३३॥ जीम
 हाथनहोयपसारा॥ जीयेचढायामुक्ताफारा॥ बडीचोडा
 यमदोडरघाया॥ फलसादोयमोदकमबेधाय॥ अरहि
 तूडीलसोलीयाबुलाया॥ कडुंकांमसोकीज्योनाई॥ ३४॥
 दोहा॥ मगलाषडायेबाछदेसिकलकराया॥ मुक्तादां
 मदिवाया॥ सकललोगाराजीकीया॥ ३५॥ सोरठा॥ येम
 राहजूरीरहो॥ जबलाजादौजीचुकै॥ दिनदोयलाअंठर
 हो॥ कडुंठलोमतिदूरिही॥ ३६॥ अबजादौहमीरकैजीम
 बान्नाया॥ अंठजीबाआवालागाजादो॥ नमणिचल्योघट
 जोनादू॥ चाहायातिसगलाआया॥ सबनहोनांमोटासा
 पीलगाया॥ करिमनुहारिअमलमगाया॥ रचियोतिहते
 तोहीयाया॥ नहोतजतनकरिहीडोकीन्हु॥ जिहकैकाजि
 बेठनूदीन्हु॥ नदिचलेजीजीमरमोई॥ हाथयावथाधोडारो
 धोई॥ आधीनहोयकरिडुवाप्यार॥ लावोधोईधेरुधरोह
 पीयार॥ सबकाहथीयारयोयकैलीन्हा॥ सोसबकबजि
 आपणैकीन्हा॥ न्यारीन्यारीपातिजकीन्ही॥ पातिगसा
 रुबैठकदीन्ही॥ डीलडीलबैन्याराकीन्हा॥ जामैअोर
 बैठवान्हीदीन्हां॥ आडेलोगसबकीन्होन्यारो॥ चाकर
 लोगसबपरहोडारो॥ जाकीकेश्यांतिकराई॥ पातलि
 जाकैहिकधराई॥ घालकचोलाअनंतमगाया॥ सोडी
 लांकैअोगोधराया॥ ३७॥ हमीरकवरमामांमांकीपरु
 सगारीकरैथे॥ अरमामांकीतिमनहारिकैरैथे॥ अरअ
 यकाडीलबुलाइसमस्याकरैथे॥ अबकवरअमलया

लीमांमोनैकरावैशै॥अरहाथमैप्यालोदीनुं॥फूलकटाए
 नजामूकीनङ्गा॥रहरअमजयुवावैशै॥अगो॥फिरवतकै
 हेठोकैलो॥सबलागादासुकैतांई॥ऐकैकतरकारीप
 सतलाइ॥ताकौपरुसतपहरत्माई॥मघहैअमलप्र
 परवलअये॥४८॥हधीरनआयकाडीलबुलाया॥जीदि
 नजामूवातचलाया॥राजामूनवीडोदीनुं॥जिहिकाजि
 इहिसौहठकीहने॥डीलडीलितेवैछान्या॥थाडीलह
 मारोसारा॥ओजीमणजीमैसोईजिहिसमैऐकांमजोदो
 या॥५०॥जीदिनजामूवातचलाया॥होतालोगतैसकलबुलो
 या॥सोनीयादीकहसमजाया॥अठालोगतैतोजावादीज्यो
 डीलडीलधांसाराजीज्यो॥५१॥देवूयाकादाथजनाडीरदयी
 थांकीवातजसवाडी॥राजामदोसुंदोसीराजी॥अररदनामी
 आपणीवाजी॥५२॥सकलसाथसोअसैकदी॥वांमथाउ
 नारहो॥दीडाकैमसिनेलाहोजावो॥इकमकरिस्योसोदी
 करस्या॥हथीयारविनांकोइ॥ऐककांमथांकीज्योसोई॥
 सबहीलोगजायकरिनित्या॥वैसबदासुकाछल्या॥मोको
 ईननापोननुडाव॥कैइनरिनरियानीत्याव॥कैइप्याला
 वतकनई॥कैइननाकैइमयकरीनई॥कैइतरकारीले
 अथ॥कैइजिहिनोजिनदीआव॥मारानुनावरीयांताकै॥दा
 सैमैवैनरिनरिआकै॥५६॥चोयई॥पुरसतपुरसतपुरोनये
 जबजीबाकोदूवोदीयो॥कोइहंमिहमिगसजोयायो॥को
 ईतुगटाचोघेलाय॥कोइनेटिआसुसाव॥कोईसोबटु
 लिहलिजाव॥कोइहसबाकीटालाई॥कोईरोवकोइ
 करैदेरागी॥५७॥घोलादोयरांमदीदी॥यछेनुई
 गी॥जोयेऊडाऊडिऊटकावहो॥५८॥नार

मह

सब लोग मारि एक बाकी न्हा ॥ और लग सव जा बादी न्हा ॥ वासारे
 नदा गदिवायो ॥ वचिरहौ तेलोग जिवायो ॥ ६० ॥ इसो नानिजे
 की न्हौ काम जी मा मां की तोडी मां मां जी घरि राज दरबारै जो
 श्री मील के बिरति तिह के घर सो श्री जिह धरि ना एजे की पदा
 वै जो राघे ते ए पदा वै ॥ कोटि जत न करि देयो को श्री ति धा
 नि ना ए जो इस डोहो श्री मातारो वै हस की नीनी ॥ और हमी
 तई सडी की न्हौ सो तो छडि ओ धै मूछे पडी ॥ जबै हमीर अस वा
 री करी ॥ ६१ ॥ हमीर सो सो ते मारि मा मां के देस जा तो डूवै ॥ ज
 य देस मै धूम मचायो ॥ मां मूडु वो सो ना घो मां रि ॥ आय
 मिल्यो सोली यो नवारि ॥ ६२ ॥ वदिवाय को ॥ धणी बिन
 कोणै केर चढाई ॥ धणी बिन कोण ले लडाई ॥ धणी होय
 घर कोर पवालो ॥ पराइनो मिसे चाहे चालो ॥ धणी होय तो
 देस हराये ॥ धणी बिन लोग ही एति नाये ॥ धणी बिन धरि बा
 हरि मृत ॥ मतिको इहो डूयो धणी बडुंग ॥ ६३ ॥ चौपई ॥ जा
 दौ मा स्याक वर बुलायी ॥ जा की सुधिरा जा सव पाई ॥ पछे
 देस मै गयो चलाय ॥ जाय जा दूवाटी वडुत पजाइ ॥ ज्यो जो
 राजा प्रवरि सुणाई ॥ सुसी होय राजा सुष पावै ॥ जी का जीव
 म कुवर वसलो ॥ जी आवा को न्हौ लीह नृगलो ॥ ६४ ॥ चौपई
 ॥ जै जाय हमीर न अनडन वाया ॥ मांर लोग न घै डड मगाया ॥
 सब जा दौ वाटी की न्हौ जेर ॥ जठुहा इ आयो फेरि राधिक
 मेती अमल जमायो ॥ दामले अयनै धरि आयो ॥ मकलदा
 मले माथि जली न्हा ॥ जाय राजा मेती वात जकी न्हा ॥ ६५ ॥
 हमीर राजा रंघाय मिल्यो ॥ अर राजा की निजरि करी यो
 फेरि राजा यो वार हमीर रंघां ईक है छै ॥ राजा बोतरा जी डू
 वो ॥ हमीर कर जो डिही घे हवो ॥ डव्य सबै हमीर ही दीयो ॥ अ

तिआनेदहिरदा मैकीयो॥ जवराजारे कचातचलाडी अच
 थांमारोजसयाल हैजाडी॥ तोदुयमिटैदमारोनाडी॥ थांदेमो
 गढकोटीको॥ ६८॥ हमीरकहैछे॥ जवहमीरकहोगराजोमे
 ती॥ एकचातथांकीज्योएती॥ तीजाकैकानियाचातननय
 वराकहैछे महरैतां॥ मवलोराग्रागैकुजमकरीज्यो॥ मा
 लिकादिअररोमनरीज्यो॥ दरवारमोममनदकरावो॥ मा
 रांअगैअयजसागवो॥ ६९॥ चोपडी॥ मुणैचातजमयालव
 थांणि॥ राजाकीन्हीमांनोअण॥ कौरचामैतमोहीकरिडो
 कडूकैजोनहीसोरे॥ बोदीनंराजकुमावै॥ मवमोमद
 वरावरिदावै॥ कवरनपरिरायैजोर॥ जीहकोकहीनमां
 नतोर॥ राजाकहजेचातनमानै॥ राजासुबूछेकहकु
 बुधिवधानै॥ वराजाआपपरोमयाणै॥ मवमोकहयैक
 ईजांणै॥ जवराजाकामरमेकटिकटिजाय॥ जेदेयैवते
 मारापछिताय॥ सकलनमरावजीमोवराजी॥ सकलर
 हावणैकोइन्हीराजी॥ ७०॥ चोपडी॥ वटाभैअतरागुणह
 य॥ जैहकीचातनमानैकोइ॥ जोबूढामुबुधिकीचातन
 पावै॥ जीहकीचातनकाहुनवै॥ बेटापोताओरबडान
 सबकोइकहयाआपीउछान॥ जैठबूछेबठोहाय॥ जिदै
 कीकांणिनरायैकोय॥ ७१॥ चोपडी॥ नाहनामोटाजि
 तराआवै॥ देधिदेयिमसकावै॥ जेमनमैजोवोलैआडी॥
 नैकामरमेकटिकटिजाया॥ तमणतमणीसबममकरी
 णै॥ बालककरिवहकरिजांणै॥ असत्रीपुरघरावरंकमोई
 लेपप्रमाणबूजसबहोइ॥ ७२॥ चोपडी॥ जसयालैकैधरि
 धिनैजैतो॥ राजाकैधरिनहीजएतो॥ जीकामनमैनीबोर
 है॥ चोदासैवछिनयरे॥ ७३॥ चोपडी॥

सायायहो जाहो ॥ जीनयेसंकरै नन्यारा ॥ तेपलपलमाहिक्
 रैसंजाता ॥ जिहैकैकरिदरबारजोहोई ॥ राजकीगिणतिन
 हीकोई ॥ कदेहीसीराजाकैआवै ॥ करिमुजरोजबहीनठि
 तावै ॥ दोन्युजोलावैठैजाई ॥ तीजोकोइनयेहीआवै ॥ जेती
 खसईराजाकैहोती ॥ अखसइकवरकीसमेति ॥ जीमैप
 हकरैतेसही ॥ औरनचलैकइंकीकही ॥ जेहैकैहमेरदे
 जीदिनकैजाय ॥ आपकोदुषमुषकहसुणाय ॥ मजाणस्यो
 मलोमानसीराजा ॥ होकीबातहोयलीताजा ॥ कौनने
 दसो जादोमारा ॥ जीहकारणराजादुषकास्या ॥ महाका
 दिनआयाछेपोटा ॥ कोइकदिनदेपूछेबैठा ॥ १५॥ चोयई ॥
 जोकोइइहदरबारमेआवै ॥ जाकैआगेदुषहगमावै ॥ मूछे
 अटो गालीबोलै ॥ महोसंकहत्फीटोबोलै ॥ थांहीमहं
 कीजलीकहोला ॥ थांनैसुणीहोसीकैसुणाला ॥ औरइंनग
 काछिदुचायै ॥ दरबारमाहमूमनहकरायै ॥ १६॥ जसपा
 रमीरसोकहथै ॥ चोयई ॥ जसपालजोबोल्यो जखही ॥ थां
 कीबातसुणीमहासबही ॥ जकैआदिमीबूछेहोय ॥ मुति
 निष्टहोयछेसोई ॥ वोतोराजाहाथीविकानं ॥ जीसोकैर
 पणोंजांनौ ॥ थाकाईबुराईकीन्हीवांकी ॥ जिकोसपणि
 दीन्दुथाकुं ॥ कितराहीबरसलडताइवा ॥ कवरनुमरा
 बरारचलिगया ॥ अरकितराहीदामलगाया ॥ बडा
 बडारजपूतमराया ॥ सोजादवोसेतीकदेनजीत्या ॥ जोव
 छिगयासोहीआयागीता ॥ थासंधणमहेइवाराजी ॥ थारा
 श्रीछेमहंकीबाजी ॥ १७॥ राजाथांमैहीहेजांनी ॥ वोरो
 परथबिकानी ॥ अबदिलहोयसोमहासौलज्ये ॥ अबैको
 इच्यतामतिकीज्ये ॥ थातोकांमबडोहीराख्यो ॥ बडोदेस

मालेदीयो॥३००॥ घोडोपिरोपावमगायकैदीयो॥ बा
 हृदिसकौचिदकीयो॥ थानंजागांवैठेजाय॥ लोगावर्म
 कौलेकुचुलाय॥ जहां० मुक्ताफाडदियायो॥ नलीजा
 तिसौअमलजंमवै॥ कोइनुअराजाकैजाया॥ ताकौ
 दीज्योमारिनुयय॥ जोमहासंजादंलतेलडतानुठै॥ जीहरो
 थोमिलडो॥ थानुठै॥ ऐकसमैयोइसोनायो॥ जसपाल्मा
 जानैगवै॥ जीनजायकरिवात्तवलाई॥ जादंमास्याह
 मीरदेजाई॥ सारोदेसुप्रोमिकैलीयो॥ नलीजातिसौरा
 जकीकीयो॥ देवोलेबोथांकोरहै॥ स्यावासितोवांसं
 कहै॥४॥ चोपई॥ सोसुनतराजानुघोरसाये॥ वैकीवात
 थांनलीचलाय॥ लनक्रमकीयोहीमारो॥ नांतामा
 मासारामास्या॥ वाकेमुषनदेप्योजाय॥ वनैअठा
 मोदेककळाय॥ वनैजागानहीछैअठै॥ मनमानैवैजा
 वौजै॥५॥ जदिलवरनुत्रदेरैराजान॥ थांनोकहैआर
 कावोहै॥ असीवातथांकोकरिकहै॥ वामेकेताधो
 कलझ्या॥ कदेनजांदूऐकहमूत्रा॥ वरसकितराइलड
 तांझ्या॥ इनमारिसांथराकीन्है॥६॥ राजाकचरननुजदे
 ॥ वैकीमांसंमहासंतनीवर्णयो॥ दांआपसीसापुत्रजा
 यो॥ जोहमीरदेमोतांकोहोई॥ सोपणिमदोरचादिनकोई
 फेरिकचरराजाननुवाददे॥ हबोहमीरजदिपारसया
 यो॥ गटवस्योसंवदेसवसायो॥ वारंसदामंनीमतवी॥
 दांवातफेरिनकहै॥ औरवोर्नुहनीजिजासी॥ सारोदेस
 पोसीहीपासी॥ तोथांकासंदेसपणिजासी॥ वांनमास्यं
 पजमअसी॥ घोडीवज्रतदिनामाकीज्यो॥ पुछीछेपेना
 कुंदीज्यो॥७॥ लिराजाजतपालकवरननुज

दोपदी अथवा अणवो ल्याही बैठार हो ॥ वैकी बात फरि म
 तिक हो ॥ वो देस अथवा ओर पणि जावो ॥ वो आ पणै कांटा वा
 वो ॥ था पणि मूछे जिन लगावो ॥ दाय पडै जठवो जावो ॥ ओ
 र सारो की बात करी ज्ये ॥ वं मावे लं को नां वतली ज्ये ॥ २४ ॥
 दुनिक रिया हा परि उ विगयो ॥ हमीर दे नतुरत बुलायो ॥ ये
 कहि विधिरा जासू कहो ॥ राजा कै चित बैठी नही ॥ थां ते कं
 णित चोरी को ई ॥ जो विनिला ली प्रीति होई ॥ महं को क
 हौ करो थां जाई ॥ आहा ल्या आहा ल्या करो थो कांई ॥
 था अजहरी कदर सौ कांई कहै ॥ जब है अमे कहै ॥ महं
 की बाजी थां सूर है ॥ थां की वाता जा ॥ माहा का तो थो थां राजा
 ॥ माहा है थां वो हो कै दीयो ॥ कोइ क दिन देषौ धूकीयो ॥ प
 थै कुं न छि जा स्यो ॥ थां कहो ते जाय कह स्यो ॥ २० ॥ चोय
 ॥ ओ पणि साह करतो मया ॥ देषि हमीर दे हो ती दया ॥
 फे ॥ श्री इक लास नवो अथवा ॥ जिहर नै दिन दरवार सो स
 ध्यो ॥ हिल मिलि दोनो कहो गया ॥ जब हमीर दे राजी कु
 वा ॥ जब हमीर दे एक मतो न पायो ॥ प्राय को साध सब न
 पे बुलायो ॥ सारो दरबार वाही सू नर ॥ साह जा ऐ च क
 री करे ॥ साहा लोग सौ गा ॥ फिल डूवो ॥ इक लास जणि
 के छी लो कुवो ॥ दोन्यु जो लां बैठा जाई ॥ ती जो कोइ न पे न
 ही जाय ॥ जी को निमत ज पूरो डूवो ॥ कोटि मया न नूल
 सोई ॥ २५ ॥ हमीर दे असी विधिकी नही ॥ कुवल लोग टा
 लि सब दीहां ॥ आप का साध सौ कहै ॥ बुलाया ॥ सा
 वधान होय ज्ये नाय ॥ जो डीया सू बात चलाई ॥ कुमरा
 थूवे न जाई ॥ हथीयार गहज्यो हनै थां मारो ॥ नागे जि
 हनै थां दो टारो ॥ २७ ॥ मिसलति के मिसलीयो बुलाय

दोनुअकेलवैठजाय॥ वाकोकाललगैजकप्राय
 मारिकटारीदीयोहूलाय॥ जहनकालप्रायवैठवै
 ताकोदावएकहीअवै॥ कालहीप्रायविपरीतिनघ
 वै॥ नहीविपरीतिकालहोषवै॥ १६॥ चोपड॥ मामीमासो
 गोठिबिनाही॥ ओरहोतासोनागादीपीठि॥ पांचसातअ
 दमीनलासमाया॥ ज्याहमिलिघणाहीलोहनुडाय॥
 चोहोतअगोथेघोडाकोडी॥ वौपणिमारतंवहकीना
 नाशहवलीसाहकीकहनीघिरि॥ नाग्यातरसवकरीक
 वेरि॥ यासवरिराजाजवपाश॥ पोल्यानेजितहकीकक
 राई॥ सायजळकुतपिनाया॥ ज्याहजेदमारोसममाया
 साहकीगुवाडीघेरीजाय॥ बंदेवेसकीज्योसोहकमजा
 य॥ जतनकवरकाकीज्यो॥ अठवेगामोकिळज्योजाय
 लोगवहोतंतहांगयोचलाय॥ सोदीनुंचोकीवैठाय॥
 सावधनसोचोकीदीज्यो॥ कवरकहसोहीविधिकी
 ज्यो॥ किईछिअसीविधिवतलाया॥ आकवरजीराजावु
 लाया॥ मुनतकवररजानघायो॥ राजालीहनुंशतील
 गाय॥ राजाफूल्योगाहीमाय॥ अतिग्रंनंदहिरदनमस
 ममायो॥ धनिधारीमाजंकेतुतजायो॥ धनिवोदिनजिह
 दिनतजायो॥ रुपणिधनितुपुत्रथेहरो॥ तपणिधनिथारो
 वलहारि॥ इंदोषतोनलामिटाये॥ ओरपुत्रसोवाहीज।
 य॥ २६॥ चोपड॥ हाथीघोडासोनूरुपोजोड॥ देसधगना
 देसोसोघोडा॥ हरोधरमारोथंअगो॥ चैठमाणंमपीजां
 गे॥ जसपालसाहकेविजेजेता॥ घूरमाणंममोसोप्योतेतो
 जिहविधिवाण्योकोदाव॥ जिह
 सोहमीरराजामृतमलीमकनिरज

हमीरतसलीमजोकीन्ही॥ धनिधनिपितादादिधादीन्ही
योकांम० मैकियोधेकाई॥ थोकहस्योसोकरस्योसोई
जहठपसेवपडेयांकोई॥ जठमहारोलोहीपडई॥ रांमजी
करेयांसोबरसजीवो॥ रांमजीकरेयांसोबरसजीवो॥ गह
जसपालतोकोटचुण॥ यो॥ मास्योमास्योमारैमुनायो॥ रावर
कराजीसबहुवा॥ कवररहोचणोह॥ लखजुवो॥ माहमा
स्योसाराधुसिद्धवा॥ कवरबहुष्याहमीखभाया॥ रांमजी
रचनारचीसोहोई॥ बिहकात्किन्नानमेटकोई॥ गाँवाल
कैबेठादोय॥ पनरासोलखस्ममसोई॥ जिहैकैबेटीषी
एकअनूप॥ सेपदमणीरंताकैसूप॥ मुनलपिणवरसबा
रामाही॥ कुवारीकवरिकहुवाहीनाही॥ तेहमीरदेय
रमेलीन्ही॥ व्याहत्हीपटराणीकीन्ही॥ जदिहमीरदेम
तोकीन्ही॥ सकलबोमराजकोदीन्है॥ नलीनांतिप्रैक
मचलावै॥ देषमुनेतेअतिसुषपावै॥ रैतिसहतसवरजी
कीन्है॥ नायासेतीअतिजमलीन्है॥ सोबरसनुपरिजा
हुवै॥ हमीरदेनकरेनजुवै॥ ३६॥ चोपई॥ माराकवैरा
ठनुपरिहै॥ ज्याकामाणसगांवांमेरहै॥ ज्याहांच्यंताओ
रनकोई॥ सुषमांणैबैठाघरमांही॥ आपआपहैराजपुद
रै॥ ओरन्हीकोइकैसरै॥ ज्यासुराजाराजीन्ही॥ चितकुनो
हमीरदेमही॥ ३७॥ चोपई॥ जोराजाकाअतिहीडकरै
खकहैजोहीपाधरै॥ सकलखलौजीसुराजीरहै॥ जीसो
गठसबनलोकेहै॥ ओरसबैसाधनराजीराधै॥ रावर
कसवधनिधनिनाये॥ अमैकरतवरसदोगया॥ राजाअ
अमचौपैतया॥ ४०॥ चोपई॥ जोराजासैकैमिलापैअ
वै॥ जासुराजाबातकहावै॥ दोयदुषबडाछाहोने॥ ज्यंकी

वातककुंष्ट्याने॥ एकजादोअरदजोवाएँ॥ यादोनयं
 अतिनुकलान्॥ कवरनुमरावमोरोमकहरो॥ कोयोनं
 कोमथरीनही॥ वोंपरिमाणचढिकेगया॥ दमडाघरचिप
 ऐकितरानया॥ ओरमाणसपणिकितरामृवातोपणि
 सरदकदेहीऊचा॥ उपरचोलनहुवौकवही॥ मोनचि
 कलागीछेतवही॥ तनकवातहमीरमोकही॥ निमोकि
 मडीवाजीरही॥ ४४॥ चोपई॥ वोंएणोनैमनीअतिगदीमाहा
 रीवातनमानकही॥ वोंआपएँजंएँकुरतोमोडो॥ माहारीका
 लीनमानतेकोडो॥ मूनगेसछोमकसीधो॥ कहीवातकवर
 मोसारी॥ नमगवामोकहीजपोयाजीमैधीरजनकोडो॥ ४५
 ॥ एमहारीवरावरिकावेटासारा॥ ज्याकोकरोछेजातनु
 नारा॥ अहकारककुंमनही॥ वोंग्रामुपैकरैघरमही॥ न
 मरावघणैछे॥ अरमियाईअधिकावेंएणैछे॥ काहुप
 हिमतिऊईतइतरी॥ हसनव्याएणामुकीनीकितरी॥ मेम
 ववेटाकपूतकरिजाएण॥ वोंमंतेनैकाकोइचाएणाजि
 हकीगिएतितकरतोकोडो॥ जिकीहीयादेषीमार्गो॥ ई
 डावडेनलीसंजाली॥ योकरसीगछकीरघवाली॥ अ
 तकालिमनैसुषदहैं॥ राजीकरिइहिटीकोलीनो॥
 वरमअगरहराजकुमायो॥ मासमातनुपरातिलिवा
 यो॥ ५१॥ राजजितदेवलोकहुवो॥ रावहमीरनेटीकोडो॥
 यो॥ सवत२३२२॥ सारी॥ फागुणवदिगुरवाराहवजो
 रजपूतरघाया॥ ओरकवरजदोअचानदीपाया॥ फिरि
 फरायगयासंदेसाकही॥ माथापटिकिपटिकनूरद
 ५२॥ चोपई॥ गढकोराजाहमीरदेहुवो॥ जि
 मवमायो॥ वागवगीचाकूबोवायाजीन

रजपूत

मो
 वा
 जरा
 रापंड
 २३२२

मवाय॥ मूठच्यास्योदराबधाय॥ घाटीघाटीकोटचु
 लाया॥ सोलाकोसतेबधोलंबाय॥ आठकोसदेवो
 चोरचै॥ पंधात्तोपई॥ दिसिनुगूणी॥ इमजहोई॥ ताई
 लगीधनेडासोइ॥ दिसिआयूणी॥ ऐतीधरा॥ बौलीवण
 हटोदोडापरा॥ देवदेवरा॥ मंडकमेत्या॥ चोगडदागळकै
 करैकोरेला॥ गळकीतठदोनताळचं धाये॥ जॉनिकां
 गोदिकनीरनराये॥ ५६॥ दुहा॥ सनरिनरेसहमीर॥ न
 पदेवमहसूचै॥ जिहनावैअचचलकीये॥ रणतनवर
 गठपूर॥ ५७॥ दोयहोदतातटिदिये॥ मानसरोवरतुल्य
 जठेबागलगायेनोळये॥ रहपकैजहाफूल॥ ५८॥ छ
 दमोतीदास॥ जहाअचवाअचलीरघणी॥ कटहल
 बडहलतेचोरचणी॥ नीबुचाजंबुचागूलीया॥ बडपी
 पलमहीजणामूमरिया॥ नोडवकायणनीबजिके॥ मधि
 मोनतरोयअंजीरनके॥ मरूकेलिपजरिसुपारीमहा॥
 आग्याअरुतसहैजनीया॥ फुनिहायविदामधुहार
 नीया॥ जहापाडलपिजरितालेरघणे॥ धिसिमसिवाहा
 यविरोजचणे॥ विचिचंदणवाममहकतीया॥ फिस
 लफललेगाईलाइचीयां॥ बोहोबोलमरीसीसपातु
 रीया॥ फुनिपीपलिबोलमहानरीया॥ लेहसवागुदो
 यातारसनलके॥ बरणांकरणांकैमनके॥ मिसिके
 तिकेवडाफूलफले॥ औरचंपाचंबेलीमेवतुले॥ मर
 वामोगराजुहीजायपिले॥ मधिसोततकुंजागुलावक
 ले॥ अबनावककुंगुलजातिनके॥ फुलवाबोहोनाति
 हजारनके॥ गुलवाबोहोफुलिहे॥ फुनिघेरुसूरजिमु
 षकहे॥ अबरुडववतमुषकमलीया॥ गळहलमोनाग

सीया॥ जहाना फुलवान अरदानदीया॥ कीनीयरफुतिस्स
लयंडकीयां॥ नरिकेमरिक्पारीकमदकिते॥ अरना
गरवेलिकेपांनजिते॥ बाहोरुक्कंपमहलनके॥ प्रण
उपरिप्रणमहलनके॥ महाजालिखलिएकनांतिनकी
रांगीपिडकीतिनकी॥ चितरांमकीयचितलायज
हा॥ मधिवोवरसालहमामतहां॥ जहांकारजम्पअनेक
छटे॥ मानूनादवमासअवाहटुटे॥ फिस्वादरेछूटे
अनेकचले॥ फिरिकोटनिकटरहजिनके॥ करिक
गुरमेतिवुरजनके॥ वरनूकविरुपमहागलते॥ कवि
अमकहेमुतिमारजैतें॥ ६४॥ दोहा॥ पंछीजातिअनेक
जहां॥ मध्यकगूजकराया॥ नरणाटकरैजहांनांतां॥ तो
लपबागलगाया॥ ७०॥ छंदमोतीदाम॥ जहांकोयलवो
होकुंककरै केइकोकिलबोलअनूधरो॥ जहांमेतांमास्त
तीज्यैकेइजारतोलअमोलसरो॥ जहांफोदावयाअव
रघणी॥ फतिपालकैचात्राफेलिघणी॥ महामेस्वकोरपी
लकणी॥ केइजातिकवृतरषीपकली॥ बडुललमनीअ
रखेनतै॥ बनायजिनकेइगअंजदो॥ बोदिनांतिचिहीअ
बुलबुलीयां॥ बोहोस्याहमपेदअरुइंदरीयां॥ केइपंडक
पूमरीयां॥ ताहांगुगुलीअरहरेलरीया॥ केइमादचिडिअ
रमोएचरीयां॥ फुतिगडबोरियपंगजती॥ अरकेककोफि
नकूककिती॥ बोहोकुरचिलाघरीमारसीयां॥ तहांदुक
लाचगुलादीदरीयो॥ कुहीमिकगजीमवाजज्यो॥ जिन
बहरीलागवाजयो॥ आपरषीजातिअनेकघने॥ जिन
केकहा॥ लगतीचातनकोनांनतें॥ ७६॥ दोहा॥ रागतनग
दअतगेवडोकोसदोअपराय॥ सादातीनकोसचोडाई

मूरिसु
लमलना ५५

रे॥योगडदातैलफिराय॥७७॥छंदमोतीदोम॥असतबा
 सेमोनये॥तेलछलछेनोगीये॥छनीसपोणिमुषीये॥लेक
 टधजमुषीये॥अनेछबिपटीया॥मोहातमधिकोटडी॥अने
 पजीवजोजडी॥अवासमेतवंगला॥तेसतषण्णसंनला॥न
 रोषाषेवजालीया॥तहाहेमकलसमोहीया॥चित्रामचिन
 मोहीया॥उतमतरपेघीहि॥तेनूपसमलेषहै॥मोहतमाह
 हाटमै॥वैहीरामोतीठटमै॥कहुंतोहेमकटीय॥पाटंबस्वी
 रछूटीये॥जहाअथधातनोपारहै॥जरावसाजजोजरहै॥ते
 चीराजरतीलके॥हथीयारनातिनातिके॥सकेलसार
 जातके॥तबोलीयांनबेचई॥फुलादफलकेतई॥तयारसे
 गजोगरहै॥जोवहांजीवजोलहै॥जोगंमठंमचायहै॥अनेकन
 वनावहै॥कहुंतोगीतनादहै॥कहुंतोवेदबादहै॥कहुंतोबि
 दवांचहै॥कहुंतोनटनांचहै॥पंडितबेदनादहै॥संगितछंद
 जोतिहै॥कहुंतोगोदफूलहै॥धरफेरिफुलहै॥कहुंतोअषा
 डेमलहै॥तुलततेजतुलहै॥८८॥दोहा॥रणतनवरदुरादे
 धियो॥सबिधिनोगकराय॥जठराजकरैहसीरदे॥ऐताप्रा
 नांघाय॥८९॥छंदनीसांणी॥सो॥किसाप्रगना॥ताकोना
 या॥नदलाघः॥मलारणैः॥पाहाडीः॥जीरितोजोणि॥मलेमपुरः॥न
 देहीः॥नजीरपुरः॥लालसोटकहाणी॥बौलीः॥निवाईः॥चाट
 मः॥धिरणीजबघांणि॥सारसोपः॥निवालीः॥घणहटोः॥टोडो
 टोकांण॥नचौनगरनेनचौ॥नणियारोग्राणि॥मालपुरोः
 मोजावादिजिलायजिलाणी॥रघांधणैः॥शेयणः॥दीपरीः
 अलोदोपांणी॥बराईः॥मलेमपुरः॥मोगोदसुजोणी॥तला
 वः॥प्रातोलीः॥घावदोः॥दोलाडोदोणी॥लुहणैः॥करवरः॥बंडो
 दः॥लापैरीलांणी॥फुसदः॥गुरायोः॥धनवारो॥धाणी॥बंदीको

५५

दिः पत्नयथोः बुवडोदजोणी॥ मीसवालीः इटावोः लहा
 वदः सलमागरोलमहाणी॥ कंनराजषटगोडीः जलचोणी॥
 कहटः कुजोरः गूगोरः अटौणिअछोणी॥ योलीः मनुः मेदा
 णीयोः वंनोरः विहाणी॥ वातापेडीदुवलाणः रीष्टईछोणी
 घातापेडीः चाचरणीः मांडराठधोणी॥ मोपः घंडारिः धर
 जादौवाटीसगलीवसिअणी॥ रेतप्रागनां नुगहरेरगतने
 चरपोणी॥ ७५॥ दोहा॥ मांडराठमालचोमाहि॥ जहंराज
 करैमनमथ॥ जासौहमीरदेदठकरै॥ चटज्योकायवकंद॥
 ४००॥ काकोरावहमीरको॥ जीकोरणधीरहीनांम॥ जीकोम
 ॥ गिलोरहै॥ नेकरैनितियंग्राम॥ १॥ घातापेडीजोरदौ॥ मनु
 मदाणैषाय॥ जोर्नुठाकैथोणैरहै॥ जाकोमदाराजवाकंग
 नांम॥ २॥ चोपई॥ जीकैदागकोछकाषाही॥ मचकोईमो
 अराषतहैताही॥ दरवारहमीरकैवोजवअवै॥ घडीऐकै
 वेवहीअहोदोजवै॥ जीहिकैचैकैमैछाटापाणीकादी
 ज्यै॥ जैसीमुगपाकाकाकीकीज्यै॥ यावातमहाराजिमलि
 पाई॥ कष्टकहनमकैमनमैपिषतावै॥ १०॥ चोपई॥ जैवो
 नठिहीगयेअपणैछोने॥ सोमांडराठमोनितिजुधनैवे
 ग्रानुपस्थिचिकीतअवै॥ जोजितेनाहीअहाटाफिरिअ
 वै॥ जिहनलडतोकिताकचमसागा॥ जवमनमथकैअ
 हैकारजलागा॥ महाराजिहैकागलनेज्यो॥ हिअंवांछोछे
 वठारहज्यो॥ १२॥ चोपई॥ जहंनैअयमंजुवावलिषायो॥
 लगायचोपअरतुनबुलायो॥ कहालिअवेछोछोअ
 जिहीअवै॥ आययकजागोघेतहुडावै॥ महंतोछोमंघ
 रीप्रगामी॥ सकलपवरिनुदीपडिजामी॥ थोवचनकहो
 तोपरोकीज्यै॥ वचनरहकोलजोकीज्यै॥ १५॥ जवमनमथ

राजाचणयो॥ देसवेसकीयेडकुलार्थ॥ मादाराजालिष्यो
 हमीरकौकीन्हौ॥ घणौसाथनेज्योयोलिष्योदीन्हौ॥ महा
 मतमथसूषेतहुडायो॥ मनमथअवकैआपचठिआयो
 ॥१६॥ घणौसाथरणथेनसौआयो॥ गोरसिमटिः मनुकोए
 कठोनयो॥ आगेपणिनुठबहोतरहथे॥ जीकावलसौजी
 तिगहथे॥ सारामिलिकरिगायाचलाया॥ तैपेलीहदमैवे
 ठजाय॥ जीजायगौदेधीहुडायो॥ जमनमथकोकिबुब्बायो
 ॥१७॥ चौयई॥ जचमनमैथराजचठिपूयो॥ समटिमालवे
 सगलोल्यायो॥ देवारीआसेरकोसाथबुलायो॥ मूरति
 धनायचसाथिलेआयो॥ सवमागठेचठियाघरजेती॥ स
 गलमिलिकीहीमदितजकेती॥ मनमथचछौबिकैमैकी
 नोई॥ नडीरजधरअबरथाई॥ दोनदलजबएकठानया॥
 दोनचफमंडूषतहुवा॥ जहांकायरकामुहमुरजाया॥ मं
 डूकीजमीयतजहांबुटिआया॥ हयदपयदलजबनिजरि
 आया॥ नलावहलायताहरमदिषाया॥ तीरतुबकजबप
 डीलडाई॥ दोनदलपडीयाधमचाई॥ ॥१८॥ छंदइकरंगी
 ॥ कछीतरवारिअपारजिके॥ मडनचअसवारहकातिके
 हुडाहुडमारनईहुटका॥ अडाअडीहोयपडेकुटका॥
 कडाकडीहाडकरेकुटका॥ सडांसडीसाटबहसिद
 का॥ नडोनडीमचिरहीजनडे॥ दडादडिलेथिमौलेथि
 पडे॥ हुडाहुडिमारसौमारपडे॥ जुडाजुडिमूडमैमूडजुड
 ॥ दहुंदलमारसुमारकरे॥ नडसुअडेमारनपारिवहै॥ तनत
 रंगकषागमूहेतखरै॥ मूरमामकैकाममूहेतधरै॥ करि
 करिबुलीयायलीये॥ हकालिहकालिजुबावकीये॥
 नइरचकैनेचकमांचीयनी॥ नडालोहमौलोहजोदेन

ध्या
 महा
 शय
 ते
 मौनी
 वै
 यो
 लव
 मुरति
 जेती
 म
 की
 ॥
 ॥
 निरि
 शंकी
 तिक
 सिर
 लेखि
 डकु
 करि
 ये

२

अनी॥ नर नर नर ते ग्रायहसे॥ मुषमर केनूर महा
 धनघाव अघाय के साहे पडे॥ वरमाल लीयार ना ते इ
 वीस सार असवार कीये॥ पयाद सौ पया दिजाय लीये
 डिके सो डउ तरि लीये॥ इक मी कहोय हिल मिलुल
 जराज महाज पडे॥ तेनु चंदन चंदन सूखी पडे॥ वकी व
 धसो जु धनये॥ गलगली ग्रजन नत्त लीये॥ चोहे
 होस दिधाय गई॥ रजपूरीयो मूर जै रैन नई॥ मन म
 यम हाराज लीये॥ महाराज यो गाजिके घाव दीये
 येचिन इधरणी जम भेडो॥ जु डे जु डी मल जो वाध न
 पो टन ये दो जु धमहा॥ नेट पे टन मेत जिहा॥ वधो
 यमुहा यधे॥ गिर गिर पडे॥ उठि उठि नडे॥ मन मथ
 ही मोरि लीये॥ मारिकटारी गिराय दीये॥ मन मथ
 बसाय नाग्यो॥ ऐक ही ऐक ये छडि गयो॥ घेत मू
 राजिकी यो॥ पडे घाय अघाय दिन च्यारि जीयो॥ ३
 ॥ पहली साय बिदा कीयो॥ पाछे च छेह मीर॥ सकल
 इहो नकी॥ जव आय पङ्गु च्योतीर॥ ३४॥ मन मथ
 चमौ॥ घाय नील्यो महाराजि॥ जीनह मीर आयो
 यो बो ल्यो गलगली॥ ३५॥ यो कहो जायह मीर सौ॥
 यो छे कामै॥ मून आय यो लेच लो॥ तीछा डोरण ठाम
 चो पई॥ जवन तरिह मीर यालो डूवै॥ जाय दई पग
 करी मनुहारि जो प्रतिघणी॥ थाली नीज सलो को
 बैठे छिडकावतो॥ धरतो के इइकनाम॥ जीह लोको
 इस डो थारो कोम॥ ३६॥ कबित॥ महाराजि पाग अर
 मुबुव से जन जै घणी॥ पीव पाव सवास॥ बसन व्याम
 लासै॥ अरि मोर दादुरा मोर कार

कैहाथिदिवायो॥ राजाहंकीचेडीसमजाय॥ येजिमावो
 वहैअतीतहीजाय॥ वोतनपुष्पीकठामेअई॥ जदितक
 हजेइंदपयई॥ थांमाणसदससाथिलेजावो॥ बाकोदिषा
 यनुसमतिजणावो॥ येइदसबीसयांनुरेदीरहज्यो॥ इहको
 आगोजावादीज्यो॥ ५५॥ चेडीआयसकाठहमीरनेजीछे॥ सो
 आयसमोइंदरकरैछे॥ चोपई॥ जदिआधीरातिचांदणीन
 ईमेचेडीआयसआगोई॥ घालीहीधेमेतिकरजोइगोदोउ
 पूछेआयसतुसकोन॥ चेडीकहइअपयराइंदकी॥ ज्यो
 नेजीयोनेजिनदेरि॥ थांतपअतिगतहीकीन्है॥ तीमोइंद
 जीथांमोदीन॥ ५७॥ चोपई॥ जदिआयसजीजीयसोचकरा
 याथोविधिहोयतोहोयएजाय॥ आसियासिदोकोसनुजा
 रि॥ असीवारकोआवेनारि॥ अरनूषणकोईइसडोपायो॥ कं
 चनथात्तकठामेअयो॥ योबकलमिथानहोगयो॥ यो
 हीकारणयोपएइवो॥ ५९॥ चेरीफिरितपसीनकहछे॥
 चोपई॥ फिरिचेडीयांवातकहाई॥ थांकीइंदजीकरेवडाई
 जबहीकोडितेतीसंअवो॥ तवहीथांकीवातचलावै॥ सक
 लदेवतांयोबहराई॥ वांनोजिनदेइथांगोपडाई॥ जबमूनइ
 इजीआपधिताई॥ वैठिचिमोएनोजिनलेअई॥ ६१॥ जकंअ
 यशनकांसोजीयो॥ जीमिचूठिपाणीअरयीयो॥ मुखनहीबोलै
 अरचलकराई॥ कांसोपषालिदीन्हैसरकाय॥ लेकांसो
 चेडीफिरिअई॥ होतोमाथमिलीजहोजाई॥ मिल्योमाथ
 जदिअईनारि॥ राजामेतीअइनुहारी॥ ६३॥ जीमतनोगीन
 होततयेदिनकेरा॥ जवरजाजीवूनचेरी॥ कदेकतूनवात
 नीकहछे॥ अकतेसमाध्यामोनूरहछे॥ दिहाथजहअ
 रजकराई॥ कनःप्रमैनकांसम

अरच

कराय धोय पया लिको सो सरकाई ॥ ६५ ॥ राजा फो
 माई अब घेर होनुं ठी जाई वैठि रहो ॥ निग्रो
 को स तथा जाय डिगावो ॥ दोय बालक वा मोनु प
 मो चिरत करायो जाय ॥ पाछे वा को लेगा छि फे प्राय ॥
 रिमज चिरी नैसी घदे प्राय स कांठ जेजी ॥ चोपई ॥
 कसी मकी न्हो ॥ ओर फोली नरी दां मां की दिन्ही ॥
 रवे ठार हो ॥ अठकी को इबात न कहे ॥ आचो जा
 रिकरी ज्यो ॥ नेका मिग परिपाल लोदी ज्यो ॥ थियो
 म्पो म्पारो ॥ करों झुक मव डारणि थारो ॥ जब चरी
 को की न्हो ॥ जी दिन माथ विदा करि दी न्हो ॥ मन मा
 तो न पायो ॥ जठ जाय वैठ जाय ॥ चब्रा वार बडी स
 आय स कहै कौ चैई अजि ॥ पाछे नुठि कै गठी ज
 मजी मय डहै मगई ॥ कहै प्राय सै कौ ओ होटी प्रा
 वि मां ए न्हो वी माई ॥ तप म्पा को गुण अब कै की ज
 मो कौ पङ्क चाय के दी ज्यो ॥ ७१ ॥ जब प्राय स कहै
 ई ॥ तू न पङ्क चां नुं नुं ठा तो ई ॥ थको विमान कहे
 जि छ छित् सुरपुरी जासी ॥ जेतो हि इंडरा व पठई
 अब दो ग्रामी ॥ जब लगं फुं तो ब फुं त ड सें छे ॥ कह
 कां ई क सें छे ॥ ७३ ॥ जब प्राय स चेई नि कां ई कह छे
 य स कहै य हो डर छे कां हां को ॥ अग्नि कुंड प्राय
 व जंत ग्रं ठ नही को ई ॥ नूत पत्नी त छल छे ड न हो ई
 की छे की छे ई सी न जरी ॥ स्पंघ व्याघ्र मव नो ष्या मा
 टपा ड चोर न्हो प्राये ॥ राजा से ती व डु न डराव ॥ जब
 मुर माई वाता तोली न्हो छे लगई ॥ कह म्पारो
 न्मा विन को पोट म्पे न क्राय ॥ यो को जा तिको

कौणकैरेबाजैछैवाजा॥कांईछैईराजाकोनांवै॥किसोनाग
 रछैइकोठामै॥७६॥चोपई॥कहआयसमुनिरनारि॥तप
 छैजेकदजेसारी॥याकीजातिचंद्रवाएहमरेदताव॥गछर
 एछंनछैईकोठाम॥कोमदोयअहसंआगै॥छेडोहीगछ
 बडीछैजागो॥जगकोबोराजकरछै॥साराडंगरामंदीपर
 छै॥मरकतमरकतआगैनागो॥याकहमहोरजिमूनडर
 लागै॥अतीतकहैअठजाषोनाही॥तूडरपैजिनमनमाही
 ज्यौंज्यौंआधीधसतीआवै॥त्योंत्योंआयसपाछेमरकाधै
 वातोनुकैपैडैपडी॥बैठीजायअंगसौअडी॥७७॥चोपई॥ज
 विआयमनएहचिचारी॥पडीरहोडरपैमतितारी॥नारीक
 हेयांस्यामीमाहाक॥कहोतेचरनपलोदंयांक॥अतीत
 कहसंएंगरनामाता॥माहायंथासूंकिमडानाता॥तरन
 कुजोगीकहानु॥तोनेधैकुंकेमैपगदवांनु॥७८॥जबहीना
 रीहाथलाये॥षिजिकरिजोगीदुरिकगये॥कैरकटाछि
 अरमोहनपजावै॥केईचरितकरियेसबधावै॥अरमुरडा
 टामोहायलगवै॥जोरीकरिकैपांवदवावै॥जबआयम
 कहैकैकुंनुठिजोर्न॥इआगैकौजाबापोनु॥जोरीकरिकैपां
 वदवाया॥अंगआयसकैकोमजगाया॥नारीकरमरेदकै
 लागो॥नियटकोमअपरवत्नजाग्यो॥अग्निकुंडनारीछ
 एहै॥घतकुंडमरदकीदेहै॥रईअग्निहोयकैजागा॥मोतो
 मिलगमिलगहीलागा॥७९॥मोमदोयलौंचीजयुवाई
 जेचीजकोपचिपचिजाई॥नईपुष्टदेहअतिमालो॥नयो
 मंगितेरंगहीगतो॥नयोमोवचेडीसोजोई॥तपस्याजोगी
 सारीयोई॥जोगीरसनारीसंगयायो॥जपतपस्यानध्यान
 बिसरायो॥८०॥सवरसमैनारीरमप्यारो॥चायैमोतोहाय

नन्यारो॥ नारी॥ कोरसअसोमुहावै॥ रेनिदिवसहरसया
 वै॥ नारीसोजोतेहनिनावै॥ आठैजांमजिहिनैनस्वावै॥ त्री
 पारसमैजोतरहोय॥ सोजांनजिहनेवीतीसोय॥ १०॥ जोन
 रपरत्रीयामैपरई॥ कुलकटुवकीकांणितनकरई॥ संदेह
 किमसुनैकनैडरै॥ दमडाजीवकीगिणतिनकरै॥ कोटी
 नदीजोगीनैषाई॥ चौकीपहरोलोपिघरिजाई॥ होयअ
 धरसमैतररहै॥ नलीवुरीफिरसिरपरिसहै॥ १२॥ बसोअ
 नगतीदजबआई॥ चियाजोगियोछिरहाई॥ वीतिनिमा
 नितिमारोनयो॥ जोगीनुठिसोपडवागयो॥ नाहायधो
 यजपतथकीन्ही॥ त्रीयाठेलिगुफामेदीन्ही॥ च्यारिपहर
 दिननृपांतयो॥ आइनिसिनांणधिपिगयो॥ जबजोगीत्री
 याबतलाई॥ पारोविमाणकदिसीआई॥ कहत्रीयाव
 रीयांजोहोय॥ अरधरातिआवैसोय॥ फुनिएकच्यंता
 महारामनमांही॥ कुंथांनेटीआवैकन्ही॥ १५॥ फेरिजो
 मीदालीसोंकाईकहै॥ चोपई॥ कहजोगीच्यंतानुपजाई
 कहछेविमाणवहीवरीयांआई॥ तूमोतैछेडिनहीना
 वै॥ जवलगिबिमाणथांकोअवअवै॥ जवलगिसूयअ
 गैपणिदीज्ये॥ गइरेणितलक्रीडाकीज्ये॥ नारीकैमनिता
 वैसोई॥ कहीवातजोगीनजोई॥ दोत्पुफिरकरिद्रवाजे
 ला॥ अरधरात्रीलौआरौषेला॥ १८॥ जबजोगीतमुरतिक
 राई॥ जाईदेयोविमाणजोआई॥ जबअतीतनैअसैकही
 दमपैडजायठाठीनई॥ घईदियलौचारलगाई॥ आइक
 हीविमाणन्हीआई॥ मूनैविमाणलेलकैसो॥ कुतोदो
 पदिननृगतीअसै॥ ५००॥ थांकोविमाणन्हीआवई॥ या
 च्यंताअधिकीनुपजाई॥ अरहस्योतोषास्योकांई॥

कुतोयानुबकलकैतांशी॥ कहत्रीयाथोकहोबसेयो॥ अजि
 रैणितोफिरियादेयो॥ आसीबिमोणतोजामेसहीनत्रीहं
 ठवेठीछूही॥ दोनुनेलासोयकरिरहा॥ प्रतातिनयांजो
 गीयांकहा॥ थांतोचूपाकांकीज्ये॥ नारीकहरुपयेथोली
 ज्ये॥ जायकठासौसीधोल्यावै॥ करोसोइमुक्तीयावै॥ ज
 वजोगीनुठिठाछोनयो॥ रुपयोलैगुजमगाय॥ ४॥ चोपई॥
 दिनदमतोयारीमैगाय॥ पाछेदोनुग्रस्तीनय॥ मछीव
 णायकैबैठामोईजीगीजोगिणीकहावजोईदसवा
 राछेली॥ जोलीनही॥ पचसातगनुपणिकीनही॥ जहार
 हतांवरसदिनगया॥ ताकैपुत्रजोएकजोनय॥ ६॥ मं
 धारीसिधकहावै॥ आयागयातेराबसुवावै॥ गछगुजक
 बीचमरहै॥ अहलापूजहाबासारहै॥ किंतोयकमाल्के
 रीकोषायो॥ दोनुपुत्रकौगोदिमिलवै॥ मायामोहमरहो
 लपटाया॥ जोगीजोगसबनल्यौगुसाई॥ तेकरिमुक्तरमो
 टनयो॥ छालीगनुबिनोबधिगयो॥ ग्यानध्यानसबन
 ल्यौमोई॥ जयःतपःव्रतःकष्टःनहीहोय॥ ८॥ चोपई॥ ते
 चेडीमेतीअतिरचिगयो॥ छालीगनुबिनोबोहोनयो॥ व
 रमएकप्रोसंसुषलीनुं॥ चेडीसौरतकोलजबकीनुं
 स्वामीवानकहाथोयांत॥ योगछदिवावै॥ नानै॥ स्वामी
 नुठिकरिअैमैकहै॥ रजपूतरावतनंठरहै॥ थांनैदेमिकरिप्रि
 थीहमिमि॥ जीमोमहांसंअणिवणिहोसी॥ थांकाप्रनैमैनुप
 जीकाई॥ कहादेथेलीगछकैतां॥ १०॥ दिनदोतोअणवोलीरही
 दिनदूजेतीजैवहोडिफिरिकही॥ माहांपरिप्यारकसोछेथां
 को॥ कहोकरोनहीकोइमहाको॥ ११॥ जोगीचैरतिफेरिक
 हछेवोहा॥ चोपई॥ थांकोकहोकिमोहीकीयो॥ थाकैव

चनिक्चनिपादीयो॥ माहोकोक्चनहीयांटात्यो॥ तोरे
 कबारगाठनप्रचालो॥ कहजोगीतूनूलिनारी॥ थांतेजीव
 मैकुबुधिविचारी॥ म्हे। जोगीकुलीकैसारो॥ माहानयारोज
 गतजुहारो॥ नूँथांनलीयांजोने॥ जीसौसोनानोहीपांने॥
 महोकाहेहाथलगावै॥ महारीसरमग्रवैहीआवै॥ इंदलो
 कमदीयोबिसरि॥ इंदरनानश्योरैधरिनारो॥ कोटितीर्थ
 जोन्हावकोय॥ तोउनयावम्हाहैसोई॥ जायहिवालेमंही
 गले॥ कासीकरवतलेलेमर॥ १५॥ नोहरजांफजायकैलेई
 प्रमिधूपमैघुटेतेई॥ अनेकनांतिकीतपस्याकरई॥ पंचअ
 गिमदेहजजरई॥ वैकुण्ठलोकमैनारीजेती॥ महोकापट
 तरदीजेतेती॥ राजअरजीतपावै॥ तोउम्हानकोउनरपाव
 ॥ १७॥ इंधोरैसहजिआइ॥ ताथैइंदूननहीमुहाइ॥ इंदर
 नाथारैधरनारो॥ जातिपांतिन्हीजांनूपारी॥ मकीनइंडो
 घरबारी॥ इनहीदीसीहीणिकुमलाई॥ सुखनूषहीबुरीदि
 षाई॥ १८॥ जोगीदलीनउचदेष्ट॥ मैतोवातओरबिधिकही॥
 येतोनारिनलटीहीबही॥ थांसंसमइंहीकरुंछे॥ आप
 काजिवैकोडरकरौंछे॥ इंजोगीनिरगुणनिरमोही॥ महा
 रीलारजोदेखैकोई॥ सबकोइमोहांसंवातकईजुवावक
 रांनो॥ जीअटैथांहेसमजांने॥ नारीकहसिषांनुंतेहि॥ क
 हज्योइंददीइहैमोहि॥ नहित्रीकोईसंवालजिनतुही॥
 जीसंजुवाबकरस्योइंइ॥ त्प्रसीवातसौडरपैकसो॥
 षोसिलयेकोइकीजैसो॥ २३॥ फेजोगीनारिसूकहथै॥ चो
 षई॥ अंठराजाघोटोरहई॥ तूतैदेखिवैलेइछिनाई॥ तोमहा
 रोमरणबणैलोआय॥ नारीकहैकुदरतिछैकांडी॥ राजाघो
 समहारैतांई॥ इसडीबातांनिधडकरहो॥ फिरिक्चनइंडो

जिन कहो ॥२६॥ तीको कोल तो पृथ्वी आय ॥ तिह परहो जव
 मेजा ॥ जीह को कहो जोगी ही कर ॥ राजा से ती डर्यो मरा
 ॥ नारी प्रति ही छंद सो डरो ॥ कर बोधा बोस वही छंडो ॥
 बालक दीन्हो परहो धिकाय ॥ आपण रहो धै मूख नाय
 ॥२७॥ नृषो बाल करो वनोरो ॥ तीह को जोगी करे तिहोरो ॥
 वाय्या ध्यान चो धै मूख नही बतलावै ॥ चिन चो ध्या बालक छि
 ललावै ॥ बालक चहोत हलाचत फिर ॥ जाय नारिकै पाव
 पयो ॥ कह दी ज्ये था न बालक तां ई ॥ अव था को कह्यो न
 मेढ का ई ॥३१॥ दामि अतीत न फेरि कां ई के है थै ॥ चोप ई ॥ जव
 नारी चोली सति राय ॥ इह थन दे सो गण परि जाय ॥ वो नृषो
 बालक बिललावै ॥ ज्यो ज्यो जोगी प्रति पछितावै ॥ नृप ज्यो
 मोह ही योग ह ज्यो ॥ उत नारी को ह छे ध्यो मरो ॥ जोगी व
 लो प्रति नुक लाय ॥ उ छि वै ही हो या छ च लाय ॥३३॥ फे
 रि चरी आगो राजा दूत प्रितायो ॥ जोगी जां ए नही ॥ चरी एक जाम
 म बुलायो ॥ यह आष्यां दे धै पहलै समझायो ॥ तेव होत चि
 रत दे सिं सो ॥ आय सक दया बांज कान ॥ उह कै आगो वाचा
 दीन्ह ॥ काहा लिच लो यो मोग न दीन्ह ॥ कोल बोल जहां
 काठे कीयो ॥ जवनारी बालक करलीयो ॥ जोगी की नुं
 को म दीयो ॥ जवली नुं जा मूख बुलाय ॥ कहो राजा न वे
 वे गित जावो ॥ इह वाता मारी गुदरावो ॥ कह ज्यो कालि आ
 व छे चरी ॥ दोषै रंग म हारी फेरी ॥ आव मी आवायी इन
 विधि कह ज्यो ॥ थां दरवाज बिठा रह ज्यो ॥३५॥ मुणि जामूख
 अहो टोही गयो ॥ करि मला मजो जुनो रह्यो ॥ हाथ जो डि
 अग्ने मै कहै ॥ जोगी का
 चै ॥ जीमिर सो इको

महाराजि इवाने
 गिं अ व सि के अ

सी॥ राजा है देधन को चावै॥ दरवाजै बैठे आय ग्राम ३३॥ अ
 तीत जोगिणी दोनु आरी॥ सो राजा की दिख्य पराई ते हजूरि
 राजा की निकसे आरी॥ सी मधव डो आय सचेरी॥ ३४॥ नीग्र
 सी रक्चन राजा को दीन्है॥ चेरी लां वो घू घटलीन्है॥ आ
 य सचलिक सिचलै आघेरो॥ राजा को किग्र पूछे फेरौ
 जीस राजा बात कहारी॥ या थारै नारिक ठासूं आइ॥ तू तो
 हो तो सिध गुमांई॥ या कुणि दीन्है थारै तांई॥ ३५॥ जखिन ठि
 दोल्यो आय सगुमांई॥ थो माहों की बात करो छे कैसै॥ थेर जाइ
 गरीब गुमांई॥ कांई बात वृमोष महारी॥ लेष प्रमाण जठसं
 आइ॥ इहि विधि संजोग मिटे नही जाइ॥ एती कह आगों पा
 दीयो॥ जब राजा अहो ते बुलाय लीयो॥ ३६॥ जा वो कहं छे
 उ नारहो॥ महासूं वात थो सांची कहो॥ मूठवो लोलात
 थो ननाथ धूवाइ॥ या थो कै नारिक ठासूं आइ॥ ई को सा
 रो कि सो सुणवो॥ जब अंठ सूं आग्र जावो॥ मूठवो लिमो
 तोरो कि रोषिम्यो॥ अरकाठी तुम कौं मार दिवाय्यो॥ ३७॥
 चोपई॥ जब जोगी जीय वात विचारी॥ दरवार मांही सो चपी
 यारी॥ तव राजा सो की नही बात॥ म्हाने नारि इंडजी दी नही॥
 हित पस्या की नही कठनाई॥ बकल रौषका फुरहतो पाई
 तव इंडजी त्रीया पठाई॥ लेले तो जिन मोन घग्र आई॥ ३८॥
 चोपई॥ वो ल्यो राजा सांची कहो॥ थारी बात महां मानी सही॥
 या जोगणी तो महारी छेरी॥ तू आय सकोठा संचोरी॥ नलीत
 इतू न्ह कौं ल्यायो॥ घरि वैठा ही चोर जपायो॥ माहां संक
 हौ इंडजी दी नही॥ करि करित पस्या इसी विधि ला नही॥ ३९॥
 ६॥ जब जोगी बिलो नु कलाय॥ इसी बात कौं काजो सय॥ कै
 तो माहां को अदब करीज्यो॥ जोगिणी हक चोरी काहो दीज्यो॥

जोगीअंतरीवातकहाई॥ जदिराजाबोलीवैहसीईबन्ने
डीकोनावजलीन्है॥ अरराजाजहिलोदीन्है॥ सुणतप्रम
णदसीसौबोली॥ अरयुंघटजिहदीनांघोली॥ करीतस
लीमधरतीसौलाय॥ जोजोगीहैरावदिषायो॥ क्योँजोत
कहछैरंन॥ दिषिजोगीअररहोअचंन॥ जोगीकहैयह
नीछैगोली॥ इंकीतपस्याकरडीवोली॥ मूनिमूरषजोगी
तवात॥ जदिहैधौअमणजात॥ हेतोजाणंदरसण
करा॥ त्हरहोदोमूजेकरतोपरा॥ हेजिहिकाजिअतोह
ठकीन्है॥ धारीतपस्याकोपरच्योलीन्है॥ हेपहलोरोप
मीठेलपटायो॥ पाछैइकैकरिथालपठायो॥ बालक
धरिसिन्नापटकायो॥ अरराजासौइणविधिकहो॥ कुं
फेरिचेतंतोबहो॥ त्हरांनसीमनमैसोई॥ ताकीपूरीप
हुन्हीकोई॥ इसोसरापराजानदीयो॥ जोगीजबबोहो
रितपकीयो॥ जीनजाइसोहठमांडो॥ बाबोपीवोअ
सोहीणडो॥ जोअमरकुवोडंगरमांडी॥ निजरिन्हीकोई
देखैताही॥ चेरीमुषमाग्योसोदीयो॥ डरोनरायसराभज
बदीयो॥ आपणोहठजिहपूरीकीयो॥ प३॥ राबहैअक
रावकोअही॥ दूजोअकजोवनकोताही॥ तीजोअकपा
रसघरमांडी॥ चौथोअकअोरकोइअनांडी॥ आरनची
तोघरघाय॥ फीरवाकीतहलागीवागीवाय॥ बिलसिका
रअोरमोजकरै॥ साराडंगरदिननुठिफिरा॥ अनेतदेवली
गछतटिकरी॥ पथरमूरतिधरिधरिधरई॥ ज्योपरसेवग
राधेप्याधतेधूपदेइनिवाजबिसतरै॥ ज्योकराजादस
णजाय॥ नावनगतिकरिपूजाकराय॥ जहकैकन्याजही
कोई॥ अ॥ अ॥ पुत्रक॥ १॥ ल्योपा

लीबहै॥ ज्यहपरिपडानावडारहै॥ वैगाराजाज्यापरिष
ले॥ दावपडेजिहिदिसिपेल॥ ५॥ कोसदोयेकसो॥ को
अव॥ जिहैकोकहैसबलेसरतां॥ ताकैदरमणराजाचले
अधवीचआवतमेवगमित्यो॥ जिहैपंडानपेजपाती॥ ८
हकीषातीदेषराजातैधडकीषाती॥ जीपंडानपेपातीही
पावे॥ जीहैराजादुषदिपावे॥ फैटेसिरकाफूजदीन्हं॥ जिरा
जाकैअगोंकीन्हं॥ जीमचालबालमाथाकोआयो॥ सो
राजाकीतिजरिपरायो॥ दिष्वापंडेकमजोकीन्हो॥ माथा
मांहिलापोहोपजोदीन्हं॥ मेहेराजामहारीहदकांई॥ इ
सिरकादीन्होथांकेतांई॥ फूलमहेकेसकोठाको॥ सोचो
होघसादजठाको॥ महाराजिछेजटाधारी॥ ६॥ थां॥ मे
कीजटावतावे॥ चालेअहोटावेगाफिरिआयो॥ अत
जटाकबसूंआई॥ कोइसमेहोइछेसोई॥ वोसमयोबे
वतायोहांता॥ नहिरिजीवांमारिसोथांते॥ अजि
छेदिनपदराजाई॥ तादिनजटाथांदेषोआयो॥ ६॥
लेपुरकेपुजारीराजातेसिवकैजटादिषाबाकोकरमकीयो
यो॥ राजासेतीकोलकरायो॥ करिदरमणराजाफिरि
यो॥ तापीछेदिनतेराया॥ पांडेसिवपरिधरलौंदीये
महरोपणराघोसिवजी॥ नत्रिमहारीहत्याल्योजी॥
राजामरैआयो॥ केमारोकेकरोमहाया॥ नूषप्याय
जोदिनलीयो॥ जिहदिनकोलपूहुवोआयो॥ ज्योः
डेघरोनकलाया॥ घईन्यारिमराजाआयो॥ पंड
मरवाकीयांणी॥ जदिसौवोल्होइसडीवांणी॥ ६॥
जीपंडानकांईकहये॥ तूहुवोल्होराजाआगे
महांपरिहित्यादेबालागो॥ अवतलचीतोरदजे

धारीचिंता पूर्ण होई॥ तजिन डर पै रहो सुप्री॥ अती कहत
 हीराजा प्रायो॥ देखि जटा हिर देखे सुप्रायो॥ ७०॥ महादेव
 वजीराव हमीरन पर चो दीयो॥ पंडो बुलाय राजी जहो कीन्हो
 राजा एक गां वच छाया दीयो॥ तेतां वाकै पत्रिलि पिदीयो॥ वे
 ह को लेपन मेटो जाई॥ ऐक चुगल यात्रा तच लाई॥ मोहण
 कै जटा का हो संप्राई॥ या पर पंच की पंडे चियाई॥ ७२॥ सक
 ल साय मांती घरी॥ राजा कै मति दुन ध्या धरी॥ जी की बात ज
 वाती सुनई॥ तीन जाय हाथ गहो॥ उपडी जटा रुध जहो व
 ही॥ तव सिव की बांती निकसी असी॥ तिरो आरंभो न हो स
 सी॥ दजो सराप जहा झुयो॥ सकल साय को धड को हीयो॥
 यो तो होति बघो ही प्राई॥ रचतां रची मेटै कोताही॥ राजा
 तिअ जोगी की नही॥ करि कुबुधिसराप जली नही॥ कलिज
 ग अमल की यो ही चाहै॥ वेह को लिहो मेटै कोताहि॥ ७
 ६॥ सब ले सुरजी कोराव हमीरन सराप डुवो॥ अवराजा फिरा
 छपरि प्रायो॥ अरराज प्रायत मत नायो॥ कह्यो कोइ को
 नही माने॥ अतागत मंड पेलही जांत॥ राजा कै छी बड गूजर
 रोणी॥ नां वहीरादे मोपट रोणी॥ तिहै कै वाई देवल दे॥ ओ
 र सोलष एं कै केवले॥ ऐदो कंन्यारा व कै नई॥ जिन की
 यात चली अब कह्यो॥ ७८॥ ईती प्रवृत्ती घो ध्या ऐ म्मात्रा॥ २
 चो पई॥ देवल देराज कै वारि॥ तिफुल्लिन डरं न आता रि॥ जिहै
 कंन्या की कडुं कहोती॥ वा कंन्या इंड पटरोनी॥ ७९॥ देवल
 देकुं इंड की अपरा नई॥ वरमती स की राजा हमीर घरि ओता
 रलीयो॥ नीव से एण एक पंडित नयो॥ अति गुणवंत जोतिगी
 वो॥ जीन राजा दहल ओछाई॥ देवल देनिहू पासि पछाई॥ जीह
 जो सी अंक पणवो॥ से अष्टि पद्वर्न

बोसबसी घिलीयो॥ जीपाछेनेमधर्ममैचितदीयो॥ जब
चाइकहैअनधनहैभेरो॥ घलाबोडंगारमोहीहिदीलो॥ प
रतातणौचडीतलाव॥ जठमहांनतीजघिलाव॥ नंठराम
निकरियोजाई॥ याअंश्रामदरामनमोहि॥ ४४॥ चोपई
जदिराजायोफुकमकरायो॥ जिहिघडीप्रधानबुलायो
जोजायगोआपानजायबताई॥ जठकुंदायदेझडाई॥
जैमोहीरुपाकीमांकलघलाई॥ जठहंदिदेवलदेबाई॥
तठराणीसहतसबअई॥ ओरअहलादपुरकीबनिता
आवे॥ घेलैःमूलैःकरैहिकरील॥ सरवनकीरतसबकरै
हीकलीला॥ ठमठामजहोहोयरसोई॥ जोआवसोजी
वोँजोई॥ प्रचग्रंथदेवलदेबाई॥ रैनिदिनाजोधरमकरा
ई॥ ४५॥ चोपई॥ आगेनग्रअहलादपुरअैसा॥ अजोधरा
जीनबानारसीतेसा॥ गछकीमहिमांकहीनजाई॥ दे
वचिचित्रीयनकीनीडरहाई॥ ओरठांवकीबनिता
ई॥ सबकीबाईषबरिकराई॥ देवचितअरहंसहैसवा
इतहीतीजसावणीआई॥ रविप्रचिचित्रमूर्तिबणा
जरीबाबपाटंवरपहराय॥ रतनजडतनूपनपहराई
सबहीत्रीयासंगारबणाई॥ रंगराकाचस्रपहराय
॥ ४६॥ चोपई॥ जाहोबजैनोबतिघुडेनिमान॥ ठमठ
बाजेपहदोन॥ तालपघावजछेलकबाजे॥ नतमसि
रागिगनमैगाजे॥ ज्याहांछूलरानारिअलेषी॥ जायदेव
महीहीदिषी॥ मिलेत्रीयाजीसंबतलायी॥ थापलि
रकरोकिनबाई॥ ४७॥ बाईत्रीयांनउचदेष्टे॥ चोपई
यांसंबाईबातकहाव॥ मूनसरमपिताकीआवे॥ ४८॥
हीरहस्योयांमै॥ करौसिगारतोकोइधरस्योनाम॥

गसववातकहावा॥ बालकवणीठणीवुणीसवत्रावे॥ क
 र्म्याहीसंवहीकौरोविहारतीजकोईनोबधे॥ ज्योकीवात
 चलदेमांन॥ अंगनुवटनूकीन्होअसनांन॥ तेलफुलेल
 कोपईकीन्हो॥ अोरकरमांदिदरयनलीन्हो॥ वेणीचितदे
 थबणाई॥ जैकेवीचिवीचिकुसमलगाई॥ मोतीमांगोमे
 नरीयाअसा॥ स्यामघटांमैवुगपथहैतसा॥ घमिकिसूरी
 गाईकेसा॥ अलकवणीशोनाजोसेसा॥ ६६॥ चोपई॥ वार
 अन्नूपणकहवघोणि॥ सोपहरैबारहअसधाना॥ सिरस्यंगा
 सेलंजिनअजै॥ जिहकानांमकहोलीवाजै॥ करिमंजनअ
 विर्यहरायो॥ जरीपटंवरंगारंगहरो॥ बालबालमोती
 जिनसोरो॥ हीरापरथमनकेन्यारे॥ ६७॥ दोहा॥ मीसफूल
 हीरांजडो॥ चूनीकुंदनलाय॥ सिस्यघटाकेवीचोमे॥ नुगे
 मूरजिआय॥ ६८॥ कंचनकेनूपनसंजे॥ मुक्तापहरेहार
 जिनकीजोतिषिपई॥ तकीजोतिअपारा॥ ६९॥ पोटसन्नूप
 मसाजिकै॥ वरनसकैकोसोन॥ नवलअंगकेसलता॥ मानूकेलि
 कीनोगा॥ ७०॥ सवनारीबनिठनिचली॥ गावतकरतअनेद
 ज्योकेबिचिदेवलदेदियै॥ ज्योताराबिचिचंद॥ ७१॥ मोहिचं
 दरीवमतिदे॥ कौकाछिछोगारि॥ चंदोमांदिक्लंकछे
 हुंनिकलंकीनारि॥ ७२॥ सकलनारिबनिठनिचली॥ फेरत
 मांवनतीज॥ एकसोएकअधिकीवनी॥ तेरहीकमवमनी
 ज॥ ७३॥ चोपई॥ जहांएकविणजारोअयो॥ नोमएकजलन
 रेकरिल्यायो॥ नैरुतालपरिउतरयोआय॥ तिहकीषवारी
 तीजमैपाय॥ जहांउलटीत्रीयाबादलकीनाई॥ नरिनरिनु
 गलीअंजीताही॥ तेसबउठिचानगमिगयो॥ विणजारोदेधि
 तमामोनयो॥ पहलीआइते

रिगई॥ कदरै बैठि विणजाराजी॥ रती एक सूर॥ नो आंजी जि
 ह विणजारे लैषो कीन्है॥ नो मण का जल के नीयादीन्है॥
 हजार थीया सीला घनी चारि॥ ४८६०००॥ तोलती सके को
 बिचार॥ ४८॥ चंदेरी को आयो साह॥ जिहै विणजारा के दरबि
 अथाहै॥ सो अठायें गये चलाय॥ जिहै कीषवरि रावजी पा
 म॥ नो मण का जलै न ठिकै गयो॥ सो विणजारे दो मन लीये
 ॥ विणजारे बुलाय राजाराजी कीन्है॥ लागति फलाय दंस
 सब दीन्हं॥ ५२॥ सडीरण थं नती ज जुडी॥ देस देस में नई ब
 डाई॥ सो विणजारे दिली गयो॥ पाति साहसं मालूम नयो
 ॥ जहां तीज की बात चलाई॥ असी तीज कहुं देषी नही कान
 सुनाई॥ ४९॥ जाहां दे की महिमा कीन्है॥ अलादीन जीव मे
 धरि लीन्है॥ आठें जंम देवल दे मां ऐ॥ करण मतै सो ही करि
 यनै॥ ५०॥ रणिवस सो दांम नुठवै॥ पहरे घर चैषाय ब्युवावै॥ ज
 हने सील धर्म की बात सुहावै॥ नेम धर्म अंश्रामै आवै॥ लेद
 या अर करे न लाई॥ कुबुधिकी बात कह न लाई॥ ५१॥ चोषई॥
 ॥ ओर हमीराजा बरनन कहलहुं॥ ओर हमीराजा को बरन कहुं
 तेच कवाचाले करणी रहै॥ राति दिन जिह जाव सुहावै॥ पंडि
 त चातुरी गुण की बात॥ जहां गावन बजावै रहन सुता॥ ज
 हो आठें जंम चतुराई चाल॥ रहै अशक शक को मति चखै॥
 ५२॥ जह ठैक बितागुणी सुरति करि आवै॥ वो होत देदान सु
 न मान करायै॥ जिहै कै गळ की महिमा वो होत बछाई॥ च्या
 रिष्ट मधिकी रति गाई॥ नुं वैदु रिदिसा का सो दागिर आवै
 ते करै विण जल वधि बो हो पाव॥ फिराजा कौ चलन सह
 वै॥ करत स्या वो होत सुषपावै॥ ५३॥ चोषई॥ जहां लोहमीर
 की फिर दुहाई॥ राजाराज प्रजा चिक आई॥ जब अपज सप

राज

क

नूनहीरहे॥ बूझकी बात बटान कहें॥ होकरति पाति स्याह
 सुनावै॥ जिहै कजर मै नही समावै॥ ११॥ चोपई॥ अत्ना दीन
 सुनि सोहरत सही॥ ते नही हमीर की पातरिमही॥ करे नीत अ
 नीति नही जातै॥ लेइ जलाई यूरो नही मांनै॥ धमग त्याग दुस
 यार रहै सोई॥ जिहै कै सम तुलिरा जाओर नही कोई॥ मुल
 छिन से तीरा जकु मावै॥ जिहै परिचाडी निदान ही सुहावै॥
 जिहै लछिन दोय अधिकामोटा अधिकारी॥ तामसिते ज
 अंग नही समावै॥ जिहै परिगुनौ चूक परावै॥ तिहै कोमार
 तवार नज्जवै॥ रही हद स दरति मूहोय॥ चोरी चोर करि
 मकैन कोई॥ अरे कै करत निमिदि निराति॥ अतरे तीज दु
 सरी आई॥ १२॥ ओरूं बांणिक न सोही झुवै॥ अधिकारी
 ठवणै दज्जवै॥ जठबीस कोस लै दुणीयां आया॥ जुझ
 तमा सोती जमिवाया॥ त्रीया बोहोत पुरष नही कोई॥ अ
 मीध डकराव की होय॥ १३॥ चोपई॥ गावत वजावत लेगा
 इनारी॥ नैरूं जाल प्रती जनुतारी॥ ते हमीर धींचीन आइत
 चारी॥ ते घोडे चटिले गयो जगाई॥ १४॥ अरे मीज्जाति नई
 अनेक॥ ते पूठिन ही आये कोइ एक॥ सकल त्रीया न इचिल
 यांती॥ सोराजा जी सुणी कहाणी॥ १५॥ कही गागुरोण कै
 बीची चोरी॥ जिहै कै पै पाणी पथ घोरी॥ जिहनु प्रजा फोज
 पठाई॥ जाजि गयो ते हाथिन आई॥ जो पावो सो न कोमारो॥
 लूटो पोसो देसन जारो॥ फोज प्रहारी ही फिरि आई॥ दाथ
 मसलिराजा पिछताई॥ १६॥ ईती श्री तृतीय अघ्याय समाप
 ता॥ अर्बुन ठी उपइते सुलौख्योणः अत्ना दीन दिली मुलत
 न॥ जंबूदीपमधिजा की आण॥ तेज प्रतापतप ज्यो नोण॥ मे
 पति स्याही अस डी करै॥ अथ दिशान्तः ॥ १७॥ सक

री

तौ

धरतीवसिकरी॥ ऐकोकारदुहाईदीन्ही॥ जबहीस्यहसि
 कारहीजावै॥ नडदाचोणीसाथिचजावै॥ हथीरबांधेकर
 सोटाधारे॥ पहरिमकनूअसवारीकरै॥ तेअसवारीस्यहदो
 ल्योरहै॥ जवरदमतअतिजालिमयहै॥ गयोसिकारकोई
 वनमियो॥ पातस्यहफिररीतोचलीयो॥ ३०॥ साथमंवि
 श्टिऊरमएकरही॥ पडीजगलमेएकलीनई॥ जहादूजा
 मनिषनदीमकोया॥ महिमासाहिजहंग्रायोमोया॥ सूरति
 देषिनारीललचांनी॥ घोडामसकीजायवतलांनी॥ एकव
 तनरपूषहि॥ हैरतिदानकीअंश्रामोहि॥ ३१॥ तबमहमांसा
 हिममजावताहि॥ तुमपावदहमचाकरअहि॥ इनिमषकंनंपा
 तिसाहकेरो॥ क्योकरिदावनगीरऊंतेरो॥ कहचीयाहमअति
 सुषपांवै॥ एकचेरतिदांतपांवै॥ जेतुमकह्याकरोनहीमोदि
 ॥ तोतौमतिदेरमरंनंतोहि॥ तमबमहमांसमजावै॥ जोयाजा
 यसाहिलगावै॥ तोमैनाहकमास्योजांनं॥ इसकीआसापूरि
 रंनं॥ तबमहमाकहैहमनिदंतुमआगै॥ करतजावैहमतु
 मलागै॥ दोन्याउतरिजीनयोसबिछायो॥ महैमांसाहिमोन
 तिमैआयो॥ ३५॥ सोइजातिकीसमैमै॥ एकसंघनूषोजहभ्रा
 यो॥ त्रीयासांहांमूंहदिषिपरायो॥ नारीकहैछेडिउठिमीयां
 तुमहारैपीछेताहरआयो॥ आसनराषिमीयामुडिदेख्यो॥ मु
 हनवावतअवतजोपेख्यो॥ बीचितीरसांहमूंमूहदीयो॥ मू
 लद्वारहोयनीसरिगयो॥ स्पंघकडायवैकैंगयो॥ ततप्रा
 नमुक्तिहीहोगयो॥ ऊरममनोरथपूरोकीयो॥ महमांसा
 हिपणिकरलीयो॥ फिरनारीमहमावतलायो॥ ईतीकु
 वतिथेक्योकरिपार्श॥ दारूषावोअकै॥ कौसाधनरायो॥
 जदिमहमांनारिसंकहै॥ हमहैजोसपंडिकारहै॥ वोषदिवृ

टीकछूनघांते॥तीनवस्तहमसाध्यांजावें॥घेरालेरीनीरन
 पीवें॥घांनागरमवोहोतहीजीवें॥वैठून्हीनकडुपलव्ह
 राय॥इतीकहरितुरागयोडकाय॥मनमूवोश्कफुरम
 जोकीया॥स्यंधकावीसूंनघकाटिलीया॥चठिघोडेना
 यांमैगश॥जायसाथमैनेलीनई॥जिहजायगांकरव
 लआयाजबै॥वैघोनाहरदेघ्योतबै॥करीचोटगोलीकी
 जाय॥मूवोनाहरहलालकराई॥जबकरीरतकरतक
 रवलदेपै॥विगारिपावमूवोहीमेपै॥जायतरवारिमेलक
 घावचनाया॥अपनैडीलमैनघपडाया॥लेमित्तीयाप
 तिसाहिनजाई॥ज्याहदीनीबोहोतवडाई॥ओरअधिको
 मनमववजई॥महिमुसीकूवोनाहरयायो॥वहस्यंधचोक
 मैदीयोरलाया॥अरयातिसाहिमहलंगैजाई॥वाहीफुर
 महजरिमैआई॥जीयातिसाहिकीकमरिलाई॥अरअरजक
 रैमेरकिनसास्यो॥तिसकेनघमगावोसोरे॥पूछेसाहिकिस
 कांमिआवै॥फुरमकहेतावीतमछंनै॥४६॥जवसाहिदर
 यांनहकोरे॥कहिआज्योजिहनाहरमारे॥जियकानयसि
 तावलेआवै॥टीलनकरोवेगदे॥जावो॥दोडिपयादास्यं
 घपैगया॥जायहेरिक्केओटाजया॥जायमहिमंसीमनवाये
 ॥कहीसेरकैनघेकहीपायो॥४७॥फेरिसाहियोफुकमक
 रायो॥जायपूछेजोनाहरल्यायो॥जिसनमाझाजिमपैना
 वी॥होयजहांतदकीककरावो॥दोडेपयादाकेईजहां॥
 होतेकरवलपहुतेतहां॥कहीहकीगतिजायजिनआगो
 रसनाहरकानयसाहिमंगो॥४८॥करवलांकहीस्यंध
 पैजावो॥हजरिआपकीजायकणवो॥पयादेकहेकह
 मदेपिकैआये॥मेकैन

रसबबुलाये॥ नाहरलयायतेसकपूछाई॥ कहीनपायाकर
 चलपरीया॥ फूटा नोडुसंघलेनरीया॥ जायसाहिसंकि
 मासुनाया॥ संघकैनघरेकहीपाया॥ सोसाहिनयाइत
 राजी॥ मूवासंघलेमिलीयापाजी॥ जिसहनिकसिबोहोत
 दितजाई॥ बाहीफुरमैसोनतिमग्राई॥ जिसससाहिसोन
 तिकस्या॥ जहांकटोराताकसंगिरा॥ सोओलचितग्रा॥
 हाटैफूवो॥ आसनछाडिहोगयोजूवो॥ धडकधडकछा
 तीजहांकरै॥ दिषिफुरमैहासीग्राई॥ पा॥ तिस्याहमनघ
 रोरिसाई॥ मैकपूतहसतहैडलौंडी॥ मारीचाबकांओर
 उधेडी॥ ५६॥ ज्यौज्यौफुरमअधिकीग्राई॥ पा॥ तिसाहिकरचा
 बकलावै॥ साचकहोतुमहसिहैकैसै॥ सोहीसाचक
 होतुमतैसै॥ जोजीवकीग्रमोपांन॥ हजरतिसेतीकिसा
 सुनौन॥ एकजुवानेग्रसाबलधौरे॥ टलनहीग्रामनसेन
 हरमारे॥ ५७॥ एसबमहलनेचाग्रसराल॥ चौकीपह
 रालागौताल॥ इसजागांडरकिसकाहोई॥ हजरतियि
 मकपडेहैसोई॥ तिससेमुहिहासीग्राई॥ इसजागांडरन
 हीषुदाई॥ ६०॥ देखसाहिकहअनबोलीरहो॥ संघमा
 पातेकहो॥ कितमाराततैदेष्टाकह॥ ककदेबात
 सुनीहैजहां॥ नारीकहैमैदेष्टीनही॥ सुनिहवातपुराणीक
 हो॥ जबसाहिकहैफेरोमतिबात॥ बिजकरिदोयला
 ईहोय॥ इसहीवातकदेहिनिबेरा॥ नत्रिकुटकाकरैदि
 तेरा॥ ६५॥ जबपातिसाहडरपाईनारी॥ कणनपलीब
 तबिचारी॥ अरहोतोबतोफूवोहीचाहै॥ नारीवातक
 हैअवताहै॥ हजरतिसिकारकरिफिरिआये॥ जिसदिनज
 बरेकहीपावै॥ ७०॥ सबअविग्रकेलीबतमैपडी॥ जुबान

एक आयाति ह्यर्द्धी ॥ जिससूमेचित चलायो ॥ जो जुवा न मोन
 तिम आयो ॥ इत नैही एक नारु रदेव्यो ॥ उसपीछे मोन ज
 रियेव्यो ॥ मकह ग्राष्टोडो मुहिह नाहर लेदे ॥ उसमुरिदेवि
 फिरिजोह ॥ वहडेरैही करमैसरलीन्हो ॥ ग्रामनमुधनाह
 केदीन्हो ॥ तेसरसंधकेमुयमैलाग्या ॥ पूछतलहायनी
 परिनाग्या ॥ मरीयास्येघतुरतजोसोई ॥ ऐदेयो जियका
 नपजोसोई ॥ पूछेसाहिनांवक्याजोने ॥ कोउउमकीसूरति
 पहचान ॥ कहनाहीरैमैनावनजानूं ॥ सूरतिदेयंतोपह
 चानूं ॥ तैकछूपूछीक्याबतलाया ॥ क्रूरमकहमैबोहा
 तहीपूछी ॥ चलतहीवात कहगयोपूछी ॥ उकड़वैठि
 ताताहीजीनी ॥ षडेगलेरीनीरनयीनी ॥ इतरीकहिरचल
 तोऊवै ॥ फिरिक्चनओहोतोहीकह्यो ॥ जबसाहिनम
 तोउपायो ॥ उमरावतुरकमवलीयाबुल्लायो ॥ कहीजयतु
 मवेगदेआयो ॥ हजरिहमारीषानायावै ॥ जवैसाहिनैकी
 चकरायो ॥ ओरदेगचादीयाचढाय ॥ आपफरोपेवेण
 आय ॥ चिगदेअरक्रूरमवैठई ॥ ७५ ॥ जोआवैसाहीकीच
 मैवैठै ॥ तातोषाणौयावैजठ ॥ जोबैठेउकड़गामदेयबाया
 ज्योत्योंसाहिका नला मनाया ॥ आवतेपछितावतजा
 य ॥ नीचैकीचेविषोनांनहीपाय ॥ सबहीकैमतिमांसो
 मड्यो ॥ साहियेलयोकांडकीयो ॥ अतीकरतमीरमदमां
 आयो ॥ तीनजुवांतआरमंगयाये ॥ जेदेयैतोधरतीआली
 काठिकुरबोएतिहैनुपरिडाली ॥ पालगथीमांडिबसर
 बैग ॥ गरमनाजतोषयो जठ ॥ काठिरुंमालमोयो न
 उडवै ॥ करिछंछंआंयांनोषाई ॥ ताकैदेयियातिम्याह
 यो कहै ॥ ऐदेयोकांनजुह ॥ जने मदे ॥

हमामाहि कौ दियावताय ॥ ८० ॥ तुम यूँ सो विचमै है सोई ॥
महमांसाहि पहचाना जोई ॥ मुतलब करि अंदा ॥ भरी निधि ॥ ये
तन छिन न जीर कौ बुलाई लीया ॥ मिजल सि होत और बुला
या ॥ तामो साहिन कि सा सुनाया ॥ ८१ ॥ अरक ही गरीब वोन
ही ॥ सुनिकरि अंगुली दांत तलि दी नही ॥ साहिक है क्या नम
का की ज्यो एक कहे जंजीर नरी ज्यो ॥ एक कहे जहर दिवावौ ॥
के इकह नम कंठ तरत मरवावौ ॥ एक कहे कहिये लिके दी ज्यो
जो जानतौ माया की ज्यो ॥ साहिक है नम अंबे मरां नुं ॥ जंजी
र कह इक तयार तुम्हारा ॥ इक मकरो सोही मारां जाई ॥ अंब
अलूषान संसाहिक हाय ॥ नम कौ आधीरा तितुम मारो
जाय ॥ सो बात झरम मणिली नही ॥ सबै बात सति मिजल
सिकी नही ॥ सामी सो नहि बिदा करि दी नही ॥ निधानि बात म
रन की ठई ॥ जब झरम जाई नर को की नही ॥ यो महिमांसाहिकै
डेर दी नही ॥ निकल्यो जाय तो निकलिके जाय ॥ न हित रिमां
मां होय कै लडाई ॥ तुम परि बिदा अलूषान नयो ॥ ते करि
तीयारी डेर गयो ॥ वा आधीरा तितुम परि आवौ ॥ यो मतो जानि
छीलन लगवौ ॥ तुम निकलिकरि अबही जावौ ॥ और न का
झवात चलवौ ॥ काम की बस्त हाथिले जावौ ॥ और बस्त प
डी छिटकावौ ॥ यो महिमांसाहिन नर को लिषीयो ॥ ता कौ
बाचि सोच पडीयो ॥ इस की सार मुल कधवाई ॥ किंच फल
निक मिजाई ॥ दधि न दिया मन मै ज बिचारी ॥ आगे जमी है ईस
ये तयारी ॥ जिहन जिहै घडी चालो की नही ॥ निकल्यो महि
मां दिली सों सोई ॥ देषान सुण्यां जांण्यां नही कोय ॥ ८२ ॥ जहां
आधीरा तितुम आया ॥ दछिहवेली अति पछिताया ॥ जबै
देस देस कौ पो जय गई ॥ चंद्र सि घाटालीया बंधाई ॥ महम

सोहि
 सोहि
 बुला
 बैर
 नुस
 कैदी
 नैकी
 शंख
 मारो
 मिजल
 निवात
 साहिब
 हितरि
 तेकर
 मतोतो
 मप
 ताको
 रफ
 ईस
 महि
 जहा
 जव
 ईमह

साहिब्रह्मादपुरआयो॥ सोहीदरामेरोकिरवा
 अलखानदिलीमहरछय॥ कहीमहमांसाहि
 नपायो॥ महमांसाहिकोनाणिजोमीर॥ ताको
 एमीवीर॥ तेमतिवालो कलालकैपायो॥ वोपच
 लुपानकैआयो॥ सोजायसाहियो॥ मातूमकीन्हो
 गह्वेडीमैदीहो॥ ६॥ जबमहमांकाहो क्यो
 ॥ सोहमसंवातकहीसममाईदरवानकहअंठ
 तिहैका॥ रुकमसंआगैजह॥ कौनजायराजायेजो
 लाहमहैछीलजहोई॥ राजासिकारखेलवाजावे
 बाततेजुनारहावे॥ ७००॥ जबदोडिदरवानराजा
 सोहायजोडिगजेनयो॥ कहकोईतुरकदिल
 यो॥ सोथांसंमूजरोगुदरायो॥ नलाघोडाहजार
 रातेकीयांनचालामाणसलार॥ उनादरामेअर
 वै॥ रुकमहोयनोआगैजावे॥ २॥ मुनिकरिज
 कहाई॥ पिरिपूछेथांनैजाई॥ कोठरहोकोठज
 ठेथांअबबासकरावै॥ फिरिदरवानमहमांपेअ
 वकहीतेबातमुनायो॥ महमांकाहदिलीसंघटे
 षणकीजायहैरुठे॥ ४॥ फिरिदरवानराजाते
 महमांकाहतेबातमुनायो॥ तासौराजाफिरियै
 उहजायपूछेजोअंठरहै॥ जकोपावेलचठथां
 सवायेदेस्योयांही॥ दरवानजुलटिमहमांसक
 नराजराखैतो रहे॥ जवगावमसंमहमांपूछेई॥
 जासैमिलियजाय॥ ऐनीघांवदजागाकाकाहै॥
 हिकाथ॥ कजुनांही॥ मीरगावसुमह ॥ ३॥
 बजलीघांतमिवाई॥ ऐनी

या॥ साधिजवांनदसशेरनीलीया॥ ७॥
 देषिरदोड्राकेशी कहवाताराजासूतेशी॥
 मीरकहोवै॥ सोअपनमिलबाकौआचै॥ त
 कमकरायो॥ नतरिछिछोणंदीयाबिष्ण
 नतरिछैठाय॥ चल्याचल्यामहमोजाह
 हा॥ जमधरआगराधिकरि॥ महमोकै
 अतिरानीनयो॥ बताईकरसूठम॥ १०॥
 कहो॥ नलानलासूपठेण॥ साहिकसौवै
 सांचीकहोप्रमाण॥ ११॥ महमासाहिकहे
 मेकीयाअन्पावसाहिकामारणफुरमाया
 ड॥ फोडिहिलीघरआया॥ तुरककीसब
 दूनपकंठा॥ अलखनअपेनयेतासबं
 बलगनुगअंथवै॥ कहरायकिमसरे॥ मुगे
 मुनिहमतुममरनागतिनबरो॥ १३॥ राजाह
 कबित॥ जामसाछरणअनसीमजबलगध
 मनुजादोयडंडः चलनदोचलबिचरत॥ जाम
 जामेजाजाबडगजर॥ जामेजेतबीरम्ह॥ सकै
 तडर॥ अबकीनमापेजायमोहि॥ हमीरका
 मोतोमेनकाछीआतुहै॥ १५॥ महमाकहछे॥
 ऐतुमपासि॥ तुमआदिकरिछीन्हो॥ धनि
 मीर॥ नवसिरसीमजोदीनो॥ जाहामनीय
 मेनैनादीठा॥ धनिजननीधनिपिता॥ बे
 मीठा॥ नमछीपतिसाहि॥ तामोकहोवै
 ननननननीय॥ मोनमाजीन

यहै वरजी कै पांणी पया॥ सिरनु चले चंचल कुंज
 या॥ जीक तोय मसाल ईसी ही चले॥ जीका सुमसे
 असनने कजन॥ श्रीरंकी अठाइस॥ मेल कवुंतरन
 रीतीसा॥ तुरकी सैया चमाता मतेगा॥ जीकै यानके
 गो न पंघी जमंती॥ सो जा मये घरी कुना घी नो वै॥ इरो
 नी पीरं नी तुरंगं नी व॥ असी अरबी प्यार बीरु मस्यो
 मी॥ धरि व्याई धाडिते तो ही यन नो मी॥ सब दखिन दे
 म सुलतान का॥ ते नला अस वार पुरवत का॥ तुरीह
 जार ऐक सै ऐक नला॥ जाकी नो तिअने क के रागु
 ला॥ जीक लाल पतंग कसे नलीया॥ जीम जाव कह
 गल मुषे मैलीया॥ जर दाहर दातुन के मरीया हरता
 ल मुषे दे मुरंगीया॥ हरीया वन न धान सकरी बर॥ के
 इलहर अरली लाबर॥ तुरीसे तमोती कुं नी फुल
 जि सा॥ केइ अचल य पंचरंगति सा॥ केइ स्याह नवर
 गते कजर के॥ पवी साऊने दोरंग बादर के॥ बन्यारंग अ
 ने क कहं लो पछै॥ जहा होय बधीर ते का बिबोछै॥ अरंग
 वर पंच पदा हरते॥ वडा देत न सुंडुं चागिस्ते॥ निहै कै
 तीन सै गुंठ अगाड़ी असी ते नार अर बासे साधि वि
 सी॥ २६॥ चौयई॥ सोरा जानै न घेर घाया॥ ज्यो को ज्यो छाप
 य लिषाया॥ सागर ताल पै जा गादी नही॥ जठै जगि दै ली की नही
 जां हे गांव प्रातां जा गीरी दी नही॥ तुझ जाय अमल जा हां की
 न्हो॥ जोरा जान न घेर घाया॥ ज्यो का बुर बबो होत व
 धाया॥ अस वार सतरा सै २७०० महमां न पंहुवा॥ ज्यो
 का दो लो व्या ज्यो जूवा॥ दोउ पीर महमां चलवत॥ त्या
 कार्बन को न हन अंत॥

और नइजो ज्यो कै जोइ ॥ असी विधि का ब्रह्मा पठा
 जिन का घाण पीण सुख घाण ॥ अधौण धान तो
 नाइ घाई सात से रोग न जिमाई पांच बकरा के
 तिब पावै ॥ और चीज ते कोण गिणं वै ति एक बा
 र दिन मै जीवि ॥ अधौण दूध चालू पै पावै ॥ पांच से
 जुवान असा ही वण्य ॥ दोय नायां न अधिक गि
 ण्य ॥ दो न्युना यां न पै कछाण सा रिषी रहै ॥ टां क
 बती सकौ चितो लहे ॥ अथ धात को सोटो कर मै
 पौ चै लटक बहत सर मै ॥ जम धर घां डो कर मै रखावै
 ॥ जी परि बह प्रवरति पावै ॥ ३४ ॥ चौ पई ॥ ज्याहां रहत ब
 होत दिन गया ॥ एक दिन या दिन गि जानया ॥ घां
 की कछू वस्तर ही पणि नंठ ॥ अक न्हां नी मोटी ले
 आया अंठ ॥ मह मां साहि जक प्रज कराई ॥ मुज सा
 रह राहित एक नाई ॥ बाह मसं विधि टिक लाल क
 रह रा ॥ सोम तिवा लाया हि कै गया ॥ ३५ ॥ ह म साहि
 नां गि जा सोई ॥ मेरे कां मि दुष पावै जोई ॥ कोरा चण
 कोरा तिब पावै ॥ तेज ड्रा ज जीर मे दुष पावै ॥ धर म देह
 लीयार कहावै ॥ जिस का दुरे नि दिन संतवै ॥ वां हां प
 री च स्तह म एक न शेडी ॥ सै रूज बस को गने न जाई
 ॥ ३६ ॥ राव कह छै ॥ चौ पई ॥ अबै कौं क रिचू कै ॥ कपू तो न
 पचार करो घां न को ॥ अंठा सं जा म स लगावै ॥ चोरी
 जोरी कर लिखावै ॥ ३७ ॥ जदि मह मां साहि स्वात
 कहाई ॥ झुक म करो अबै वह आई ॥ देष को इवो ते
 जो पड़े ॥ वै अबै कह नी पड़े ॥ ३८ ॥ वै घा गां मे मोण
 म सोई ॥ और फिकर ज्याह न ही कोई ॥ स्ते करत सांच

लीआई देवलदेरचीतीजवणाई जीकीषवरिरा
 वजीपाई सोमाराडगरांचोकीरयाई कहीघाटीचो
 कसजायरयावो॥ वीचोरमिलतोवाधिलेआवो
 ॥४१॥ वडावडारजपूतकुनाया॥ समजाइवाकअर
 विदाकराया॥ महमांसाहिनदेव्याजोई पृथीवातरा
 जासंसोई कहांकुंविदाआजिलोगकराया सोरा
 जाजीधिसासनाया॥ महमांकहजेआपापांनुं॥ कुंक
 महोयतोऊनैजांनुं॥ सोराजाजीकुचदीये॥ थांजावो
 तोजावोनत्रिघणहोया॥ जवमहमांसाहिअस
 वारीकीन्ही॥ एकदरेजाइचोकीदीन्ही॥ जहस्सक
 लत्रीयाएकठीमिली॥ गावतवजावतरमवाचली
 तेनैरुतालयरिऐकठीनशी॥ अहलादयुरसूंआईनुई
 सोत्रीयाजीवमैडरयावो॥ इतिगतिजांकैफिरिफिरि
 गावो॥ ज्यांचोगाडदोचोकीदिवीनशी जीसुंदैसति
 दरिहोगाई॥ कोइहीदोवाधिहीडोल॥ घेलरमअर
 किलोल॥ ज्यांसिरसूतीजगतोरीजाई॥ दरोचोरकि
 लकिलाकीनाई॥ तेघोडीचळीयाजाई॥ मानूघो
 डीपेघलगाई॥ सोससबचोकीकीनिजरतोआयो
 ॥ मारांसिलिघोडादोडया॥ महमांनदिष्याजातो
 ॥ महमांनयेघोडोनसोहीमांतो॥ चळिचोगडदा
 सेतीदोडगारा॥ चोविललगाघोडाजीनरता
 ॥४३॥ वोघोडोपाणीनपरिदोडोनाई जीविधि
 धरतीलागोयावो॥ जहासकलमायमूकलाबाल
 गो॥ महमांसाहिनयातिहैआगो॥
 घोडोजीहास्यो॥ तेयलमे

मीयाछंदचढिगयो॥ महमां अतिगतिअडवडानयो॥४५॥ ज
बलगाधकफकीपडिगयो॥ महमां नीछटीडिलीलई जवे
धीचीमुडिरपाशेदेष्पे॥ आवतअमवारोकजिहयेष्पे॥
जहजादतलोकलेऐकननोगुवाल्ने॥ जहैधेधीचीवरछे
टाल्यो॥ अरगुवालआवेजसिकहज्यो॥ एहदेधिआगैयादी
ज्यो॥ जबजहैमहमांनिकस्योआशिवोगुवालवरछेदीयो
बतायो॥ सोआगिलोगयोवतायकैनावे॥ एहदेधिकैआघा
जावो॥ हहहमहमांकैवरदीयो॥ दुमारयेजडेति
परिगयो॥ जदिकहगुवालछेनीताजावो॥ धांपणिउकैव
सिकदेनदीआवो॥४६॥ जबरोमकरिमहिमांघोडोडास्यो
॥ यझचिरधीचीजायपशरौ॥ धीचीजबसामूंआयो॥ महमां
हैतबषडगनुचायो॥ तबधीचीनीकाछीतरवारि॥ कहमह
मांतुमपहिडारो॥ धीचीकहैचाहीबाहो॥ महमांकहैतुही
करिघावै॥४७॥ धीचीकीहीबाहसी॥ सहैकवरलागी॥ जी
कोसीसपडौधरजाइ॥ घोडोनयोपाचचिरगी॥ जबआ
पहीनछलीतुरी॥ धीचीअडतलदावीघोडीगईधरवैठि॥४८॥
गच्चास्योकरिलोवी॥ जबमहमांकुदिरदूरेगयो॥ धीची
होगयोकलानंग॥ जबमहमांसाहितलैसूकाछीकरीव
धीमसकबेछंग॥४९॥ घुदायगतिअसीनई॥ घोडीनठि
गाछीनई॥ धीचीरालिलीयोतिहैनुपरि॥ महमांपकडिली
योसोआवै॥ धीचीबहणरहऐकगांव॥ जीनघोलिकरिह
रधिदायो॥ सोधीचीहैआणिपिलायो॥ धीचीजहरअस
खबनयो॥ तेमूकिहूकिहूडैअरजायनयो॥ जबमहमां
साहिकरमोहोरिलीयो॥ जीमध्यपोकैडोरकीन्है॥ मोहो
रोपोकैमूछैमेल्यो॥ गांधीगुदीपैदीहीज्याहि॥ जीकोजहर

नतरिकरिजाई॥ तवमहिमांचावलितुतसौ॥ आय॥ सकल
मायदेष्वाआय॥ त्रीछा॥ नयामहमांतीहजागो॥ तेतिकलि
अडानआगाकृवा॥ ओरमनिषजादनहीजूवा॥ धीचीचां
धिगोलमैडाल्यो॥ वाकौमेलिआगौरचाच्यो॥ सोमहमां
गठपरिपकृत्यैजाई॥ सायिलेआयोधीचीतिहेठाई॥ ६०॥
वाधोपकडोदेष्वाजोसोई॥ दोदधेनैवोलेनउतरेआई
जवऐककोईअणिपिछांण्यो॥ योछेधीचीमोहिजांण्यो
॥ तेनचायघोडापरिघाल्यो॥ घुसीहोयाछपरिलेचाल्यो
॥ अरसारांमिलिकरिमतोउपायो॥ योकहोठाकुरवीरम
स्यंघजील्यायो॥ सकलसायनसोगतकजई॥ इयाकु
रहथादेऊघडाई॥ सारावचनऐकहीनाष्यो॥ पनकोवा
लनुपरजेराघ्यो॥ जीदूकौलेरानातघआयो॥ राजादेधि
वोहोतमुपपण्यो॥ जववीरस्यंघसिरपावजंदीन्हें॥ ओ
रपदातैदूतंदीन्हें॥ धीचीतिजंजीरेजडाय॥ प्रजातिन
याजबरावबुलनायो॥ जठसनासबवेठीआई॥ जेधेधीची
लीयोबुलाईजीकोरजंदिष्यो॥ नावडुकमकीयोयह
तुराचछावै॥ वेरप्रयधातकोजोई॥ तेहकौकोयलानां
पिारमकरोसोई॥ महमांसाहिदरबारजोई॥ सोघोडानपे
निकस्योआई॥ जवमहमांकहयोकांईछेयारो॥ जदिघो
डानधेलानैवोलनुचास्यो॥ कहैकालिषीधांचीजोपक
डोत्रायो॥ सोतिहिकेकारणिगारमकसई॥ ६१॥ चोपई॥
जवमहमांसादिपकृतोदरबारि॥ जायराजासेतीकैरेनुडा
रापीचीबाधोदेष्वांसकसेति॥ जवमहमांपूषैराजामे
दिष्वावंध्यागुनीहकहांसुआया॥ यांपणिकहोहिम
साशुनठा॥ योयाकहथांपकडिगयो॥

धीचीसुनिकरिमाणोछेल्यो॥ अकरालथकोराजा
ल्यो॥ हतोबसिमीयांकैआयो॥ बिजेराजचोघेमहमादिमी
कहोयाधीचीबातकहैकिमी॥ जबधीचीकहेयांपूछेकां
शीजायहकाल्योमहोरतांशी॥ हुतोबीरसंघजीफूल्योबे
ठो॥ सुनतबातधरतीमैयेद्यो॥ तेपणिराजादेख्योसोशीयो
रह्योनाडिनीचीकरिगोशी॥ जबमहमानैफिरिपूछेराजा
॥ यांसांचीकहोयोकांईछैकाज॥ कहमहमायो॥ चीहीकै
हसी॥ जेल्यायोतेछियौनरहसी॥ जबधीचीकहेबात
जिएमोडो॥ मैमास्योछैयांकोघोडो॥ हुंहाथबाधियालमैडा
ल्यो॥ तूहारीघोडीचछिघरिआयो॥ योमोनौलासूंल्यायोनु
चाशीजीकीसोनाहैयोप्रणियाया॥ ल्यायोतेतोबोलपायो
नही॥ योफूल्योरह्योमांहिलामांहि॥ ७६॥ चोरशी॥ योकहैधी
चीसुंदुराशी॥ जबहोकैचक्रितरावकलशी॥ जबमहमांक
हैयोनुवांतनलोहै॥ किमीबहकायेघोटाकांमकस्याहै
॥ जबहसिकैराजाबातकहवौदेयांवातोघोडीमगावौ॥
जबमहमांसाहिघोडीमंगशी॥ देखिराजाबकसीसकराशी॥
॥ ७७॥ जीषासाघोडाओरमगाया॥ सोमहमांकीनिजरिक्
राया॥ बीरसिंघदसिदिष्टिरावजोतांणि॥ ताकोदरबारम
नुतस्योपांणी॥ बीरसिंघधिजिधीचीपरिआयो॥ कहैतूकु
णीबहकायो॥ कह्योइनकोपैचिआगैलेजवौ॥ अथधा
तपरिजाईचछवौ॥ ७८॥ अबमहमांकीसुणैबडाशीहाथ
जोडिअरअरजकराशी॥ असाजुवांतनहीअजायांकीज्ये॥
बांकीजागांयेलिकैंदीज्ये॥ ओरतमासादिघोइसका॥ अरक
हुकैयोनीबसको॥ राजाकहैयोरहसीनांहि॥ कहुंओरजो
योकैजोरिसीकांई॥ ७९॥ फिरिमहमांबोलनुतलाया॥ इसकै

सौधो मेर तांई राव कहै ते घोटाया स्यो ॥ ईतडा व्यमुय नही
 पास्यो ॥ महमां कह्यो चाकर कीज्यो ॥ ईसको पृव जागीरी
 दीज्यो ॥ सोधी चीर जा दीयो छूड़ाई ॥ तेमदमां कीता बीतक
 राई ॥ तब महमां धीचीन धेव सोयो ॥ जीसारा जाया वतल
 सो ॥ थां कैयां कै क्यो करि वली ॥ कसी नांति सों बानी अली
 तब धीची सब किसो सुणायो ॥ महमां साहिआ का सच छाया
 ॥ जीको राव वधरो कीन्हो ॥ धीची को सिरपा वज दीन्हो ॥
 थां चो पई ॥ तीज को जे तो सरा जाम होतो ॥ सोमहि मांसा दि
 मां गायते ता ॥ जो हजरिरा जा की हिल्या ॥ सोराव पय ईवा
 स्पै दीन्हो ॥ जब बाइ महमां को कि चुलायो ॥ सोराजाने
 तुरत पिदम्यो ॥ जब बाइ कहै तूना इह मारो ॥ अब थां मह
 को प्याल मुधा स्यो ॥ जब महमां बाइ नै एक रिचोली ॥ ज
 वेद वल देनो शावली कीन्हो ॥ अफ आपली जां व दिवाया ॥ दिसे
 रपा कप्र घरा पढायो ॥ गठन प्रेरत दिन निकसि गयो ॥ तब मह
 मां यादि नो एजा नया ॥ जब दिली जासु सधिनाया ॥ पवारि
 ले प्रअ होत अया ॥ सो महमां सुना वज कहो ॥ वानं ही का
 रुको दाव सही मै चो कस करि आयो सारी जागा ॥ कोठ नही
 दख जलागो ॥ मै देख्यो महिका घोडा आया ॥ अण एजा की सा
 थिल गायो ॥ सो अण बांधां हीं डंकि के सोहि ॥ जे घाय घूदि
 द सरा है जोहि ॥ जब महमां जीव मोही बिचारी ॥ एक व्याई घ
 डी पदा कीन्हो ॥ वाघोडी साधि आपली लीन्हो ॥ अरसी घ
 जई रावन धे मांगी ॥ आ जिमिकारु मघे लै जाई ॥ तेसह
 सतुरा सौ असा दिहो ॥ ता सो रह्यो ही डूणी दी घोडा ॥ जीदि
 नितो आराम करायो ॥ थां पारि थां एां दोण घायो ॥ आधी राति
 पडतो जाई ॥ वाकी सारी पाय गाई लंगाई ॥ सो कहै ई बडि

गि वाव्याइ जै कि
 मसौरह्रासमाई॥ जागां पाई गालागी आगी आई॥
 गनुठ्रा च नड काई॥ जाहां देखै जहां लागी लाई॥ अरहर वाज
 प्रसुलाई॥ घोडा हों कि सब वाहरि दीन्ह॥ सो घोड़ी की ल
 की नही॥ सहेस घोडा गछन प्रलाया॥ और ह का लि मा
 आया॥ १॥ मोरा जासे ती आइ मिलाया॥ मारा प्राय कै ल
 सुनाया॥ और घोडा मव निजरि कीन्ह॥ मोरा जाब क सि अ
 ही दीन्ह॥ २॥ हवा लगी र दिली गया॥ मो साहि सो फिरा
 या॥ घासा घोडा सरब ले गया॥ महैं मां साहि हराम घोर नय
 मा घोडा सरब ले गया॥ मुनि पाति स्याहन घोरि साई मो
 पछी हजरि चुलाई॥ कहा से आया कहं वे गया॥ कौण
 म सं घोडा लीया॥ ३॥ अरधराति वरहा ज आया॥ नन
 री माया गा दीई लगाई॥ वैरण घंन वर मूछी प आया॥ चां
 जाय सब तुरी च छया॥ जब पाति साहि अलूयां न बु
 हजरि न जीर मोल एसी आया॥ हित मजल सि सवै व छया
 मो साहि सब कि सा सुनाया॥ मह मोहरा मघोर आ सुत
 घासा घोडा आ सुले गया॥ सो गजरण घंन परि आ सुं रहै
 म की बात न आ सुं कहै॥ सो आप ही सं प्रा व नया॥ मे
 रि जाछे डिंद्री या कह गया॥ अब न मन प्र असवारी
 जे॥ न यही दुष्ट मज्या वरी दी ज्ये॥ जब न जीर न ठि बोल
 मे॥ तुम अब ही असवारी करे ज कै स्ये॥ पहली ऐल च
 जव चो॥ करि बिषालो मुतल बल्पावो॥ ४॥ मुनि
 पाति स्या अ सै कहै मेरी तिस को इत ही॥ मो तूम मो ल ह
 प्रजावो॥ तो मेरी प्रज मां करावो॥ तुम विन बात करै को
 आस्की बात न आवे दाया॥ ५॥ करि मल बवे गि दे आ

कोई

औरत कसीर मै देव लदे ल्यो यो ॥ वैदो पात्रि अरज वकुहा वै ॥
 सोनी हजूरि हमारी आये ॥ चौकी मिनुरी लाकर पायो ॥ कछू पे
 मकम ठहरावो ॥ अती वसतु ममां गो जाई ॥ और करो जेतु म
 मंहो ॥ यमि वाई ॥ २३ ॥ जच मोल हण सी विदा कराये ॥ ते च ल्यो
 च ल्यो अहलाद पुर आये ॥ जहल्ले डेरो आरंभ कराये ॥ दि
 नद जैती जेगा छपरि आये ॥ विठक चहडि फिरिनु ठि जाई ॥ कछू
 नही काहु संखा तच लावै ॥ २४ ॥ आवत जात मास दमन
 या ॥ सो मोल हण सौ यावत लाया ॥ थांचा कर छे अरक कोई
 मुतल क प्राया ॥ जा सौ मोल हण किस मुणाया ॥ मै दिली स
 माहि धिनाया ॥ राजा से तीह इक कोम ॥ मोल हण सी हि मेरा
 नाम ॥ मोल हण सी नुठिठा छे नयो ॥ नो सिंदरा वन पै गयो ॥ ज
 यराव सौ अरज कराई ॥ अठे एक बाँण्यो दिन कै दिन कै आई
 ॥ वैठे आई क चहडि मां हि ॥ अवलगां हम क वरु पृथ्वी नां
 हि वृक्षो अजिक या सौ प्राये ॥ वौ यो वौ ल्यो नुठिठं माहि धी
 दाये ॥ मोल हण सी हि हमारो नां व ॥ राजा पा मि प्रायो यक का
 मि ॥ २५ ॥ राव ज दित ह की क कराई ॥ करि गवौ जीन आनि मु
 नाये ॥ राजा न तवै बुला प्रीदाये ॥ करि माषति ते गपरि आ
 ये ॥ राजा फरो पै वैठे आई ॥ तलै मोल हण सी ली यो बुलाय
 पृथ्वी राजा थां कौ क रि आया ॥ क सै कां मि थां माहि धिदा या
 ॥ २६ ॥ मोल हण सी पाति साह का कह्या ममाचार गव सौ क ह
 ॥ कचित ॥ मोल हण की या सला मनी वटै सै मात तूषारा ॥ च
 क्य ही दतुर क चछै मव मन रि वारा ॥ ई म पृथ्वी कह्या म
 मोल हण लू प्राया ॥ तोड़ दिली पति माहि माहितु ज्यो मि पीदा
 या ॥ जो नुल वि आया म मंदर जुग पर लै होई ॥ को पीग वदी दत
 यणारी यवरा वरि धिनाम कै ॥ सोरण छन गाछ मै वृद्धत मुण्यो

॥ राजा कहि हथै ॥ काचित ॥ अरमाल हणवसाठ ॥ काइतू अग
 नये ॥ जो धरि मारौ दि ॥ तो कौण सरण गति रये ॥ उत्तवे दिली
 ने साहि ॥ इत फुं दिली पति साहि मन रिराज ॥ फेरुं जाई सरह
 साहिका ल्यौ सब बाजा ॥ असवारी समेति बिग्रह अडं ॥ अरु
 को सामं ह होय धसौ ॥ कै घोडी होय सुरतान की ॥ कै फुं हमा
 हि परो ॥ ३२ ॥ मोल हण राव सैन प्रदेष्टे ॥ कबिल ॥ दिली
 लम साहि कुं वरिता कारणि दी ज्ये ॥ धारू बारू ॥ पत रिओ
 हमां जनानि जे ॥ लाघट काफि निदे दू देह किति लाघतुषा
 अषध तफु निदे हजी बोचा है इह बारा ॥ तो जीये रे बिथाह
 हह सगर का पकी बिरह ॥ मोहल हण कह हमीर मुंणि मो जि
 रिये पडै पतंग होई ॥ ३३ ॥ राव नुअ मोल हण सी कै ताइ देष्टे ॥ क
 त ॥ मोहि देहु गजगजनरी ॥ साहि मोहि सेवा आये ॥ अलूषन
 त मोहि देहु ॥ पकडि गहबेडी पगूं ॥ ठातिल गा मोहि दे ॥ न
 सरहटी मगूं ॥ मुनि मोल हण सी चितरि ॥ कहियो साहि स
 य करि ॥ थाआयं हल स्यां नही ॥ सोरामण नारथ नरीया
 ॥ मोल हण कहै छै कबिल ॥ नमघर असील घट ॥ ०००००००० प
 द ॥ तुरुघरिल घन पूजे ॥ नमघरि पृष्ठ चक्र चक है ॥ जुज
 रे एक ही सूजा ॥ नमघरि चो धासह सप्रदाल ॥ तुरुघ
 गाठ सौं वरा ॥ मुनि हमीर चक वै कर का मघा डै बरा ॥ तो
 न हण प्रष्टे वाहु दे ॥ मायर थाहन पुज है ॥ सुरतान सिचान
 बेडी सोनु डिहमी की मुख टि है ॥ ३७ ॥ राव कहै छै ॥ कबिल ॥
 राग वरा तै अधिकै ॥ सीह न्हानं सोलागै ॥ नाहर करै गूजा
 कोटि कुंजर नुठि नागै ॥ बिस है ते बिस घणै त न्हो गरड हमा
 मिगदीर घ अति होय ॥ ताहि सी गो सय घाडै ॥ बिहान न्हानं नैक
 डै काली गहौ ॥ अरक समारि ल गा जि ॥ जो सुरतान निज

पापदो॥ तो कलंग होवाज॥ मोल हण कहै किन समदल॥
 ५५॥ प्रबत किन करमौ ठेले॥ कौणति रदरीयावः पडत
 बरकुणहेल॥ सूरजि पडुचै कौणः कौण मेर गिर है फांद॥ हो
 मप्रारबल छीनः जब कोई प्रावनसाद॥ घडै उठमाव नही ई
 तीचात किम नै नह॥ ४७॥ राव मन्ने देखै कवित॥ राव कहै मुणि
 साहैः अचकाई ही एति नोषे॥ होति बहोय सो होयः जीने क
 हो क्यौ करिराये॥ नसो तो पतिजाईः ठोडै कोठ नही पावे॥ मंन
 रिसे नरिरावः और प्रधीरा कस्तुजावे॥ हिलड स्यासा कोक
 रां उमेद आबो कदे॥ रणयं न सुंदल स्या नहीः कहा कोल
 था सौ बदे॥ ४८॥ मोहलण कहै॥ कवित॥ पूरब करी सारः
 अग्नि कौणि आयनवतौ॥ दिक्षिण देश देपे सः नरतिनं
 चुवत॥ पश्चिम दरब मब देय॥ बायल छमी नति आवै॥ अ
 रदिसा करनय जै॥ सोसव आवै साहि पगै॥ मोल हण कहै
 हमीर मुनिः सोसकल आण जंबू दीपलगा॥ ४९॥ राव हमी
 र कहै॥ मोल हण सीसू॥ अरे वाकै जंबू दीप महारै थोड़ी सीना
 गा॥ वातलै धरावे होतः थोरी रणयं न है लागै॥ वाकै लछि
 मी अनेतः महारै पण थोरी नांही॥ वो तो गरब कराईः आजि
 कुण छे महारै आगै॥ हम तो हाथ घणां ही दिमा स्या॥ जेरे
 कबार आवै अठै॥ हमीर कह मोहलण मुणिः पडै यव
 रि आयां अठ॥ ५०॥ मोहलण कहै॥ कवित॥ नोल छति
 सकै तुरीः महै सदीय मै मंत गाजै॥ महै सरेक उमराव ता
 लिपण स हस पेघा॥ पैदल कान्ही छे हवः कै अघणवां ए सी
 गणी दिखै॥ और नड नीड को गिण॥ धडक पडै समंद॥ मोल
 हण सी कह हमी मुणि॥ उम सो डै फुनिंद राजा कहै की चान
 जिह कै धरती सीसः

चित्तिये
 मकल प्ररितो चित्तिये

रणाहागयावससा॥ मूरप एण कोइ डरा॥ मूरन डर रहने
 साहि सुं डर ससो है॥ माहां नचाव छै जु धकै॥ मुणि मोल
 नारां मरां॥ जव तव मरणै छै छतो॥ होति वसेती क्यौ डरां॥
 ॥ मोल हणसी कहै छै॥ कबिता॥ रावण कीन्ह टिक निपटा
 काषोई॥ करि जस जोधन टेकः साहिगहिगहि जिन छे डौ
 कहुं नली तोहि करै मति जिन की हो डौ॥ अलादी नपति सा
 अत रोग रजन की जीये॥ मोल हण कहै हमीर मुणि॥ म
 कसै करि छंकीये॥ ५१॥ राव कहु छै कबिता॥ जव को प्यो है
 क्रोध के सब दमुनाये॥ हूँ बैठे रण छे नछः कहै किम
 मत वाये॥ छीठे ईशम कहैः सोक मन मै नही आनै॥ नूवे गि
 रि किन जाई॥ सब दमेरो इक मनै॥ चौहाण राण इमनुच
 हीनति क्यौ नाषाधीठ॥ श्री को ध्रुव की यो सोरण मै न
 पीठ॥ ५३॥ मोल हणसी सीष मांगि दिली कौ चाल्यो॥ जव मो
 ए दिली गया॥ जाय साहि सुं ने लैनया॥ करि मलां मअ
 छिवाया॥ कह साहि नो होत दिन लाये॥ जव मुसी होय सा
 तात पुष्टये॥ कहो कछुं तुम कां इठहराई॥ इतरे रज का तु
 पीया॥ तव मोह लणसी साहि सुं नुतर दीया॥ ५५॥ कबिता
 ननैस केः लेन डंडः लेन दिली नति आये॥ मूछा हक मरी
 राव साव गोनही मावे॥ माँगे प्रहृषां नः नारी मर हटी प्रांग
 गाछा जनई रह चौहां ए जै अटी॥ चौहां ए समेति बिग्रहै
 ॥ अर मूरन कौ सांभुं हेय धसै॥ गाछ नपरि राव हमीर देखे
 है चवर हड हड हसै॥ ५७॥ चौपई॥ मुणि पाति स्पाह जव
 यो अति ही॥ कहो मुज संग छ की गति ही॥ तलै मै दान न
 पाहाड॥ बेहड जंगल बनी वजाडि॥ केता नुवा केता चोड
 चोगिर दा केता फिरियाव॥ हमै जमी विधि चछाई करी॥

यहाकदाइवहजायपडा॥५॥मालहणसीसाहिमगाळकी
 तहैबतावैधै॥दोल्यापाहाडमतमुडन्यागद॥कामग्राठति
 नकोचोडावा॥नाबोलगोसमदमोजाय॥जिनकैअंदरि
 गछहैवण्या॥चंचावोहोतविकटहैघणा॥कोमपंदगव
 नीहैवै॥पलीचफधंधेडायरा॥६॥जिसमपहाडएतावंध
 कीया॥जजीरबणायगठबीचलीया॥जोजिनच्यारुनोचं
 ध्यालंवाया॥दोजोजनवाधाचोडाई॥घोहाघाटीमववा
 ध्यादूजय॥च्यारिराहाप्रतचिरहाय॥गहातीनविकट
 सिरपाहाड॥एकराहाबाजारसीबहै॥६॥जिमकैआगे
 एकमहरबिलेदा॥जिहैदेध्यामषपवैज्यदा॥जाहातीन
 सैसाठिकूवाअरवाया॥तीनसैदेहराबण्यामिवाई॥जोज
 नएकदोरामहोगा॥जिसमैदेध्याअपननामा॥गछकीम
 हिमाकौणगिणावे॥मानंइंदराजकरावे॥६॥फरिपातिस
 हमोलणमोबोल्यो॥तवैगरहाकगछमैडोल्या॥इत्याकैईव
 स्तकहैयिअधकाईतिरीनीकछूनजरोआई॥नमलडका
 कीमहमांघणी॥आरमुघडदोयपातुरवणी॥कदीयिदेवलदे
 काजुदाअपाडा॥जिसकामेदसुणानुसारा॥६॥सवैया॥हने
 लडकनीपणिहिरेकीसीवतीहै॥बसैतयोकीरीछोरी॥नेरीने
 रीबातकरै॥नाजिकतनंगातवतीहै॥चंचलचकोरमीनधंज
 नइगमगचलतअणियालेनैनमेलकीमीअणीहै॥चटमुघ
 मोतीदेतसवानांकडचूलंकचालगजलीयारनाकीमीमा
 हैकीधोतैजकीबीजनजेनजेनमाइघणीहै॥हतेलडकनी
 पेहरिकीमीकतीहै॥६॥केसरिकीकपारीन्यागीपकनु
 जियारी॥लीलकपहडमाडित्रीयार्जनीभंसमै॥मृघकैमे
 नैनअनचंदमधीपीकैवैत

घाममै॥ नजलीबतीसीसारीरनासीननिहारीप्यारी॥ चाल
 लगजराजकटिकेहरिहैगाममै॥ ७१॥ कबित॥ त्रीयनम
 धपतेधवलधवलहीवसुसुहवै॥ अलपनूषतिसअल
 पनैतबोहोदिनअवै॥ धवलकुसमसिपिंगार॥ धवलहीरा
 पैनूषण॥ धवलठोरसौप्यार॥ धवलतटरामतिरुषण॥
 मषीसहलीधवलसबअरबैनरागा॥ कैप्रसी॥ कहुंमुणी
 नदेसीचतुर॥ देवलदुसरनातिसी॥ ७२॥ कबित॥ पदमणी
 रूपसोतोदोयपातुरापेपै॥ चातुरसबगुणनंचनैनीकां
 मकंदलदेयो॥ नरिजोबनकैबीचिदेपीतसितपटोर॥ सु
 रनरमोहपीरजवरंगारागनुचारे॥ औरपाचमातसोनीनली
 नरनटवानीकेईवगहै॥ कंचनजडतलिछिमीईसी॥ सोपे
 षतनूषनलगहै॥ ७३॥ कबित॥ सैतसबरसकीनुमरीदीर
 धवरजोधनुवान॥ गोहुंवरणगातलइकौहोयदिवाणै॥ जि
 समृष्टपरिनीचूरहै॥ पेटचितरामसबेरे॥ जिसीसूरतिकेई
 नही॥ नैनअफुप्रणियारे॥ नीजरिहणजिसेसरकी॥ दि
 लदलेलअरमणी॥ सूरसाचतकहीयजिसा॥ सोबोअज
 णचणै॥ ७४॥ कबित॥ जिसकीवैठकसुणै॥ शेहप्रिकं
 चनबैठाई॥ कंचनकीवैठकसुणै॥ कंचनबजुडेदुवल
 कनकषनकोरगाछाई॥ वैहेममईसबठोरहै॥ पंडछोहां
 डावाईबणवाटका॥ सतषणै॥ धोलहरकलसजडीयाघ
 रेघंटका॥ जाहैजुडेदरबार॥ सांवतमीलसमीपनूपहै॥ सर
 वाफमंडलीअमीयणी॥ जिसकैचहडीसपहै॥ ७५॥ सब
 ईया॥ रणवासमाहैमाणसमुधसुदरी॥ धायबडारणिदेवीअ
 सी॥ रनाकैरूपणिबसी॥ चालचलगजराजसी॥ नानातनअ
 वरचचलचातुरी॥ बीरबहुठीकैरगतिमीअमघणीरअ

अदवलीया॥ फिरि मूडक मूडकामिनी की सी॥ ८२॥ स
 यईया॥ तालकी तीर मै नीर नरे॥ पणिरारी सब रूप वती न
 ली॥ जउवांत न मूषणची रमट वर॥ हे मघडा सिर लेन
 चली॥ ते पौणिष्टी समवे मुषीया॥ श्रीया एक सौ एक नली
 त तो गावह सविनोद करे॥ जावजुंड अमंड अर्यापाली॥
 ॥ ८३॥ दौस चो वे अणी आणी॥ मोहल मोहल जंणि राति कु
 विजगा जो तिघाणी ज्ये बली है॥ जाहा की रति मिमा स होय
 मंमंम को तिग जोय॥ जाच्य दे देवी तोया॥ मूरति जो अंग
 है॥ देहरा बाजार माह॥ चकचौ धिलागी रहिल फलाव माह दे
 मि नूषना गहै॥ नरोया अरारी वारी॥ होत है विलास राग
 निस्त जो गहै॥ ८४॥ सवईया॥ बांकी जागुची अमी चो गड
 दो छेला को राजसा॥ बणो है कुदरी कोट की गीपी वीध
 जाग है॥ नपरि मुक्ता नीर वरसा जो बह है मीर॥ अमिमा
 पिपाणी नुंढा प्रवत नमंग है॥ च्यारों दरा माह अटि विक
 ट चोरा सी घाटी दोलू पहाड॥ घणी विकट वती आंग है॥
 राग्ये नगाछल काम मतुल्य बण्य॥ जाके आंगे आगाछ
 गाछी सी लात है॥ ८५॥ सवईया॥ असोही नतगाछ राग्ये न
 गाछे जोर॥ जाके आंगे आगाछा छी सी लात है॥ वेस्व
 बागीचा बाणें॥ देवल दे अवास बस मूनर सी बाणीति
 वासी वन मात है॥ नोव तिति सांन अरु छोणन मंमंम
 देषे प्रमन दुसमण के प्राक्रम दिगत है॥ असोही रण
 ये नगाछ गाछे जोर॥ जाके आंगे आगाछा छी सी लात है
 ॥ ८६॥ चोपई॥ पातिसाह अलू घान बुलाय॥ होय कोय
 रवात कहय राग्ये नपरि करी चणई॥ ८७॥ छिपान
 मरावसाग कांकी ज्ये॥ मोहोला

अदीविदादसुंदसाकीन्ह॥ पातिमाह ॥
 ५॥ बौहा॥ अलूनजीरइकठानये॥ तेमिलिवृत्तसाहि॥ दे
 मिरदारीविदाकीये॥ रुकमकरेअवताहि॥ ६॥ पातिस
 हिजीमकहे॥ हमग्रापचलैउसठाम॥ होयनिसकीसी
 मेनमैही॥ मुहबिनसरेनकांम॥ ७॥ अरजकरेअलूषान
 लेदेखोननमानकोजपठयेगोमपर॥ आवैउसहैदेखि॥ ८॥
 जोअघिरहोयहैकांमते॥ तूमतसतीयाकौकरो॥ क
 मनहोयबिठामजवचछइतुमकरो॥ ९॥ साहिकहेअलू
 षान॥ तुमजावोनसठोर॥ तुमनोतलबयगा॥ हयाकांमन
 हीकीसाप्रार॥ १०॥ अलूषानपत्रीलिषी॥ पठईदिसदि
 संत॥ जीन्हसाहिसौकांमधै॥ सोआवोवेगितरंत॥ ११॥ क
 चित॥ प्रथमचछेअलूषानआरप्रथीकिराणै॥ पूरबकर
 पठाण॥ आरघोषरघुरसांणै॥ चछीयसैदमरदकयरहरच
 लदलमांही॥ सेममुगलसबचछे॥ मिलीतुरीलाषदलाही॥ क
 नचजआरेवेराठ॥ ठगोरीनरिआये॥ नडिसआरघदारबल
 षपरबलैआये॥ १२॥ चोपई॥ अलूषानकुंचकराय॥ तेकुं
 चदरिकुंचमलारणआया॥ जाहासौएकजासूसमिदा
 या॥ सोजासुसगनप्रिआया॥ जिनहडवडकहीनदेखी
 सीलसोयतिसारदेखी॥ १३॥ सोफिरिजासूसमलारणैआ
 या॥ अलूषानसौआयसुनाया॥ जिहकीषवरिआवजीप
 ई॥ जबकरबालागोआपचछई॥ सोमहमासाहिमनह
 कराय॥ कहीसाहिआवैतबतुमनीचछीयो॥ रावकह
 कुणनेजूसोई॥ रुकमहोयजायगासोई॥ जबरारवकहे
 यांहीचिछिजावै॥ करिकारिजअरवोआवै॥ इतसम
 हमाविदाकराय॥ सोतीजेपहरिगछसंचिछिअये॥ माधि

असवारसहेसदमलीन्हो॥वैतेनचैमरह्राजसोई॥ज
 यागाफिलजामसाजोय॥येच्यास्यौतरफसैंजायक
 रिलाग्या॥तेककरीनुकटालोहोयगयेन्यारा॥वांमैम
 चीमारामारि॥रैतिअधेरीषवरिन्यात्रीकैआयासमैलदि
 नडिमरडीदेसदेसकाआयासोई॥कोईहेऐपछांऐको
 ई॥पडीजरजरिचोगडदासैं॥अल्लुसंननागातिह्यारो
 ॥१०॥मरबावालातेमरिहीगया॥ओरपेछआपणंस्ती
 या॥साहएबाहणघोडागरा॥हाथीडिरतेवक्रतहथीया
 रा॥दारुतालिपडीसवरही॥ओरमतासबहीफिरिही
 सोमहमासाहिआणिममाली॥तुरकगडयाहीदूवाल्फ
 ज्यांसारीबस्तेअरिकैलीन्ही॥सोसबहीबस्तगळकैच
 लतीकीन्ही॥जोजायराजाकीनिजरिगुदराई॥जवरान
 ननाटपचास्यो॥महमासाहिकिसारजपूता॥जीपरिकं
 मकीयाअदन्ता॥जीसौराजअतिहीराजीकुवा॥उतछे
 मनेनाटहकालजुवा॥११॥वोहेचावक्रुचोतुरका॥बति
 जभेमनणीजाऐयो॥वसंतयतरफडंगा॥पडीयामीरमंगोल
 जीनषाघैराषत्रीयांफरासलदीयां॥महाजीमहमासाहिल
 ग्यो॥नरीयामीरमंगोलजिम॥महमामंगोलकैवांएत
 लै॥अल्लुसंनदलनीठकरि॥अदीबहमीरसो॥सोवंध्यो
 वेरुअवसिकरि॥१२॥सकलमतामहमाहैदीनी॥करिम
 लांमजोनपरिलीन्ही॥क्यौतोचंद्रहणनाटहैदीनी॥ओ
 रबकसीससियांहोदीन्ही॥अबअरजकरीसारीजधा
 णी॥रोपालघोपलहैदोपरधाणी॥राजामानिअरयोडुक
 मकरायो॥जिदिनप्रधाननयादोउनाई॥१३॥जेपई॥सगलो
 कामसोपिकैदीन्हो॥

नींदरवानबुलायो॥ जासैवातअसैसमजायो॥ अठैसहैस
 घोडालगाकोईआवै॥ ताकोचछताजिनमनहैकरावै॥ अत
 रासैअधिकआवैजकोई॥ ताकोचछवाद्योमतिकोई॥
 २०॥ दोहा॥ गयोअलूषाननगि॥ नईषवरिपतिसाहिको॥ ने
 तनलागीआगि॥ हाथमिसलअरसिरधुरा॥ २१॥ कबित
 ॥ अतनीसनतपरजस्यो॥ मानैधतपाचकमैडर्यो॥ अच
 नजीरलीयोबुलाय॥ आबोइकमेनविचारो॥ वेदकित
 वकुलिआणि॥ नलीनलीसायतछछे॥ जदिचछरण
 थनपरि॥ श्रीनिहठकरैमतिछील॥ चारिषूटचफूचक
 दसोदिसाकागादफेरो॥ चछतदिलीपतिसाहि॥ तेजति
 फूलोबजकंपै॥ २३॥ दोहा॥ मंडितचडाबुलाइया॥ कजी
 मुलाओर॥ पुसागदेषेआपण॥ सबबैठोइकगोर॥
 २४॥ जीगणीचक्रबिचारि॥ पाछैकालचक्रबिचारो॥
 दिसासूलहैटालि॥ राहादेषिपीछिडारो॥ नइकोकरि
 ग्यान॥ चंदसूरजिबलहस्यो॥ मुननचत्रमधिलेईतिथ
 अरवारनबेडो॥ नोग्रहअरबारारसिमेधि॥ मुनमाप
 बेसाधलीयो॥ पहरघडीपलपललगू॥ सोसिधिजोगम
 धिगमणकीयो॥ कीयोप्रसतानूसहि॥ इतरादत्तएक
 ठाहुचा॥ अचवरणैकबिराय॥ २५॥ छंदमोतीदाम॥ चछो
 नूपमहादेसइत॥ कहुतोसरूपस्यस्य॥ सारैजितैच
 छेरावनाधैतसबदोयदिनमुनौतासनावै॥ सबैठोरकिन
 गाजदेसकाबिलनचादेसठग॥ मथ्यदेसकासीजते
 धानजटा॥ इकछदेससोरठचछेराचमास॥ चछेजारषंड
 मेवातमास॥ चछेदेससूरतगुजरातसारी॥ चछेपछफेज
 चीतोडनारी॥ अमरिदेसजेतारावसबै॥ चछेबज्जीनोम

जुं

जगहडूयूच॥ चणकं मायाही जितानोमजादौ॥ लघु
जाकंचेतमोदौ॥ पूर्वव्यालवकोरुजका॥ नेतेजापा
हाडवावलघवोका॥ चणइंदोरुजीणि आससोमी
रोहोतासवालेचणगांजोमी॥ देवगोरतिलेगाक
रनाटकजेती॥ चणैरिपुटजेतीनेमिसरी॥ कहलौ
पणिये लोवारच्यारि॥ चणैरिदिनिंघलवे॥ चणै
फूलफूलैअमोमोहिमाही॥ जेतीदोयदिनततेनोनप
ही॥ जेतीसाहिसकैतेतीकोजमील॥ इमोमाहितपेच
ग्राघानदिली॥ ॥ ॥ ॥ दोह॥ नमरावमकलेकलेक
गडूव॥ सोमूछैसुरतान॥ तेरहलघदिनीऊव॥ चोदह
लघनुरकांण॥ ॥ ॥ ॥ फोजइसडीएकठीनडी॥ पातिसाम
हिवुलाय॥ नलट्रादलज्योनादवा॥ इसडादलआवे
मेहनडीघुरताल॥ सूरजअंवरषाये॥ जामधिधजाफरह
रो॥ चफरचिमकावै॥ घुडनगारचवंकी॥ घणघेरकरावै
॥ अलचताअराकीया॥ नमरावानेचावै॥ पाणीपया
घोडिला॥ नडिडाणनरावै॥ तातीतुरकीआफले॥ तेई
घुरीरलावै॥ हाथ्याहलकैमदाल॥ तेईपटाऊरावै॥ के
ईतंगाटोटीयां॥ करैसेलरलावै॥ पावनगागपावैजेहय
नालिठलावै॥ धवलपाघनुपय॥ राजताहिधिकावै
करहमोसनपावजे॥ मुअनालिचलावै॥ भूलिधालि
गबंबुरातेवांणकौंणगिणवै॥ जामधिधैठाआदम
केइमणगोलाघावै॥ पैदलपारनपावै॥ जेपंथनव
ध्यावै॥ जापेबंदूकरसिधूणीकिईपारनपावै॥ नवर
दहोयागोचलतातीचलावै॥ सकलफोज
ऊई॥ कहीनहीसमावै॥ चणैरिदिनिवोकहै

एथनागज्याव॥४४॥कोबिल॥षडोगचरांजौ
 लीसमांणौ॥षडोषेनाइचदेमषगेषोवरदिसांणौ॥
 षडोवालोतिलंगा॥षडोवहप्यादेसा॥षडाकश्कावर
 ॥षडोइडरनंदसा॥इततेअलावदीनषडो॥रणधंनदु
 रामधैषडो॥हमीरावबौहसे॥मांनूएकटांडोपडो॥
 ॥४५॥दोहा॥पांचसहेमगजराजचलतएकमोर
 कसवारो॥तेहसमसाहितो॥चण्णोकोपमाछसो
 अडो॥चुहांनरावहडहडहसे॥मांनूएकटांडोपडो
 ॥४६॥दसौदसाकेमलेछ॥षरेआयेपतसाहि॥कह
 हमीरमुहदिसा॥असोसोदागिरसोसाहि॥४७॥
 चौपडो॥इसडोसाहिनकूचकरायो॥तेचल्योचल्योटेड
 मआयो॥जठआइमुकासोजकीनूं॥अरबुलायनोम
 योलीन्हा॥जोजाहपूछवातकहावौ॥रणतनवरकीरा
 हवतावौ॥जहाहोयकरिलसकरसाराजावै॥गाडीना
 लिनहीअटकवै॥सोनामीयांसाथिलगावै॥तेसू
 धोलीयांलापैरीआयो॥जीकैदरैनुतास्योसोईछाणि
 आयपज्रोहोजोई॥मूधैसाहिअबैगाछहेकेता॥ज
 वनजीरकहैकोसपांचहेजेता॥४८॥नयोविहाणज
 बसूरजनुगायो॥पातिसाहप्रधानबुलायो॥कहौक
 रोचछाईगाछकौमारो॥यहापडेपडेक्याबातबिचारो
 फिरिनजीरयहअरजकराई॥फेरिऐकबारबिहाला
 षिनाई॥कैमिलैकैमांतसोई॥नहत्रीकरणमतैकरौ
 सोई॥तवअत्रीयकबोल्योतिहठाई॥हुकमहोयतो
 हुंवांहांजाई॥कैमिलैकैवस्तकवृत्त॥मिलानुहायवां
 धिसगलीगलनूल॥४९॥जबसाहिनहुकमकरायो॥

सकलचातकहकेसमजाये॥ सोविदाहोयग्रहलादपु
रग्राये॥ राजामेतीअणिमिलाये॥ ॥ ५३ ॥ क्षत्रीक
हछे॥ कविताकरिपयजक्षीत्रीमयकेगछप्रमियाये॥
मुणिहमीरतुज्यासिसाहियठये॥ युगसादिअनादीन
काफरदलनेजण॥ चरुदिसाथेअण्डंडलेकाडुअं
लेकचण॥ तोमातमथनजांगेहमीरतु॥ देदंडंडतुक्कजे
डिकर॥ अनादीनदठकस्विअ॥ मुगतगाछछेरिया
जायपडि॥ रघुहमीरकदछ॥ कविता॥ देवगिरमैमै
जणि॥ जणिमैमैजादोनर॥ गुजरातमैमजणि॥ का
णचात्रकहइये॥ दोडोममजणि॥ सोतदिलासागर
हीये॥ चीतोडमैमजणि॥ सोतोकुडकरिगदीयो॥ तेम
अनावलीवदीतहमीर॥ जडिकिवाडअडोषडो॥ र
णथंनदुदुंगलातही॥ सूअवजणिवापटतर॥ ॥ ५४ ॥
क्षत्रीकह॥ कविता॥ कहैहिलीप्रतिसादि॥ इयागादी
णपांचनये॥ रणथंनगाछलेअराछपाछेल॥ अ
हंकारपडोहैपेलउमरावकुलवै॥ गडवडवेहातक
राय॥ सकलसेणमिलाये॥ मताइमलाघदलमोजिक
रि॥ मतिसाहिगाज्योअडो॥ जंतदीयोनहमीर॥ सोमां
नूकचंडोपडो॥ ॥ ५५ ॥ राजाक्षत्रीमैकदछ॥ कविता॥
जुधरांमरांवर॥ जुधवालिसुग्रीव॥ जुधंकरणमुग्रीव
अजुन॥ जुधदुसामलनीवा॥ तोपेहिम्परायणमुण्यो
जुधसोकलिवीत्याचीहाण॥ धरजमकटीहे॥ अज
अमोताण॥ तोपरिहमीयेचितिके॥ अडमनीपुडम
ण॥ गडोपुराणुचम्यो॥ अहमीरतरदिमुले॥ ॥ ५६ ॥
क्षत्रीकहै॥ कविता॥ मैकअमं॥ तोतनातीमी

कविता

गणदी २
॥ ५५ ॥

नघरघर॥रूमस्यामसिरनाय॥उहसाहिरहधडकडराअ॥
 सोमषडेददजोर॥तिलेगकरनाटकनरैकरै॥दुवारि
 काजगनाथल्योहस॥संखजबूदीखलौहदसोसरकी
 यो॥तोमणजनेनुकासीलई॥देहरादीयाहहस॥तुममे
 मुतलबहोयचुकै॥जबसेतबंदहजाय॥५५॥सजाव
 है॥कबित॥जावरहोनबैजावौ॥अठकौकाप्रमहोषो
 साहिकरैतेचाहि॥सोअष्टपावहीकोई॥अठरुडमीसा
 रा॥कीसोमुक्तलेपाथरा॥घैरघोकडारुखगी॥बीबधित्तो
 अजाय॥हुआकोडरायोनडस॥थाकोमतोसोहीकरो
 रावकहयोहोमरायमुणि॥सोथेबीचिकाफिरिस्किमरो
 ५६॥दोहा॥जतीबातचत्रीकही॥राजनमानीएक
 जाकुमारबालागोजीवसो॥जबगयोअहोरोहोय॥
 ६०॥बचनक॥चत्रीपतसहिसोअर॥५७॥
 करी॥हजरतिसुणौ॥बातहीदूनहीमांनै॥मैअहोरसोरस
 वहीकही॥मेवहैदिलेमेसंकहीआशे॥उसकामम
 मेमैभीबजन॥मोगमैनहीमावै॥अजिकालहलिकरो
 जुधलडोके॥मममुफ्रावे॥तुमकरैमतेमोहीकरो॥
 परपचअनेकनुपावै॥दीयाकरलेदेपीयो॥५८॥
 सोनाहीलागीलाई॥६२॥सुणिन॥कबित॥सुणिनन
 कौसुरतांसा॥घडेहोयकमरिबंधाई॥कहोलोगसौजा
 ई॥बोगदेकरोचअई॥मारेलोगलसकरले॥को
 पिदलआपकेअडीयो॥नयोनुधमास्थ॥तीहेदिन
 नस्तरघांनैपडीया॥तहाचारिपहरबीतीबिषमअ
 मूरजिनयेअस्त॥जबसहदेरायो॥सोप्योधरणीसर
 त॥६६॥दोहा॥घारादोनयासाहिका॥मोस्योनती

जोईह्ना॥ हाथमरोमीसधुण॥ कहैमुफिटीकाआयालीली
 साहिपरपंचधण॥ हीकरिहरो॥ बसनलगाकोय॥ जहांहु
 कमइणविधिहुवै॥ चोगडदधरोहोय॥ ६६॥ राधातुरक
 आपणैनधै॥ हीदूत्रफआंयुण॥ पाहाडवेजसमस्तकीयो
 कहुंघालीरहै॥ नकुण॥ स्तलगायाचनासम॥ हुजीवि
 डदोडाय॥ सचलोगरह्रापातिसाहनधै॥ ज्योकोछेवजेध
 डारि॥ अबघाय॥ गाक्य॥ सचपहाडतोबंधकीया॥ ऐता
 अंदरिका॥ मैवरमौबठारहै॥ ६७॥ दोहा॥ नतैलोगपहा
 डसुं दिनकैदेरतिहावै॥ मारिमरिडूगचछै॥ राजाकरैसराहै
 ॥ ७०॥ जितरीमाहीआरती॥ बवैधरौकिसाण॥ सकलज
 रायतनुपजै॥ जहांपाणीजहांपाण॥ ७१॥ जवैकरैसाहिमस
 लति॥ लीयेनमरावबुलाय॥ सचनरचैठआयै॥ जिनमौ
 यातचलाई॥ जिसकैवडेसूबैर॥ आदिहमसौचलिआई
 जीनोमरकेईधरे॥ उननीनोतषीपाये॥ दिलीमृदीयेनिका
 लिकै॥ दीयोअजमेरिसूकाछि॥ तनुछताटैनही॥ फिरि
 बधिगयावाधि॥ ७३॥ कवित॥ आरमुणौफिरिवात॥ येनु
 देवावादारमेरे॥ एकहमीरदूजारांम॥ इणदुषदीयेघणेरै॥
 आनजनममैसराय॥ ऐहोतेदोनकांनकलीला॥ मगन्याहि
 यालैजाई॥ ऐनीसाधिगलिनयादुषीला॥ जवतोकरणोके
 कछेडैनही॥ अबकैराडिकरमेकरै॥ अबगहीचमिटीमि
 मसलुं॥ तोअलावदीननांममेरोधरौ॥ ७५॥ दोहा॥ अबनिम
 लातालाजोकरै॥ तोतोइछातीफिरी॥ जमीपरिगमौनही॥
 मारुंजाहातहांधेरि॥ मपरदुरीकहीछीगैनही॥ निजरिन
 वैठांम॥ जोकहुंआपिनदेघहुं॥ तोकसुंध॥ कोम॥
 ७८॥ माराडूगकीहू

लोगाछनुपरिरह॥ जहांसंगोलानालिकाबाहे॥ तेकोस
 कोसहीहरिदावे॥ इगारकीजडकोईनहीआयो॥ इगार
 इतावरसदोइनया॥ जबसाहिमतओरहीठ्या॥ याति
 दोदुतबुलाया॥ जेपणिवरससोलहकीआया॥ इतक्रम
 सेजांणै॥ नारातोडिसराकाआण॥ रोवतआदमीहतुरत
 वें॥ कहांहैजेफलमाहिमनने॥ तेरूपवंतविद्याबहुतेरी
 अतिचातुरगावैघनेरी॥ ६४॥ चोपई॥ जोपतिमाहैअ
 मतवै॥ तुमदेवलदेकुंल्योकोजाई॥ जोदेवलदेकौंअ
 मिलावै॥ तोतुममागोसोहीपावै॥ लगेदामअरचीजय
 ई॥ ऐहतुमसौकांमपडाहैआई॥ आजिकोदिनकुंतुमस
 पाणनिमकरणकरोतेई॥ ६५॥ ज्यामुक्तीहेरषस्वीहै
 तेगछकौंचल्यामफुरतसाधि॥ ज्येपूछेज्यासंबातकह
 हमअतीतनीबाइबुलाई॥ वाईकनोवनरोकैकोईज
 पकृतीगछपरिसोई॥ जाकीषबरिदेवलदेपाई॥ वाइन
 पेबुलाई॥ आसीखचनज्यादीनहोजाई॥ तेदोनकरजो
 गीपाय॥ इकमकीयोजोबैठेजासं॥ अतिहीचस्वाकी
 तासं॥ फिरिवाइजदिअसैकहो॥ कोठजावोकोठरहै
 तबाहीषाकोठजाई॥ इसादिनक्योंनेषधराही॥ सुनि
 तीबोलीबेहसाई॥ कहांबातजोमानंबाई॥ पूरबमैज
 वाज॥ जठमहाकोपिताविराजे॥ हांकापितादेनुछ
 ई॥ पूरबकोवैराजकराई॥ जिहैकैपुत्रनयेनहीकोई
 कैकन्यानइहमदोई॥ बरसबारल्योलाडलडायो॥
 छेम्हांकोव्याहकरायो॥ संजोगगतअसोनयो॥ माहां
 पीवनीपरिकेगयो॥ अवहमतीतरथकरस्यासारा॥
 कहुंमिलेपीवपीयारा॥ तोतोअपूरीघरहैजास्या॥ नहत

मातातीरथनासा॥ एकपथदोयकांमकहावे॥ तीर
 थसाराफिरिआवे॥ मांहां कोजीववसैपीवमाहि॥ कुल
 धकनिटकांशोहै॥ १४॥ जबबाईपुछैजाहै॥ प्रबसुरति
 कोटीकीथांह॥ कौइदिनतोअठरहुज्यो॥ माहदिनदरम
 णदीज्यो॥ थाहसीयदेस्योजदिनासा॥ पहलीजायदुवारी
 कान्हास्यो॥ गोमतीमाहिकरांसनान॥ फिरिगिरनारिदि
 पिस्याआनि॥ १५॥ जठतीरथकरदेवहमारा॥ नेमनाथजी
 घरापीयारा॥ अनेकदेहरांतीनाती॥ ज्यापरमनकीकां
 रोपाति॥ आनूसिघरदेपिस्याथान॥ जामूमाराकराअस
 नान॥ गोदावरीअरसेतबंधजांवां॥ अछसटितीरथमगल
 हांवां॥ १६॥ मेहेअतरीअसंगिनिक्कसासोई॥ दोयमेफ
 लएकतोहोई॥ योजीवकलप्योअतराकाज॥ पैकडुंगाम
 आवसीछाजै॥ जदिवाइनठिवोलीअसै॥ दवध्यामाहिप
 हाथकैसै॥ तीरथकोफलकैकरिपावै॥ थांकोजीव
 तोपीववसावै॥ थांतोवातकहैयाबाई॥ पीवबिनाना
 रिक्योकरिसुषपाई॥ देवगनाराजाकीकन्या॥ रावरंक
 पसूपपीसैन्या॥ हसंसूखनलोजकैसै॥ मांनअरवता
 तावैतसै॥ अगलीघोयपाछिलीपास्यो॥ अबदेषाथा
 पणिरहजास्यो॥ २००२॥ मांकेयोतोसुषपादिनहीछै॥
 इतीवातथांकाईकहीछै॥ मांकेयोसुषपादिनकोई॥ थां
 कीवातइबरजहोई॥ मांकेयोपणजीवमोजासी॥ थाम
 नमैकरिजाएयोहोसी॥ इतीकहैऐतीनिजेनहीकोई॥ गुज
 रीवालोजेवनहोई॥ इतीजववोलीअसै॥ जहकाघरमे
 कन्याजमै॥ चिनांवाहीबरसवाराआगै॥ जीकापितानै
 दुषणलागै॥ योरावरंकजांणसबकोई॥ थांसंअचिरज

सवारण जुडेन जात कावटा ॥ तो

दे प्रिकरे लपेटो ॥ १००५ ॥ चौपड ॥ देवल देव कह्यो जा सौ
था तो वात न समजो काम ॥ ऐक पडित या वात कहाई म
हाका पिता सौ ग्यादि छाई ॥ थावा इन कही न दीज्यो ॥ बर
सती मपछे व्याह करीज्यो ॥ यो पणि सोच करछे ज्यो ही ॥ म
र पणि चाहैछे कोई ॥ बह काय गयो छे वा ब्रह्मण कोई ॥
यो तो वात कही नही होई ॥ धनि या माता पिता को ही यो ॥
सोही पावत का देखो की यो ॥ १००६ ॥ ज्यो मून ठिबोली बाई
इसी वात या को ई चलाई ॥ बरसती मन परि हो जासी
जो तो जब लगारा मजि वासी ॥ जदि चाहनां बर की कर
म्यां ॥ म्हात्र पदेष्यो बर कर म्यां ॥ जब लग को ठन चित
चलावां ॥ गछ है छे डि को ठन जांवां ॥ इतरो पण ही छह
जो पिता करे तो मरणो माडै ॥ बरसती मन पर को हो सी
या ही वात कही छे जो सी ॥ १००७ ॥ चौपड ॥ जब लग तुम वू
छी हो जासी ॥ जदि परणां को ई सुष पासी ॥ बरसती मली
जो ब न त्रीया ॥ पाछे को ई करे पीया ॥ धनि छे बाई या को
ही यो ॥ बो होत कठोर पथर मो की यो ॥ अवर स मोर मही
न पाछे ॥ ऐदि न यां का मा बा का छे ॥ छत्री कुल नर नारी
आवै ॥ वरी त जे अर नली मुणवै ॥ अर जो मन मंध कर
स्यो मोई ॥ म्हा र पीच का पट तर होई ॥ या का पिता सो दुगन
देखो ॥ क न वज को राजा पेयो ॥ जिहै कै बेरा राज कवार ॥
को ई देली यो अंतर ॥ बर सबी सकी न मरि छे मोई ॥ ल
छिमण राम कुवर ज होई ॥ चैसी स्मृति देखी नही कोई ॥
सारी प्रथी देखा मोई ॥ १००८ ॥ जो म्हा मूं हूक हावो ॥ तो सा
रा तीर थ अ बिर था न्हावो ॥ अदि र च्या हाव जो कर लो से

३॥ तोयोओसरनिजचूकोकोई॥ वाइकहैथावहका
 फिरो वारवारैवातनकरो॥ मससक्रमहहोयसमी
 ॥ सोतोदेजेबणरहोसोई॥ नजोणरामकरसीकोई॥
 योवांणिकदीयोबणई॥ हेतोथानदीयोजवावो॥
 फिरिफिरिकोईवातकहावो॥ २५॥ थांतोचुरोजिनमानूव॥
 ॥ हातोअतीतप्रदेसणीआई॥ दिनदसथांमृजेनार
 ॥ जीमंसबदऐतलाकहा॥ अरमहानहाकीपिरजा
 ॥ जीमंवातथांपणिवुझी॥ म्हांकाजीवकरणआई
 म्हांऐवातचलाई॥ थांजोवोकोइनोजवतावो॥ वो
 म्हांकीजोडीकोकीसाकोआयो॥ म्हांकोबडोजचंदवु
 यो॥ जीहैकीबेटीमोसिरल्ययो॥ जोथांकेजीधारज
 होई॥ तोमहाकोकहौकरोथासोई॥ चालोजबलगाती
 रथहंवां॥ थांनैप्रथीकोखेलचतावां॥ इंराजाकीकन्य
 कवारी॥ नलीकुहायअचकरस्योसुवारी॥ थांकीसा
 थिचलिसीमोइ॥ होयबिगडायलजीकेनहीकोई॥
 २२॥ दाहा॥ योपातिमाहिधेरोगआई॥ वोमोगैथारैताई
 जोथारापिताकामनमैनहीआवै॥ तुनगहनठपड्याव
 ॥ जबतकावईजोरकरसी॥ जीसौकहापुनसांथिन
 ठिचालो॥ इहठसेतीदीज्येढालो॥ वोतुरकछेहठपार
 काजै॥ ऐतानिसांणतोनुपरिबाजै॥ माहारीमनैपचरि
 छेअसीरामजोकरसीपूर्णहोसी॥ जीवतजेपणिअर
 एकरसी॥ २३॥ वोजीवतज्योकुणीपेजाई॥ जीवबराव
 रिअरनकाई॥ जीवकाजिऐ ॥ जीवक
 जिऐहीणतिनाये॥ जीवकाजियनिचन ॥ जीव
 काजितोनीचनवी ॥ दे ॥ जीव

रावरिओरनकांई॥२॥जीवतोछैकोयांनैपारो॥मू
तोतिणकरडारो॥छत्रीजीवहैपलमत्पागो॥बुरीबिच
कालोलागो॥म्हारपितनैथांकांईजांण॥कैमारैकै
थांसमरुतेकदेनकरै॥२॥थातोवातनमानैकै
कीवारपडछैआइजबबेदावेटीआडादीज्ये॥ना
सेतीकारिजकीज्ये॥योतुरकबडैहठआयो॥कैइर
वेटील्यायो॥बैराजापहलीईमूलडीया॥याछेवेटीत
पडीया॥बैराजावैसाहीजांणि॥वाकैपडंतरिमहा
म्हांकाबडांतयातिस्याहजीपकड्रा॥बांधिबांधि
जड्रा॥जीवतमेल्पाघरमुकलाया॥हातोछावांही
या॥जईजांणम्हांकैतांई॥इसातुरकांकीगिणतिच
॥३॥थातोगिणतिराओबाईवातोलागोथारैतांई
दिवसियोजोहरहोईजबतबतनैलेसीसोईजब
आघोजामी॥यागठसारोजबसुषयासी॥थांसंम्हास
रामझुवाजीकोसोचकरांहेजुवा॥गठवसीअरराज
वै॥म्हारोपितामृतैहीदेवा॥कहुमतजोपछलीकत
आवै॥धूरेधूमपछलीबहकावै॥जैकायरताईम
धै॥तोमूनदेवोअरेकरै॥तोहुअपघातकरिमसि
अठ॥बोजिनजांणैजीर्जनुठ॥म्हारोपिताकायरहोज
॥हुतोकायरहीधूमाय॥असीबातजोहुसणिपां
यजहरजबहीमरिजांनु॥असांणकरैआवैजेजोइ
छिहथीथारमारिमरुसोई॥असीबातजांणैजीधर
देपिबातदेवलदेकरी॥असीबातकौच्यीतोबाई
जावैओरधरिपणिजाई॥एतोवातसमृतीछे॥अस
धिथांकांईकहीछे॥३॥थांतोरह्यापुत्रकीनांई॥

विचारकरोष्टोकांई॥ करोवृद्धिपांकोधरद्वै॥ नो गतिमा
 रेमुपलैह॥ पितावचमअरराजकुमावै॥ थापणिआपमहा
 मुषपावै॥ थादुषपायोतोकांई॥ यो न्यायलोमरलोनुवै
 ॥८६॥ कहुंनहामपूतीकिसडीकरो॥ कहोताजायपहली
 हीमरो॥ हाकावडागकुरस्याणंशकेशे॥ धणीहृत्बुधिक
 राशतिई॥ श्वरीहलडबोपुरमायो॥ ॥१॥ मरवोवटिछत्रीकै
 आयै॥ हाकोमायदिनकैदिनलडै॥ मरवामेतीकांईड
 रो॥ ॥२॥ वैऐकवातहाकैचितिआई॥ जोथावगेनमांनंवाइ
 अतोलो॥ मरैलोमारा॥ योकोथासंहोयनुवार॥ अरमह
 मादलोजडजपरहै॥ थाकोराजमदतिरनैरहै॥ थाकरो
 दयाअरलेहनलाई॥ तोअमरराजथाकोरहाई॥ १०८॥
 किहिविधिअमरराजारहै॥ सोपणिवानकहोसममई॥
 दतीकहैपितानघेंजावै॥ अरयावांमूवानकदवै॥ पित
 जीवजिनआपणैघोचै॥ अरराजसौक्यानवोवै॥ कुंजि
 णहीकाजनुरकावैनई॥ थांकीछासूंमारीगई॥ जबथां
 हपातिमाहपामिदिषामी॥ वामारीराडिजिदिदीमिटिजामी
 ॥ थांदिषिमाहिअतिमुषपामी॥ इणविधिनांवअचत्तरह
 मी॥ थांपणिजाताडरपोकांई॥ थांहपातिमाहचाहैवाइ
 ॥ थाकीमरतिअमडीबणीषै॥ थापटतरअोरनजनीष्यवै
 थांसंमयाअमीहीमांडै॥ ऐकघडीहीछीलीषाड॥ ५०॥ जव
 मुणिमुणिवानवाइजनकी॥ जिहैकैतनअग्निजालागी॥ थां
 नयावृद्धिकुंणीदीन्ही॥ हासूंमडीबातांकीन्ही॥ मांमांमा
 तपिताअरनाई॥ काकावावामोहठकराई॥ मारैमूछनै
 पडैकोई॥ थांकुंवातअमीहीविगोई॥ हातेजोणिअतीत
 नणीराथी॥ थांकीजीनयह॥

" तोकहुंम

तामाता॥ याच्योकीदेषोबाता॥ माहारोतुरकहेअंग
 निरावै॥ बडकुलअपग्रिथाजावै॥ महकैबाबिलि
 षोहैतेहोई॥ होएहारमेठहीकोई॥ पेगुएकाजिमुह
 डेलगाई॥ यातोइसडीवातचलाई॥ पहलांतोकुंगोरब
 तायो॥ पाछेसंगअपणैंगायो॥ इसीवातरायअवै॥ अ
 एमोनअोरबतावै॥ काचीसीतोनुठिकैजाती॥ मैतो
 करीबजरकीशती॥ ५९॥ मेकाहनडरस्योबाई॥ त्रहं
 कीबातांनुलटीजाई॥ कैलागस्यंग्रापणैयथा॥ जोगी
 हैकाईरजसुकथा॥ असाभागाछैयांकाकाई॥ पाति
 स्याहपरणयांकेथताई॥ कैमरिसीकैजासीनुंथि॥ या
 कैनलीवातवाइहीबैठै॥ ६०॥ याराडंडंकईजाणी॥ ज्यो
 बजैज्योवाहीचाणी॥ कचारीकन्यांकौयेबहकवै॥ मो
 सतवंतीअैबलगावै॥ पातिसाहपणैंग्रापणीदाय
 फिरिवोलीतोषीजेजीवै॥ इवक्लदेदेबीओतार॥ महा
 रहीचाहिनरतार॥ जसैघतवैसादरडरै॥ बाधोसंधज
 देहीषेडि॥ ज्योकालाकीपुडडीमरोडी॥ मानूसूरकेचो
 टजलागी॥ जैसैरुइमैपडीजअगी॥ अतिहीचीषजला
 गीवाई॥ जिनसषीसहलीअनंतबुलाई॥ ६१॥ चयकलीः
 ओरचंबेलीआई॥ राइचेलिनागलीधाई॥ कुंजकलीरु
 सौदादोडी॥ रामरषीराइलीलूडी॥ रामदासीहरदासीसा
 मां॥ कियनदासीसांचलीसांमां॥ बीरांदेहीरांदेदासी॥
 किसनकलीनाथीओरग्यामी॥ ६२॥ बीसतीसबाईकां
 ठकुई॥ ज्यासूबातकहीकरिजुई॥ यांदोन्यांहेमारोकाठी
 ॥ बोलिनसकैअरमूछंदोछाठी॥ सोरहीहोईइसीबिधि २१
 कीज्यो॥ केसमायाकलैचिरलीज्यो॥ हाथबांधिकैमारो

॥१॥ वाईरांमतिदेवोयही॥ फिरिचोमेधीकरिदेईकला
 शीपीअजरबअरमाचवलाय॥ जमधरणातीमाहिअ
 डाय॥ कहौसांचथाकुणीबीनाई॥ डरपीदूतीपरागसाय॥
 पातिस्याहजीनेजीथापै॥ जदीमुडमुडाईनाउजोकी
 नही॥ तुरतउतारि॥ छमैदीनही॥ ६॥ चोपड॥ जबदासहिवा
 इसमज्जेवे जिनकोठयावातचलावै॥ कुजाणकैथाही
 जाणौ॥ हांपाछैतोबाबडीजयमारी॥ बिनपुण्याकीगधनी
 री॥ अदसावधनरहस्योवाई॥ रावमुनतोअतिदुषपाई
 ॥७॥ देवलदेधीरजकीवाई॥ फिरिनकोठवातचलाई
 असीसीलवततेपूरीसुरी॥ जीहतकामकस्योचकचुरी
 ॥ जेतामैपरमनीष्टीताई॥ ज्योमंतईदेवलदेअधिकाई
 जीकैतनितूरकोकलागै॥ देवलदेननांसूखेयीवोत्या
 गै॥ ८॥ चोपड॥ जबपातिस्याहपैदूतीगई॥ हाथजोडिकै
 यानही॥ कहौहमतोईलाजबकुतेराकीया॥ नमना
 रीकावजरहीया॥ हमकोटिनुपावविचारउठाया॥ उ
 सकीयातरहीकनआया॥ च्यारिमासहमहठकीया
 नसनतनकबहुनीदीया॥ ९॥ अनेकवातजोकरि
 यांकीरसनां॥ तेदेवोमारीहजसन॥ हमधरावकरी
 अमुडमुडाई॥ औरवातकधूकहीनजाई॥ जबपा
 तिस्याहमुणिचुयकिरहा॥ फेरिक्चनगोहोटाही
 कहा॥ रोमकरिअरडुगजायलागा॥ कुइमारजवन
 लदानागा॥ १०॥ चोपड॥ इणविधिलडतावाराबर
 सनया॥ डिराकनातवैसवैगलिगया॥
 यचाकोटनहीरसाजे
 पछाडीनार

म

असीयेसानीसकलकौरे॥ घोंमघोंणीठछिनपरिपडे॥ ७७॥ यदि
 कीयेयोसाहिविचार॥ सकलनमरावलीयाबुलाया॥ कहमो
 हलणसौबात॥ राहाकोईअसीबतावो॥ तुमदेसीसबठोरअ
 बक्याबारलगावो॥ क्याकरूंवसपहुंचेनही॥ किमिवि
 धिगाछयोट्टिदै॥ मोल्हणकहसुणोसाहि॥ पाहाडकुल
 सबबाधे॥ सबनरीआईदेदोचसोसजमंधा॥ अंदरनरग
 चारदेघोकेसीमाजदेदै॥ मिपाईधडकिलेबीचघो
 रीसीबोटजलेदै॥ त्रोरचफकलिविकटै॥ एकदराज
 धृष्टिहै॥ तोहलंदरगतलजाईसीबिधिगाछयोट्टै
 ॥ ७८॥ चोप्रशंसकरमागिगंतीनई॥ चलीचलीबातन
 रनघेगई॥ नजीरमाहिसूंअरजकराई॥ मारीहकीगतिव
 वणाई॥ पातिमाहअसेफुरमाई॥ अहदिसारदेहपछा
 मजागांवावसीयावो॥ जाहोमेतीमिणमृतमगावे
 ॥ ७९॥ तवअहदोंकीलागीगारेज॥ चोगडदाहैचीछीने
 मकरदौल्योगावन्ही॥ कोसबीसल्योपावन्ही॥ एक
 बूदीकोगईसोजायबनकरदीया॥ जिनकागदम
 लीयाचछाई॥ अहदीडोदीयोचताय॥ ८०॥ जब
 करयाअरजकराई॥ गेट्टीटुकडात्योतुमघाईह
 डोदिलीसोअवै॥ सोवातुहमृतदिवाचै॥ ताहामूल
 आपनुघाई॥ लिषाजमासबदेयपुजाय॥ गांव
 कदिवाअवै॥ जबलगाहमहैछीलपडावै॥ ८१॥
 मदिलीकदिगया॥ तुमनअमीरावसकालीय
 जिगयाअरअजिहीअवै॥ मुचातुमारैकदम
 ॥ ८२॥ इसीमजायक्यातुमकीज्योहमदकोबहव
 ने॥ नमक्याकधूपायलगाईदिनकेदिन

हम असे करे ॥ लमे मुत प्रदुना नै ॥ और लाल च अ
काम ति की ज्यो ॥ चाह मा फक म बल म कर ली ज्यो
॥ ११०२ ॥ जदि अह द्या आप म मै कही ॥ यत्नी तमा मा दि
घोसही ॥ ऐनी कोई वली कहो ॥ या मू दिली आवे जावे
॥ एक को लह मारो मोरी जो इस से कछु काम न होरी ते
हुनौ मूत लय गो आही ॥ तकी सिर मा फि करो जं मिचा
वाय ॥ घोस वचा तक बुली हम ते ॥ संधा डामी रघ
दइ ह तुम न ॥ जव अह दी ल म कर मै अणे ॥ पहली
आप ए र मा बनाये ॥ अधो ए बो मुनिक लो जा मा
ही ॥ घतरी बात फि र जांणी ज्यो ही ॥ जव ले करवो मा
त स्या ह न भोग या ॥ हाथ जो डिके काज नया ॥ ११०३ ॥
एक अर ज मुलौ माहि हमारी ॥ कही ह की गति जब
ही मारी ॥ हम मूत के बुदी ग या ॥ एक वली या बंधन
दी या ॥ कही यम से मारा को म करवो ॥ और ऐति हे
को इस ति म तावो ॥ और इस बंधन का मुछा मुल न
नयावो ॥ अना मत हमारी हम ये आवे ॥ ११०४ ॥ जव या
त स्या ह हम करायो ॥ तुम करो जो बुही नली फुर मावो
पहली मर कार का म बनावो ॥ पाछे ल म कर मा फि
चनावो ॥ दोय तवारी जी परि राख्यो ॥ जी सं माहि अ
मी बिधि नाख्यो ॥ आजि से ती घट र वै दिन जानो ॥ न
पचा न दिन अस्त मां नो ॥ इरे त वू सब न डिघ डो ॥ अ
र आंधी आवे रोष गिर्य डो ॥ वह पचन जब अं नि करि
जावो ॥ जव कछु घाट मेह की आवे ॥ मच के डेर गिर्य
डो ॥ नन के डेर काय मरे ॥ ११०५ ॥ और चिराक किं
सब कोरी जलती चिराक नन के होरी ॥ तुम नन के

जे आपन जावो ॥ जब पछता कुरा ननु नू को पावो ॥ द
 ज्ये बुजर की बो हो न बनाय ॥ वै फते करे गो गछ को आ
 ई ॥ आरफने यो व्यो त बनायो ॥ पाति स्याह ८ नुठि डेर
 आयो ॥ अति आतुर पति पाहिकरायो ॥ कदि आस
 रव सदिन को आवै ॥ बीत्यो पाषवो ही दिन आयो ॥ नि
 मामा मिचो पदार बुलायो ॥ यो कहै हजार प्रयास लेक
 लिखायो ॥ इम जागो सब घरे रहावै ॥ इती करही अधी
 आई डिरागो सब दीये गहाई ॥ घंती पोत अरबुंद
 पराई ॥ तब मान पयादा संकहौ बुलाई ॥ सब लम
 करै मै फैलि जावै ॥ देष जलती चिराक कहाँ थो पा
 वौ ॥ जिम डेर की घचरि हम पावौ ॥ कमे दो डो बाग नै
 वौ ॥ चोग डहा हवार करावौ ॥ जलती घिग कै एक कै
 पाई ॥ १६ ॥ देपिययादानु लटागाया ॥ पाति स्याह सं
 आनिर कह्य ॥ मद घील चनी जाम धिखलीया ॥ जि
 न कै डेर देषा दीया ॥ वै बैठे कुरा नचा चत है दोन ॥
 आर न डेर चिराक न कोन ॥ जब साहि नुठि छे नये
 जिन डेरया लो गारे ॥ १७ ॥ दोन नुली साहिन पल बैठा
 या ॥ पाछे आ पछारां मकराया ॥ दैत वडाई पल पल ते
 ई ॥ दैषा डे थो डे होत है ते ई ॥ दोन ममै सोच कराई ॥ आ
 जि इस के दिल मै क्या आई ॥ हम जूस रि कै जाते जब
 ही ॥ नरिनि जरियो देषे कवही ॥ आ जि डेरया कुं करि
 आया ॥ हम वैया करी योजत न मुह बल एन पावै ॥
 मामा मदिन हम पै आवै ॥ १८ ॥ मकर
 मवनायो ॥ जदि पा
 हदी हज्ज बुलाया ॥ पा

च

वीसिक आदमी और साथिलीया॥ ते छिघो डै बुदी म
गया॥ नाव शिपाय मि पाही कहाया॥ परदेसी काना व
ध गया॥ २३॥ पातिसाह बुदी पदु चो सोई॥ जदी गइ
अगम आरफ न सोई॥ सोच लि कै घर स माह मूं आयो
पातिसाह का दर सण पाया॥ करि सलो म सब बतला
यो॥ हजरतिय हो कहा कुं आयो॥ मै तो कमी न गरी बइते
रा॥ तुम कि सी बस्त छो ड्रा डेरा॥ २४॥ जब पातिसाह
सैबत लाया॥ हम तुम्हारा दीदार की घात्री आया॥ इहो
हमारे जमीतिन कोई आगे॥ यह मुलक गली म की जा
गे॥ तुमारे दीदार केन फाहम पाये॥ चले डेर चाह बतल
यो॥ जब आरफ डेर ले गया॥ जाय विशेष न गुद डीपा
बहतो घर म निरगुण होई॥ सोच करै मन मै पिष्टता
ई॥ अति ही साहिको बितती कैरे॥ मेरे वडेर ना ठाक्य
तुम धरे॥ करि मतुहारि अमे बतलाये॥ कहे कांमति
सिंह जरति आगे॥ २५॥ जब पातिसाह जी इग बिधिक
ही॥ तुम सेवली इस जागे रहे॥ बाराबर सहम को इह ग
यो॥ तो नीचे ही दूग छहा थिन नये॥ ओर नीग छतिज
रि न आया॥ पाहाडु मै लड लोग पिपाया॥ और इलज
कोइ असाबता यो॥ यह गछहा छिहमारे आवो॥ ज
आ बरफ यो साहि सों कहे॥ बली दाय तुम ल मकर
रहे॥ ये गछले देव गे तुम को॥ असी गम आवे हेह म
को॥ जब साहिक कह कछु ना बवता यो हम को॥ तो
मता इस लाघ मै छि मगाउ॥ जब आरफ कहै मना
चन पाउ॥ उन की सम निरे कबत लो न॥ तेज क्य
पणे बगई॥ पातिसाह जब न छि बोले जयाही॥ अ

वतं ईतु मज्जा नही॥ माफकी ज्यौत कसी रहमारी
 अतिही माहि करै मनुहारी॥ जब दोनु मरद बोले अ
 षत ॥ हम है कै तम देहु चडाई॥ ३३॥ हम तो तो क
 रषी ना जाद तुहारा॥ तुम इतरी दूरि कदम को धरे
 जो इमुतल बहम सौ आया॥ चोपदार तुम को तय
 या॥ बार बार तुम देहु चडाई॥ हम लग काम पत्रा क
 आई॥ अच करी बात बोही तव तलासो॥ वा कहो को म
 हजरतियो॥ ३४॥ जब माहि असे फुरमाया॥ हम
 तो इस गछ के मुतल किय आया॥ तुम से नली इस ल
 म कर रहे॥ तुम अते बराबरि सकी मरा॥ तुम से मुर
 वी हमारा सिर पैरो॥ ऐह ही इकुं बैठा न परो॥ अब इल
 ज अमा होई कोई॥ इह गछ हाथि हमारे होई॥ ३५॥
 जब नाणि जाये ती मां मूक है॥ मछ की चाहि इत कुं
 रहै॥ कै गछ ही होगे कि हम ही होगे॥ दोनु मै स एक ह
 ल्यो गो॥ तुम यो मति जाण होय हे दोनु॥ जाणो बस
 एक ल्यो को न॥ माहि कह मुग गछ ही नावे॥ तुम म
 बचो अगछ नी आवे॥ ३६॥ जब हजरत कह अतो
 र जावे॥ सो बात करो सो ही फुरमावे॥ जब पातिसाह
 जी डेर आये॥ खुसी हुवन या मन नये॥ जब दोनु मरद
 त डकै ही जागीया॥ नहाइ धोय कै तम वी लागे॥ पछ
 त कुरा न नत मूर जन लक्ष्य॥ जिस को देखि दोनु मर
 द किल क्ष्य॥ उठि गछ नया अर कुरा न सिमटाई
 मेरातिकरी सब दीया नुटाई॥ पातिसाह को एक द
 ने ज्य॥ तुम करो चिदाग्र अच ते ज्य॥ पातिमा
 वसाया पिदायो॥ ते करि निवाजे

हुं

सुडीगनरमठीया॥११४५॥दोहा॥दोनमरदम
धमागिकै॥लगादरासैआयें॥११४६॥छंदनुजंगी
॥दोनमरदचछेजबडेदिलसौ॥दिलसोचधरेजुनरेव
लमै॥लीयानामग्रल्हाजूनतवधते॥चछेनूरजडू
रदिपमुषते॥अलैडेजायलडेजंगमै॥कीरवानमै
कछीजोमठीरंगमै॥इतजाजनवीरमडेरणमै॥नड
माकतमीरसवैतनमै॥सहनायनफीरीअनेकबजै
सहदानेसिंधूकरनालिगजै॥बहनालिंगोलाह
यनालिषटै॥मानूमेघकीधरअपारवुट॥सतुरना
तिवटुकनाडाकिनडै॥बहदेगिजंबूरधडाकिधडै
पडैतीरसरीसकौछेदकरै॥तरवारिफडाकिफडाकि
फडै॥पडैलोधिदडाकिदडाकिदडै॥बोलहाडक
डाकिकडाकिकडै॥पडैमीसदडाकिदडाकिदडै
॥लोहीघाहप्रतालवरसात्वचलै॥दोनदीनलडज
नडैबलमै॥वहसारअपारमुचेनहीकोइ॥धमाध
मिगाजिधमाकिधमो॥उलीआपणोंमीसनतारि
लीयो॥नरूरचकमारसुमारकीयो॥दोनपीरसुरिड
चछीजबघाटी॥रणथेनलीयोजदिमारिआटी॥
उलीआगोधसेजदराटुटीया॥हीडुयाछेनयेजदर
शुटीया॥दोनमरदचछेरणनपरकै॥राचलोगधमे
गछनपरिकै॥रणनपरिमरदफिरबहमे॥गछमां
हिलीनारिसबदरमे॥ठणनडुगरिगिरमै॥दोन
लेदिगायेजमहीदूनये॥जाहाजायकैसाहिनडै
नीयो॥गाहोपाहद्वैवेटीयाजबही॥नईमारव

रथनया॥ लडीयाय ॥ जीदिनलोप्योपुन
बंधी॥ नइवराभैमारा॥ ५७॥ चोपई॥ जवदोनमरदले
दिकैया॥ पातिम्याहगछदो ल्योनया॥ जिहदिन
किवाडलगायागछका॥ माहीसंमरदीईचछिकै
यापरियेडंगारसोई॥ देनअफमारबराबहोई॥
तीरगोलीपडुचैन्हीकोई॥ जहानाभ्यासेतीलडा
होई॥ तेननकारगरकोइजया॥ पातिम्याहडंगास्व
छिगया॥ बछेजायधराकैसांमं॥ जुडैदरबारवाकै
जांमं॥ मारोलेपाजयांमंदीस॥ दैषिदरबारमाहिदां
तपीसै॥ जहांअघाडोरोमतिहोई॥ पातिसाहिपणि
वैषैसोई॥ ११५२॥ कंबित॥ वएषैछैहचोगान॥ मडा
दरबारतिरंतर॥ जहांघायघायपरजपूत॥ आफआप
नहीजअंतर॥ मानपेकजफूल॥ कीध्योंअहीफूलफु
ल्यो॥ जहांवैठैसखतसर॥ नोनविधिवस्यपुन॥ म
नतरासनजगामो॥ अकसरवीडदराजीयो॥ जिम
डोदियैसंतरिभसी॥ सुवियोचंदविराजीयो॥ ११५३॥
दंदनुजंगी॥ योसाहिपहाडमवआयनीया॥ जदखु
रजिवणायंतियरकीया॥ जिननुपरिमैरंचाना
किप्री॥ दिनरैनिनइअरमरकुपी॥ छंदैमवअर
डाटहोयअसो॥ मानजादवामोमधरडाटैजसो न
डकैजिमदांमनीगालाचले॥ नडकैअतिमारयहा
डहले॥ रणथंनकीजरुजोजायलगा॥ कोननुपरिहो
यजपडजअगो॥ वहवांगबंदकअमा
गठपरिमडुचैनजायकदी॥ जव
घाई॥ गजेजुषहाडअरडाटहाई॥

नालिचहै॥ जूहूलेमतिवालाअपारकहै॥ सरकै
मिलापाथरलाघांपडै॥ जिनहोयधमाककीरादि
महै॥ अरतीरजंबुकअपारचलै॥ कोईआईसकन
हीगछतलै॥ घमाघमहुवैधमकारमचै॥ जसेनारथ
रो॥ वणरोमरचै॥ होयगाजसुणैनहीकोईबतीयां॥
पडैबायरसाबकिफटैछतीया॥ रजपेहनडैरनुडै
जेधुवो॥ दबिगयोजसूरअंधारहुचै॥ दोनुअफसै
आगिहीआगिरुडै॥ मानूप्रसरांमांगोचलडै॥ कि
धौकिसतचाणासुरडमंड्रै॥ वहनालिगोलीमेघ
धमरुड्रै॥ मानूकैरबोपांडवांषेतारुड्रै॥ हाथजोडि
पातिसाहिअसी॥ बणीवकिआबिनादेवीतिसी॥ अ
ठैजांमदिनरहसी॥ तोनुनकारगरहोईकीसी॥ ७२
॥ दोहो॥ अमेलो॥ गोलामारफूकै॥ पथरमारदस
बीस॥ लोगअजायांहोय
७३॥ कहानलागसुस्ती॥ जडपाहनतडतीरको
टिकराइबिकटकुल॥ पाथरपरवततीर॥ ७४॥ द
चित॥ फिरचोलपतिसाहि॥ लोगमतिकरोअजा
यां॥ तीरोकरहोदूरी॥ निजरिबंहराषीदवायां॥ दूधो
निकसितहीजाई॥ घेरिकरोचोगडदाडैरो॥ जोक
ऊँचावहाथि॥ करुंजोमनमैमेरो॥ नाल्यौराडिकर
बोकरो॥ मरोमतिगछतलैजाय॥ योघुस्योरहक
चलाकिले॥ फिरमरहुंवरसौलगछाय॥ कीब
तसुणैप्राकमहमीरा॥ सकलाछचोकसजलै॥
जीतामरीचाकोदरैतिदिनआपसंनलै॥ अछैनो
मरहोकडाचूर॥ कदेनहीकमरिषुलाचौ॥ सोबोई

करणीजवआईवीरसंतावे॥ज्यांकेनौदेरमीमतिक
रो॥तेहरभिहरषिप्रमवुलीहिदेघोदेरांरांकात॥
प्रवतसकलफुलीहो॥११७८॥कवित॥कोईझुवोली
पोपहाड॥कहोपाठक्योकरिलेशी॥ईकैकोठनहील
गावाजीतोअदृष्टपरमहमी॥घोटीड्रादलपडो
आया॥मोनाहारोगलेमी॥योपुराणंमदुरग
मम्याचलमदे॥इकैकोईआरनगाठतुलहे॥नीर
शीकैमाहहमीरसोतटी॥सताईमलाघदल
लिहैमी॥रावचैठोदरवारासावतआयाजवही
जहा॥जहैअनंतहोयअर॥कीयाअघाडापातु
रो॥११७९॥धाम्करतसिंगार॥बामहावनीरनी॥
आघोडसमाजिमंगार॥जडेनाकंचनताईतस
पवंतरतीरा॥चीरनांनोविधिपहरो॥तनपरमल
बहुलाय॥हारफूलनकेगदरो॥बनिठनिआयग
जेनमे॥अरलोअपीरागनंचारी॥कोयलकंयमंम
धुरधुति॥सबमघीगावतलाग॥नांचेनाचैमानज
आवे॥पातिसाहिदिमियावजुचोवे॥देघमाहिप
छिनाकप्रतिही॥देघोईमंडीकीगतिही॥हैकोईअ
मानुवांनहमारे॥ईमंडीकैकहबरमार॥योवात
कैलसबलमकसाई॥उडणमीलोप्राप्तमई॥
चोपई॥सावदीवानबंदिमरहै॥गलैताषया
बेरीहै॥तेमुलीवाकअमैकरवाँल्यो॥मैमाम्जामु
रहैमेलो॥याकोयाकहीमाहिमंजाय॥जवमाहि
जीमफुरमाया॥जिपुमीहोयसाहिजीमूलीयाबुला
या॥जायनडणमीसीसनवाया॥

मेरा तो वो होत गुण मानू गा तेरा ॥ जब धारें डी पावन
 चावे ॥ नमही पाग मै तीर लग आवै ॥ जो अमा अच धृतु
 न पै आवै ॥ कहं चडा मागै सो पावे ॥ तो अब ही को न
 राह कांम ॥ जद सेम हने आवै जो म ॥ फिरि नुइ एसी
 अरज कराई ॥ मै पतर ह चरम तां मन ही घाई ॥ राति
 दिवसियो ज कड्यो रहै ॥ नृष्य पास म मगली स
 हो ॥ मुझ मै कुच तिकहा सें होय ॥ यौ म फुसि पां न
 गा सोई ॥ ॥ ॥ ते तुरत बंदि सूदीया छूडाई ॥ पाति
 साहिब से फुरमाई ॥ वो मागै सो ची जयु चावे ॥ इ
 सकी दस्त पुब करावै ॥ जाव तो करत मही नृगये ॥
 बधि फुसते ता जा जयो ॥ वाकै तो वो ही रह चाले ॥
 जब पाति साहत फेरि सतालै ॥ बुलाय कहौ ईस
 घेरें डी को ॥ तेरा मुजर मानू मारि रें डी को ॥ नुइ ए
 सी कहै क बांण जो ल्यावै ॥ मेरा चल की छुछिम
 मगावै ॥ जब साहिक है अब लावो पास ॥ देखो
 जिस का अजित मासा ॥ बड़ी बड़ी जिन छुछि मा
 शी दम बारा जिन अतिरघाई ॥ नले दिधि नुछाय
 कै ली नही ॥ सो कसी सनुइ एसी बी नही ॥ ये चत प्र
 माण वटि सो गरी ॥ जब साहिक है प्रोख्यो को सुई
 दजी पण्डि टिगाईवान ॥ जब नीजि नयाय दाय के
 देखै ॥ सो नी पण्डि टिगाई गरी ॥ दम बारा सब ते
 दि कै नां श्री ॥ ॥ २०३ ॥ जब ही साहिब से हो गया ॥
 क्या वितेरा फे मां मो को नया ॥ ईसी बात क पास मी नृ
 अज एक एक चाहिजे मुझ ॥ मै तो पिला फनी करि क
 हौ ॥ जब साहिक है तेरा ॥ रुक जा ॥ नुइ एसी कह दि

जवसाहिनुडणसीलीयाबुलाईजायनुडण
 यो॥ मनमोहीनुस्ताजनवायो॥२१॥ कबिता
 मीरप्रषणौ॥ तरणनोचैरायअंगण॥ सीस
 वलदीन॥ आवटैषिणषिण॥ पगनेवरुणमु
 यगयपषउपगडकै॥ चळीयाचीडुवनर॥ व
 वांण॥ लगाजीकरश्चसामंतारं॥ नडणम
 लैण॥ सोद द्येदधीरीदहपडंग॥३१॥ ज
 तुरायानकीनांईअलंगनलैपडीजग्राई
 हसाहिदोडिकैजावो॥ इसहैरेलिअथ
 ॥ कहतप्रमाणनरदोडग्राकैईजीहपेम
 ३० मुवा॥ तगाछतैजगसाहिदाडुवा॥३२॥
 रीराजामुरमयो॥ सोजिहकाजीवमैसोचय
 बमहमासाहिवो लिनुग्रात्रैमै॥ तुमदल
 शेकैमै॥ रावकहैयोषेलमिठायो॥ दु
 वलीअसइग्राप्रा॥ जिहकोतीसअठाल
 जितकोईअोरकैचोटलगवै॥ वोळम
 रहमारा॥ उसवदीवाननाणजाडरा॥ वा
 म्पागडदहमार॥ मेनसधायामारिधपेडा
 होयसाहिकौमारो॥ उसकासिरसोपरह
 वकहउसहनीमारो॥ योविगडिजायत
 मारो॥३७॥ अलूषानफिरिवातकहवै॥ व
 जारअपालकहवै॥ डुकमहोयइसकैद
 नदोनपुमैमारोकोई॥ पानछिजायगादुच
 इसीहीकीजेजोउठिकैजाई॥ अतोअपज

मिरमपरहाडारो॥ अरकहयेवोहीतनजीकी॥ अ
 वथापाईमहाराजीवकी॥ अत्रमास्योतोवोहीमास्यो
 अरधासूकोवैरुतारो॥ वैरमधैअरखेलरहेनारो
 इमवैरजिनउसहेमारो॥ ४२॥ उरकोऐकइनचिधि
 लिषयो॥ योधासूकोवैरकटीयो॥ यात्रावचोटअ
 त्रकैताई॥ योजणिजाणोंकरीवाडी॥ त्रीयाकोवैरु
 हीमास्यो॥ अबकैशारेजीवबचायो॥ इनचिधिलि
 पिक्केतीरकैचाधो॥ करिचोटडाख्योमाधी॥ ४३॥
 ॥ किबत ॥ अत्रधरतिहीनई॥ सारबज्योमीरनुपौ
 करगहीरहीवडंडा॥ जातिकैगोरषधानधे॥ रावरण
 नडहैडंग॥ अवरसुरतानयुनीगै॥ आयोतीरकैच्ये
 लिष्योमहमामोइदीयो॥ तोमनवधरोसधासमारो
 सोनहीहमीरनोजनकीयो॥ ताकारिणअमपति
 रायण॥ सोईहतीरमहमांमुकीयो॥ तीरडंडाफोदि
 ब्रषजायअडै॥ अत्रनडददूरिजायियडै॥ सा
 रोदरबारअचिरजरहीयो॥ योअत्रदूरिक्योजाय
 पडीयो॥ जबनिजस्योतीरआयो॥ हायहायनई
 साहडरायो॥ नठिकैसाहिदूरोनयोजाय॥ तीरकू
 मोलीयोमगाय॥ ४४॥ ॥ कहीअजिकेरोजतोपर
 गुदारी॥ जबसाहिनैअरविचारी॥ नलठिअरण
 कडागिरिआयो॥ जहैपरपंचऐकनुठायो॥ कहैको
 ईनि॥ जइहाअसाकीजे॥ योषदकहैमोनरिके
 लीजे॥ चोगडदासबषवरिकराई॥ रुपयातोवै
 गारिउगाई॥ ४५॥ ॥ शतिहोयजवगारिनावादी
 सरालबैनहीपावै॥ बहमीफगोल्ह

जीगारिनरालेकोई॥ महारतोचरागा
तोषजानूं सोदीयोपुलाई॥ जिहकीट
वै॥ आरवलपुरीतेमहोरलेआवै॥ जव
पुलदीयोचंकाय॥ १२५॥ रावकहआ
मेती॥ पातिमाहितेकीन्हीऐती जोव
रोहोजाय॥ अरनुठासेतीवचिछिआवे
वधानहोनाइ॥ पुलपरिकिसडीकरे
तोजीवमैनाहीडरे॥ देघारांमअवका
रै॥ ० रावहैमपनूआये॥ पदमस्तदर
यो॥ ज्यानकहगौरावसैंअसै॥ थामोति
सांकोकैसै॥ पदमतलावकीमोरीछेड
पुलहैइएचिधिफोडै॥ एकवुछतेलीन
वै॥ छेमोरीवादेसीबताय॥ दोह
मदनोसेनदी॥ एतीमोमैसीर पुलपेल
की॥ फिकरनकरोहमीर॥ ५॥ कवित
साअरसूरुगायो॥ सेरावदरवारिजव
तेमनसोचैकहतः सरचामै॥ जिनकोई
सीकरावै॥ कहोलातातिणावीणछेरा
वमैइतीकांईसकलाई॥ काठोकरिमन
ई॥ एकचातकहेंजोमानूंकोई॥ ६॥ बोल
वकहोमहाराज॥ इकमकरोसोहीकर
सपनांकीबातकहैवताई॥ सकलसन
सुनाई॥ सपनूसोचोकिमोहोजाई॥ म्पाए
सोचीकरिमोती॥ तेनुठिचोल्याइसडीबां

जदिवुजेतेलीको किधनायो॥ज
 धी॥ गंमवतायो॥ जज्यायगां घनारदधी॥ निकसी
 मोरीसवहीपधी॥ जहैकैमूछेतवोजग्राडो॥ चाली
 समणलोहकोजाडो॥ १२६॥ बकरोबाकुलादा
 रुमगाडी॥ न्मोकोबलदेधारचणडी॥ केसांमिलिक
 रितबोधिकायो॥ जहगसेतीनीरचलायो॥ गहरोप
 लीउमप्योअसे॥ धेडेसिलानाकीनादजेमो॥ फटो
 पुल्लमबदीयोबुहाय॥ धकैपडोमोदीयोधकाय
 ॥ ६६॥ दांतआगुलीसाहिंदरहो॥ अरमुपतेवोल्या
 असाकह्यो॥ गछमैअमीनदीकहामूंआडी॥ जिन
 वंध्यापुल्लमबदीयाबुहाय॥ जमिगछनेपरिअसा
 पाणी॥ तोमैनीकरोंगाआपणोंजाणी॥ मैअमाबंध
 करोंगामोडी॥ जिमकारगरओरहीकोडी॥ ६७॥ दरघ
 तहाडोकाटिमंगाया॥ वीचिवीचिदेपथरचुलाय
 ॥ जिममैअमीमंधिरखावो॥ पाणीचीचिपडावहा
 यो॥ पहलीपथरमादिठायो॥ माथेधरिकरिजा
 यहुलायो॥ अदमीजिततोछपडा॥ मताइमला
 पडकमतचैपड्या॥ १२७॥ पथरकीफिरिपालिव
 धाडी॥ जदैकीषवरिगवनपाडी॥ जदिलोगमेतीअ
 सेकहेजाधि॥ पहलीतोरजपदमलैरधी॥ अवन
 ठामूंधमैजमोडी॥ अठामूंथाधमैमोडी॥ पुल्लपरिक
 सामंडिकेरिजावो॥ मरितवाप्यापरहोधिकावो
 एकनाटकहैदेपुहुजाडी॥ जोवणिजाइतोमनद
 करंगन॥ १२८॥ रावकहैप्याकोडीजावो॥ कांडकह्य
 रिमनदकरावै॥ गजाडी॥ मोनीमहा

न कह सुणावै॥ पछे किवत अरचौ पल गान॥ अठ
 प्रती पर हो न गाने॥ एक टकर करौ लौ अमी॥ जो नैं ते
 मन जाइ हयै मी॥ १२७५॥ दोहा॥ जाय जाइ उजोर
 हो॥ बुर जियै कह्यो पचारि॥ तुम अलख दीष्ट
 पति॥ कांई छोड़ गारि॥ १२७५॥ किवत॥ जी सिर क
 न कम गिर है॥ मोड मंणि क कामंड्यो॥ जी सिर बा
 म कुसम निवास॥ छिन ऐक नही छंड्यो॥ जे सिर सिर
 हन ही नय्यो॥ तम सिर छत्र बड्यो॥ जे सिर पंच नूपा
 लण॥ मां हो॥ उदवो तो दीयो॥ तोह मीर राव गाछे क
 पण॥ दहन रां मजी दिव गिर॥ पाहण बहते गठ वकरी
 सुमडी चांदि मुल तांन मिरि॥ १२७६॥ दोहा॥ धिमन
 टको सब दसुणि॥ बोल्यो साहिद कालि॥ कहोर
 बसौ जाय कै॥ हम न छिंजै कालि॥ १२७६॥ दुक
 महोय सोही कह्यो॥ जो मां न छेरावै॥ तुम पातिसाहि
 सब मुल कके॥ न सताइ कथा जाव॥ १२७७॥ किवत
 ॥ सुन्यो पातिसाहि नयो दल गीरज दिल मे॥ कष्टु
 यम क मंदे जा॥ अरवि रिजान पल मे॥ बोहोत नही
 यह ल्याव॥ एक घोडो एक चाक॥ देखि आलम क
 रुप॥ क्या घुसिर राज का वक मे॥ बिना लीयो जो
 नही॥ मुक्त अलख दी नावै॥ तेरा बक स्या गुनाह सब
 ॥ तुह एग छदीया विश्राम॥ १२७८॥ दोहा॥ नाटक
 हजाय राव सौ॥ एक घोडो राव दिवाय॥ यो नाक न
 व एला घां गिरा॥ ज्यो ले कै पर हो जाई १२७८॥ कि
 वत॥ मेख लै धूर लै॥ सप्त माय रजल मूके॥ राम चंद्र
 दलि जाई॥ टके राव ए जो भुके॥ नीम चुचै नारथ॥ गगजल

किमिदुके॥ सदसचिक्रमजोतजाय॥ नोजविद्याऽम
 के॥ बलिरायवाचापरिहरै॥ अरसतशडदमीरहठ॥
 अणीआकासहोयएकठे॥ तोवनतजदमीरहठ॥
 २८॥ जोयई॥ रावकौनाटफरिसमजावै॥ रावैकैदा
 यकबनहीआवै॥ ऐतीअडनदीकीजिराजा॥ थाही
 कीविगडेलोकाजा॥ कांईबुनादिघोडाकीआई॥
 नाटचारणहैदेहुदिवाइ॥ ईनदीजेफिसादमित
 बोफेरिदसहरअमलकरावै॥ २९॥ किछन॥ रावकद
 मुणिनाट॥ तूजाणअजाणकौहोई॥ अतरादिनको
 भाया॥ कांईतअविरथाघोया॥ मैकाछामुपकचन॥ ज
 हकीपछिहानदीटाल॥ होणीहोयसोहोय॥ अवका
 अलमकालं॥ मैजीवकलप्योआयको॥ जीकेवाटे
 सोआवै॥ थैकचीवातजिनकरै॥ फेरिअसोसोसर
 पानकवै॥ ३०॥ जुबाबलेयकेजायनाटवुरजिमैवो
 ल्ये॥ मुणिअलावदीनसाहि॥ रावमैबहातटवा
 ॥ कहैधरिचस्तनहीइसी॥ सोपातिसाहिकौदेउ॥ माह
 तोकरावांकीआसा॥ मागिकछूसहियेलेउ॥ जोवस्त
 होयघरप्यारकी॥ जीकेसुरतोनीजीये॥ जीवनपर
 निकोनही॥ सोजवजाणैतवलीजीये॥ ३१॥ सणिक
 रिनाटकी॥ नोहिनमाहिबिचार॥ जीकीहम
 कचिहि॥ मुलकजोआयासारी॥ अगाजोगड
 गोषि॥ मुलकहमअरसनाल॥ मकुयदहुआअरि
 म॥ कामविनादिनकोगाले॥ इसगणमाहिरहचो
 रो॥ अदरघुम्पाकपायागा॥ परकाटिकुदिकपि
 डया॥ किसविधिलडऐजाइगा॥ ३२॥ मवतना
 रकोहिरदेधसो॥ पातिसाहिजवअहोदोफिल्यो॥

मूरवालपरैदुगरी॥ जहैनेउरोदीयोजाई॥ राजाकह
 कष्टयादिहोनियो॥ लोगकहतुरकतेगयो॥ रावक
 हऐजावादीज्ये॥ आपणोदेसमोसिकेलीज्ये॥
 रावकाप्रधानश्याहदगोबिचारी॥ गदछमप्र
 धानगगवालबांलो॥ जीमिलिमतेअरहीठाणो
 ॥ जोकोईसमयहीबैरनलीयो॥ तोधकपडोआप
 णोकोजीयो॥ अवइसडोपरपंचजकीज्येकोइ॥ पा
 तिसाहिफिरिआवसोइ॥ ऐकसादिकौजायमिली
 या॥ दुजअमारमेचामविशया॥ पातिसाहियव
 तलाया॥ कहबेवलीयांकौकरिआया॥ हजरति
 पडुरावपठाय॥ रावनुतरितलहठीआया॥ अर
 असेरावकहीहैसोईअरेणगाछनुमकौममारघह
 इ॥ जोहजरतियहालाअहोयअवे॥ दिनादोइअ
 रोहैरिकरावे॥ १३३॥ सुकियातिसाहअमेक
 ह॥ हमतोबहातेरावरसैरह॥ अवदिनदसपाच
 ओरोनीचले॥ हमनीचाहनसकेमिले॥ जियदि
 नहमगाछनुप्रजानु॥ तोसारेनुपरितोहिरघानु॥
 हमकोचलतफेरिक्यालागे॥ हमनीचाहतदेष
 वाजागे॥ १३४॥ पुछैसाहिहमक्यालागेतेरा॥ इस
 वातकादेहुनिबेरा॥ वाअतरदिगमिमिल्याकौ
 नोही॥ अवक्यावैठानसदिलमाही॥ रोपलकह
 वाअनमिलवै॥ लडतमिलैतोहारिकहावै॥ अव
 हजरतिवडिचालादिली॥ जवदेकझीझूकीपली
 ॥ १३५॥ इसअरकरिहीइयेअवे॥ मरोडनष्टैमरि
 हीजावै॥ जबलगआपलडशहासं॥ लवलगलड
 र्छमघासं॥ अवघाघरकौगवनकरायै॥ जवराव

